THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-30 अंक : 361 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र शु.10 2083 शनिवार, 28 मार्च-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ※ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

सोनिया गांधी के स्वास्थ्य में सुधार : एक-दो दिन में अस्पताल से मिल सकती है छुट्टी

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)। वरिष्ठ कांग्रेस नेता सोनिया गांधी के स्वास्थ्य में लगातार सुधार हो रहा है। उनके डॉक्टरों ने शुक्रवार को बताया कि उन्हें एक-दो दिन में अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी। 79 वर्षीय नेता को 25 मार्च रात करीब 10:22 बजे बुखार आने के बाद सर गंगा राम अस्पताल में भर्ती कराया गया था। अस्पताल के अध्यक्ष अजय स्वरूप के अनुसार, सोनिया गांधी अब काफी बेहतर हैं और सहज महसूस कर रही हैं। वे चल-फिर रही हैं और उन्होंने नाश्ता भी किया है। उनकी प्रगति सुचारू है और जल्द ही उन्हें छुट्टी मिलने की उम्मीद है।

मोदी की ईरान जंग पर मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक

मिलकर काम करें और तैयारियां मजबूत रखें : पीएम

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पश्चिम एशिया के हालात को लेकर राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की। उन्होंने कहा कि सभी राज्य टीम इंडिया की तरह मिलकर काम करें और अपनी तैयारियां मजबूत रखें।

वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हुई इस बैठक में प्रधानमंत्री ने राज्यों की तैयारियों और योजनाओं की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता आर्थिक-व्यापारिक स्थिरता बनाए रखना, ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करना और नागरिकों के हितों की रक्षा करना है।

देश में लॉकडाउन नहीं लगेगा : सरकार

पीएम ने राज्यों से सप्लाई चेन को सुचारू रखने और जमाखोरी व कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा। साथ ही कृषि क्षेत्र में पहले से योजना बनाने, खासकर खाद के स्टॉक और वितरण पर नजर रखने पर जोर दिया। इससे पहले सरकार ने कहा कि देश में लॉकडाउन नहीं लगेगा। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू समेत तीन मंत्रियों ने लॉकडाउन की खबरों को गलत बताया है।

मुख्यमंत्रियों ने तेल पर एक्साइज ड्यूटी घटाने का स्वागत किया :

मुख्यमंत्रियों ने केंद्र सरकार के कदमों की सराहना की। उन्होंने तेल पर एक्साइज ड्यूटी घटाने और एलपीजी आवंटन बढ़ाने के फैसले का स्वागत किया। साथ ही कहा कि उनके राज्यों में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की पर्याप्त उपलब्धता है और स्थिति नियंत्रण में है। यह पहली बार है जब इस मुद्दे पर प्रधानमंत्री ने मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक की। इसमें रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह भी मौजूद थे। चुनाव आचार संहिता लागू होने की वजह से चुनाव वाले राज्यों के मुख्यमंत्री इस बैठक में शामिल नहीं हुए। बैठक में आंध्र प्रदेश, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, पंजाब, गुजरात, जम्मू-कश्मीर, हिमाचल प्रदेश और अरुणाचल प्रदेश समेत कई राज्यों के मुख्यमंत्री शामिल हुए।

लॉकडाउन पर राहुल-खड़गे का बयान :

राहुल गांधी : मोदी जी ने कह दिया कि कोविड जैसा समय आने वाला है। कोविड में जो किया था वो भूल गए कि कितने लोग मरे थे। कैसी दुखद स्थिति हुई थी।

मल्लिकार्जुन खड़गे : कोविड के दौरान हुई दुखद पीड़ा को नहीं भूला जा सकता। ऐसे में पीएम क्या 140 करोड़ भारतीयों को एक बार फिर खुद ही ऊर्जा संकट के साथ-साथ भोजन, उर्वरक और महंगाई के बढ़ते दबाव जैसे संकट का सामना करने के लिए कह रहे हैं।

मिडिल ईस्ट संकट पर सरकार का बड़ा फैसला

राजनाथ सिंह की अगुवाई में बना इंटर-मिनिस्ट्रियल ग्रुप

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)। सरकार ने मिडिल ईस्ट संकट के बीच पैदा होने वाले मामलों पर नजर रखने के लिए कमिटी का गठन किया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अगुवाई में ये इंटर-मिनिस्ट्रियल ग्रुप बनाया गया है। ये कमिटी मिडिल ईस्ट में जारी जंग जैसे हालात से देश पर पड़ने वाले असर पर नजर रखेगी। इस कमिटी की अध्यक्षता रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह करेंगे। गृह मंत्री अमित शाह, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी के साथ दूसरे मंत्री भी सदस्य हैं।

सरकार से जुड़े सूत्रों ने बताया कि जिस तरह से ईरान के साथ इजरायल और अमेरिका का युद्ध चल रहा है। उससे कई देशों में ऊर्जा संकट गहराने लगा है। भारत में भी एनर्जी क्राइसिस गंभीर न हो जाए। इसे लेकर कोई पैनिक नहीं फैले, ऐसे मामलों पर खास निगरानी के लिए इंटर मिनिस्ट्रियल ग्रुप एक्टिव रहेगी। इस कमिटी में राजनाथ सिंह को अहम जिम्मेदारी सौंपी गई है। इस ग्रुप में अमित शाह भी शामिल हैं। सूत्रों के अनुसार, मध्य पूर्व संघर्ष से संबंधित चिंताओं को दूर करने के लिए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के नेतृत्व में एक अंतर-मंत्रालयी समूह का गठन किया गया है। सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी कम कर दिया है। डीजल निर्यात पर लगने वाले अप्रत्याशित लाभ कर और विमानन टरबाइन ईंधन पर लगने वाले करों में भी संशोधन किया गया है।

भारत की सैन्य ताकत में होगा इजाफा
2.38 लाख करोड़ के रक्षा सौदों पर मुहर

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)। रक्षा अधिग्रहण परिषद (डीएसी) ने शुक्रवार को विभिन्न प्रस्तावों को मंजूरी दी है, जिसके तहत लगभग 2.38 लाख करोड़ रुपये की लागत के सैन्य हार्डवेयर खरीदे जाएंगे। भारतीय सेना के लिए एयर डिफेंस ट्रैक्ड सिस्टम, आर्मर्ड पियर्सिंग टैंक एम्यूनिशन, उच्च क्षमता के रेडियो रिले, धनुष गन सिस्टम और रनवे इंडिपेंडेंट एरियल सर्विलांस सिस्टम की खरीद की मंजूरी दी गई है। एयर डिफेंस ट्रैक्ड सिस्टम रियल-टाइम में वायु रक्षा नियंत्रण और रिपोर्टिंग क्षमता प्रदान करेगा। जबकि, उच्च क्षमता वाला रेडियो रिले भरोसेमंद और त्रुटि-रहित संचार सुनिश्चित करेगा।

'धनुष गन सिस्टम' से तोपखाने की क्षमता बढ़ेगी और सभी क्षेत्रों में लंबी दूरी के लक्ष्यों को अधिक प्रभावी और सटीक ढंग से निशाना बनाया जा सकेगा। 'रनवे इंडिपेंडेंट एरियल सर्विलांस सिस्टम' सैन्य इकाइयों को निगरानी की क्षमता देगा और 'आर्मर्ड पियर्सिंग टैंक एम्यूनिशन' टैंक रोधी हथियारों की क्षमता को बढ़ाएगा। भारतीय वायु सेना के लिए मध्यम परिवहन विमान, लंबी दूरी की सतह-से-वायु मिसाइल प्रणाली एस-400, दूर से नियंत्रित हमलावर विमान और सुखोई-30 एयरो इंजन के कलपुर्जों की मरम्मत और ओवरहाल के प्रस्ताव मंजूर किए गए हैं।

ईरान में जंग के लिए 10 लाख सैनिक तैयार

> अमेरिका से जमीनी लड़ाई की तैयारी > सेना में युवाओं की भर्ती तेज हुई

तेल अवीव/तेहरान/वॉशिंगटन डीसी, 27 मार्च (एजेंसियां)। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच ईरान ने 10 लाख से ज्यादा ग्राउंड सैनिक जुटाने का दावा किया है। ईरानी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका जमीनी हमला कर सकता है।

इसके चलते युवाओं में सेना में भर्ती की होड़ बढ़ गई है। रिपोर्ट के मुताबिक, हाल के दिनों में बड़ी संख्या में युवा बसीज, रिवोल्यूशनरी गार्ड और सेना में शामिल होने के लिए आवेदन कर रहे हैं। वहीं, अमेरिका मिडिल ईस्ट में करीब 10,000 एक्स्ट्रा सैनिक भेजने पर विचार कर रहा है। वॉल स्ट्रीट जर्नल की रिपोर्ट के अनुसार, रक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस फोर्स में पैदल सेना और बख्तरबंद गाड़ियां शामिल हो सकती हैं। यह एक्स्ट्रा सैनिक मिडिल ईस्ट में पहले से मौजूद 5,000 मरीन और 2,000 पैराट्रूपर्स के साथ जोड़े जाएंगे। ये पैराट्रूपर्स 82वीं एयरबोर्न डिवीजन से हैं। अमेरिका के रक्षा विभाग से जुड़े अधिकारियों के हवाले से आई एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिका ने ईरान के साथ जारी युद्ध के चार हफ्तों में 850 से ज्यादा टॉमहॉक क्रूज मिसाइलों का इस्तेमाल किया है। रिपोर्ट के अनुसार, इतनी तेजी से इन सटीक मिसाइलों के इस्तेमाल ने पेंटागन के कुछ अधिकारियों को चिंता में डाल दिया है और अब इनके भंडार को बढ़ाने पर अंदरूनी चर्चा चल रही है।

ईरान युद्ध के चलते बढ़ी तेल कीमतों ने रूस की कमजोर पड़ रही अर्थव्यवस्था को राहत दी है। वॉशिंगटन स्थित थिंक टैंक सीएसआईएस के विशेषज्ञ बेन काहिल ने कहा, ईरान संघर्ष का सबसे बड़ा फायदा रूस को हो रहा है। उनके मुताबिक, रूस अब पहले सस्ते में बिकने वाले अपने कच्चे तेल को पूरी बाजार कीमत पर बेच पा रहा है। एक्सपर्ट्स के मुताबिक, सिर्फ तेल ही नहीं, बल्कि प्राकृतिक गैस और खाद (फर्टिलाइजर) की वैश्विक कमी भी रूस को फायदा पहुंचा सकती है। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद की बैठक में अमेरिका और इजराइल पर युद्ध थोपने का आरोप लगाया।

पेट्रोल-डीजल कीमतों की हर 15 दिन में समीक्षा

सरकार का ऐलान-कठिन समय से गुजर रहे हम

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)। पेट्रोल और डीजल की कीमतों की हर पखवाड़े समीक्षा की जाएगी। यह समीक्षा पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के प्रति एक सोची-समझी और बारीकी से निगरानी वाली प्रतिक्रिया का हिस्सा है। इसने ग्लोबल क्रूड (कच्चे तेल) की कीमतों में भारी उछाल ला दिया है। सेंट्रल बोर्ड ऑफ इनडायरेक्ट टैक्सेज एंड कस्टम्स (सीबीआईसी) के चेयरमैन विवेक चतुर्वेदी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। एक अंतर-मंत्रालयी ब्रीफिंग में चतुर्वेदी ने कहा कि मिडिल ईस्ट युद्ध के कारण अंतर्राष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतों में काफी बढ़ोतरी हुई है। सरकार की प्रतिक्रिया बहुत ही सोची-समझी रही है। विवेक चतुर्वेदी ने ग्लोबल शिपिंग मार्गों और सप्लाई चेन में आई बाधाओं की ओर इशारा किया। कहा, स्थिति गतिशील है। यह सामान्य कामकाज जैसा नहीं है कि आप पहले से कुछ अनुमान लगा सकें। हम कठिन समय से गुजर रहे हैं। सरकार कोई भी और फैसला लेने से पहले आयात और घरेलू खपत के रुझानों सहित हर पखवाड़े बदलती स्थिति का आकलन करेगी।

रामनवमी पर झूमी अयोध्या, साधु-संतों ने की पुष्पवर्षा

> गूंजे बधाई गीत, लाखों श्रद्धालुओं ने सरयू में लगाई डुबकी

राम मंदिर के सूर्य तिलक समारोह में वर्चुअली शामिल हुए प्रधानमंत्री मोदी, हाथ जोड़कर किया नमन

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)। श्रीराम नवमी के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भगवान राम की पूजा-अर्चना की। उन्होंने अयोध्या के राम मंदिर में सूर्य तिलक समारोह में वर्चुअल रूप से भाग लिया। शुक्रवार दोपहर 12 बजे भगवान सूर्य ने रामलला के ललाट पर तिलक किया। यह लगभग चार मिनट तक चला। विशेष बात यह रही कि तिलक ठीक उसी समय हुआ, जो समय भगवान राम के जन्म का क्षण माना जाता है।

इस बार रामनवमी पर रवि योग, सर्वार्थसिद्धि योग का विशेष संयोग भी बन रहा है। इससे इस आयोजन का धार्मिक महत्व और बढ़ गया। सूर्य तिलक के साथ ही रामलला का अभिषेक, श्रृंगार और अन्य धार्मिक कार्यक्रमों का लाइव प्रसारण भी किया गया। देश-विदेश के श्रद्धालु इस दिव्य क्षण के साक्षी बनें।

अयोध्या, 27 मार्च (एजेंसियां)। यूपी के अयोध्या में शुक्रवार को रामनवमी पर श्रद्धालुओं का तांता लगा रहा। सुबह 9 बजे तक करीब 10 श्रद्धालुओं ने सरयू में स्नान कर लिया। भारी भीड़ को देखते हुए सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं।

स्नान के बाद श्रद्धालुओं ने मंदिरों में दर्शन-पूजन किया। इस वर्ष पिछले साल से अधिक श्रद्धालुओं के अयोध्या पहुंचने का अनुमान है। प्रशासन ने पहले से ही पेट्रोल-डीजल की पर्याप्त व्यवस्था सुनिश्चित की है। सुरक्षा, यातायात और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए प्रशासन पूरी तरह अलर्ट है।

कनक भवन में झूमते श्रद्धालु :

उधर, रामलला के जन्म के शुभ अवसर पर भए प्रकट कृपाला दीनदयाला की स्तुति से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। कनक भवन और हनुमानगढ़ी में श्रद्धालु भक्ति गीतों पर झूमते और नाचते नजर आए। रामभक्तों ने पूरे उत्साह और उल्लास के साथ रामलला का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस पावन अवसर पर मौसम ने भी करवट ली।

सुबह तक जहां हल्की बारिश और ठंडक के कारण मौसम सख्त बना रहा। भगवान श्रीराम के जन्म होते ही पूरे अयोध्या में भक्ति और उल्लास का वातावरण छा गया। इस दौरान साधु-संतों ने राम पथ से राम जन्मभूमि पथ होते हुए श्रीराम मंदिर की ओर जा रहे श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा कर उनका स्वागत किया गया। जगह-जगह संतों द्वारा बधाई गीत गाए गए। इससे माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो उठा। श्रद्धालु जय श्रीराम के जयघोष के साथ आगे बढ़ते रहे और इस अद्भुत दृश्य का आनंद लेते नजर आए। मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना और आयोजन भी किए गए।

एनएसईएल केस में 13000 निवेशकों को लगा 5600 करोड़ का चूना

ईडी ने 3452 करोड़ की संपत्तियां अटैच कीं

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के मुंबई क्षेत्रीय कार्यालय ने नेशनल स्पॉट एक्सचेंज लिमिटेड (एनएसईएल) केस में बड़ी कार्रवाई की है। एनएसईएल, उसके निदेशकों, प्रमुख अधिकारियों और 25 डिफाल्टरों के खिलाफ आईपीसी, 1860 की विभिन्न धाराओं के तहत मामले दर्ज किए गए हैं। धन शोधन निवारण अधिनियम के प्रावधानों के तहत 19.12 करोड़ रुपये की अचल संपत्ति को अस्थायी रूप से जब्त कर लिया गया है। इस केस में 13000 निवेशकों को लगभग 5600 करोड़ रुपये का चूना लगाया गया है। ईडी ने इस मामले की जांच के दौरान अभी तक कुल 3452 करोड़ रुपये की संपत्तियां अटैच की हैं। ईडी ने मुंबई पुलिस द्वारा दर्ज एफआईआर के आधार पर इस केस की जांच शुरू की है।

होर्मुज स्ट्रेट खुलवाने को भारत और फ्रांस आए एक साथ

> फ्रांसीसी नेवी चीफ ने भारतीय समकक्ष से की बात

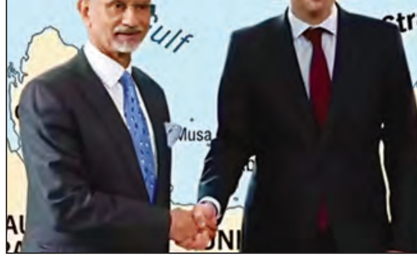

पेरिस/तेहरान, 27 मार्च (एजेंसियां)। होर्मुज स्ट्रेट को खुलवाने के लिए भारत और फ्रांस ने हाथ मिला लिया है। गुरुवार को जी-7 देशों के विदेश मंत्री पेरिस के पास मिले हैं। इसमें जी-7 के सहयोगी देश के तौर पर भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर भी शामिल हुए थे। इस दौरान पश्चिम एशिया में संघर्ष को कम करने के लिए बातचीत के संभावित रास्ते तलाशने को लेकर बात की गई है। जी-7 की बैठक से अलग भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर और उनके फ्रांसीसी समकक्ष जीन-नोएल बैरो ने होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में मिलकर काम करने पर चर्चा की है।

होर्मुज संकट के अलावा आमंत्रित सहयोगियों के साथ जी-7 सत्र में बोलते हुए जयशंकर ने युद्ध के प्रभाव का जिक्र किया। उन्होंने इस दौरान 'ऊर्जा चुनौतियों, उर्वरक आपूर्ति और खाद्य सुरक्षा को लेकर ग्लोबल साउथ की चिंताओं' को उठाया। उन्होंने 'यूएनएससी में सुधार, शांति स्थापना अभियानों को व्यवस्थित करने और मानवीय ग्लोबल सप्लाई चेन को मजबूत करने की तात्कालिकता' पर भी जोर दिया। फ्रांसीसी नौसेना के चीफ ऑफ स्टाफ एडमिरल निकोलस वौजुर के हवाले से बताया है कि उन्होंने हाल ही में ब्रिटेन, जर्मनी, इटली, भारत और जापान सहित विभिन्न नौसैनिक समकक्षों के साथ बातचीत की है। इसका मकसद पश्चिम एशिया की स्थिति के जवाब में हमारे विश्लेषण साझा किए जा सकें और हमारी कार्रवाईयों में तालमेल बिठाया जा सके है।

वाउजोर ने कहा- हम नौवहन की स्वतंत्रता और समुद्री सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान कर रहे हैं। क्योंकि समुद्र हमारी वैश्विक अर्थव्यवस्था और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए एक महत्वपूर्ण कड़ी है। जयशंकर और नोएल-बैरोट पेरिस से करीब 40 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित एबे डेस वॉक्स-डी-सर्ने में जी-7 बैठक के दौरान मिले। इस बैठक के बाद फ्रांसीसी रीडआउट में कहा गया है कि मंत्रियों ने मध्य पूर्व की स्थिति पर विस्तार से चर्चा की। वे होर्मुज जलडमरूमध्य की सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में मिलकर काम करने के मकसद से अपना मजबूत कॉर्डिनेशन जारी रखने पर सहमत हुए।

लद्दाख में भूकंप से कांपी धरती

लेह, 27 मार्च (एजेंसियां)। लद्दाख के लेह में शुक्रवार सुबह भूकंप के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार, रिक्टर स्केल पर इसकी तीव्रता 3.9 मापी गई है। यह भूकंप आज यानी 27 मार्च को सुबह 08:31 बजे आया। बीत दिन नेपाल के उत्तर-पश्चिमी हिस्से में स्थित सुदूरपश्चिम प्रांत में सुबह भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। रिक्टर स्केल पर भूकंप की तीव्रता 4.0 मापी गई। राष्ट्रीय भूकंप निगरानी एवं अनुसंधान केंद्र (एनईएमआरसी) के अनुसार, भूकंप के झटके सुबह 8 बजकर 32 मिनट पर महसूस किए गए। भूकंप का केंद्र दार्चुला जिले के मुरई क्षेत्र के आस-पास बताया गया। भूकंप के झटके पास के बैतड़ी और बझांग जिलों में भी महसूस किए गए।

'मोदी जी, ईरान-अमेरिका युद्ध रुकवा दीजिए'

जम्मू-कश्मीर विधानसभा में बोले सीएम उमर अब्दुल्ला

श्रीनगर, 27 मार्च (एजेंसियां)। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ईरान युद्ध को लेकर कड़ा रुख अपनाया है। शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर विधानसभा के बजट सत्र का दूसरे चरण के दौरान मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने ईरान युद्ध को पूरी तरह से अन्यायपूर्ण और अवैध करार देते हुए इसकी निंदा की है। इतना ही नहीं, सीएम उमर ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से इस युद्ध को समाप्त करने के लिए हस्तक्षेप करने की भी अपील की है। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी से अनुरोध है कि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने प्रभाव और भारत के मजबूत कूटनीतिक संबंधों का उपयोग करके इस युद्ध को समाप्त करने की कोशिश करें।

बीजेपी विधायकों ने किया विरोध

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला

अब्दुल्ला ने विधानसभा में सदन के नेता के तौर पर यह बयान दिया। उन्होंने यह बयान तब दिया जब नेशनल कॉन्फ्रेंस के कई सदस्यों ने एक संक्षिप्त बयान देने पर जोर दिया, जबकि बीजेपी विधायकों ने इसका विरोध किया।

बीजेपी विधायकों का कहना था कि ईरान संकट एक अंतरराष्ट्रीय मुद्दा है और यह इस सदन के अधिकार क्षेत्र में नहीं आता। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपनी और अपने सहयोगियों की ओर से, मैं ईरान पर थोपे गए इस अन्यायपूर्ण और अवैध युद्ध की कड़ी निंदा करता हूं। मैं अयातुल्ला अली खामेनेई और उनके सहयोगियों, तथा उन सभी लोगों के जान गंवाने पर अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करता हूं, जिन्होंने इस संघर्ष में अपनी जान गंवाई है। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि मैं अपने प्रधानमंत्री से भी पूरी ईमानदारी से अपील करता हूं कि वे इस युद्ध को जल्द से जल्द समाप्त करने में मदद के लिए उपलब्ध सभी कूटनीतिक माध्यमों और संबंधों का उपयोग करें। इससे न केवल हमें, बल्कि पूरी मानवता को लाभ होगा।

सीएम धामी ने की पीएम मोदी से मुलाकात

मां सुरकंडा देवी की प्रतिकृति और बद्री गाय का घी किया भेंट

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

देहरादून, 27 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। नई दिल्ली में मुलाकात के दौरान सीएम धामी ने पीएम मोदी को सबसे पहले मां सुरकंडा देवी की प्रतिकृति भेंट की। इसके साथ ही उन्होंने बद्री गाय का घी एवं प्रदेश के पहाड़ी अंचलों में होने वाले पांच प्रकार के राजमा और शहद भी भेंट किया। दिल्ली दौरे पर पहुंचे सीएम धामी ने प्रधानमंत्री मोदी से मार्गदर्शन लिया साथही उन्हें रामनवमी की शुभकामनाएं दी।

फिल्म अभिनेता मोहनलाल के पर्सनैलिटी राइट्स पर

दिल्ली हाई कोर्ट की सख्ती जल्द आएगा अंतरिम आदेश

फिल्म अभिनेता मोहनलाल

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली हाई कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि वह मलयालम फिल्म अभिनेता मोहनलाल के व्यक्तित्व अधिकार (पर्सनैलिटी राइट्स) की सुरक्षा को लेकर अंतरिम आदेश जारी करेगा। जस्टिस ज्योति सिंह की पीठ ने सुनवाई के दौरान मोहनलाल की उस अर्जी को मंजूर कर लिया, जिसमें उन्होंने इस मामले में कुछ नए पक्षकारों को शामिल करने की मांग की थी। अदालत ने उन्हें मुकदमे में शामिल करने की अनुमति दे दी। मोहनलाल ने अदालत में याचिका दायर कर अपने नाम, तस्वीर और पहचान के बिना अनुमति इस्तेमाल को रोकने की मांग की है। उनका कहना है कि इसके व्यक्तित्व अधिकारों की सुरक्षा जरूरी है।

पिछली सुनवाई में अदालत ने मोहनलाल को अपना पुराना अंतरिम आवेदन वापस लेने की अनुमति दी थी और कहा था कि वह अधिक स्पष्ट जानकारी के साथ नया आवेदन दाखिल कर सकते हैं। इसके बाद अभिनेता की ओर से नया आवेदन दाखिल किया गया, जिस पर शुक्रवार को सुनवाई हुई। अब अदालत इस मामले में अंतरिम राहत को लेकर आदेश जारी करेगी।

पहली बार लद्दाख पहुंचे भारत के मुख्य न्यायाधीश

लेह और कारगिल में करेंगे न्यायालय परिसरों का उद्घाटन

मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत

लेह, 27 मार्च (एजेंसियां)। भारत के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत शुक्रवार को लेह पहुंचे, जहां एयरफोर्स स्टेशन पर उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया गया। उनके आगमन पर स्थानीय प्रशासन और न्यायिक अधिकारियों ने भव्य स्वागत किया। यह अवसर इसलिए भी खास है क्योंकि पहली बार भारत के किसी मुख्य न्यायाधीश ने लद्दाख का दौरा किया है। उनके इस दौरे को न्यायिक व्यवस्था की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

अपने कार्यक्रम के तहत न्यायमूर्ति सूर्यकांत 28 मार्च को लेह में जिला न्यायालय परिसर का उद्घाटन करेंगे। इसके बाद रिनचेन ऑडिटोरियम हॉल में एक मेगा कैंप और जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें न्यायिक सेवाओं से संबंधित जानकारी दी जाएगी। दौरे के अगले चरण में वह 29 मार्च को कारगिल जाएंगे, जहां वे जिला न्यायालय परिसर का उद्घाटन करेंगे। इस दौरे से लद्दाख क्षेत्र में न्यायिक ढांचे को मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है।

पुलिस को मिली बड़ी सफलता हरियाणा के पांच तस्कर 94 ग्राम चिट्टे के साथ गिरफ्तार

शिमला, 27 मार्च (एजेंसियां)। नशे के खिलाफ सख्त अभियान चला रही शिमला पुलिस को एक बार फिर उल्लेखनीय सफलता मिली है। सूत्रों की सूचना पर पुलिस की स्पेशल सेल टीम ने तारादेवी-टूटू बाईपास क्षेत्र में हरियाणा नंबर प्लेट वाली एक स्विफ्ट कार को रोका और तलाशी ली। कार से 94 ग्राम हेरोइन (चिट्टा) बरामद किया गया। कार में सवार पांच आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया गया। सभी आरोपी हरियाणा के सोनीपत और झज्जर जिलों के रहने वाले हैं। पुलिस ने इस मामले में एनडीपीएस अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। घटना का विवरण19 मार्च 2026 को शाम के समय शिमला पुलिस की स्पेशल सेल टीम को सूचना मिली कि तारादेवी जीरो पॉइंट से करीब 100 मीटर आगे टूटू बाईपास सड़क पर एक संदिग्ध वाहन नशे का सामान लेकर जा रहा है।

नीले ड्रम में युवक का शव बरामद

बंगाल में उत्तर प्रदेश जैसी घटना

कोलकाता, 27 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मेरठ में हुए चर्चित 'नीले ड्रम' हत्याकांड की तरह पश्चिम बंगाल में भी एक वारदात हुई है। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले के भद्रेश्वर इलाके में नीले ड्रम से एक युवक का शव मिला है। युवक का शव मिलने से स्थानीय लोगों में दहशत देखी जा रही है। जानकारी के मुताबिक, स्थानीय लोगों ने श्वेतपुर इलाके में दिल्ली रोड के पास एक खेत में बोरियों से बंधा एक नीला ड्रम पड़ा देखा। संदेह होने पर उन्होंने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने ड्रम खोलकर देखा तो उसके अंदर एक युवक का शव मिला।

युवक की अब तक पहचान नहीं

पुलिस के अनुसार, शव की हालत बेहद भयावह थी। युवक का गला कटा हुआ था, शरीर नग्न अवस्था में था और उसे जलाने की भी कोशिश की गई थी। मृतक की पहचान अब तक नहीं हो सकी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए चुचुड़ा स्थित अस्पताल भेज दिया गया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्राथमिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि युवक की हत्या कहीं और की गई और सबूत मिटाने के लिए शव को ड्रम में भरकर यहां फेंक दिया गया।

बंगाल में पहली बार ब्लू ड्रम में मिला शव

पुलिस आसपास के इलाकों में छानबीन कर रही है। साथ ही मृतक की पहचान की कोशिश कर रही है। आसपास के लोगों से बात कर शव के संबंध में लगाने की कोशिश की जा रही है। हाल के दिनों में देश के अलग-अलग हिस्सों में 'नीले ड्रम' में शव मिलने की घटनाएं सामने आयी है। बंगाल में यह पहली ऐसी घटना है। पुलिस ने इस मामले को गंभीरता से लिया है। फिलहाल पूरे घटनाक्रम की हर पहलू से जांच जारी है।

ग्वालियर में स्कॉर्पियो और ऑटो की टक्कर, शीतला माता के दर्शन कर लौट रहे पांच श्रद्धालुओं की मौत

ग्वालियर, 27 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में थाटीपुर जैन मंदिर के पास एक भयानक सड़क दुर्घटना में 5 लोगों की मौत हो गई, जबकि 4 अन्य घायल हो गए। हादसा करीब 3 बजे बस स्टैंड के निकट हुआ। सीएसपी अतुल कुमार सोनी ने बताया कि स्कॉर्पियो कार चला रहे ड्राइवर ने पहले बस स्टैंड पर एक वाहन से टक्कर मारी। इसके बाद वह नियंत्रण खो बैठा और जैन मंदिर के पास एक ऑटो रिक्शा से भिड़ गया। इस घटना में इंद्रजीत शाक्य (55), लीला (52) शुभम (30), प्रीति कश्यप (60) शगुन की मौत हो गई। वहीं, प्रीति (20), प्रियांश (5), आरव (6) एक अज्ञात व्यक्ति घायल हुए है। जिनका इलाज चल रहा है।

भाजपा सांसद ने कांग्रेस के इतिहास पर उठाए सवाल

लगाए कई आरोप; 1962 के भारत-चीन युद्ध का भी जिक्र

सांसद निशिकांत दुबे

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)। भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस के इतिहास को लेकर कई गंभीर दावे किए हैं। उन्होंने बताया कि 27 मार्च 1963 को ओडिशा के तत्कालीन मुख्यमंत्री बीजू पटनायक अमेरिका पहुंचे थे। उस दौर में वह भारत, अमेरिका और तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के बीच एक अहम कड़ी के रूप में काम कर रहे थे।

क्या बोले भाजपा सांसद?

निशिकांत दुबे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर यह जानकारी साझा की। भाजपा सांसद ने लिखा कि 1962 में चीन के साथ हुआ युद्ध अमेरिका के कहने और उसकी आर्थिक मदद से लड़ा गया था। उन्होंने यह दावा भी किया कि दलाई लामा के भाई अमेरिका के संपर्क में थे और दलाई लामा 1959 में अमेरिकी सहायता से ही भारत पहुंचे थे।

उन्होंने आगे लिखा कि 1963-64 के दौरान भारत ने अमेरिकी सेना को उत्तराखंड के नंदा देवी क्षेत्र में परमाणु उपकरण रखने की अनुमति दी थी। साथ ही, अमेरिकी जासूसी विमान यू-2 के लिए ओडिशा के चरबतिया हवाई अड्डे का इस्तेमाल करने दिया गया।

चुनावी फंडिंग का लगाया आरोप

सांसद निशिकांत दुबे ने कांग्रेस की चुनावी फंडिंग पर भी सवाल उठाए। उनका दावा है कि 1955 से 1962 के बीच हुए सभी चुनावों में अमेरिका और सीआईए ने कांग्रेस पार्टी को आर्थिक मदद दी थी। उस समय के अमेरिकी राजदूत ने अपनी किताब में लिखा कि केरल के चुनाव में इंदिरा गांधी को सीधे तौर पर पैसे मिले थे। इस मुद्दे पर संसद में बहस हुई थी और एक समिति भी बनी थी।

दावों के बीच राजनीतिक हलचल तेज

इन दावों के बाद राजनीति में नई बहस छिड़ गई है। फिलहाल कांग्रेस ने इस पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। बता दें कि निशिकांत दुबे झारखंड के गोड्डा से लोकसभा सांसद हैं। वह संसद में विपक्ष और कांग्रेस पर तीखे हमलों के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने एमबीए में पीएचडी की डिग्री ली है।

फेरीवाला बन देशभर में खड़ा किया नेटवर्क

अब बांग्लादेश से रच रहा साजिश रडार पर लश्कर का हैंडलर शब्बीर लोन

श्रीनगर, 27 मार्च (एजेंसियां)। शातिर कश्मीरी आतंकी शब्बीर लोन कभी राजू बन जाता है और कभी जफर सिद्दीकी। वह वर्षों तक फेरीवाला बनकर देशभर में आतंक का नेटवर्क तैयार करता रहा। शब्बीर ने हिमाचल, दिल्ली, कोलकाता, गोवा, मध्यप्रदेश, तमिलनाडु और केरल में शाल बेचने के नाम पर अपना नेटवर्क तैयार कर लिया। पाकिस्तान के आतंकी शिविरों में प्रशिक्षण लिया और दिल्ली को दहलाने के लिए षड्यंत्र रचते हुए पकड़ा भी गया। जेल गया, पर वर्ष 2019 में छूट गया और फिर बांग्लादेश भाग गया। अब वह बांग्लादेश से देश में नए आतंकी षड्यंत्र रचने में जुटा है। अब फरवरी माह में दिल्ली में कश्मीरी गेट मेट्रो स्टेशन पर धमकी भरे पोस्टर लगने पर सुरक्षा एजेंसियों ने लश्कर के दो बांग्लादेशी आतंकियों को पकड़ा। उनसे पूछताछ के आधार पर तमिलनाडु से लश्कर के छह और बांग्लादेशी आतंकी पकड़े गए। पूछताछ हुई, कड़ियां खुलीं और सात वर्ष बाद शब्बीर फिर सुरक्षा एजेंसियों के रडार पर आ गया है। उसके बाद जांच आगे बढ़ी और शब्बीर द्वारा घाटी में तैयार किए जा रहे आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ करते हुए, जम्मू-कश्मीर पुलिस के काउंटर इंटेलिजेंस विंग (सीआईके) ने श्रीनगर, शोपियां और गांदरबल में 10 जगहों पर तलाशी ली।

नीतीश कुमार के इस्तीफे की डेट कंफर्म

30 मार्च को छोड़ेंगे एमएलसी की सदस्यता

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

पटना, 27 मार्च (एजेंसियां)। बिहार की राजनीति में अब तस्वीर साफ होती नजर आ रही है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस्तीफे को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। सूत्रों के अनुसार 30 मार्च को वह विधान परिषद सदस्यता छोड़ेंगे। इससे उनके अगले कदम का टाइमलाइन लगभग तय मानी जा रही है। राजनीतिक हलकों में इसे बड़े बदलाव का संकेत माना जा रहा है। हालांकि आधिकारिक पुष्टि का इंतजार अभी भी जारी है।

समृद्धि यात्रा के बाद बढ़ेगी हलचल

फिलहाल नीतीश कुमार अपनी 'समृद्धि यात्रा' में व्यस्त हैं। यात्रा का समापन पटना में होना है। इसके बाद राजनीतिक गतिविधियां और तेज होंगी। सूत्रों का कहना है कि इसके बाद बड़े फैसले सामने आ सकते हैं। यात्रा के दौरान उन्होंने कई विकास योजनाओं की शुरुआत भी की। इससे उनकी सक्रियता अभी भी बनी हुई दिखती है।

राज्यसभा शपथ के बाद इस्तीफे की अटकलें

जानकारी के अनुसार 12 अप्रैल को वे राज्यसभा में शपथ ले सकते हैं। इसके बाद 13 या 14 अप्रैल को पटना लौटने की संभावना है। वहीं मुख्यमंत्री पद से इस्तीफे की चर्चा भी तेज है।

क्या 6 महीने तक बने रह सकते हैं सीएम?

संविधान के अनुसार कोई सांसद भी मुख्यमंत्री रह सकता है। लेकिन उसे 6 महीने के भीतर राज्य का सदस्य बनना जरूरी होता है। यानी नीतीश कुमार के पास यह विकल्प भी मौजूद है। वे चाहें तो कुछ समय तक पद पर बने रह सकते हैं। यह पूरी तरह राजनीतिक रणनीति पर निर्भर करेगा। इस नियम ने सस्पेंस को और बढ़ा दिया है।

संवैधानिक मजबूरी में लेना होगा फैसला

संविधान के मुताबिक कोई व्यक्ति एक साथ दो सदनों का सदस्य नहीं रह सकता। नीतीश कुमार हाल ही में राज्यसभा के लिए निर्वाचित हुए हैं। ऐसे में उन्हें 14 दिनों के भीतर एक पद छोड़ना अनिवार्य है। इसी नियम के तहत 30 मार्च की तारीख अहम बन गई है। एमएलसी पद छोड़ना अब लगभग तय माना जा रहा है। यह कदम आगे की राजनीतिक दिशा तय करेगा।

अब नजरें अगले बड़े फैसले पर

फिलहाल सबकी नजरें नीतीश कुमार के अगले कदम पर टिकी हैं। एमएलसी पद छोड़ने के बाद सियासी समीकरण बदल सकते हैं। नए मुख्यमंत्री को लेकर चर्चाएं भी तेज हो गई हैं। एनडीए के भीतर मंथन जारी होने की बात कही जा रही है। यह फैसला बिहार की राजनीति में बड़ा मोड़ ला सकता है। आने वाले दिनों में तस्वीर पूरी तरह साफ हो जाएगी।

अज्ञात महिला का शव अस्पताल में छोड़ फरार हुए युवक

फरीदकोट, 27 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब के फरीदकोट में एक संदिग्ध मामला सामने आया है, जहां दो अज्ञात युवक एक महिला को उपचार के लिए सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन उसे मृत घोषित किए जाने के बाद वहां से फरार हो गए। घटना के बाद अस्पताल प्रशासन की सूचना पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, बीती रात दो युवक एक महिला को गंभीर हालत में सिविल अस्पताल लेकर आए थे। उन्होंने चिकित्सकों से महिला का उपचार करने की बात कही। जब चिकित्सकों ने महिला की जांच की तो वह मृत पाई गई। इसके बाद दोनों युवकों ने बहाना बनाया कि वे अपनी मोटरसाइकिल को खड़ा करके आते हैं।

महाराष्ट्र विधानसभा की सुरक्षा में बड़ी चूक

नकली एंट्री पास बनाने वाले 5 गिरफ्तार

मुंबई, 27 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र विधानसभा सत्र के दौरान नकली एंट्री पास बनाए जाने के गंभीर मामले का खुलासा हुआ है। इस मामले में मुंबई की मरीन ड्राइव पुलिस ने कार्रवाई करते हुए पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों में कुछ मंत्रालय में कार्यरत कर्मचारी भी शामिल बताए जा रहे हैं, जिससे सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए हैं। शुरुआती जानकारी के अनुसार, विधानसभा सत्र के दौरान प्रवेश के लिए नकली पास बनाए जाने की शिकायत सामने आई थी। इस मुद्दे को राज्य सरकार में मंत्री उदय सामंत ने गंभीरता से उठाया था, जिसके बाद पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया। उनकी पहचान केशव गुंजल (53), गणपत भाऊ जावले (50), नागेश शिवाजी पाटिल (42), मनोज आनंद मोरबले (40) और स्वप्निल रमेश तायडे (40) के रूप में हुई है।

पुलिस के मुताबिक, ये आरोपी अवैध तरीके से विधानसभा परिसर में प्रवेश दिलाने के लिए फर्जी एंट्री पास तैयार कर रहे थे। पुलिस सूत्रों का कहना है कि इस पूरे नेटवर्क में और भी लोग शामिल हो सकते हैं। फिलहाल अन्य संदिग्धों की तलाश जारी है और मामले की गहराई से जांच की जा रही है। बता दें कि महाराष्ट्र विधानसभा का बजट सत्र 23 फरवरी को शुरू हुआ और 25 मार्च को संपन्न हुआ। 6 मार्च को मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने राज्य का बजट पेश किया था।

खालिस्तान समर्थक सांसद अमृतपाल सिंह को हाईकोर्ट से झटका

संसद सत्र में शामिल होने की पैरोल याचिका खारिज

चंडीगढ़, 27 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब की लोकसभा सीट खडूर साहिब से सांसद व खालिस्तान समर्थक अमृतपाल सिंह को पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय से बड़ा झटका लगा है। संसद सत्र में शामिल होने के लिए पैरोल दिए जाने की मांग को लेकर दायर उनकी याचिका को उच्च न्यायालय ने खारिज कर दिया है। इस फैसले के बाद अब अमृतपाल सिंह को मौजूदा संसद सत्र में भाग लेने की अनुमति नहीं मिल पाएगी। जानकारी के अनुसार, अमृतपाल सिंह इस समय राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत हिरासत में हैं।

राज्य सरकार ने कानून व्यवस्था का दिया हवाला

वहीं, राज्य सरकार और सुरक्षा एजेंसियों ने इस मांग का कड़ा विरोध किया। सरकार की ओर से न्यायालय को बताया गया कि अमृतपाल सिंह की रिहाई से कानून व्यवस्था प्रभावित हो सकती है। साथ ही, सुरक्षा से जुड़े गंभीर खतरे भी उत्पन्न हो सकते हैं। अधिकारियों ने यह भी कहा कि वर्तमान परिस्थितियों में उन्हें बाहर आने की अनुमति देना उचित नहीं होगा।

सांसद अमृतपाल सिंह

दोनों पक्षों को सुनने के बाद लिया गया फैसला

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद न्यायालय ने अपने निर्णय में स्पष्ट किया कि सुरक्षा और कानून व्यवस्था सर्वोपरि है। राज्य सरकार और सुरक्षा एजेंसियों के तर्कों पर विचार करते हुए याचिका खारिज कर दी गई। फिलहाल, उच्च न्यायालय के इस आदेश के चलते अमृतपाल सिंह को संसद सत्र में शामिल होने की अनुमति नहीं मिल सकी है और वह हिरासत में ही रहेंगे।

सुविचार: सफलता आपको सिर्फ परिश्रम करने से प्राप्त होगी, दुनिया में किसी के पास इसका शार्ट कट नहीं है!

राज्यपाल ने श्रीराम नवमी उत्सव में भाग लिया

श्रीराम नवमी शोभायात्रा को लेकर कड़े सुरक्षा इंतजाम

हैदराबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीराम नवमी शोभायात्रा के मद्देनजर शहर में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए हैदराबाद पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने शुक्रवार को सीताराम बाग क्षेत्र का दौरा किया। तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला ने श्री सीतारामचंद्र स्वामी के दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की। राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ला मुख्य अतिथि के रूप में, भग्यनगर श्रीराम नवमी उत्सव समिति, सीताराम बाग द्वारा आयोजित 'श्रीराम नवमी उत्सव 2026' में शामिल हुए। श्रीराम नवमी के शुभ अवसर पर राज्यपाल ने श्रद्धा भाव से समारोह में भाग लिया और भगवान श्रीराम के प्रति प्रार्थना अर्पित की। उन्होंने उत्सव के आयोजकों के प्रयासों की सराहना की, जिन्होंने इस पर्व से जुड़ी समृद्ध सांस्कृतिक और आध्यात्मिक परंपराओं को जीवित रखा। इस दौरान सीपी सज्जनार ने मीडिया से बातचीत में बताया कि शहर में आयोजित होने वाली श्रीराम शोभायात्रा शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए पुलिस विभाग ने सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली हैं। उन्होंने जानकारी दी कि यह शोभायात्रा दोपहर 2 बजे सीताराम बाग मंदिर से शुरू होकर रात 10 बजे तक समाप्त हुई। इसके लिए विस्तृत रूट मैप तैयार किया गया था। पुलिस आयुक्त ने बताया कि विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ मिलकर यात्रा मार्ग का निरीक्षण किया गया है। किसी भी प्रकार की बाधा न आए, इसके लिए ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी रखी गई है। इस भव्य शोभायात्रा के लिए लगभग 3,000 पुलिसकर्मियों के साथ सख्त सुरक्षा व्यवस्था की गई है। इससे पहले जीएचएमसी आयुक्त आर.वी. कर्णन के साथ पुलिस आयुक्त ने भगवान श्री सीतारामचंद्र स्वामी के दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की।

नहर में गिरी बाइक, युवक-युवती लापता

जगतियाल, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार शाम मेटपल्ली मंडल के पेद्दापुर के पास एसआरएसपी नहर में एक मोटरसाइकिल गिरने से एक युवक और एक युवती लापता हो गए। पुलिस के अनुसार, दोनों की पहचान अंकुश विट्ठल और बोडासु लावण्या के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि दोनों दिन में पेद्दापुर स्थित इस्कॉन मंदिर में दर्शन करने गए थे। दर्शन के बाद लौटते समय लावण्या मोटरसाइकिल चलाना सीख रही थी और विट्ठल उसकी मदद कर रहा था। इसी दौरान अचानक बाइक अनियंत्रित होकर सड़क से उतर गई और नहर में जा गिरी। तेज बहाव के कारण दोनों पानी में बह गए। बताया गया है कि विट्ठल महाराष्ट्र का रहने वाला था और मेटपल्ली में ड्राइवर का काम करता था, जबकि लावण्या वेल्लुला की निवासी थी। पुलिस के अनुसार दोनों आपस में दोस्त थे। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों की तलाश के लिए अभियान शुरू कर दिया है।

कविता 25 अप्रैल को नई राजनीतिक पार्टी का नाम घोषित करेंगी

हैदराबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना जागृति अध्यक्ष कलवाकुंटला कविता ने शुक्रवार को नई राजनीतिक पार्टी के गठन के संबंध में महत्वपूर्ण घोषणा की। उन्होंने बताया कि नई पार्टी का नाम आधिकारिक रूप से 25 अप्रैल को सुबह 10 बजे घोषित किया जाएगा। निज़ामाबाद में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कविता ने कहा कि पार्टी का झंडा उसी दिन मेडचल के एक फंक्शन हॉल में भव्य रूप से अनावरण किया जाएगा। कविता ने सभी पार्टी सदस्यों से समय पर उपस्थित होने और प्रत्येक गांव से जनसंपर्क व संगठन प्रयासों को सुनिश्चित करने का आह्वान किया। उन्होंने विशेष रूप से युवाओं और महिलाओं को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। एक महिला के रूप में कविता ने इस पार्टी की स्थापना

का उद्देश्य युवा महिलाओं के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाना बताया। उन्होंने कहा कि बीसी बिल की प्राप्ति केवल उनके सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। कविता ने बीसी, दलित, आदिवासी और अल्पसंख्यक समुदायों को भी इस पार्टी में शामिल होने और बड़ी संख्या में भाग लेने का निमंत्रण दिया।

फार्मासिटी परियोजना पर कोदंडराम के रुख को लेकर किसान नाराज़

हैदराबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। फार्मासिटी परियोजना का विरोध कर रहे किसानों में तनाव बढ़ गया है, जब टीजेएस नेता प्रोफेसर एम. कोदंडराम ने प्रभावित जमीन मालिकों के लिए मुआवजे की मांग की।

रंगारेड्डी जिला कलेक्टर के साथ बैठक में कोदंडराम द्वारा मुआवजे की मांग किए जाने पर किसानों ने सवाल उठाया। क्यों अब प्रोफेसर कोदंडराम कलेक्टर से मुआवजा मांग रहे हैं? किसानों ने मुआवजे की मांग की थी क्या? किसान तो स्पष्ट रूप से अपनी जमीन के अधिकार वापस चाहते हैं, और कोदंडराम इसे अच्छी तरह जानते हैं। किसानों ने मुआवजे के प्रस्ताव को अस्वीकार करते हुए जमीन अधिग्रहण रद्द करने और भूमि अधिकार बहाल करने की अपनी मांग दोहराई। उन्होंने यह भी कहा कि कोदंडराम पहले उनके पक्ष में थे और उपजाऊ जमीन देने का विरोध करते थे।

किसानों ने आरोप लगाया कि उनका रुख बदल गया है और उन्होंने अपेक्षा की थी कि कोदंडराम राज्य सरकार के खिलाफ उनके साथ लड़ेंगे, न कि समझौते का समर्थन करेंगे। किसानों ने कहा, प्रोफेसर कोदंडराम अब सरकार के पक्ष में दिख रहे हैं। यह लोगों की आन्दोलनकारी नेता से अपेक्षित कार्रवाई नहीं है।

नागार्जुन सागर क्षेत्र ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण : जूपल्ली

मंत्री को ग्लोबल ग्रैंड पुरस्कार से सम्मानित किया गया

हैदराबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना की बढ़ती आध्यात्मिक धरोहर को वैश्विक पहचान मिलने के अवसर पर पर्यटन, संस्कृति और पुरातत्व मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव को शुक्रवार को 'विश्व शांति में योगदान के लिए ग्रैंड पुरस्कार' से सम्मानित किया गया।

यह पुरस्कार अंतर्राष्ट्रीय इंटरचेंज डेवलपमेंट एसोसिएशन और इसके अध्यक्ष मुन योंग जो द्वारा दिया गया, जो मंत्री द्वारा अंतर्राष्ट्रीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान को बढ़ावा देने और बौद्ध धरोहर के संरक्षण एवं प्रचार के माध्यम से जीवन-सम्मानित मूल्यों को स्थापित करने के प्रयासों को मान्यता देता है। यह सम्मान 2026 के 'इंटरनेशनल बौद्ध कॉन्फ्रेंस ऑन वर्ल्ड पीस' के उद्घाटन सत्र के दौरान हरिथा प्लाजा में प्रदान किया गया, जिसमें 22 देशों से लगभग 150 प्रतिष्ठित प्रतिनिधियों और प्रमुख बौद्ध भिक्षुओं ने भाग लिया। जूपल्ली कृष्ण राव ने तेलंगाना की समृद्ध बौद्ध परंपरा को उजागर करते हुए कहा कि नागार्जुन सागर

क्षेत्र ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण है और यह महायान बौद्ध धर्म के मध्यमिका स्कूल के संस्थापक आचार्य नागार्जुन से जुड़ा हुआ है। उन्होंने सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया कि फणीगिरी, नेलकुंडपल्ली, धूलिकत्ता और कोटिलिंगला जैसे प्रमुख पुरातात्विक स्थलों के संरक्षण और प्रचार को आगे बढ़ाया जाएगा। राज्य के आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए सरकार एक एकीकृत बौद्ध पर्यटन सर्किट विकसित कर रही है, जिससे तीर्थयात्रियों को विश्व स्तरीय अनुभव प्रदान किया जा सके और प्राचीन स्थलों की पवित्रता और धरोहर संरक्षित रहे। मंत्री ने घोषणा की कि 274 एकड़ में फैले प्रमुख परियोजना बौद्धवनम को वैश्विक 'वर्ल्ड पीस सेंटर' के रूप में विकसित करने की गति बढ़ा दी गई है। इसके अलावा, युवाओं को शामिल करने के लिए डिजिटल एक्सपीरियंस सेंटर और ग्लोबल बौद्ध सेंटर के विकास की भी योजना बनाई जा रही है। सम्मेलन में श्रीलंका के बौद्धसासना मंत्री प्रो. हिंडुमा सुनील सेनवी, वियतनाम के मोस्ट वेन. डॉ. थिच नहट तू, बौद्धवनम और विशेष अधिकारी मल्लेपल्ली लक्ष्मैया सहित अन्य प्रतिष्ठित गणमान्य उपस्थित रहे।

सांसद वामशी ने ईंधन उत्पाद शुल्क कटौती की आलोचना की

नई दिल्ली, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। गड्डम वामसी कृष्ण ने शुक्रवार को केंद्र सरकार द्वारा पेट्रोल और डीजल पर प्रति लीटर 10 रुपये की उत्पाद शुल्क कटौती को 'बहुत कम और बहुत देर से' करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी नेतृत्व वाली एनडीए सरकार ने पिछले दशक में नागरिकों पर भारी ईंधन करों का बोझ डाला। वामशी ने कहा कि कम वैश्विक तेल कीमतों के बावजूद आम आदमी को लंबे समय तक महंगे ईंधन मूल्य भुगतने पड़े। यह निर्णय बहुत देरी से आया है। उन्होंने बताया कि पिछले 10 वर्षों में पेट्रोल की कीमतें न्यूनतम 100 रुपये प्रति लीटर तक बढ़ा दी गईं, जबकि उस समय कच्चा तेल 50-60 डॉलर प्रति बैरल था। कांग्रेस सांसद ने एसपीजी की कमी और तेल की पैनिक खरीद पर भी चिंता व्यक्त की, चेतावनी दी कि सरकारी बयान जनता में अनावश्यक घबराहट पैदा कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह स्थिति खतरनाक है, और जनता को घबराहट में डालना उचित नहीं है।

डॉक्टर पर हमले के विरोध में निर्मल में प्रदर्शन, कार्रवाई की मांग

निर्मल, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। गुरुवार रात एक बाल रोग विशेषज्ञ पर हुए हमले के विरोध में निजी अस्पतालों और नर्सिंग होम के डॉक्टरों ने प्रदर्शन शुरू कर दिया और दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की। प्रदर्शनकारी डॉक्टरों ने रैली निकालकर जयशंकर चौरास्ता पर धरना दिया, जिससे शहर में कुछ समय के लिए यातायात बाधित हो गया। इस दौरान उन्होंने हमलावरों के खिलाफ नारेबाजी की और सख्त कार्रवाई की मांग की। डॉक्टरों का कहना है कि वे अपनी जान जोखिम में डालकर सेवाएं दे रहे हैं, लेकिन उन्हें मरीजों के परिजनों की ओर से लगातार हमलों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि इलाज के खर्च को लेकर विवाद के बाद बाल रोग विशेषज्ञ डॉ. संतोष राज के साथ मारपीट की गई। इस विरोध प्रदर्शन को भाजपा और कांग्रेस समेत कई राजनीतिक दलों और सामाजिक संगठनों का समर्थन मिला।

मौके पर पहुंचीं जिला पुलिस अधीक्षक डॉ.जी. जानकी शर्मिला ने स्थिति को संभाला और यातायात बहाल कराया। उन्होंने प्रदर्शनकारियों से बातचीत की, लेकिन डॉक्टर अपनी मांगों पर अड़े रहे। निर्मल नगर पालिका के उपाध्यक्ष गणेश चक्रवर्ती ने भी डॉक्टरों से वार्ता की, हालांकि विरोध प्रदर्शन शुक्रवार को भी जारी रहा। स्थिति को देखते हुए शहर के प्रमुख चौराहों पर लगभग 400 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया है। इस बीच हमले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें एक व्यक्ति डॉक्टर पर हमला करता दिखाई दे रहा है।

इंजीनियरिंग छात्र ने हॉस्टल में की आत्महत्या

हैदराबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। इब्राहिमपटनम स्थित एक इंजीनियरिंग कॉलेज के हॉस्टल में शनिवार को एक छात्र ने आत्महत्या कर ली। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान कंदिमल्ला साई (20) के रूप में हुई है, जो नालगोंडा जिले के श्रीरंगपुरम गांव का निवासी था और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार इंजीनियरिंग (ईसीई) द्वितीय वर्ष का छात्र था। बताया जा रहा है कि साई पिछले कुछ दिनों से किसी अज्ञात कारण को लेकर परेशान था। इसी के चलते उसने अपने हॉस्टल के कमरे में छत के पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। कमरे से कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। पुलिस छात्र की मौत के कारणों का पता लगाने के लिए उसके परिजनों और दोस्तों से पूछताछ कर रही है।

विधानसभा में केटीआर का सरकार पर हमला

मूसी प्रोजेक्ट पर उठाए सवाल

हैदराबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष और सिरसिला विधायक केटी रामाराव ने विधानसभा में कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने मूसी रिवरफ्रंट परियोजना, मेट्रो रेल अधिग्रहण और प्रस्तावित "फ्यूचर सिटी" को लेकर पारदर्शिता और मंशा पर सवाल उठाए। गुरुवार देर रात हुई चर्चा के दौरान उन्होंने मूसी परियोजना का मुद्दा उठाते हुए पूछा कि क्या इसकी विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की गई है। उन्होंने कहा कि यदि रिपोर्ट मौजूद है तो उसे सदन में पेश किया जाए, अन्यथा सरकार विधानसभा को गुमराह कर रही है। उन्होंने 50 मीटर बफर जोन के दावे को चुनौती देते हुए कहा कि 3,796 एकड़ क्षेत्र में फैली 10,000 से अधिक संपत्तियों को नोटिस जारी किए गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि पहले से स्वीकृत निर्माणों को अब अवैध बताकर ध्वस्त करने की तैयारी की जा रही है। बीआरएस नेता ने सरकार पर पक्षपातपूर्ण कार्रवाई का आरोप लगाते हुए कहा कि सत्ताधारी दल से जुड़े लोगों की संपत्तियों को छोड़ दिया गया, जबकि गरीब और मध्यम वर्ग के लोगों पर कार्रवाई हो रही है। उन्होंने यह भी सवाल उठाया कि गरीबों की संपत्तियां अवैध कैसे हो सकती हैं, जबकि उसी क्षेत्र में प्रस्तावित व्यावसायिक निर्माण को वैध माना जा रहा है। हैदराबाद मेट्रो के मुद्दे पर उन्होंने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के उस दावे का खंडन किया जिसमें कहा गया था कि एल एंड टी के 15,000 करोड़ रुपये के ऋण का अधिग्रहण जरूरी था। उन्होंने कहा कि पिछली बीआरएस सरकार के दौरान केंद्र ने मेट्रो-एयरपोर्ट कनेक्टिविटी में निजी भागीदारी की अनुमति दी थी। साथ ही उन्होंने आशंका जताई कि एल एंड टी को दी गई 280 एकड़ से अधिक जमीन पर कब्जा करना ही असली मकसद है। उन्होंने फ्यूचर सिटी योजना पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि फार्मा सिटी के लिए अधिग्रहित 14,000 एकड़ जमीन को 30,000 एकड़ तक कैसे बढ़ाया जा सकता है, जबकि अधिग्रहण सशर्त था और इसका उपयोग अन्य उद्देश्यों के लिए नहीं किया जा सकता। जवाब में मंत्री डी श्रीधर बाबू ने कहा कि मूसी नदी परियोजना की डीपीआर की जांच एशियाई विकास बैंक द्वारा की जा रही है और इसे जल्द सार्वजनिक किया जाएगा। उन्होंने बेदखली कार्रवाई को वैध और मानवीय बताते हुए मेट्रो अधिग्रहण को लाभकारी बताया, जिसमें 27,000 करोड़ रुपये की संपत्ति शामिल है। साथ ही उन्होंने सभी आरोपों को खारिज कर दिया।

आवारा कुत्तों का हमला, महिला घायल

नालगोंडा, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। यादाद्री-भुवनगिरी में तीन वर्षीय बच्चे पर हमले के एक दिन बाद शुक्रवार को सूर्यापेट में आवारा कुत्तों ने एक महिला पर हमला कर दिया। यह घटना अंबेडकर नगर स्थित मार्केट यार्ड में हुई, जहां महिला अपने पड़ोसी के घर गई थी। बताया जा रहा है कि सड़क पर चलते समय कुत्तों के झुंड ने उस पर हमला कर दिया, जिससे उसके हाथ और पैरों में चोटें आईं। घायल महिला की हालत स्थिर बताई जा रही है और उसका इलाज जारी है। गौरतलब है कि गुरुवार को भोंगीर के तारकराम नगर में तीन वर्षीय प्रियांश पर भी आवारा कुत्तों ने हमला कर दिया था, जिसमें बच्चे की आंखों में गंभीर चोटें आई थीं। लगातार हो रही ऐसी घटनाओं से क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

NOTICE

विवाधकों के स्थिरीकरण के लिए समन
(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
अज अदालत श्री पारिवारिक न्यायालय सं. 3 मुकाम जोधपुर बइजलास श्री सतीशचन्द्र गोदारा (R H J S) मुद्दई सोनल मुदायलाह जितेन्द्र

दावा बाबत 13 H.M.A
मुकदमा नं 254/25 N C V 731/25 सन् 2025

मुसम्मी जितेन्द्र कुमार कुमावत उर्फ जितेन्द्र वल्द श्री स्व. नवरंग कुमावत, आयु 37 वर्ष, जाति कुमावत, निवासी 1-7-513/डी/3/1, उदय नगर कॉलनी, मुशीराबाद, हैदराबाद, तेलंगाना ने आपके विरुद्ध धारा 13 H.M.A के लिए वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में तारीख 26.5.2026 दिन में 8.30 A.M. बजे दावा का उत्तर देने के लिए उपसंजात (हाजिर) होने के लिये सम्मन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते है, जिसे सम्यक अनुदेश हो गये और जो इस वाद में सम्बंधित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सकेगा, जिसके साथ कोई ऐसा व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह निर्देश भी दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें, और उस दिन ऐसी सब दस्तावेज को आपके कब्जे या शक्ति में है पेश करें जिन पर आपका प्रतिरक्षा मय मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर चाहे वह अपने कब्जे या शक्ति में है या न हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे के समर्थन में साक्ष्य के रुप में निर्भर करते तो आप ऐसी दस्तावेजों की लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।

आपको सूचित किया जाता है कि आप उपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

आज तारीख 13.03.2026 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

(मुद्रा) पारिवारिक न्यायालय संख्या-3 जोधपुर

एमडीएमए के साथ चार गिरफ्तार, दो नाबालिग भी शामिल

हैदराबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। टास्क फोर्स (जुबली हिल्स जोन) ने सनतनगर पुलिस के साथ संयुक्त कार्रवाई में दो नाबालिगों समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से करीब 6 लाख रुपये मूल्य का 60 ग्राम एमडीएमए बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों में आईडीपीएल का छात्र एस हेमंत और चिंतल निवासी एम नागेंद्र शामिल हैं, जो नशीली दवाओं के सेवन के साथ-साथ उसकी सप्लाई में भी संलिप्त थे। दो अन्य नाबालिगों को भी इस मामले में पकड़ा गया है। जांच में सामने आया है कि गिरोह ने साई निखिल यादव और आदित्य नामक आपूर्तिकर्ताओं से एमडीएमए खरीदा था, जो फिलहाल फरार हैं। आरोपी ड्रग्स को कम कीमत पर खरीदकर शहर में अपने परिचित ग्राहकों को ऊंचे दाम पर बेचते थे। अधिकारियों के मुताबिक, यह खेप गिरफ्तारी से दो दिन पहले ही शहर में सप्लाई के लिए मंगाई गई थी। गिरफ्तार आरोपियों को जब्त सामान के साथ आगे की जांच के लिए सनतनगर पुलिस के हवाले कर दिया गया है।

कैसीनो के नाम पर 10.3 करोड़ की ठगी

हैदराबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अमेरिका में सॉफ्टवेयर इंजीनियर के रूप में काम कर रहे शहर के एक निवासी से एक दंपति ने फर्जी कैसीनो व्यवसाय में निवेश के नाम पर 10.3 करोड़ रुपये की ठगी कर ली। पुलिस के अनुसार, हुमायूं नगर निवासी के. करुणाकरा रेड्डी वर्ष 2021 में शहर आए थे, जहां उनकी मुलाकात मणि वराप्रसाद और उनकी पत्नी मणि नागमणि से हुई। दोनों ने परिचितों के माध्यम से संपर्क कर उन्हें एक प्रस्तावित कैसीनो व्यवसाय में निवेश करने के लिए राजी किया और भारी मुनाफे का भरोसा दिलाया। आरोप है कि रेड्डी ने उनके झांसे में आकर दिसंबर 2021 से नवंबर 2022 के बीच कई किस्तों में 10.3 करोड़ रुपये निवेश कर दिए। हालांकि, आरोपियों ने न तो कोई कारोबार शुरू किया और न ही पैसे वापस किए। बताया गया कि बाद में दंपति ने शिकायतकर्ता के फोन उठाना बंद कर दिया और सामना करने पर अभद्र व्यवहार किया। धोखाधड़ी का अहसास होने पर करुणाकरा रेड्डी ने हैदराबाद सेंट्रल क्राइम स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जांच के दौरान पुलिस ने इस मामले में दो अन्य लोगों, मुदावत वेंकटेश्वरलू नाइक और पेद्दाकुरावा श्रीशैलम की भी कथित संलिप्तता पाई है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है।

पर्यावरण के लिए एकजुट होगा भारत

हैदराबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पृथ्वी आवर के 20 वर्ष पूरे होने पर 28 मार्च को रात 8:30 बजे से 9:30 बजे तक देशभर में बड़े पैमाने पर भागीदारी देखने को मिलेगी। इस दौरान कई प्रतिष्ठित स्मारक, विरासत स्थल और सरकारी भवन पर्यावरण संरक्षण के समर्थन में अपनी बत्तियां बंद करेंगे। हैदराबाद में गोलकोंडा किला, चारमीनार, बुद्ध प्रतिमा, राज्य संग्रहालय और डॉ.बी.आर. अंबेडकर प्रतिमा जैसे प्रमुख स्थलों पर भी लाइटें बंद की जाएंगी। इसके अलावा लोक भवन, तेलंगाना विधानसभा और सचिवालय भी इस अभियान में शामिल होंगे।

एल एंड टी मेट्रो रेल (हैदराबाद) लिमिटेड और डब्ल्यूडब्ल्यूएफ-इंडिया हैदराबाद कार्यालय अमीरपेट मेट्रो स्टेशन पर शाम 7 बजे से 9:30 बजे तक संयुक्त कार्यक्रम आयोजित करेंगे। इस दौरान बैंड रागम और सात्विका स्कूल ऑफ भरतनाट्यम एंड कर्नाटक म्यूजिक के छात्र कला के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण का संदेश देंगे। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने भी देशभर में अपने संरक्षित स्मारकों की लाइटें बंद करने की पुष्टि की है, जिससे यह अभियान राष्ट्रीय स्तर पर एक बड़े पर्यावरणीय आंदोलन का रूप ले रहा है।

रैतु भरोसा के बजट में कटौती, किसानों की चिंता बढ़ी

हैदराबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कांग्रेस सरकार ने 2026-27 के बजट में रैतु भरोसा योजना के लिए लगभग 4,000 करोड़ रुपये की कटौती का प्रस्ताव रखा है, जिससे किसानों को मिलने वाली सहायता को लेकर चिंता बढ़ गई है। विधानसभा में पेश कृषि बजट के अनुसार, आगामी वित्तीय वर्ष के लिए दोनों फसल सीज़न मिलाकर 13,603 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके मुकाबले वनकलाम 2025 के लिए 8,744 करोड़ रुपये और यासंगी 2025-26 के लिए 9,000 करोड़ रुपये जारी किए गए थे, यानी कुल 17,744 करोड़ रुपये। इस तरह नए बजट में करीब 4,000 करोड़ रुपये की कमी आई है। सरकार ने योजना के तहत लाभ पाने के लिए किसानों के लिए कुछ पात्रता शर्तें भी तय की हैं। वनकलाम 2025 के दौरान 69.40 लाख पट्टादारों को 8,744 करोड़ रुपये वितरित किए गए थे।

दिसंबर 2023 में सत्ता में आने के बाद से सरकार को योजना के क्रियान्वयन में देरी और बदलावों को लेकर आलोचना का सामना करना पड़ रहा है। वनकलाम 2024-25 सीज़न में सहायता नहीं दिए जाने पर किसानों ने नाराजगी जताई थी। इसके अलावा यासंगी 2024-25 सीज़न में लाभ को तीन एकड़ तक सीमित करने के फैसले पर भी विवाद हुआ, जबकि पहले ऐसी कोई सीमा नहीं थी। सरकार ने यह भी स्पष्ट किया है कि सहायता केवल भू भारती (धरणी) पोर्टल में दर्ज भूमि अभिलेखों के आधार पर दी जाएगी और गैर-कृषि भूमि को योजना के दायरे में शामिल नहीं किया जाएगा।

प्रख्यात इतिहासकार डॉ. रमणैया का निधन

जगतियाल, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। प्रख्यात इतिहासकार डॉ. जैसेट्टी रमणैया का शुक्रवार तड़के वृद्धावस्था संबंधी बीमारी के चलते निधन हो गया। वे 88 वर्ष के थे और पिछले कुछ समय से अस्वस्थ चल रहे थे। बताया गया कि उन्होंने सुबह करीब 3 बजे अंतिम सांस ली। उनके परिवार में दो बेटे और दो बेटियां हैं। सेवानिवृत्त इतिहास व्याख्याता रमणैया ने करीमनगर के मंदिरों के इतिहास पर कई महत्वपूर्ण पुस्तकें लिखीं, जिनमें करीमनगर जिला इतिहास संस्कृति प्रमुख है।

वे के चंद्रशेखर राव के शिक्षक भी रहे थे। सिद्दिपेट जूनियर कॉलेज में कार्यरत रहते हुए उन्होंने उन्हें इतिहास पढ़ाया था।

नोएडा के सेक्टर 76 मेट्रो स्टेशन के पास विशाल मेगा मार्ट में भीषण आग दमकल की 15 गाड़ियों ने पाया काबू

नोएडा, 27 मार्च (एजेंसियां)। नोएडा के सेक्टर 76 में मेट्रो स्टेशन के पास स्थित विशाल मेगा मार्ट में आज एक भीषण आग लग गई, जिसने पूरी इमारत को अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें इतनी भयावह थीं कि मौके पर हड़कंप मच गया। त्वरित कार्रवाई करते हुए दमकल विभाग की करीब 15 गाड़ियों ने घंटों की मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया। इस घटना में किसी जनहानि की सूचना नहीं है। सीएफओ गौतमबुद्धनगर प्रदीप कुमार ने बताया आज थाना सेक्टर-49 क्षेत्र के अंतर्गत सेक्टर-76 मेट्रो स्टेशन के पास विशाल मेगा मार्ट के प्रथम तल पर आग लगने की सूचना प्राप्त होने पर त्वरित कार्रवाई करते हुए फायर ब्रिगेड की 15 गाड़ियों की मदद से आग को पूर्ण रूप से बुझा दिया गया है। कोई जनहानि नहीं हुई है।

आज पीएम मोदी करेंगे नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन

एसपीजी ने संभाली सुरक्षा की कमान

नोएडा, 27 मार्च (एजेंसियां)। नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन को लेकर प्रशासन और सुरक्षा एजेंसियों ने तैयारियां तेज कर दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 28 मार्च को इस महत्वकांक्षी परियोजना का लोकार्पण करने के लिए जेवर पहुंचेंगे। उनके दौरे को लेकर मिनट टू मिनट कार्यक्रम की तैयारी चल रही है।

जिसमें सुरक्षा ट्रैफिक और जनसभा से जुड़े हर पहलू पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। कार्यक्रम के अनुसार प्रधानमंत्री सुबह करीब 11:30 बजे एयरपोर्ट के टर्मिनल भवन का निरीक्षण करेंगे। इसके बाद दोपहर लगभग 12 बजे एयरपोर्ट के पहले चरण का औपचारिक लोकार्पण करेंगे। लोकार्पण के बाद प्रधानमंत्री एक बड़ी जनसभा को संबोधित करेंगे जिसमें भारी संख्या में लोगों के शामिल होने की संभावना है।

एसपीजी ने संभाली एयरपोर्ट के आसपास की सुरक्षा व्यवस्था

प्रधानमंत्री के दौरे से पहले स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप (एसपीजी) ने पूरे कार्यक्रम की सुरक्षा अपने हाथ में ले ली है। एयरपोर्ट और आसपास के क्षेत्र को सुरक्षा के लिहाज से पूरी तरह से कर किया गया है। एयरपोर्ट परिसर को जो फ्लाइंग जोन घोषित कर दिया गया है और जमीन से लेकर आसमान तक सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। आईजी स्तर के अधिकारियों की निगरानी में एसपीजी और स्थानीय पुलिस मिलकर सुरक्षा व्यवस्था को अंतिम रूप दे रही है। हर एंट्री पॉइंट और एग्जिट प्वाइंट पर चेकिंग बढ़ा दी गई है और बिना अनुमति किसी भी व्यक्ति को प्रवेश नहीं करने दिया जा रहा है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

संदिग्धों पर खुफिया एजेंसी की कड़ी नजर

प्रधानमंत्री के कार्यक्रम को देखते हुए खुफिया एजेंसी अब पूरी तरह सतर्क हो गई हैं। एयरपोर्ट के आसपास के गांव होटल और ढाबों में सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। जेवर, दनकौर और रबूपुरा क्षेत्र की पुलिस बाहरी लोगों की जानकारी जुटा रही है और होटल संचालकों को निर्देश दिए गए हैं कि वह हर आने जाने वाले लोगों की सूचना प्रशासन को दे। सुरक्षा एजेंसियां हर छोटी बड़ी गतिविधि पर नजर बनाए हुए, ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते रोका जा सके।

सड़कों की मरम्मत और साफ सफाई का काम तेज

कार्यक्रम से पहले एयरपोर्ट तक पहुंचने वाले सभी प्रमुख मार्गों को दुरुस्त किया जा रहा है। सड़कों की मरम्मत सफाई और सौंदर्य करण का काम तेज चल रहा है। यमुना एक्सप्रेस भी और आसपास के क्षेत्र में पेड़ों की छाती और सफाई अभियान भी चलाया जा रहा है, ताकि आगुन्तको को बेहतर सुविधा मिल सके। एसपीजी और प्रशासन प्रधानमंत्री के दौरे को लेकर किसी भी तरह की चूक नहीं चाहता इसलिए हेलीपैड से लेकर जनसभा स्थल तक हर मूवमेंट की बारीकी से निगरानी की जा रही है। वहीं कार्यक्रम से पहले सुरक्षा एजेंसियां रिहर्सल भी करेंगे ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए तैयारियां पूरी रहे।

क्षेत्र के विकास के लिए मील का पत्थर साबित होगा एयरपोर्ट

नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट का उद्घाटन न सिर्फ एक बड़ा इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट है बल्कि यह पूरे पश्चिमी उत्तर प्रदेश के विकास के लिए अहम कदम माना जा रहा है। इस एयरपोर्ट के शुरू होने से रोजगार के नए अफसर पैदा होंगे और क्षेत्र के कनेक्टिविटी में भी बड़ा सुधार होगा व्यापार और पर्यटन को भी इससे नई गति मिलने की उम्मीद है। बस अब लोगों को बेसब्री से नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के उद्घाटन का इंतजार है।

पूजा पाल को लेकर एफआईआर कराएंगे अखिलेश यादव

पंकज चौधरी ने सपा चीफ के बयान पर किया पलटवार

लखनऊ, 27 मार्च (एजेंसियां)। माफिया अतीक अहमद को लेकर पूजा पाल के बयान के बाद यूपी की सियासत गरमा गई है। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने उन पर तंज करते हुए गुमराह किए जाने की बात कही, जिसके बाद भारतीय जनता पार्टी की ओर से भी तीखी प्रतिक्रिया सामने आई हैं। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने राजू पाल को लेकर सपा पर 'खून से सना इतिहास' होने का आरोप लगाया। दरअसल पूजा पाल ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को 'धुरंधर' बताया था, जिस पर अखिलेश यादव ने कहा कि वह मुख्यमंत्री को अभी तक समझ नहीं पाई हैं। उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि वह इससे भी ज्यादा कड़े शब्द का इस्तेमाल कर सकती थीं। 'वह (आदित्यनाथ) तो धुरंधर से भी ज्यादा धुरंधर हैं।' अखिलेश ने कहा कि पूजा पाल को गुमराह किया गया है। हमारे विधायक को गुमराह कर के ले गए। बताओ एफआईआर कहां कराएं?

पंकज चौधरी ने किया सपा अध्यक्ष पर पलटवार

पूजा पाल अध्यक्ष | अखिलेश यादव | अध्यक्ष पंकज चौधरी

अखिलेश यादव के इस बयान पर बीजेपी ने भी पलटवार किया है। प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी ने राजू पाल की हत्या का जिक्र करते हुए कहा, 'एफआईआर तो उस रक्त रंजित इतिहास पर होनी चाहिए, जिसमें पाल समाज के होनहार लाल 'राजू पाल जी' की सरेआम हत्या करने वाले दरिंदों को समाजवादी पार्टी ने अपने 'सिर-आँखों' पर बिठाया था। उनके हत्यारों को पालने-पोसने और राजनीतिक संरक्षण देकर माफिया से माननीय बनाने का पाप सपा पार्टी ने किया। आज ये सपाई 'गुमराह' करने की बात कर रहे हैं। दरअसल, पाल समाज अब 'सफारी वाले नकली समाजवाद' को पहचान चुका है

राजू पाल

और विकास व राष्ट्रवाद की मुख्यधारा से जुड़ रहा है। स्वर्गीय राजू पाल जी की पत्नी स्वयं कह चुकी हैं कि अगर सपा सरकार होती, तो आज वो जिंदा न होतीं। यह लाल टोपी वालों के शासन के 'जंगलराज' पर सबसे बड़ा तमाचा है। जब आपके विधायक खुद आपका साथ छोड़कर विकास के साथ आ रहे हैं, तो तिलमिलाहट होना स्वाभाविक है।

पुलिस मुठभेड़ में लूट के दो आरोपी गिरफ्तार

फर्रुखाबाद, 27 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के फर्रुखाबाद में मुठभेड़ के बाद पुलिस ने लूट के 2 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जिनमें से एक के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। पुलिस ने घायल आरोपी को अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। अब पुलिस मामले में आगे की कार्रवाई में जुटी है। यह मुठभेड़ कादरीगेट थाना क्षेत्र के लकूला गांव के पास हुई, जहां से पुलिस ने लूट के आरोपी दीपक उर्फ बाबा और उसके एक साथी को गिरफ्तार किया है।

दरअसल, लूट और चोरी के आरोपियों को पकड़ने के लिए पुलिस ऑपरेशन लंगड़ा चला रही है। इसके तहत पुलिस को सूचना मिली थी कि लूट के मामले के आरोपी लकूला गांव के आसपास घूम रहे हैं। इस सूचना पर त्वरित कार्रवाई की। इस दौरान जब पुलिस आरोपियों को पकड़ने पहुंची तो मुठभेड़ शुरू हो गई। इस मुठभेड़ में एक आरोपी दीपक उर्फ बाबा के पैर में गोली लग गई, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

बरेली में तौकीर रजा समेत सभी उपद्रवियों पर लगेगा गैंग्सटर

थाने में लगानी होगी हाजिरी

अध्यक्ष मौलाना तौकीर रजा

बरेली, 27 मार्च (एजेंसियां)। पिछले वर्ष उपद्रव के मुख्य षड्यंत्रकारी मौलाना तौकीर रजा व अन्य आरोपितों पर गैंग्सटर लगाया जाएगा। इन सभी का नाम हिस्ट्रीशीटर सूची में शामिल होगा, जिसकी प्रक्रिया शुरू कर दी गई। ऐसे में, जमानत मिलने के बाद भी सभी आरोपितों को समय-समय पर थाने पहुंचकर उपस्थिति दर्ज करानी होगी। थाना पुलिस इनकी प्रत्येक गतिविधि पर निगाह रखा करेगी। 26 सितंबर 2025 को इत्तेहाद ए मिल्लत काउंसिल के अध्यक्ष मौलाना तौकीर रजा ने शहर में उपद्रव कराया था। उसके उकसावे पर आई भीड़ ने पांच स्थानों पर पुलिस पर पेट्रोल बमों से हमला किया, फायरिंग की थी। उसी रात उपद्रवियों पर 10 मुकदमे लिखे गए। तौकीर को 27 सितंबर को फतेहगढ़ जेल भेजा गया था, तब से जमानत नहीं मिली। अन्य 93 आरोपितों को अलग तिथियों पर जेल भेजा गया। पुलिस सभी मुकदमों में चार्जशीट दाखिल कर चुकी, जिनमें तौकीर, उसके करीबी डा। नफीस, नदीम आदि पर गंभीर आरोपों के प्रमाण दिए गए। इन सभी ने पुलिस पर जानलेवा हमला, बलवा, आगजनी, पुलिसकर्मियों से लूट, सांप्रदायिक माहौल बिगाड़ा था।

पुलिस के अनुसार, आरोपितों गिरोह बनाकर घटनाएं करते थे, इसलिए गैंग्सटर के तहत कार्रवाई होगी। इन सभी की हिस्ट्रीशीट भी खोली जाएगी। इस प्रक्रिया के बाद सभी आरोपित सदैव पुलिस की निगरानी में रहा करेंगे। जेल भेजे गए 94 आरोपितों में कुछ को जमानत मिल चुकी है। तौकीर को 10 में सात मामलों में जमानत मिल चुकी, मगर तीन में नहीं मिली है।

दतिया में हुए अपराध पर यूपी में केस, हाई कोर्ट ने उठाया सवाल झांसी पुलिस को नोटिस

प्रयागराज, 27 मार्च (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने मध्य प्रदेश के दतिया में थाना भंडेर अंतर्गत मोहल्ला मितौला में हुए अपराध की विवेचना बबीना, झांसी पुलिस द्वारा भी किए जाने पर राज्य सरकार से 10 दिन में जवाब मांगा है। कोर्ट ने पूछा है कि जब अपराध यूपी के बाहर हुआ है तो उत्तर प्रदेश की पुलिस को विवेचना का क्या अधिकार है। कोर्ट ने झांसी के बबीना थाने में दर्ज एफआइआर के तहत आरोपित याचियों चंद्र शेखर साहू व रवि साहू की गिरफ्तारी पर रोक लगा दी है। प्रकरण में अगली सुनवाई छह अप्रैल को होगी। यह आदेश न्यायमूर्ति जेजे मुनीर तथा न्यायमूर्ति तरुण सक्सेना की खंडपीठ ने याचीगण के अधिवक्ता अभिषेक चौहान को सुन कर दिया है। इनका कहना है कि अपराध मप्र में हुआ।

'नीतीश कुमार निपट गए

अब उनके बेटे को बीजेपी निपटाना चाहती है' सीएम के बेटे निशांत को लेकर कांग्रेस के सियासी दावे से खलबली

पटना, 27 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार को लेकर बिहार कांग्रेस ने बीजेपी पर हमला किया है। बिहार कांग्रेस के नेता और मीडिया विभाग के चेयरमैन राजेश राठौड़ ने शुक्रवार (27 मार्च, 2026) को बयान जारी करते हुए कहा कि नीतीश कुमार निपट गए और अब उनके बेटे को बीजेपी निपटाना चाहती है। राजेश राठौड़ ने कहा, अखबारों में एक विचित्र खबर छपी है कि बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का 50 वर्षीय बेरोजगार पुत्र जो उन्हीं के घर में रहते हैं, उन्ही की रोटी पर पलते हैं, लेकिन अपने पिता से मिले। कहां से आकर मिले? कहीं कमाने गए थे कि चिड़ियाखाना से आकर मिले?

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार

'नीतीश कुमार के घर पर कोई दूसरा सोता है क्या?'

कांग्रेस नेता ने कहा कि मुझे लगता है कि बीजेपी की एक बड़ी साजिश है। पहले तो नीतीश कुमार को निपटा दिया या फिर नीतीश कुमार निपट गए, अब उनके बेटे को जगह मिलने से पहले निपटाना चाहती है। नीतीश कुमार का बेटा निशांत जो 50 वर्ष का है, बेरोजगार है, वो 20 साल से नीतीश कुमार के घर में रहा है। वो उनसे मिला तो कौन सी बड़ी खबर हो गई? बंद कमरे में बात हुई तो क्या नीतीश कुमार के घर पर कोई दूसरा भी सोता है क्या? जनता सोती है क्या?

नीतीश कुमार पर बिहार को बेरोजगार बनाने का आरोप

राजेश राठौड़ ने कहा कि मुझे लगता है कि बीजेपी की साजिश है कि नीतीश कुमार के साथ-साथ उनके बेटे को भी निपटा दें। उनके बेटे का अखबार में बयान भी छपता है कि 2005 के पहले क्या था? कांग्रेस नेता ने कहा, 2005 के बाद आपके (निशांत) पिताजी ने बिहार को बेरोजगार बना दिया। सारे चीनी मिल बंद हो गए।

आपके पिता को पांच साल के लिए मौका मिलता है तो उसमें भी वो तीन बार सरकार बना लेते हैं। पूरे बिहार को भट्ठा बना दिया... दलालों, माफिया और कमिश्नखोरों की सरकार बनाकर रख दी।

गोरखपुर चिड़ियाघर में पेंटेड स्टार्क के दो चूजों का जन्म

चार साल की मेहनत रंग लाई

गोरखपुर, 27 मार्च (एजेंसियां)। चिड़ियाघर में वन्यजीव संरक्षण की दिशा में एक अहम सफलता मिली है। यहां पेंटेड स्टार्क पक्षी के बाड़े में पहली बार दो चूजों का जन्म हुआ है। इस उपलब्धि से चिड़ियाघर प्रबंधन में उत्साह का माहौल है। चार वर्षों से प्रबंधन प्रयास कर रहा था, लेकिन ये पक्षी अपना घोषला नहीं बना रहे थे। दोनों चूजों पूरी तरह से स्वस्थ है, गतिविधियों पर प्रबंधन टीम निगरानी कर रही है। वर्ष 2021 में लखनऊ चिड़ियाघर से पेंटेड स्टार्क के चार जोड़े गोरखपुर लाए गए थे। इन पक्षियों के लिए सुरक्षित और अनुकूल वातावरण तैयार करने के प्रयास लगातार किए जा रहे थे, जिसका सकारात्मक परिणाम अब सफल प्रजनन के रूप में सामने आया है। चिड़ियाघर के उप निदेशक डा। योगेश प्रताप सिंह ने बताया कि यह पहला मौका है जब यहां पेंटेड स्टार्क ने चूजों को जन्म दिया है। उन्होंने बताया कि यह सफलता चार वर्षों की सतत मेहनत का परिणाम है।

पेंटेड स्टार्क सामान्यतः ऊंचे पेड़ों पर घोंसला बनाते हैं, लेकिन चिड़ियाघर में ऐसे पेड़ों के अभाव में कृत्रिम व्यवस्था करनी पड़ी। प्रबंधन ने बाड़े के अंदर ऊंचाई पर बांस के सहारे कृत्रिम स्थल की संरचना तैयार की, लेकिन शुरुआत में पक्षियों ने घोंसला नहीं बनाया। इसके बाद उनके प्राकृतिक व्यवहार का अध्ययन कर नीम, बबूल, तुलसी और इमली की टहनियां बाड़े में उपलब्ध कराई गईं। इन टहनियों से पक्षियों ने घोंसला तैयार किया और चूजों को जन्म दिया।

मेरठ में 498 दरोगाओं के धुरंधर-2 देखने पर भड़के अखिलेश यादव, सरकार पर कसा तंज

लखनऊ, 27 मार्च (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव मेरठ में 498 दरोगाओं के धुरंधर-2 देखने पर योगी सरकार पर तीखा तंज कसा है। उन्होंने कहा कि अधिकारियों को प्रोपेगैंडा फिल्म दिखाने के बजाय पेट्रोल पंपों पर तैनात कर देते, जहां लोग तेल की किल्लत से जूझ रहे हैं। उन्होंने अपने एक्स हैंडल पर वीडियो पोस्ट की जिसमें पेट्रोल पंप पर लंबी क़तर लगी हुई थी। अखिलेश ने कहा कि अधिकारी प्रोपोगंडा फिल्म देख रहे हैं और सिपाही जनता का आक्रोश झेल रहे हैं। दरअसल, अखिलेश यादव का यह तंज मेरठ में 498 दारोगाओं को धुरंधर-2 फिल्म दिखाने पर था। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार वास्तविक समस्याओं से मुंह मोड़ रही है और पुलिसकर्मियों को जनता के गुस्से का शिकार अकेला छोड़ दिया है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अखिलेश यादव ने लिखा, "वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को 4 घंटे की प्रोपेगैंडा फिल्म देखने भेजने से बेहतर था कि उन्हें पेट्रोल पंपों पर भेज दिया जाता नाकाम सरकार ने बेचारे सिपाहियों को जनता के आक्रोश का सामना करने के लिए अकेला छोड़ दिया है।"

तेजस्वी यादव के खिलाफ एफआईआर

पटना, 27 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के राजनीतिक गलियारे से बड़ी खबर सामने आई। केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी के सलाहकार दानिश रिजवान ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव के खिलाफ शिकायती आवेदन दिया। उनका आरोप है कि तेजस्वी और कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरगे ने उनका पुराना वीडियो एआई से एडिट करके पोस्ट किया और उनकी छवि खराब करने की कोशिश की है। दानिश ने पुलिस को शिकायत ई-मेल के जरिए भेजी है। राजद के एक्स हेंडल से एक वीडियो पोस्ट किया गया। जिसमें केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी के सलाहकार दानिश रिजवान हवाई फायरिंग करते नजर आए। इस पर राजद ने तीखा हमला बोला और लिखा कि एनडीए के राज में कानून की परवाह नहीं की जा रही है। एक्स हेंडल पर लिखा गया – "बिहार में है कौन सा नियम कानून? यह एनडीए का राज है मतलब गुंडों का राज है! खुलेआम फायरिंग करते हम के प्रवक्ता और केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी के सलाहकार दानिश रिजवान! बिहार पुलिस और नीतीश कुमार मुंह दही जमाकर हाथ पर हाथ धरे बैठे रहें!"

फर्जी वीडियो वायरल करने का आरोप जीतनराम मांझी के सलाहकार ने की शिकायत

राजद नेता तेजस्वी यादव

ई-मेल से भेजा शिकायती आवेदन

वायरल वीडियो को लेकर केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी के सलाहकार दानिश रिजवान ने फर्जी वीडियो वायरल किए जाने को लेकर भोजपुर साइबर थाना में प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए ई-मेल के माध्यम से आवेदन दिया है। शिकायत में उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नेता तेजस्वी यादव, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे और राजीव रौशन पर गंभीर आरोप लगाए हैं। दानिश रिजवान का कहना है कि उनका दशकों पुराना एक वीडियो एआई तकनीक की मदद से एडिट कर सोशल मीडिया पर वायरल किया गया, जिससे उनकी छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की गई। उन्होंने इसे सुनियोजित साजिश बताते हुए दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है।

जांच में जुटी पुलिस

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस प्रशासन भी सतर्क हो गया है। आरा सदर के एसडीपीओ को वायरल वीडियो की जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि वीडियो को किसने और किस उद्देश्य से एडिट कर सोशल मीडिया पर फैलाया। इस घटना के बाद बिहार के राजनीतिक गलियारे में हलचल तेज हो गई है। फिलहाल, पुलिस शिकायत की जांच कर रही है और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की बात कह रही है।

कांग्रेस नेता मल्लिकार्जुन खरग

मुजफ्फरपुर हत्याकांड

गायघाट एसएचओ सहित छापेमारी को गई पूरी टीम सस्पेंड, जगतवीर राय मामले में कार्रवाई

मुजफ्फरपुर, 27 मार्च (एजेंसियां)। एक बड़ी प्रशासनिक कार्रवाई की गई है। एसएसपी कांतेश कुमार मिश्रा ने कुछ दिनों पहले गायघाट थाना क्षेत्र में जो टीम छापेमारी करने गई थी उनमें शामिल सभी को निलंबित कर दिया है। इसमें तत्कालीन एसएचओ राजा सिंह भी शामिल हैं। यह कार्रवाई एसपी ग्रामीण राजेश कुमार द्वारा प्रस्तुत जांच रिपोर्ट के बाद की गई है, जिसमें 17-18 मार्च 2026 की रात को गायघाट थाना क्षेत्र के चोरनिया गांव में की गई छापेमारी के संचालन में गंभीर कमियां पाई गई हैं। जांच के निष्कर्षों के अनुसार, छापेमारी के दौरान पुलिस टीम को ग्रामीणों के हिंसक प्रतिरोध का सामना करना पड़ा, जिसमें पत्थरबाजी, लाठियों से हमला और यहां तक कि गोलीबारी भी शामिल थी।

स्थानीय निवासी की गई थी जान

अफरा-तफरी के बीच एसएचओ राजा सिंह ने कथित तौर पर बचने के लिए हवा में गोली चलाई, लेकिन दुर्भाग्य से इस घटना में एक स्थानीय निवासी जगतवीर राय की जान चली गई थी। जांच में कई गंभीर कमियां उजागर हुईं, जिनमें यह भी शामिल है कि छापेमारी पर्याप्त बल या उचित खुफिया जानकारी के बिना की गई थी। जांच रिपोर्ट यह भी बताती है कि टीम संयम बरतने में विफल रही, जिससे स्थिति और बिगड़ गई और खुफिया जानकारी जुटाने में विफलता मिली। चौकीदार प्रहलाद कुमार ने संभावित खतरों या आरोपियों के बारे में टीम को सतर्क नहीं किया था।

निलंबित होने वालों में कौन-कौन?

इन निष्कर्षों के आधार पर मुजफ्फरपुर एसएसपी ने तत्कालीन एसएचओ (गायघाट थाना), राजा सिंह, सब-इंस्पेक्टर मनीष कुमार, पीटीसी रंजन कुमार, महिला कांस्टेबल चांदनी कुमारी, ड्राइवर कांस्टेबल ओम प्रकाश और चौकीदार प्रहलाद कुमार को निलंबित कर दिया। इसके अतिरिक्त इस ऑपरेशन में शामिल होम गार्ड कर्मियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए जिला मजिस्ट्रेट को सिफारिश भेजी गई है। जिला पुलिस के इस निर्णायक कदम से विभाग में काफी हलचल मच गई है और इसे बिहार में पुलिसिंग के तरीकों और कानून-व्यवस्था को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच जवाबदेही सुनिश्चित करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

'हरियाणा विधानसभा टिकट के लिए दिए थे 7 करोड़'

पूर्व महिला कांग्रेस नेता पति की शिकायत पर दिल्ली में केस दर्ज !

गुरुग्राम, 27 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा में पूर्व महिला कांग्रेस महासचिव सुचित्रा देवी के पति गौरव कुमार ने हरियाणा विधानसभा 2024 चुनाव में बावल विधानसभा सीट से टिकट के लिए कांग्रेस नेताओं को 7 करोड़ रुपए देने के दावा किया था। पुलिस सूत्रों के मुताबिक मामले में दिल्ली के साउथ एवेन्यू थाने में केस दर्ज कर लिया गया है। वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं पर बावल विधानसभा सीट के टिकट के लिए 7 करोड़ लेने का आरोप लगा है। पूर्व महिला कांग्रेस महासचिव सुचित्रा देवी के पति ने नॉर्थ एवेन्यू थाने में दर्ज केस में आरोप लगाया है कि हरियाणा के बावल विधानसभा सीट के टिकट के लिए वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं और सहयोगियों को 7 करोड़ रुपए दिए थे। हरियाणा विधानसभा सीट के टिकट बेचने के मामले में दिल्ली पुलिस ने पति गौरव कुमार की शिकायत पर एफआईआर दर्ज कर लिया है।

दिल्ली की नॉर्थ एवेन्यू थाने में कांग्रेस पार्टी से जुड़े लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज

सूत्रों के मुताबिक दिल्ली की नॉर्थ एवेन्यू थाने में दर्ज केस में कांग्रेस पार्टी से जुड़े लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है और नॉर्थ एवेन्यू थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। पति गौरव कुमार द्वारा थाने दर्ज शिकायत में पार्टी के बड़े नेताओ पर करोड़ों की ठगी का आरोप लगाया गया था। गौरव कुमार ने आरोप लगाया था कि इस लेन-देन में के.सी. वेणुगोपाल और कोडिकुन्निल सुरेश सहित कई बड़े चेहरों के नाम जुड़े हैं।

टिकट के लिए वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं और सहयोगियों को दिए 7 करोड़ रुपए

गौरव का दावा है कि उन्होंने पत्नी को टिकट दिलाने के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं और उनके सहयोगियों को लगभग 7 करोड़ रुपये दिए थे। उनका आरोप है कि न तो उन्हें टिकट मिला और न ही उनके पैसे वापस किए जा रहे। उन्होंने सबूत के तौर पर व्हाट्सएप चैट और अन्य दस्तावेज दिल्ली पुलिस कमिश्नर को सौंपे हैं। उन्होंने बताया कि, हमने इस मामले में कई सबूत दिए हैं, इसमें बैंक स्टेटमेंट से लेकर ऑडियो रिकॉर्डिंग शामिल है।

केसी वेणुगोपाल के एक आदमी द्वारा दो करोड़ रुपए का ऑफर देने का दावा

इससे पहले गौरव ने दावा किया था कि मामले को लेकर उन्हें केसी वेणुगोपाल के एक आदमी का फोन आया और दो करोड़ रुपये का ऑफर दिया गया। उनसे कहा गया कि वो मेरे खिलाफ झूठे बयान प्रेस ब्रीफिंग में दे दें। लेकिन केसी वेणुगोपाल यह भूल गए कि हमारे भी कुछ रिश्ते होते हैं। पैसे देकर आप कोई भी साजिश नहीं रच सकते। अगर आप मेरे खिलाफ बयान देने के लिए दो करोड़ दे सकते हैं, तो मेरे वो पैसे वापस कर दीजिए।

हरियाणा विधानसभा चुनाव 2024 में कांग्रेस को 37 सीटों से संतोष करना पड़ा

गौरतलब है साल 2024 में हुए हरियाणा विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने लगातार तीसरी बार जीत दर्ज कर इतिहास रच दिया था। भाजपा पहली पार्टी बन गई थी, जिसने लगातार तीसरी बार हरियाणा में सरकार बनाने में सफल हुई थी। भाजपा 90 सीटों वाली हरियाणा विधानसभा में जीत के लिए जरूरी 46 सीटों से 2 सीट अतिरिक्त सीटें जीतकर सत्ता पर काबिज हुई थी, जबकि कांग्रेस को 37 सीटो से संतोष करना पड़ा था।

29 जून को प्रथम पूजन और 17 जुलाई से यात्रा की तैयारी

जम्मू, 27 मार्च (एजेंसियां)। श्री अमरनाथ यात्रा को लेकर श्राइन बोर्ड से लेकर प्रशासनिक अधिकारियों ने तैयारियां शुरू दी गई हैं। यात्रा से पहले 29 जून को प्रथम पारंपरिक पूजन होना है और यात्रा 17 जुलाई से शुरू होने की संभावना है। हालांकि, तिथियों की आधिकारिक घोषणा जल्द होने की उम्मीद है। प्रशासन ने यात्रा को सुचारु और सुरक्षित बनाने के लिए व्यापक स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर विभिन्न एजेंसियों के साथ समन्वय बैठकों का दौर जारी है। यात्रा के बीच पड़ने वाले संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त निगरानी की योजना बनाई जा रही है। इसके अलावा, स्वास्थ्य सेवाओं, आपदा प्रबंधन और आपातकालीन प्रतिक्रिया तंत्र को भी मजबूत किया जा रहा है। यात्रा मार्ग पहलगाम और बालटाल पर मरम्मत कार्य तेज कर दिए गए हैं ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। लंगर स्थलों, पेयजल, शौचालय और ठहरने की सुविधाओं को बेहतर बनाने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। मेडिकल कैंप और एंबुलेंस सेवाओं की भी संख्या बढ़ाई जा रही है। हर साल देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु बाबा बर्फानी के दर्शन के लिए इस पवित्र यात्रा में शामिल होते हैं। ऐसे में प्रशासन का फोकस इस बार भी बेहतर प्रबंधन और सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित करने पर है। अधिकारियों का कहना है कि सभी तैयारियां समय पर पूरी कर ली जाएंगी ताकि श्रद्धालुओं को सुगम और सुरक्षित यात्रा का अनुभव मिल सके।

ज्वैलरी स्टोर से सोने की अंगूठी चोरी

ग्वालियर, 27 मार्च (एजेंसियां)। ग्वालियर में एक ज्वैलरी शोरूम में फिल्मी अंदाज में चोरी का मामला सामने आया है। पड़ाव थाने के सामने स्थित ब्लू स्टोन ज्वैलरी स्टोर से 3.21 लाख रुपए कीमत की 22 कैरेट सोने की अंगूठी चोरी हो गई। खास बात यह रही कि आरोपी असली अंगूठी की जगह शोकेस में नकली अंगूठी रख गया, जिससे चोरी का खुलासा करीब 10 दिन बाद हो सका। जानकारी के मुताबिक, ब्लू स्टोन ज्वेलरी शोरूम में 17 मार्च को हुए ऑडिट के दौरान 17.6 ग्राम की अंगूठी नकली पाई गई। इसके बाद शोरूम संचालक ऋषभ दुबे ने सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज में 5 मार्च को एक युवक अंगूठी बदलते हुए नजर आया। आरोपी बड़े ही शातिर तरीके से पहले अंगूठी देखता है, फिर एक कोने में जाकर जेब से रुमाल में रखी नकली अंगूठी निकालकर असली से बदल देता है। पुलिस ने दिल्ली में दबिश देकर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में अभिषेक ने बताया कि शेयर बाजार में हुए भारी नुकसान की भरपाई के लिए उसने यह चोरी की थी।

'शादीशुदा पुरुष का बालिग के साथ लिव-इन में रहना जुर्म नहीं'

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गिरफ्तारी पर लगाई रोक

प्रयागराज, 27 मार्च (एजेंसियां)। इलाहाबाद हाईकोर्ट की डिवीजन बेंच ने लिव-इन रिलेशनशिप को लेकर एक अहम टिप्पणी की है। जस्टिस जेजे मुनीर और जस्टिस तरुण सक्सेना की पीठ ने कहा कि अदालत का काम कानून के अनुसार फैसला देना है, न कि सामाजिक या पारिवारिक नैतिकता के आधार पर। अगर कोई काम कानून के तहत अपराध नहीं है, तो सिर्फ समाज की सोच के कारण कोर्ट उसे गलत नहीं ठहरा सकता।

शादीशुदा पुरुष का लिव-इन में रहना अपराध नहीं

कोर्ट ने साफ शब्दों में कहा कि कोई शादीशुदा पुरुष यदि किसी वयस्क महिला के साथ उसकी सहमति से लिव-इन रिलेशनशिप में रह रहा है, तो यह अपने आप में कोई आपराधिक कृत्य नहीं है। जब तक किसी कानून का उल्लंघन नहीं हो रहा, तब तक अदालत इस तरह के

रिश्ते को अपराध नहीं मानेगी। यह मामला एक ऐसे लिव-इन कपल से जुड़ा है, जिन्हें महिला के परिवार की तरफ से लगातार धमकियां मिल रही थीं। महिला ने शाहजहांपुर के पुलिस अधीक्षक को दिए गए आवेदन में बताया कि वह बालिग है और अपनी मर्जी से अपने साथी के साथ रह रही है। उसने यह भी कहा कि उसके माता-पिता और अन्य रिश्तेदार इस रिश्ते से नाराज हैं और जान से मारने की धमकी दे रहे हैं।

ऑनर किलिंग का खतरा बताया

महिला ने अपने आवेदन में यह भी आशंका जताई कि उसे और उसके साथी को ऑनर किलिंग का खतरा है। इसके बावजूद पुलिस की ओर से कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई, जिस पर हाईकोर्ट ने नाराजगी जाहिर की। कोर्ट ने कहा कि दो वयस्क लोग अगर साथ रहना चाहते हैं, तो उनकी सुरक्षा करना पुलिस का कर्तव्य है। ऐसे मामलों में पुलिस अधीक्षक की व्यक्तिगत जिम्मेदारी बनती है कि वह कपल की जान-माल की सुरक्षा सुनिश्चित करे। महिला के परिवार की शिकायत पर अपहरण का एक केस दर्ज किया गया था। इस मामले में भी हाईकोर्ट ने कपल को बड़ी राहत दी। कोर्ट ने आदेश दिया कि अगली सुनवाई तक दोनों याचिकाकर्ताओं को गिरफ्तार नहीं किया जाएगा।

परिवार को संपर्क और नुकसान पहुंचाने से रोका

हाईकोर्ट ने महिला के परिवार को निर्देश दिया कि वे कपल को किसी भी तरह से परेशान न करें। न तो उनसे संपर्क करें और न ही उनके घर में घुसने की कोशिश करें। किसी भी तरह की धमकी या नुकसान पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी भी दी गई है। कोर्ट ने साफ किया कि शाहजहांपुर के पुलिस अधीक्षक इस कपल की सुरक्षा के लिए व्यक्तिगत रूप से जिम्मेदार होंगे। यदि सुरक्षा में लापरवाही हुई, तो इसकी जवाबदेही तय की जाएगी।

ऋण चुकाने के बाद भी नहीं दी एनओसी, अब इस प्राइवेट बैंक को देना होगा 25 हजार का मुआवजा

धर्मशाला, 27 मार्च (एजेंसियां)। धर्मशाला में उपभोक्ता फोरम ने एचडीएफसी बैंक को ऋण चुकाने के बाद एनओसी न देने पर 25 हजार रुपये मुआवजा और 15 हजार रुपये न्यायालय शुल्क देने का आदेश दिया है। यह राशि इस आदेश की प्रति प्राप्त होने की तिथि से 45 दिनों के अंदर देनी होगी, ऐसा न करने पर बैंक को शिकायत की तिथि से भुगतान होने तक 9 प्रतिशत प्रति वर्ष की दर से ब्याज भी देना होगा।

इसके इलावा बैंक को उपभोक्ता को 15 हजार रुपये का न्यायालय शुल्क का भी भुगतान करना होगा। उपभोक्ता फोरम के अध्यक्ष हेमांशु मिश्रा, सदस्य आरती सूद व नारायण ठाकुर की खंडपीठ द्वारा यह फैसला सुनाया गया है। नूरपुर के निश्चल महाजन ने एक्सकेवेटर मशीन का ऋण चुकाया था, लेकिन बैंक ने एनओसी जारी करने में देरी की, जिससे उन्हें 10 लाख रुपये का नुकसान हुआ। बैंक पर सेवा में कमी का आरोप है। निश्चल महाजन का आरोप है कि एसडीएफसी बैंक शाखा द्वारा एनओसी जारी करने में देरी की गई। इसके बाद अगस्त 2022 में बैंक शाखा द्वारा कथित तौर पर एनओसी जारी करने में सुविधा के लिए डेढ़ लाख रुपये का चेक मांगा, जो दे दिया गया। लेकिन बाद में बैंक शाखा द्वारा चेक के दुरुपयोग या गुम किए जाने के कारण बताया गया।

इसके बाद उपभोक्ता को पता चला कि उसके खाते में बिना किसी नए दस्तावेज या अनुरोध के 24,70,000 रुपये का एक नया ऋण जमा कर दिया गया था, जिसके बारे में बैंक शाखा ने दावा किया था कि यह सरकारी आपातकालीन ऋण लाइन (जीईसीएल) के तहत था। बैंक शाखा द्वारा उपभोक्ता को अपने चुकाए गए ऋण की एनओसी जारी करने से इनकार करने के कारण, उसकी मशीनरी का संभावित खरीदार पीछे हट गया, और मशीन का बाजार मूल्य 19 लाख से घटकर लगभग 9 लाख हो गया, जिससे उपभोक्ता को 10 लाख रुपये का सीधा नुकसान हुआ।

पत्नी को पीटा, फिर बीच सड़क कार से कुचलकर मार डाला, कर्नाटक में दरिंदगी की हदें पार

बेंगलूरू, 27 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक में एक दिल दहला देने वाली हत्या की घटना सामने आई है, जहां एक शख्स ने सड़क के किनारे अपनी पत्नी को बुरी तरह पीटा और फिर उसके ऊपर एसयूवी चढ़ा दी। अधिकारियों ने बताया कि अक्षय और उसकी पत्नी शैला सुबह तीर्थ स्थल गनागापुरा जा रहे थे। वे मारुति सुजुकी अर्टिगा कार में सफर कर रहे थे।

सुबह करीब 11 बजे, जब वे बल्लुरगा गांव के पास थे, तो पति-पत्नी के बीच किसी बात पर बहस हो गई और अक्षय ने शैला को गाड़ी से बाहर धक्का दे दिया। वहां मौजूद किसी राहगीर द्वारा बनाए गए एक वीडियो में देखा जा सकता है कि शैला सड़क के किनारे ज़मीन पर पड़ी है और अक्षय उसके बाल पकड़कर उसे बेरहमी से पीट रहा है, जबकि शैला मदद के लिए चीख रही है। वहां से गुजर रहे कुछ लोगों ने बीच-बचाव किया और अक्षय को शैला पर हमला करने से रोककर, उसे वापस कार में बिठाने में मदद की। हालांकि कुछ ही मिनटों बाद, अक्षय गाड़ी को एक खेत की तरफ ले गया और अपनी पत्नी को फिर से गाड़ी से बाहर धक्का दे दिया।

इसके बाद उसने अपनी एसयूवी उसके ऊपर चढ़ा दी। यह पूरी घटना भी कैमरे में कैद हो गई। कलबुर्गी के पुलिस अधीक्षक अड्डुरु श्रीनिवासुलु ने बताया कि इस कपल की शादी को चार साल हो चुके थे और वे मूल रूप से महाराष्ट्र के बारामती के रहने वाले थे। शुरुआती जांच से पता चलता है कि इस हत्या की वजह अक्षय का वह शक हो सकता है कि शैला का किसी और के साथ अवैध संबंध था। एक अधिकारी ने बताया, 'हम इस मामले की और इससे जुड़े अन्य सभी पहलुओं की जांच कर रहे हैं। पति को हिरासत में ले लिया गया है।'

'कौन बनेगा करोड़पति' में जाने वाली महिला तहसीलदार गिरफ्तार

2.5 करोड़ के घोटाले का आरोप

भोपाल, 27 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां एक तहसीलदार को रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। हैरानी की बात यह है कि आरोपी तहसीलदार, लोकप्रिय टेलीविजन कार्यक्रम 'कौन बनेगा करोड़पति' में प्रतिभागी के रूप में भी जा चुकी हैं। वहीं इस कार्यक्रम के माध्यम से राष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त चुकी हैं। ऐसे में महिला तहसीलदार पर 2.5 करोड़ रुपये के बाढ़ राहत 'घोटाले' का आरोप लगा है। फिलहाल आरोपी महिला तहसीलदार को गिरफ्तार कर लिया गया है और मामले की जांच की जा रही है।

2.5 करोड़ के घोटाले का आरोप

जानकारी के मुताबिक इस घोटाले में कथित संलिप्तता के आरोप में महिला तहसीलदार को गुरुवार को मध्य प्रदेश के ग्वालियर से गिरफ्तार किया गया। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि अमृता सिंह तोमर को साल 2021 में बड़ौदा तहसील में हुए 'घोटाले' के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया है।

अधिकारियों के मुताबिक अदालत में पेश किए जाने के बाद अमृता सिंह तोमर को शिवपुरी की जेल में रखा गया है। अधिकारियों ने ही बताया कि अमृता सिंह तोमर ने 'कौन बनेगा करोड़पति' में प्रतियोगी के रूप में 50 लाख रुपये जीते थे।

मिर्जापुर में जूनियर इंजीनियर गिरफ्तार

इसी प्रकार के एक अन्य मामले में मिर्जापुर जिले से एक जूनियर इंजीनियर को गिरफ्तार किया गया है। यहां देहात कोतवाली क्षेत्र में भ्रष्टाचार रोधी दल ने एक लाख रुपये रिश्वत लेने के आरोप में जूनियर इंजीनियर को गिरफ्तार किया।

पुलिस सूत्रों ने बताया कि भ्रष्टाचार रोधी दल ने सिंचाई विभाग की बाणसागर परियोजना में तैनात कनिष्ठ अभियंता मुसाफिर सिंह यादव को ठेकेदार द्वारा किए गए कार्य का बिल स्वीकृत करने के बदले एक लाख रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। उन्होंने बताया कि इस मामले में आरोपी के खिलाफ भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की संबंधित धारा के तहत मामला दर्ज किया गया है।

महिला पुलिसकर्मी के चेहरे पर बर्खास्त थानेदार ने मरवाई थी फूंक

हाईकोर्ट ने कहा- यह गलत है, राहत नहीं मिली

भोपाल, 27 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में पदस्थ एक टीआई ने महिला पुलिसकर्मी के चेहरे पर फूंक मरवाई थी। उन्होंने यह फूंक नशे की स्थिति चेक करने के लिए मरवाई थी। इस मामले की जांच के बाद टीआई को नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया था। इसके बाद कार्रवाई को हाईकोर्ट में चुनौती दी थी।

अब हाईकोर्ट से भी टीआई को राहत नहीं मिली है। दरअसल, यह पूरा मामला 30-31 अगस्त की दरमियानी रात की है। मामला भोपाल के डायल-100 कंट्रोल रूम के पास का है। टीआई राजेश कुमार त्रिपाठी पर आरोप लगा था कि नशा जांच के लिए एक महिला पुलिसकर्मी को खड़ा कर अन्य कर्मियों से उसके चेहरे पर फूंक मारने को कहा था। इसके बाद महिला पुलिसकर्मी ने विभाग में शिकायत की थी। विभागीय जांच और सीसीटीवी फुटेज के बाद टीआई के खिलाफ विभाग ने एक्शन लिया। इसके बाद आठ सितंबर 2025 को टीआई को बर्खास्त कर दिया गया। विभागीय कार्रवाई के खिलाफ बर्खास्त टीआई एमपी हाईकोर्ट गए थे। लेकिन वहां से उन्हें राहत नहीं मिली थी। अब टीआई ने डबल बेंच का रूख किया है। मगर वहां से राहत नहीं मिली है।

साथ ही डबल बेंच ने कहा है कि इस तरह की जांच न तो कानूनी है और न ही नैतिक रूप से स्वीकार्य है। गौरतलब है कि इस मामले की सुनवाई चीफ जस्टिस संजीव सचदेवा और जस्टिस विनाय सराफ की बेंच ने की है। साथ ही कहा कि किसी महिला पुलिसकर्मी के चेहरे पर फूंक मारकर नशा जांच करना अनुचित है। यह उसकी गरिमा के अधिकार का उल्लंघन है।

पालघर में ढोंगी बाबा पर दुष्कर्म का आरोप

महिला ने दर्ज कराया केस; खुद को भगवान बताता था आरोपी

पुणे, 27 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के पालघर जिले में एक ढोंगी बाबा के 35 साल की महिला ने कथित तौर पर दुष्कर्म का मामला दर्ज कराया है। मामले में आरोपी ने खुद को भगवान का अवतार बताकर महिला को अपने जाल में फंसाया था। पुलिस अधिकारी ने शुक्रवार को इस घटना की जानकारी दी। पुलिस अधिकारी ने बताया, पुणे की रहने वाली पीड़ित महिला ने बताया कि वह 2023 में फेसबुक के जरिए 40 साल के इस आरोपी के संपर्क में आई थी। आरोपी पालघर जिले में एक सामाजिक संस्था चलाता है।

एफआईआर के मुताबिक, दिसंबर 2023 में आरोपी महिला से मिलने पुणे पहुंचा था। वहां उसने महिला को धोखा देते हुए दावा किया कि वह महादेव (भगवान शिव) का अवतार है और महिला उसकी पार्वती है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि इसके बाद आरोपी महिला को पुणे के मांजरी इलाके के एक लॉज में ले गया। वहां उसने महिला को कोई नशीला पदार्थ खिला दिया और उसके बेहोश होने पर उसके साथ दुष्कर्म किया। इस दौरान आरोपी ने महिला की जानकारी के बिना उसकी कुछ तस्वीरें भी खींच लीं। महिला ने पुलिस को बताया कि आरोपी ने उन तस्वीरों का इस्तेमाल उसे ब्लैकमेल करने के लिए किया। पिछले साल मई में आरोपी ने महिला को वसई के एक होटल में बुलाया और वहां फिर से उसका यौन शोषण करने की कोशिश की। काफी समय तक चुप रहने के बाद महिला ने अब शिकायत दर्ज कराने की हिम्मत जुटाई है।

कहां गई 2332 किलो ड्रग्स ? अधिकारियों का गजब तर्क, कहा- चूहे गटक गए सारा माल

अहमदाबाद, 27 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात विधानसभा में हाल ही में पेश की गई नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की रिपोर्ट ने राज्य के गृह विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, पुलिस हिरासत में रखा गया हजारों किलोग्राम नशीला पदार्थ गायब है। जब इस बारे में जवाब मांगा गया, तो गृह विभाग ने जो तर्क दिए, उन्हें सुनकर हर कोई दंग रह गया। विभाग का कहना है कि जब्त किया गया नशा या तो चूहे खा गए या फिर नमी के कारण उसका वजन कम हो गया।

सीएजी की रिपोर्ट के आंकड़ों पर गौर करें तो मामला बेहद गंभीर नजर आता है। अक्टूबर 2022 से जुलाई 2023 के बीच गुजरात पुलिस ने कुल 6510.54 किलोग्राम मादक पदार्थ जब्त किया था। नियम के मुताबिक, जब्त किए गए नशे को नष्ट किया जाना चाहिए, लेकिन आधिकारिक रिकॉर्ड बताते हैं

कि केवल 4177.86 किलोग्राम ड्रग्स ही नष्ट किया गया। अब सवाल यह है कि बाकी बचा 2332.68 किलोग्राम नशीला पदार्थ कहां गया? यह कुल जब्ती का लगभग 35 प्रतिशत हिस्सा है, जो पुलिस कस्टडी से रहस्यमयी तरीके से गायब है।

गृह विभाग के तीन अजीब तर्क

जब सीएजी ने इस भारी कमी पर स्पष्टीकरण मांगा, तो गृह विभाग ने तीन मुख्य कारण बताए। विभाग का दावा है कि मालखानों में उचित भंडारण सुविधाओं के अभाव में चूहों और अन्य कीड़ों ने बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थों (विशेषकर गांजा) को नष्ट कर दिया। विभाग के अनुसार, हरे भांग और अफीम के पौधों को जब जब्त किया जाता है, तो उनमें नमी होती है। समय के साथ नमी सूख जाने के कारण उनके वजन में भारी कमी आ जाती है। गृह विभाग ने यह भी स्वीकार किया कि लगभग 1.44 लाख किलोग्राम मारिजुआना (गांजा) चोरी हो गया है।

चूहों पर फोड़ा जा रहा ठीकरा ?

सीएजी ने गृह विभाग के इन दावों पर गहरा संदेह व्यक्त किया है। रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि 35 प्रतिशत जैसे बड़े हिस्से का गायब होना केवल प्राकृतिक कारणों या चूहों की वजह से संभव नहीं लगता। ऑडिट में इस बात पर जोर दिया गया है कि गायब हुए मादक पदार्थों की उचित ट्रैकिंग की जानी चाहिए और सुरक्षा के लिए अधिक सख्त कदम उठाए जाने चाहिए।

विधानसभा में हंगामा और सुरक्षा पर सवाल

इस रिपोर्ट के सामने आने के बाद गुजरात विधानसभा में विपक्ष ने सरकार को घेरा है। सवाल उठाया जा रहा है कि अगर पुलिस कस्टडी में ही ड्रग्स सुरक्षित नहीं है, तो राज्य में नशा मुक्ति अभियान कैसे सफल होगा? रिपोर्ट ने मादक पदार्थों के भंडारण और निगरानी तंत्र में मौजूद गंभीर खामियों को उजागर कर दिया है।

सीएजी ने निर्देश दिया है कि हर जब्त माल की ट्रेल और स्टोरेज का सरकारी रिकॉर्ड अनिवार्य रूप से रखा जाए। यह खुलासा न केवल सुरक्षा एजेंसियों के लिए एक चेतावनी है, बल्कि नागरिकों के बीच भी पुलिस की कार्यप्रणाली को लेकर अविश्वास पैदा करता है।

चोरी के शक में पिता ने बेटियों को दी यातनाएं, रात भर उल्टा लटकाया, फिर जाकर सो गया, एक की मौत

सांगली, 27 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के सांगली जिले के आटपाडी तालुका के बनपुरी गांव से मानवता को शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है। केवल चोरी के संदेह में दो मासूम बच्चों को उल्टा लटकाकर रात भर अमानवीय यातना दी गई। इस क्रूर अत्याचार में 10 साल की सानिका की मौत हो गई, जबकि उसकी 11 साल की बहन अनुजा गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती है। घटनास्थल से मिली जानकारी के अनुसार, पड़ोसी के घर में चोरी के शक के वजह से बच्चों के पिता नाना हैबत यमगर ने गुस्से में यह खौफनाक कदम उठाया। आरोप है कि उन्होंने अपनी ही बेटियों को सजा देने के नाम पर इस अमानवीय कृत्य को अंजाम दिया। शाम करीब पांच बजे पिता ने दोनों बच्चियों के हाथ-पैर बांधकर घर के टिन के एंगल से उल्टा लटका दिया। पूरी रात बच्चियां दर्द से तड़पती रहीं और “पानी-पानी” की गुहार लगाती रहीं, लेकिन निर्दयी माता-पिता ने उनकी कोई मदद नहीं की और उन्हें एक बूंद पानी तक नहीं दिया।

नेपाल में बालेन शाह सबसे युवा प्रधानमंत्री बने

रैप गाकर दिया पहला मैसेज, मधेश क्षेत्र से आने वाले पहले पीएम

काठमांडू, 27 मार्च (एजेंसियां)। नेपाल में शुक्रवार को बालेन्द्र (बालेन) शाह ने प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। 35 साल के बालेन देश के सबसे कम उम्र के पीएम बने। सांसद पद की शपथ के कुछ घंटे पहले उन्होंने रैप गाने के जरिए पहला संदेश जारी किया, जिसमें भ्रष्टाचार, सिस्टम बदलाव और युवाओं का जिक्र किया।

उन्होंने अपने गीत में कहा कि एकता ही उनकी सबसे बड़ी ताकत है और इस बार इतिहास बन रहा है।

बालेन की पार्टी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने 5 मार्च के चुनाव में जीत दर्ज की थी। कार्यवाहक प्रधानमंत्री सुशीला कार्की ने कहा कि देश का भविष्य अब युवाओं के हाथ में है और नई सरकार से भ्रष्टाचार खत्म करने की उम्मीद है।

नई सरकार में मंत्रिमंडल का भी गठन शुरू हो गया है। सुधन गुरुंग को गृह मंत्री बनाया गया है, जिन पर देश की आंतरिक सुरक्षा और कानून व्यवस्था की जिम्मेदारी होगी। वहीं शिशिर खनाल को विदेश मंत्री बनाया गया है, जो नेपाल की कूटनीति और अंतरराष्ट्रीय संबंधों को संभालेंगे। बालेन पहले काठमांडू

के मेयर थे। पिछले साल दिसंबर में उन्होंने पद से इस्तीफा दे दिया था और राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी में शामिल हो गए थे।

बालेन मधेस क्षेत्र से आने वाले पहले प्रधानमंत्री बने हैं। मधेश क्षेत्र नेपाल का वह इलाका है जो देश के दक्षिणी हिस्से में भारत की सीमा के साथ फैला हुआ है। इसे तराई क्षेत्र भी कहा जाता है। यहां रहने वाले लोगों को मधेशी कहा जाता है।

नेपाल की राजनीति में यह इलाका लंबे समय से प्रतिनिधित्व और पहचान को लेकर चर्चा में रहा है, ऐसे में बालेन का प्रधानमंत्री बनना राजनीतिक संतुलन के नजरिये से भी अहम माना जा रहा है। नेपाल में आमतौर पर गठबंधन सरकारें बनती रही हैं, जहां दो या अधिक दल मिलकर बहुमत बनाते हैं। नेपाल में पिछले चुनावों में नेपाली कांग्रेस और नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (यूनाइटेड मार्क्सवादी-लेनिनवादी) के बीच मुख्य मुकाबला होता था।

लेकिन इस बार स्थिति बदली। रवि लामिछाने के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) ने अकेले बहुमत हासिल किया। 2022 में चौथी सबसे बड़ी पार्टी बनी आरएसपी को इस बार 275 में से 182 सीटें मिलीं।

नेपाल के नए प्रधानमंत्री बालेन शाह की कहानी पारंपरिक राजनीति से बिल्कुल अलग है। 1990 में काठमांडू के नरदेवी इलाके में जन्मे बालेन अपने माता-पिता के सबसे छोटे बेटे हैं। उनके पिता आयुर्वेदिक डॉक्टर हैं, जबकि उनकी मां ने परिवार की देखभाल की। बालेन शादीशुदा हैं और अपनी पत्नी और बेटी के साथ रहते हैं। उन्होंने काठमांडू से इंजीनियरिंग की डिग्री ली और बाद में कर्नाटक में उच्च शिक्षा हासिल की। 2013 में नेपाल की एक चर्चित रैप बैटल जीतकर उन्हें पहचान मिली। उनके गानों में उस युवा पीढ़ी की नाराजगी झलकती थी, जो खुद को व्यवस्था से अलग और नजरअंदाज महसूस करती थी।

इसके बाद बालेन ने कई गाने रिलीज किए, जिनमें भ्रष्टाचार और सामाजिक असमानता पर तीखा हमला था। उनका अलग लुक भी पहचान बन गया, काले रंग का चौकोर चश्मा, काला ब्लेजर और काली पैंट। उनका गाना 'बलिदान' खासा लोकप्रिय हुआ और इसे यूट्यूब पर 1.4 करोड़ से ज्यादा बार देखा गया।

राजनीति में उनकी एंट्री 2022 में हुई, जब उन्होंने काठमांडू मेयर का चुनाव निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में लड़कर भारी मतों से जीत हासिल की।

खामेनेई को मारा लेकिन मसूद पेजेशकियान को छोड़ा

अमेरिका-इजरायल की पसंद बन सकते हैं ईरानी राष्ट्रपति

तेहरान/नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)। एक सर्बियाई-अमेरिकी दार्शनिक देजान स्टोजानोविच ने एक दिलचस्प बात कही थी। उन्होंने कहा था, 'मैं स्वयं को पुनर्जीवित करता हूं, यही मेरी एकमात्र शक्ति है।' ईरान के वर्तमान राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान का राजनीतिक जीवन कुछ ऐसा ही रहा है। इजरायल ने युद्ध के पहले दिन से ही मसूद पेजेशकियान को टारगेट नहीं किया। जबकि वह ईरान के सुप्रीम नेता अयातुल्ला अली खामेनेई, ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव अली लारिजानी, नेशनल डिफेंस काउंसिल के प्रमुख अली शामखानी, ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स यानी आईआरजीसी के कमांडर-इन-चीफ मोहम्मद पाकपोर, ईरान के रक्षा मंत्री अमीर नासिरजादेह तथा ईरान की सशस्त्र सेनाओं के चीफ ऑफ स्टाफ अब्दुल रहीम मौसवी को खत्म कर चुका है। यही नहीं यहूदी देश ने भविष्य में ईरान की शीर्ष लीडरशिप को खत्म करने का इरादा जताया है।

मसूद पेजेशकियान, अब तक की जंग में ईरान के प्रमुख जीवित नेताओं में से एक हैं और वह अमेरिका, इजरायल, यूरोप, खाड़ी

देशों तथा ईरान के उदार और सुधारवादी लोगों की पसंद बनकर भी उभरे हैं। अमेरिका और इजरायल, ईरान की सत्ता में बदलाव चाहते हैं और ऐसा लगता है कि उनकी पसंद मसूद पेजेशकियान हैं और वे उन पर दांव लगाने का मन भी बना चुके हैं। वाशिंगटन में शांति वार्ता की संभावनाएं तलाशी जा रही हैं और दुनिया की उम्मीद ईरान में सबसे उम्रदराज राष्ट्रपति के रूप में पहचाने जाने वाले मसूद पेजेशकियान पर आकर टिक गई है। उन पर इजरायल और अमेरिका ने कोई हमला न करके कई संदेश भी दिए हैं।

ईरान की सत्ता में मसूद पेजेशकियान किसी अजूबे की तरह माने जाते हैं। साल 2013 में वह देश के राष्ट्रपति बनना चाहते थे लेकिन सफलता की कोई उम्मीद नहीं देख कर बाद में उन्होंने अपना नाम वापस ले लिया। वह 2021 में ईरानी राष्ट्रपति का चुनाव लड़े लेकिन हार गए।

19 मई 2024 को एक हेलीकॉप्टर दुर्घटना में कट्टरपंथी राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी की मृत्यु के बाद मसूद पेजेशकियान का भाग्य खुला और वह सबकी पसंद बनकर उभरे। पेजेशकियान 67 वर्ष की उम्र में पदभार ग्रहण करने वाले ईरान के सबसे उम्रदराज राष्ट्रपति बन गये। वह उदारवादियों, सुधारवादियों तथा आम जनता के लिए किसी लौह पुरुष की तरह माने जाते हैं।

मसूद पेजेशकियान, ईरान की कुख्यात नैतिकता पुलिस के आलोचक हैं और उन्होंने अपने चुनाव अभियान के दौरान दुनिया से ईरान के अलगाव को समाप्त करने का वादा करके सबका ध्यान आकर्षित किया था। उन्होंने परमाणु समझौते को लेकर उदारता बरतने और पश्चिमी शक्तियों के साथ रचनात्मक बातचीत का आह्वान किया था। यह देश के युवाओं को बहुत पसंद आया था। मसूद पेजेशकियन से न तो ईरान के पड़ोसी देश नाराज लगते हैं, न ही अमेरिका उनसे दूरी रखना चाहता है। ऐसा लगता है कि इजरायल भी उन्हें मारना नहीं चाहता है।

पेजेशकियान की छवि एक ऐसे नेता के तौर पर होती है, जो सुधारों में यकीन रखता है। मसूद पेजेशकियान ने चुनाव के समय वादा किया था कि वह पश्चिमी देशों के संबंधों में सुधार करेंगे। हिजाब और हेडस्कार्फ पर ढील देने के वादे से महिलाएं उनसे खुश रही हैं। राष्ट्रपति बनने के बाद जब देश में सत्ता के प्रति नाराजगी देखने को मिल रही थी तब पेजेशकियान ने छात्रों और शिक्षाविदों के साथ एक बैठक में स्पष्ट कह दिया था कि मैं कुछ नहीं कर सकता, मुझे कोसे नहीं।

मूकबधिर ने गुड़िया का सहारा लेकर बताया उससे रेप हुआ

बिलासपुर, 27 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में मुकबधिर से रेप के आरोपी को हाईकोर्ट ने मरते दम तक उम्रकैद की सजा सुनाई है। मामला साल 2020 का है। जब घर में कोई नहीं था तो आरोपी रिश्तेदार ने घर घुसकर युवती से दुष्कर्म किया था। वारदात के बाद युवती ने इशारे में अपनी मां को पूरी बात बताई थी।

मामला बालोद जिले के अर्जुंदा थाना क्षेत्र का है। पीड़िता बोल और सुन नहीं सकती थी, इसलिए कोर्ट में प्लास्टिक की गुड़िया का सहारा लेकर उसने अपने साथ हुए गलत काम की गवाही दी थी।

हाईकोर्ट ने इस गवाह को भरोसेमंद माना है। कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में कहा कि इस गवाह को खारिज नहीं किया जा सकता। संकेतों के माध्यम से दी गई जानकारी भी कानूनी तौर पर मौखिक साक्ष्य है। दरअसल मूक-बधिर से रेप का मामला बालोद जिले के अर्जुंदा थाना क्षेत्र का है। 29 जुलाई 2020 को 20 साल की युवती घर पर अकेली थी, वह बोल सुन नहीं सकती थी। माता-पिता खेत में काम करने गए थे, तभी रिश्तेदार नीलम कुमार देशमुख घर में घुस गया। इस दौरान उसने युवती के साथ रेप किया और मौके से फरार हो गया, जब शाम को मां काम से घर लौटी तो उसने बेटी को रोते हुए पाया।

पीड़िता ने मां को इशारों में आपबीती बताई। साथ ही आरोपी की भी पहचान बताई, जिसके बाद परिजन उसे लेकर थाने पहुंचे। शिकायत पर पुलिस ने आईपीसी की धारा 450 और 376(2) के तहत केस दर्ज करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया।

पीड़िता जन्म से ही बोलने और सुनने में अक्षम थी, इसलिए कोर्ट के सामने उसकी गवाही दर्ज कराना एक बड़ी चुनौती थी। सुनवाई के दौरान ट्रायल कोर्ट ने साइन लैंग्वेज एक्सपर्ट की मदद ली, जब कुछ सवाल पूछने में दिक्कत आई तो कोर्ट ने प्लास्टिक की गुड़िया मंगवाई।

दुनिया के 22 देशों में फैल रहा कोरोना का नया वेरिएंट

महीनों तक सोने के बाद जागा 'सिकाडा', कितना खतरा

वॉशिंगटन, 27 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका समेत दुनिया के 22 देशों में कोरोना वायरस के नये वेरिएंट के फैलने का पता चला है। वैज्ञानिकों को पता चला है कि कोविड-19 के इस नये वेरिएंट में म्यूटेशन की संख्या असामान्य रूप से ज्यादा देखी जा रही है। इसने दुनिया भर के पब्लिक हेल्थ एक्सपर्ट्स का ध्यान अपनी ओर खींच लिया है। सर्विलांस रिपोर्ट के मुताबिक इस वेरिएंट का नाम बीए.3.2 है और अब अमेरिका के आधे हिस्सों और कम से कम 22 अन्य देशों में इसे पाया गया है।

रिसर्चर्स ने इस वेरिएंट को अनौपचारिक रूप से 'सिकाडा' नाम दिया है। यह उस कीड़े का नाम है जो जमीन के नीचे लंबे समय तक रहने के बाद बाहर निकलता है। वैज्ञानिकों ने वैक्सीन बनाकर कोविड पर करीब करीब नियंत्रण पा लिया है लेकिन एक बार फिर से ये वायरस नये रूप में लौट आया है। यह वेरिएंट सबसे पहले नवंबर 2024 में दक्षिण

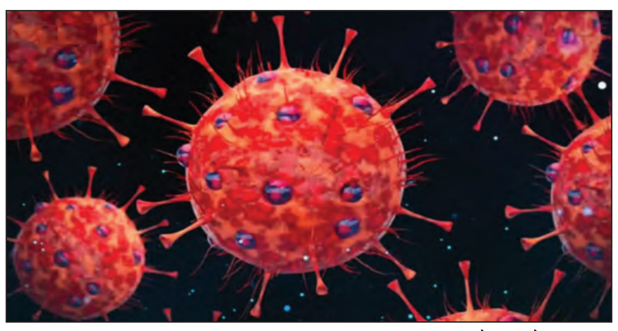

अफ्रीका में पाया गया था। लेकिन उसके बाद यह लंबे समय तक गायब रहा।

अब अचानक 2026 की शुरुआत में इसके मामले फिर से बढ़ने लगे हैं इसलिए विशेषज्ञों ने इसे 'सिकाडा' नाम दिया है।

सिकाडा वेरिएंट में लगभग 70 से 75 म्यूटेशन हैं जो पिछले वेरिएंट्स जैसे जेएन.1 की तुलना में दोगुने से भी ज्यादा हैं।

इनमें से कई बदलाव स्पाइक प्रोटीन में होते हैं। यह वायरस का वह हिस्सा है जो उसे इंसानी कोशिकाओं में प्रवेश करने में मदद करता है और यह वैक्सीनेशन या पिछले संक्रमण से बनी एंटीबॉडीज का मुख्य निशाना होता है। यानि इतने ज्यादा म्यूटेशन होने की वजह से यह वैक्सीन या पिछली संक्रमण से बनी एंटीबॉडीज को चकमा देने में ज्यादा सक्षम हो सकता है।

अच्छी बात यह है कि अब तक के डेटा के मुताबिक यह पिछले वेरिएंट्स की तुलना में ज्यादा गंभीर बीमारी पैदा नहीं कर रहा है। अस्पताल में भर्ती होने की दर में कोई असामान्य बढ़ोतरी नहीं देखी गई है।

वैज्ञानिकों को अभी तक के रिसर्च से पता चला है कि बीए.3.2 में 'इम्यून एस्केप' यानि प्रतिरक्षा से बचने की क्षमता बढ़ गई है। इसका मतलब है कि मौजूदा कोविड-19 वैक्सीन या पिछले संक्रमण से बनी एंटीबॉडीज वायरस को बेअसर करने में कम प्रभावी साबित होती हैं। लेकिन इसके बाद भी ये शरीर पर ज्यादा असर नहीं डाल पा रहा है। वैज्ञानिकों ने कहा है कि पूरी तरह से इस वायरस को समझने के लिए दुनिया के अलग अलग हिस्सों में इसके असर संबंधित डेटा का अभी विश्लेषण करना बाकी है।

इसके लक्षण कोविड के दूसरे लहर के बाद आए ओमिक्रॉन वेरिएंट की तरह ही देखने को मिले हैं। जैसे- गले में तेज खराश इसका सबसे प्रमुख लक्षण है। हल्का बुखार आना और तेज ठंड लगना, सूखी खांसी और थकान, नाक बहना या बंद होना।

हाथियों का उत्पात, रात भर जाग रहे ग्रामीण

कोडरमा, 27 मार्च (एजेंसियां)। कोडरमा में हाथियों का उत्पात लगातार जारी है। पिछले दो दिनों में हाथियों ने दो लोगों और लगभग पांच मवेशियों को मार डाला है। इस घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। ग्रामीण जागकर रात काटने को मजबूर हो गए हैं।

कोडरमा के विभिन्न प्रखंडों में दो से तीन हाथियों का झुंड विचरण कर रहा है। हाथियों का झुंड गुरुवार देर रात कोडरमा प्रखंड के झरीटांड़ और ढेबुआडीह में घुस गया। हाथियों ने किसानों की तैयार फसलों को नष्ट किया और गांव के गौशाला में घुसकर बंधे मवेशियों को कुचलकर मार डाला।

ग्रामीणों के नींद से जागने से पहले ही लगभग पांच मवेशी मारे जा चुके थे और आधे दर्जन से अधिक घायल हो गए थे। हाथियों के इस उत्पात से ग्रामीणों में भारी दहशत है। लोग रात भर जागकर, मशाल जलाकर अपने गांवों के भीतर और बाहर पहरा दे रहे हैं। हाथियों के कारण गरीब किसानों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। झरीटांड़ निवासी तुलसी यादव ने बताया कि गुरुवार रात करीब 1 बजे हाथी उनके गांव में घुस गए और उनके मवेशियों को मार डाला। उन्होंने कहा कि वे एक साधारण किसान हैं और पशुपालन से ही जीवन यापन करते हैं। इस नुकसान के लिए वे प्रशासन से मुआवजे की मांग कर रहे हैं।

बताते चलें कि मरियमपुर और बोनाकाली में बुधवार रात हाथी ने दो लोगों को कुचलकर मार डाला था। मृतकों की पहचान मरियमपुर निवासी मुनिया बिरहोरिन (55) और बोनाकाली के बालेश्वर सोरेन (40) के रूप में हुई। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक रात करीब नौ बजे हाथी मरियमपुर बिरहोर टोले में घुसा। घर के बाहर सो रही मुनिया बिरहोरिन को कुचल डाला। वहीं, आरती बिरहोरिन को भी गंभीर रूप से घायल कर दिया।

ईरान बना सकता है न्यूक्लियर सुसाइड बॉम्ब वेस्ट

फिदायीन हमलावर मचाएंगे तबाही, जेडी वेंस का दावा

वॉशिंगटन, 27 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने कहा है कि ईरान उनके खिलाफ आत्मघाती हमलावरों का इस्तेमाल करके अटैक कर सकता है। इन हमलावरों के वेस्ट में परमाणु हथियार लगे होंगे। वेंस ने ऐसे समय यह चेतावनी दी है, जब अमेरिका और ईरान का युद्ध चलते हुए करीब एक महीना हो गया है। वेंस ने युद्ध में सामने आने वाले खतरों और ईरान की ओर से इस्तेमाल की जाने वाली रणनीति पर बात की है। वेंस ने एक बार फिर ईरान के परमाणु हथियारों पर टिप्पणी की है।

वाइट हाउस में एक कैबिनेट मीटिंग में बोलते हुए जेडी वेंस ने बताया कि ईरान से अमेरिका को क्या-क्या खतरे हो सकते हैं।

उन्होंने कहा, 'कुछ लोग भीड़ भरे सुपरमार्केट में घुसते हैं। इन लोगों के शरीर पर एक वेस्ट होता है और वे उस वेस्ट को धमाके से उड़ा देते हैं। इसके नतीजे में कई लोग मारे जाते हैं। यह हमने देखा है लेकिन खतरा इससे ज्यादा है।'

वेंस ने आगे कहा कि हमने खुद को उड़ाकर कई लोगों को नुकसान पहुंचाते हुए हमलावर देखे हैं लेकिन क्या होगा, जब उस वेस्ट में लगी चीज हजारों-लाखों लोगों को मारने की क्षमता रखती हो। इस वेस्ट में छोटे परमाणु हथियार होंगे तो यह बड़े पैमाने पर तबाही मचाएगी और इसका अंदेशा हमें है।

अमेरिका ने माना है कि उसने जो सबसे छोटा परमाणु बम बनाया था, उसका वजन 23 किलोग्राम था। उस बम का असर दस टन टीएनटी के बराबर था। इससे भी छोटे बमों के बनने के बारे में कई बार अंदाजा लगाया गया है लेकिन आधिकारिक तौर पर कभी यह नहीं माना गया कि उन्हें बनाया गया है।

वेंस की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है, जब ईरान में 'परमाणु अप्रसार संधि' (एनपीटी) से बाहर निकलने की मांग उठ रही है। टिप्पणीकार नासिर तोराबी ने मांग की है कि ईरान को परमाणु हथियार हासिल कर लेने चाहिए। ईरान के पूर्व सर्वोच्च नेता अली खामेनेई ने परमाणु हथियारों के खिलाफ फतवा जारी किया था लेकिन उनकी मौत के बाद देश इस पर बढ़ सकता है।

ईरान और अमेरिका के बीच बीते एक महीने से लड़ाई चल रही है। अमेरिका और इजरायल गठबंधन ने 28 फरवरी को ईरान पर हमला किया था। इसके बाद से लगातार दोनों ओर से आक्रामक बयानबादी देखने को मिली है। खासतौर से अमेरिका ने ईरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर सवाल खड़े किए हैं। ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अमेरिका के कई संदेह रहे हैं।

कुएं में डूबने से दंपती की मौत

गिरिडीह, 27 मार्च (एजेंसियां)। गिरिडीह में कुएं में डूबने से पति-पत्नी की मौत हो गई। घटना गांडेय थाना क्षेत्र के गोविन्दपुरा गांव की है। कुएं से पानी निकालने के दौरान पत्नी कुएं में जा गिरी। उसे बचाने के लिए पति ने कुएं में छलांग लगा दी। इस घटना में दोनों की मौत हो गई। इस दर्दनाक हादसे के बाद पूरे गांव में शोक की लहर फैल गई है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतकों में राजेंद्र मुर्मू और उसकी पत्नी पार्वती देवी शामिल है। पार्वती देवी रोज की तरह घर के कामकाज में लगी हुई थीं।

इसी क्रम में वह कुएं से पानी निकालने पहुंचीं। पानी खींचने के दौरान अचानक पार्वती का संतुलन बिगड़ गया और वह सीधे कुएं में जा गिरीं। महिला के कुएं में गिरते ही आसपास मौजूद लोगों के बीच अफरातफरी मच गई।

इजरायल के तेल अवीव शहर पर मंडराए हजारों कौवे

यहूदी देश में डर, क्या सच हो रही बाइबिल की आयत?

तेल अवीव, 27 मार्च (एजेंसियां)। इजरायल के तेल अवीव शहर पर हजारों कौवों के मंडराने ने देश में चिंता और कई तरह की चर्चाओं को जन्म दिया है। कौवों को कई वर्गों में मौत और युद्ध का प्रतीक माना जाता है। ऐसे में ईरान से लड़ाई के बीच इसे तबाही की निशानी के तौर पर देखा जा रहा है। इसे बाइबिल में आई आयतों से जोड़ा जा रहा है। इस घटनाक्रम ने खासतौर से इसलिए ध्यान खींचा है क्योंकि इजरायल बीते एक महीने से ईरान के साथ युद्ध में उलझा है। ईरान ने इजरायल के कई शहरों में मिसाइल हमलों से तबाही मचाई है। तेल अवीव के ऊपर मंगलवार को कौवों का एक झुंड देखा गया है। हजारों की संख्या में इन पक्षियों ने शहर के आसमान को घेर लिया और इमारतों के ऊपर मंडराते हुए चक्कर लगाने

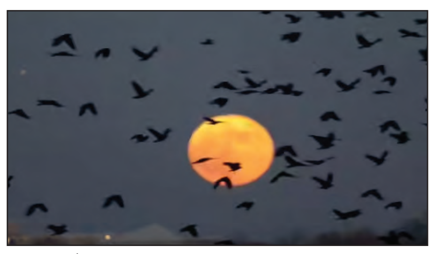

लगे। कौवों के ये वीडियो वायरल हो गए। कई लोगों ने सवाल किया कि क्या यह ईरान के साथ चल रहे युद्ध के बीच इसका कोई खास मतलब है।

कौवों के मंडराने को इंटरनेट यूजर्स ने प्रलय की भविष्यवाणियों से जोड़ा है। कई यूजर्स ने सोशल मीडिया पर लिखा कि यह डरावना दृश्य किसी आने वाली बड़ी आफत का संकेत है। यूजर्स ने कहा कि कौवों की इतनी बड़ी संख्या देखकर ऐसा लग रहा था, जैसे काले बादलों का कोई झुंड हो। शहर के लोग इतनी ज्यादा संख्या देखकर दंग रह गए।

सोशल मीडिया पर यूजर ने लिखा कि इसके बाद अक्सर कोई बड़ी तबाही आती है। कई यूजर्स ने इसे बाइबिल की भविष्यवाणियों से जोड़ते हुए कहा कि यह 'बुक ऑफ रेवेलेशन' के अध्याय 19:17 में है। उन्होंने दावा किया कि आयत में एक फरिश्ते का वर्णन है, जो हवा में पक्षियों को पुकार कर कहता है कि ईश्वर के महान भोज में शामिल होने के लिए इकट्ठा हो जाएं। विशेषज्ञों का कहना है कि कौवों के दिखने में कुछ भी असामान्य नहीं है।

पिकअप से 1.25 करोड़ का गांजा पकड़ाया

तरबूज के नीचे बोरियों में छिपाया था, ओडिशा से ले जा रहे थे यूपी, 6 अरेस्ट

महासमुंद, 27 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में पुलिस ने पिकअप वाहन से 2 क्विंटल 25 किलो गांजा जब्त किया है। जब्त गांजे की कीमत 1 करोड़ 12 लाख 50 हजार रुपए है। गांजे को 6 आरोपी ओडिशा के संबलपुर जिले से छत्तीसगढ़ के रास्ते उत्तर प्रदेश के चित्रकूट ले जा रहे थे।

महासमुंद पुलिस के मुताबिक आरोपी पिकअप वाहन में तरबूज भरे हुए थे। तरबूज के नीचे गांजे की बोरियां थीं। इसके साथ ही इस गाड़ी को सुरक्षित निकालने के लिए आगे-आगे एक कार भी चल रही थी। इस कार में 4 लोग बैठे थे, जो रास्ते पर नजर रख रहे थे कि कहीं पुलिस दिखे तो पीछे वाले पिकअप को अलर्ट कर दें।

एंटी नारकोटिक टास्क फोर्स और सिंघोड़ा पुलिस की टीम ने चेकिंग के दौरान पिकअप वाहन और कार दोनों को जब्त कर लिया है। उसमें सवार 6 आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। इसमें चार आरोपी उत्तर प्रदेश और 2 मध्य प्रदेश के रहने वाले हैं। यह सिंघोड़ा थाना क्षेत्र का मामला है।

दरअसल, सिंघोड़ा थाना प्रभारी संतोष सिंह को शुक्रवार को सोर्स से जानकारी मिली थी कि एक पिकअप वाहन में बड़ी मात्रा में गांजा लोड है, जो ओडिशा-छत्तीसगढ़ बॉर्डर पर है। वाहन में 2 लोग सवार हैं। सोर्स ने पिकअप नंबर (OD15V4676) भी बताया।

इसके साथ ही गांजा लोड पिकअप वाहन के आगे चल रही कार (UP96Q3658) के बारे में भी जानकारी मिली, जो प्रोटेक्शन के लिए आगे-आगे चल रही थी। सूचना मिलते ही सिंघोड़ा पुलिस एक्टिव हो गई।

सिंघोड़ा पुलिस अपनी टीम के साथ ओडिशा-छत्तीसगढ़ की सीमा पर एनएच-53 स्थित रेहटीखोल के पास पहुंची। पुलिस ने रेहटीखोल के पास नाकाबंदी कर गाड़ियों की जांच शुरू की।

इसी दौरान एक हुंडई कार और उसके पीछे आ रहे पिकअप वाहन को पुलिस ने चेक पोस्ट पर रोका। पिकअप वाहन में तरबूज लोड था। पिकअप वाहन का नंबर OD15V 4676 था, जबकि यूपी नंबर की कार (UP96Q3658) में चार लोग सवार थे।

पुलिस ने शक होने पर पिकअप वाहन और कार में सवार लोगों से पूछताछ की।

अमेरिका ने ईरान के खिलाफ उतारी बिना ड्राइवर वाली स्पीडबोट

बारुद से भरे होर्मुज स्ट्रेट में बन सकती है गेमचेंजर

वॉशिंगटन, 27 मार्च (एजेंसियां)। ईरान से युद्ध के बीच अमेरिका ने गश्ती मिशन के लिए बिना क्रू वाली ड्रोन स्पीडबोट का इस्तेमाल शुरू किया है। यह पहली बार है, जब वॉशिंगटन ने किसी संघर्ष में इन बोट्स के इस्तेमाल की आधिकारिक तौर पर पुष्टि की है। इन बोट का इस्तेमाल निगरानी या फिर कामीकाजी हमले (सुसाइड ड्रोन की तरह अटैक के लिए) के प्लेटफॉर्म के तौर पर किया जा सकता है। इसे समुद्र में अमेरिका की ईरान के खिलाफ आक्रामकता बढ़ाने की कोशिश के तहत देखा जा रहा है। अमेरिका अभी तक

होर्मुज स्ट्रेट को खुलवाने में ईरान के सामने नाकाम दिखा है। ऐसे में इस समुद्री गलियारे में इसके इस्तेमाल पर दुनिया की नजर रहेगी।

अमेरिका की ओर से इन जहाजों की तैनाती की जानकारी ऐसे समय में सामने आई है, जब अमेरिकी नौसेना को बिना क्रू वाले समुद्री जहाजों का एक भरोसेमंद बेड़ा तैयार करने में पहले कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। अमेरिका की कोशिश बिना क्रू वाले समुद्री जहाजों का एक बेड़ा तैयार करने की है।

हाल के वर्षों में बिना क्रू वाली बोट्स यानी समुद्री ड्रोन का महत्व काफी बढ़ गया है। यूक्रेन ने रूस के ब्लैक सी फ्लीट को नुकसान पहुंचाने के लिए विस्फोटकों से भरी स्पीडबोट्स का इस्तेमाल किया है। ईरान ने भी 28 फरवरी के बाद शुरू हुए युद्ध में खाड़ी क्षेत्र में तेल टैंकरों पर हमला करने के लिए कम से कम दो बार समुद्री ड्रोन्स का इस्तेमाल किया है। पेंटागन ने 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' के तहत ईरान के खिलाफ इन बोट्स के इस्तेमाल की पुष्टि की है। पेंटागन के प्रवक्ता टिम हॉकिन्स ने बताया कि अमेरिकी सेना मध्य-पूर्व क्षेत्र में बिना क्रू वाले सिस्टम्स का इस्तेमाल जारी रखे हैं, जिसमें GARC जैसे समुद्री ड्रोन शामिल हैं। इन प्लेटफॉर्म ने समुद्री गश्त के दौरान 450 घंटे से अधिक और 2,200 समुद्री मील की दूरी तय की है।

कितना चमत्कारी है हैदराबाद का येलम्मा मंदिर

रिलायंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन नीता अंबानी ने हाल ही में एक सराहनीय पहल करते हुए हैदराबाद के बालकमपेट स्थित प्रसिद्ध येल्लम्मा मंदिर को नित्य अन्न दान योजना के तहत 1 करोड़ रुपये का योगदान दिया है।

हैदराबाद में स्थित बालकम्पेट येलम्मा मंदिर इस वक्त चर्चा में बना हुआ है, और इसकी वजह है रिलायंस फाउंडेशन की चेयरपर्सन नीता अंबानी जिन्होंने हाल ही में प्रसिद्ध बालकमपेट येल्लम्मा मंदिर में देवी येल्लम्मा के दर्शन किए और' नित्य अन्न दान योजना' के तहत 1 करोड़ रुपये का महत्वपूर्ण दान दिया है।

यह दान मंदिर में भक्तों के लिए दैनिक अन्न दान की व्यवस्था को सुचारु रूप से चलाने में सहायक होगा, जिससे हजारों श्रद्धालुओं को प्रतिदिन भोजन मिल सकेगा. चलिए जानते हैं इस प्राचीन मंदिर में किस देवी की पूजा होती है, और इस मंदिर से जुड़ी मान्यताएं क्या हैं।

किस भगवान की पूजा होती है?

बालकमपेट येल्लम्मा मंदिर मुख्य रूप से देवी येल्लम्मा को समर्पित है, जो आदिशक्ति का एक शक्तिशाली रूप हैं. उन्हें दुर्गा, काली और अन्य देवी रूपों का ही एक अवतार माना जाता है. भक्त उन्हें रोग निवारक, मनोकामना पूर्ण करने वाली और बुरी शक्तियों से रक्षा करने वाली देवी के रूप में पूजते हैं। मंदिर में देवी के अलावा कुछ सहायक देवताओं की भी पूजा की जाती है, लेकिन मुख्य ध्यान येल्लम्मा देवी पर ही केंद्रित रहता है।

जानिए कौन हैं देवी येल्लम्मा?

हैदराबाद के केंद्र में स्थित बालकमपेट येल्लम्मा मंदिर तेलंगाना के सबसे प्रतिष्ठित और प्राचीन मंदिरों में से एक है. यह मंदिर देवी येल्लम्मा को समर्पित है, जिन्हें शक्ति का एक रूप और रेणुका देवी का अवतार माना जाता है।

रेणुका देवी भगवान परशुराम की माता थीं, और उनकी पूजा मुख्य रूप से दक्षिणी भारत में की जाती है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, रेणुका देवी को अत्यंत पतिव्रता, तपस्विनी और त्यागमयी देवी माना जाता है. उनके भक्त मानते हैं कि माता येल्लम्मा कष्टों का नाश करती हैं, दरिद्रता मिटाती हैं और मनोकामनाएं पूरी करती हैं।

नवरात्रि की समाप्ति के बाद जौ का क्या करना है?

नवरात्रि पर्व के पहले दिन श्रद्धालु कलश स्थापना के साथ जौ भी बोते हैं जिनका माता रानी की पूजा में विशेष महत्व माना जाता है। जब नवरात्रि पर्व का समापन होता है तो कई लोग असमंजस में रहते हैं कि आखिर अब जौ का करना क्या है।

नवरात्रि पर्व में जौ का विशेष महत्व माना गया है। यही कारण है कि इस दौरान ज्यादातर श्रद्धालु जौ जरूर बोते हैं। ऐसी मान्यता है कि जौ के रंग और आकार को देखकर आने वाले समय के बारे में कई तरह के संकेत मिलते हैं। जैसे अगर जौ हरे और घने उगते हैं तो इसका अर्थ है कि घर में सुख-समृद्धि की कोई कमी नहीं रहेगी। अगर जौ सफेद रंग के उगते हैं तो इसका मतलब है कि कोई बड़ी उपलब्धि मिलने वाली है। वहीं अगर जौ मुरझाए हुए या बहुत ही कम निकलते हैं तो इसका मतलब ोता है कि आने वाले समय में आपकी स्थिति बिगड़ सकती है। लेकिन अब सवाल ये आता है कि आखिर नवरात्रि के समापन के बाद जौ का करना क्या है। चलिए इस बारे में आपको विस्तार से बताते हैं।

नवरात्रि की समाप्ति के बाद जौ का क्या करें?

नवरात्रि के दसवें दिन सुबह स्नान के बाद देवी दुर्गा की विधि विधान पूजा करें। इसके बाद कलश और जौ को भी दीपक दिखाएं और माता रानी से पूजा में हुई गलतियों के लिए क्षमा प्रार्थना करें। फिर बहुत ही आदर के साथ जौ को उठाएं और उसे किसी नदी या तालाब में विसर्जित कर दें। अगर आपके घर के आस-पास नदी या तालाब नहीं है तो आप जौ को पीपल या बरगद के पेड़ के नीचे भी रख सकते हैं। इसके अलावा आप इन्हें घर के किसी बड़े गमले की मिट्टी में भी मिला सकते हैं ताकि वे खाद बन जाएं। कई जगहों पर जौ का विसर्जन करने से पहले कुछ विशेष परंपराएं भी निभाई जाती है। जिसके तहत घर के पुरुष सदस्य और बच्चे कुछ जौ के तिनकों को अपने कान के पीछे रखते हैं। माना जाता है कि ऐसा करने से अच्छे स्वास्थ्य और सौभाग्य की प्राप्ति होती है। इसके अलावा कुछ हरे जौ के तिनकों को लाल कपड़े में लपेटकर घर की तिजोरी या धन रखने वाले स्थान पर भी रखा जाता है। कहते हैं ऐसा करने से साल भर बरकत बनी रहती है।

जौ का विसर्जन कब करें

जौ का विसर्जन 28 मार्च 2026 की सुबह में 8 बजकर 45 मिनट से पहले कर दें क्योंकि इतने बजे तक ही दशमी तिथि रहेगी। इसके बाद एकादशी लग जाएगी।

जौ को लेकर न करें ये गलती

जौ को कभी भी कूड़ेदान में नहीं फेंकना चाहिए। अगर आपको समझ नहीं आ रहा है कि इसका विसर्जन कहां करें तो अपने घर के गमले या बगीचे की मिट्टी में इन्हें दबा दें।

जब भी विपत्ति आए, उसका अच्छे-से सामना करिए

मनुष्य के जीवन में अचानक जब कुछ होता है, तब उसकी परीक्षा होती है कि वो कितना समझदार है। कैसे उसका सामना करता है। आप कितने ही समर्थ व्यक्ति हों, लेकिन विपरीत परिस्थिति आपके हाथ में नहीं है। हां, उसको संभालना आपके हाथ में है। विपत्ति में कुछ लोग निखर कर कुंदन बन जाते हैं और कुछ कोयला रह जाते हैं। रामकथा में एक बहुत अच्छा उदाहरण है। राम को राजा बनना था लेकिन कैकेयी ने निर्णय पलट दिया और राम को बुलवाया। कैकेयी के महल में राम ने देखा कि दशरथ विचलित से लेटे हुए हैं।

कैकेयी आवेश में है। ऐसा दृश्य राम ने पहली बार देखा। उनके लिए पंक्ति लिखी है- प्रथम दीख दुखु सुना न काउ। पहली बार कोई दुःख देखा। इससे पहले कभी दुःख सुना भी न था। लेकिन राम मन ही मन मुस्कराए और कहा- जो होता है, अच्छा ही होता है।

और साबित भी कर दिया कि वनवासी राम इतने लोकप्रिय हुए कि जिन्होंने अयोध्या छोड़ी, वो लोगों के दिलों में पहुंच गए। तो जीवन में जब कुछ अचानक आए, विपरीत आए, श्रीराम को याद करके अच्छे-से उसका सामना करिएगा।

आपके माथे पर भी हैं 1, 2, 3 या 6 लकीरें? क्या है इनका मतलब

सामुद्रिक शास्त्र में व्यक्ति के शरीर की बनावट और उसके शुभ या अशुभ संकेतों के बारे में बताया गया है. इसमें चेहरे को पढ़कर व्यक्ति के बारे में सबकुछ जान लेने की विशेषताओं का वर्णन है. आज हम बात कर रहे हैं माथे पर बनने वाली लकीरों के बारे में. कुछ लोगों का माथा बिल्कुल साफ होता है, उस पर कोई निशान या लाइन नहीं होती है. लेकिन कुछ लोगों के माथे पर एक, दो या तीन लाइनें होती हैं, किसी के माथे पर टेढ़ी-मेढ़ी लकीरें होती हैं. क्या आपने कभी सोचा है कि माथे की इन लाइनों का मतलब क्या है?

माथे की लकीरों का मतलब

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार, माथे की लकीरे व्यक्ति के भाग्य और उसके धन से जुड़े राज को खोलती हैं. आपके यश और कीर्ति का संबंध भी इन लकीरों से होता है. इसे देखकर जान सकते हैं कि इससे आपको यश मिलेगा या नहीं. किए गए कार्यों से आपकी प्रसिद्धि होगी या नहीं, इसका भी पता चलता है. ये लकीरें व्यक्ति के सुखी जीवन का भी संकेत देती हैं।

माथे की पहली लकीरः जब आप ध्यान से देखेंगे तो माथे की पहली लकीर आपकी आंख की भौंहों के ठीक ऊपर दिखाई देगी. यह लकीर बताता है कि व्यक्ति कितना धनवान होगा. यदि आपके माथे पर यह लकीर साफ, स्पष्ट, सीधी और बिना कटी हुई है तो इसका मतलब है कि आपकी आर्थिक स्थिति मजबूत रहेगी. यह लकीर टूटी, अस्पष्ट, कटी हुई है तो इसका मतलब है कि आपकी वित्तीय स्थिति ऊपर-नीचे होती रह सकती है. धन को लेकर जीवन में उतार चढ़ाव देखने को मिल सकता है।

माथे की दूसरी लकीरः किसी भी व्यक्ति के माथे पर दूसरी लकीर पहली लकीर के ऊपर होती है. माथे की दूसरी लकीर का संबंध आरोग्य से है.

इसे देखकर यह जान सकते हैं कि आपकी सेहत कैसी रह सकती है. यदि माथे की दूसरी लकीर सीधी, साफ, गाढ़ी और स्पष्ट है तो आप सेहतमंद रहेंगे. आपका स्वास्थ्य ठीक रहेगा. लेकिन यह लकीर कटी हुई, अस्पष्ट, टूटी हुई और हल्की है तो आपको सेहत से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं. आप लंबे समय से बीमार होंगे या रह सकते हैं।

माथे की तीसरी लकीरः माथे पर तीसरी लकीर ललाट के बीचोबीच और दूसरी लकीर के ठीक ऊपर रहती है. यह कम लोगों के माथे पर देखने को मिल सकती है. माथे की तीसरी लकीर का संबंध भाग्य से होता है. माथे की तीसरी लकीर छोटी ही हो, लेकिन साफ और स्पष्ट हो तो व्यक्ति किस्मत वाला होता है. उसे जीवन में भाग्य का साथ मिलता है. यदि किसी के माथे पर पहली, दूसरी और तीसरी लकीरें सीधी, साफ, स्पष्ट होती हैं तो वह व्यक्ति काफी भाग्यशाली होता है. ये तीनों ही लकीरें समान लंबाई की होती हैं, तो ऐसे लोग बड़ी उपलब्धि हासिल करने वाले हो सकते हैं.

माथे की चौथी लकीरः यह लकीर बहुत कम ही लोगों के माथे पर देखी जाती है. य ह लकीर तीसरी लकीर से ऊपर होती है. माथे की चौथी लकीर का मतलब है व्यक्ति के जीवन में परेशानियों का आना, भावनात्मक उथल-पुथल का सामना करना है. व्यक्ति को युवावस्था में काफी संघर्ष करना पड़ सकता है. 40 साल की आयु के बाद ऐसे लोगों का भाग्य चमक सकता है. इनके पास धन और संपत्ति का भंडार हो सकता है।

माथे की पांचवी लकीरः किसी के माथे पर पांचवी लकीर है, तो इसका संबंध तनाव और चिंता से होता है. जिसके माथे पर 5 लकीरें होंगी, वह व्यक्ति अपने जीवन की घटनाओं को लेकर अधिक चिंतित रहता है. वह सफल होने के बाद भी तनावग्रस्त हो सकता है. ये लोग अचानक से सबकुछ छोड़कर पलायनवादी रवैया भी अपना सकते हैं. यह चौथी लकीर से ऊपर होगी.

माथे की छठी लकीरः यह लकीर बहुत ही कम लोगों के माथे पर दिखाई देती है. यह बहुत ही दुर्लभ लकीर होती है. यह दोनों भौंहों के बीच से अन्य लकीरों को काटते हुए ऊपर की ओर जाती हुई दिखाई देती है. ऐसे लोगों पर ईश्वर की विशेष कृपा होती है. पूर्वजन्म के शुभ कर्मों के फल वर्तमान जन्म में भी साथ देते हैं।

हैदराबाद का वो मंदिर, जिसे औरंगजेब भी नहीं छू सका, आज भी गूंजती है हनुमान जी की गर्जना

21वीं सदी के आधुनिक हैदराबाद की ऊंची इमारतों और भागदौड़ भरी जिंदगी के बीच एक ऐसा ऐतिहासिक और आध्यात्मिक स्थल मौजूद है, जहां आस्था और इतिहास का अद्भुत संगम देखने को मिलता है. चम्पापेट के पास स्थित कर्मनघाट हनुमान मंदिर न केवल शहर के सबसे पुराने मंदिरों में से एक है, बल्कि इसके नामकरण और स्थापना से जुड़ी कथा किसी रोमांचक कहानी से कम नहीं लगती।

इतिहासकारों के अनुसार, यह मंदिर करीब 800 साल पुराना है और इसका संबंध काकतीय वंश से जुड़ा हुआ है. 12वीं शताब्दी में काकतीय वंश के राजा प्रोला द्वितीय ने इस मंदिर का निर्माण कराया था. मंदिर में भगवान हनुमान ध्यान मुद्रा में विराजमान हैं, जिन्हें यहां अंजनेय स्वामी के रूप में पूजा जाता है. सामान्यतः हनुमान जी को वीर और पराक्रमी मुद्रा में देखा जाता है, लेकिन इस मंदिर में उनकी शांत और ध्यानमग्न छवि श्रद्धालुओं को विशेष आध्यात्मिक अनुभूति प्रदान करती है।

औरंगजेब से जुड़ी है प्रचलित कथा

हैदराबाद के इस प्राचीन मंदिर से जुड़ी सबसे प्रचलित और चर्चित कथा मुगल बादशाह औरंगजेब के शासनकाल की है. 17वीं शताब्दी में जब औरंगजेब की सेनाएं गोलकुंडा पर विजय के बाद दक्षिण भारत के मंदिरों को निशाना बना रही थीं, तब उनकी नजर इस मंदिर पर भी पड़ी. स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, जब मुगल सैनिक मंदिर को तोड़ने पहुंचे तो वे मंदिर की दीवार तक भी नहीं लांघ सके।

कई प्रयासों के बाद जब वे हथौड़े लेकर मंदिर की दहलीज पर पहुंचे, तभी अचानक एक भयानक गर्जना सुनाई दी और उनके हाथ कांपने लगे।

इस वजह से नाम पड़ गया कर्मनघाट

कहा जाता है कि उसी समय एक आकाशवाणी हुई, जिसमें कहा गया, मंदिर तोड़ना है राजन तो कर मन घाट, यानी हे राजा, अगर मंदिर तोड़ना है तो पहले अपने मन को कठोर और मजबूत कर. इस चमत्कारिक घटना से औरंगजेब इतना भयभीत हो गया कि वह अपनी सेना के साथ वहां से लौट गया. उसी दिन से इस स्थान का नाम कर्मनघाट पड़ गया, जिसका अर्थ है मन को कठोर बनाना।

मंडल अनुष्ठान करने पर बीमारियों से मिलती है मुक्ति

कर्मनघाट हनुमान मंदिर से जुड़ा एक और दिलचस्प पहलू यह है कि यहां बड़ी संख्या में ऐसे श्रद्धालु आते हैं, जो पुरानी बीमारियों, विशेषकर मधुमेह और मानसिक रोगों से मुक्ति की प्रार्थना करते हैं. भक्तों का विश्वास है कि यहां 40 दिनों का मंडल अनुष्ठान करने से स्वास्थ्य में सुधार होता है. हालांकि इसका कोई वैज्ञानिक प्रमाण नहीं है, लेकिन लोगों की आस्था इसे एक विशेष ऊर्जा केंद्र मानती है।

मंदिर में उमड़ती है श्रद्धालुओं की भीड़

कर्मनघाट हनुमान मंदिर में हर मंगलवार और शनिवार को मंदिर में हजारों श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ती है. दूर-दूर से लोग यहां दर्शन के लिए पहुंचते हैं. आधुनिकता और विज्ञान के इस युग में भी कर्मनघाट हनुमान मंदिर आस्था, विश्वास और उम्मीद की एक मजबूत मिसाल बना हुआ है, जो लोगों को आध्यात्मिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करता है।

महाभारत का सबसे भयंकर घेरा, जयद्रथ को बचाने के लिए द्रोण ने की थी चक्रशकट व्यूह रचना

महाभारत युद्ध बड़ा ही भयनाक था. अधर्म पर धर्म की जीत के लिए कुरुक्षेत्र में जो महासंग्राम हुआ, उसमें कौरवों का सर्वनाश हो गया. लेकिन उनकी रक्षा के लिए द्रोणाचार्य, पितामह भीष्म, कृपाचार्य, अश्वत्थामा, कर्ण जैसे महाबली थे. अधर्म का साथ देने की वजह से सब के सब मारे गए।

महाभारत में अभिमन्यु की वीरता की कीर्ति आज भी है. अभिमन्यु के लिए द्रोणाचार्य ने चक्रव्यूह की रचना की थी, जिसमें अभिमन्यु ने कौरव सेना के सभी महारथियों से लड़ते हुए वीर गति प्राप्त की थी. लोगों को महाभारत के इस चक्रव्यूह की याद होगी, लेकिन द्रोणाचार्य ने सिर्फ चक्रव्यूह की ही रचना नहीं की थी. उन्होंने अभिमन्यु का वध करने वाले जयद्रथ के प्राणों की रक्षा के लिए चक्रगर्भ शकटव्यूह की रचना की थी क्योंकि अर्जुन ने सूर्य के अस्त होने से पूर्व जयद्रथ वध की प्रतिज्ञा ली थी।

जयद्रथ रक्षा के लिए द्रोण ने बनाया चक्रगर्भ शकट व्यूह

जब सिंधुराज जयद्रथ को पता चला कि अर्जुन ने उसके वध की प्रतिज्ञा ली है तो वह डर गया.

कुरुक्षेत्र के मैदान में तब द्रोणाचार्य ने जयद्रथ से कहा कि तुम कर्ण, भूरश्रवा, शल्य, वृषसेन, अश्वत्थामा, कृपाचार्य के साथ मुझ से 6 कोस यानि 20 किलीमीटर दूरी पर जाकर खड़े हो जाओ. जयद्रथ की रक्षा के लिए द्रोणाचार्य ने चक्रगर्भ शकट व्यूह की रचना की।

कैसे हुई थी चक्रशकट व्यूह की रचना?

चक्रशकट व्यूह के पिछले हिस्से में पद्म नामक गर्भव्यूह बनाया था, जिसको भेदना लगभग असंभव था. उस पद्मव्यूह के बीच के हिस्से में एक गूढ़ व्यूह भी बनाया गया था. पुत्र वध के प्रतिशोध की आग में जल रहे अुर्जन को रोकने के लिए द्रोणाचार्य चक्रशकट व्यूह बनाकर खड़े थे।

सूचीमुख व्यूह के मुख्य भाग में महान धनुर्धर कृतवर्मा थे, तो उनके पीछे काम्बोजराज और जलसंध तैनात थे।

उनके बाद कौरवों में ज्येष्ठ दुर्योधन और अंगराज कर्ण अपने रथ पर सवार थे।

इनके बाद 1 लाख ऐसे योद्धा थे, जो युद्ध में मरते दम तक लड़ने वाले थे. इन सबको शकटव्यूह के मुख्य भाग की रक्षा की जिम्मेदारी थी. उनके पीछे विशाल सेना के साथ जयद्रथ सूचीव्यूह के बगल में खड़ा था।

शकटव्यूह के मुख पर यानि मुख्य प्रवेश द्वार पर स्वयं द्रोणाचार्य थे और उनके पीछे भोज थे, जो द्रोणाचार्य की रक्षा करते थे।

तेल की राह खुली, तनाव बाकी

पश्चिम एशिया लंबे समय से बारूद के ढेर पर बैठा क्षेत्र रहा है, जहाँ हर छोटी घटना भी वैश्विक अर्थव्यवस्था को झकझोरने की क्षमता रखती है। ऐसे संवेदनशील समय में जब अमेरिका और इजरायल के हमलों के बाद ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य को लेकर कड़ा रुख अपनाया था, लेकिन अब उसका नरम पड़ना केवल एक कूटनीतिक संकेत नहीं, बल्कि वैश्विक ऊर्जा बाजार के लिए राहत की सांस भी है। यह कदम न सिर्फ क्षेत्रीय तनाव कम करने की दिशा में अहम है, बल्कि भारत जैसे ऊर्जा आयातक देशों के लिए भी उम्मीद की किरण बनकर सामने आया है। जगजाहिर है कि होर्मुज जलडमरूमध्य दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति की धुरी माना जाता है। वैश्विक तेल और तरल प्राकृतिक गैस का बड़ा हिस्सा इसी मार्ग से होकर गुजरता है। ऐसे में यदि इस रास्ते पर बाधा आती है, तो उसका असर सीधे पेट्रोल-डीजल की कीमतों से लेकर आम आदमी की रसोई तक पहुंचता है। हाल के तनाव के बीच भारत के चार जहाज पहले ही इस क्षेत्र में फंस चुके थे, जिससे चिंता स्वाभाविक थी। अब ईरान द्वारा मित्र देशों के जहाजों को गुजरने की अनुमति देना एक सकारात्मक संकेत है, लेकिन इसे स्थायी समाधान मान लेना जल्दबाजी होगी। ईरान का यह कदम केवल मानवीय संवेदना का परिणाम नहीं, बल्कि उसकी रणनीतिक सोच का हिस्सा भी है। वह एक तरफ अपने विरोधियों पर दबाव बनाए रखना चाहता है, तो दूसरी ओर चीन, रूस और भारत जैसे देशों के साथ अपने संबंधों को संतुलित भी रखना चाहता है। यही कारण है कि उसने सीमित राहत का रास्ता चुना है। यह संकेत देता है कि पश्चिम एशिया में कूटनीति अभी पूरी तरह समाप्त नहीं हुई है और संवाद की संभावना अभी भी जीवित है। भारत के लिए यह स्थिति विशेष महत्व रखती है। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात पर निर्भर करता है और पश्चिम एशिया उसका प्रमुख स्रोत है। ऐसे में होर्मुज़ जलडमरूमध्य पर किसी भी तरह का संकट भारत की आर्थिक स्थिरता को सीधे प्रभावित करता है। हालांकि सरकार ने पर्याप्त भंडार होने का भरोसा दिलाया है, लेकिन हकीकत यही है कि लंबे समय तक संकट जारी रहा तो महंगाई और आपूर्ति दोनों पर असर पड़ना तय है। इसलिए भारत के लिए यह जरूरी है कि वह केवल राहत की खबरों से संतुष्ट न होकर ऊर्जा स्रोतों के विविधीकरण की दिशा में भी तेजी से कदम बढ़ाए। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय समुदाय की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। संयुक्त राष्ट्र और प्रमुख वैश्विक शक्तियों को यह समझना होगा कि पश्चिम एशिया में जारी टकराव केवल क्षेत्रीय मुद्दा नहीं, बल्कि वैश्विक स्थिरता से जुड़ा प्रश्न है। यदि समय रहते ठोस कूटनीतिक पहल नहीं की गई, तो होर्मुज़ जैसे रणनीतिक मार्ग बार-बार संकट का केंद्र बनते रहेंगे और इसका खामियाजा पूरी दुनिया को भुगतना पड़ेगा। स्पष्ट है कि ईरान का नरम रुख फिलहाल राहत जरूर देता है, लेकिन यह स्थायी समाधान नहीं है। जरूरत इस बात की है कि संवाद को आगे बढ़ाया जाए और क्षेत्रीय शांति के लिए ठोस पहल हो। क्योंकि पश्चिम एशिया में स्थिरता केवल वहां के देशों की नहीं, बल्कि पूरी दुनिया की जरूरत है।

बढ़ती जनसंख्या के दुष्परिणाम और पारंपरिक भ्रांतियाँ

डॉ. शैलेश शुक्ला

भारत आज दुनिया का सबसे अधिक जनसंख्या वाला देश बन चुका है। 2024 में भारत की जनसंख्या लगभग 145 करोड़ को पार कर गई है। यह एक ऐसी समस्या है जो देश के विकास, संसाधनों, पर्यावरण और लोगों के जीवन स्तर पर सीधा असर डालती है। एक तरफ जहाँ देश तरक्की की राह पर आगे बढ़ रहा है, वहीं दूसरी तरफ बढ़ती आबादी उस तरक्की को खा जा रही है। सड़कों पर भीड़, अस्पतालों में लंबी कतारें, स्कूलों में जगह की कमी और बेरोजगारी - ये सब बढ़ती जनसंख्या के प्रत्यक्ष परिणाम हैं। इस लेख में हम बढ़ती जनसंख्या से होने वाले नुकसानों को समझेंगे और उन पारंपरिक विचारधाराओं का खंडन करेंगे जो अधिक संतान पैदा करने को प्रेरित करती हैं।

बढ़ती जनसंख्या के दुष्परिणाम :

गरीबी और भुखमरी :जब किसी परिवार में कमाने वाला एक होता है और खाने वाले दस, तो गरीबी अपने आप आ जाती है। यही बात पूरे देश पर लागू होती है। भारत में उत्पादन बढ़ रहा है, लेकिन उससे कहीं ज्यादा तेजी से आबादी बढ़ रही है। नतीजा यह होता है कि प्रति व्यक्ति आय कम रह जाती है। करोड़ों लोग आज भी दो वक्त की रोटी के लिए जूझ रहे हैं। गरीबी का सीधा संबंध अधिक जनसंख्या से है।

बेरोजगारी : हर साल लाखों युवा पढ़-लिखकर नौकरी ढूँढने निकलते हैं, लेकिन नौकरियाँ उतनी तेजी से नहीं बढ़तीं जितनी तेजी से लोग बढ़ रहे हैं। एक सरकारी पद के लिए लाखों आवेदन आते हैं। इससे निराशा, अपराध और सामाजिक अस्थिरता बढ़ती है। अगर जनसंख्या नियंत्रित होती तो हर हाथ को काम मिलना आसान होता।

शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं पर बोझ :

सरकारी स्कूलों में एक कक्षा में 60-70 बच्चे बैठते हैं, जहाँ शिक्षक का ध्यान हर बच्चे पर देना असंभव हो जाता है। सरकारी अस्पतालों में मरीजों की इतनी भीड़ होती है कि डॉक्टर को एक मरीज को देखने के लिए मुश्किल से दो मिनट मिलते हैं। बढ़ती आबादी के कारण सरकार चाहकर भी हर व्यक्ति तक अच्छी शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधा नहीं पहुँचा पाती।

पर्यावरण का विनाश :

ज्यादा लोग यानी ज्यादा जमीन की जरूरत, ज्यादा पानी की खपत, ज्यादा प्रदूषण और ज्यादा कचरा। जंगल काटकर बस्तियाँ बसाई जा रही हैं, नदियाँ प्रदूषित हो रही हैं, भूजल का स्तर गिर रहा है। जलवायु परिवर्तन का एक बड़ा कारण अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि है। अगर यही रफ्तार जारी रही तो आने वाली पीढ़ियों को साफ पानी और स्वच्छ हवा भी नसीब नहीं होगी।

आवास और शहरीकरण की समस्या :

शहरों में जगह कम पड़ रही है। मुंबई, दिल्ली जैसे शहरों में झुग्गी-झोपड़ियों की संख्या बढ़ती जा रही है। लोग तंग और अस्वच्छ जगहों पर रहने को मजबूर हैं। ट्रैफिक जाम, पानी की कमी और बिजली की समस्या — ये सब अधिक जनसंख्या का ही नतीजा है।

अपराध और सामाजिक अशांति :

जब लोगों की बुनियादी जरूरतें पूरी नहीं होतीं तो अपराध बढ़ता है। भूख, बेरोजगारी और निराशा लोगों को गलत रास्ते पर धकेलती है। अधिक जनसंख्या वाले इलाकों में चोरी, लूट और हिंसा की घटनाएँ ज्यादा देखी जाती हैं।

पारंपरिक भ्रांतियाँ और उनका खंडन :

हमारे समाज में कई ऐसी पुरानी मान्यताएँ प्रचलित हैं जो लोगों को अधिक संतान पैदा करने के लिए प्रेरित करती हैं। इन मान्यताओं की जड़ें धार्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक परंपराओं में हैं। आइए इन भ्रांतियों को एक-एक करके समझें और उनका तर्कपूर्ण खंडन करें।

भ्रांति 1 : संतान से मोक्ष मिलता है : यह सबसे प्रचलित मान्यता है कि पुत्र के बिना मोक्ष नहीं मिलता। कहा जाता है कि पुत्र पिंडदान करेगा तो पूर्वज मुक्त होंगे। इस मान्यता के कारण लोग बेटे की चाह में कई संतानें पैदा करते रहते हैं।

खंडन : अगर हम धर्मग्रंथों को गहराई से पढ़ें तो मोक्ष कर्म, ज्ञान और भक्ति से मिलता है, संतान की संख्या से नहीं। भगवद्गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं कि मोक्ष का मार्ग निष्काम कर्म और आत्मज्ञान है। कोई भी धर्मग्रंथ यह नहीं कहता कि जिसके ज्यादा बच्चे होंगे, उसे ज्यादा पुण्य मिलेगा। मोक्ष व्यक्ति के अपने आचरण, सदाचार और आध्यात्मिक साधना पर निर्भर करता है। अगर संतान से ही मोक्ष मिलता तो संन्यासियों, साधुओं और ऋषि-मुनियों को मोक्ष कैसे प्राप्त होता? शंकराचार्य, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी विवेकानंद — इन सबने संतान नहीं उत्पन्न की, फिर भी ये महापुरुष माने गए।भ्रांति 2 : बेटा जरूरी है, बेटी से काम नहीं चलता : समाज में यह धारणा गहरी जड़ें जमाए बैठी है कि बेटा वंश आगे बढ़ाता है, बुढ़ापे का सहारा बनता है और अंतिम संस्कार करता है। इसलिए लोग बेटे की चाह में बच्चे पैदा करते रहते हैं।खंडन : आज के समय में बेटियाँ हर क्षेत्र में बेटों से आगे निकल रही हैं। चाहे सेना हो, अंतरिक्ष हो, खेल हो या प्रशासन — बेटियाँ हर जगह अपना परचम लहरा रही हैं। कई बेटियाँ अपने माता-पिता की बुढ़ापे में बेटों से बेहतर देखभाल करती हैं। रही बात अंतिम संस्कार की, तो आज कानूनी रूप से बेटी को भी यह अधिकार प्राप्त है। जो लोग बेटे की चाह में पाँच-छह बेटियाँ पैदा कर देते हैं, वे न उन बेटियों को अच्छी शिक्षा दे पाते हैं, न अच्छा जीवन। यह कोई समझदारी नहीं, बल्कि मूर्खता है।

भ्रांति 3 : ज्यादा बच्चे यानी बुढ़ापे का सहारा : कई लोग सोचते हैं कि जितने ज्यादा बच्चे होंगे, बुढ़ापे में उतना ज्यादा सहारा मिलेगा। उनका मानना है कि एक-दो बच्चे हुए तो कौन देखभाल करेगा।खंडन : सच्चाई यह है कि आज के समय में ज्यादा बच्चे होने का मतलब ज्यादा सहारा नहीं बल्कि ज्यादा खर्चा और ज्यादा चिंता है। अगर आप दो बच्चों को अच्छी शिक्षा देते हैं, उन्हें संस्कारवान बनाते हैं तो वे दो बच्चे दस बच्चों से बेहतर देखभाल करेंगे। दूसरी तरफ, अगर पाँच-छह बच्चे हों और किसी को भी अच्छी शिक्षा या संस्कार न मिले, तो वे सब मिलकर भी बुढ़ापे में सहारा नहीं बन पाएँगे। आज वृद्धाश्रमों में ऐसे बहुत से बुजुर्ग हैं जिनके चार-पाँच बच्चे हैं, लेकिन कोई उनकी सुध लेने वाला नहीं। भ्रांति 4 : संतान ईश्वर की देन है, रोकना पाप है : कुछ लोगों का मानना है कि संतान ऊपर वाले की मर्जी से आती है और इसे रोकना ईश्वर की इच्छा के विरुद्ध है। इसलिए वे परिवार नियोजन को पाप मानते हैं।खंडन : ईश्वर ने इंसान को बुद्धि भी दी है। अगर हम बुद्धि का उपयोग नहीं करेंगे तो यह ईश्वर की देन का अपमान होगा। ईश्वर ने हमें सोचने-समझने की शक्ति दी है ताकि हम सही फैसले ले सकें। जब कोई व्यक्ति अपनी आर्थिक हालत जानते हुए भी बिना सोचे-समझे बच्चे पैदा करता रहता है और फिर उन बच्चों को भूखा, अशिक्षित और बीमार रखता है — तो क्या यह ईश्वर की सेवा है? यह तो उन मासूम बच्चों के साथ अन्याय है। असली धर्म यह है कि जितने बच्चे पैदा करो, उन सबकी अच्छे से परवरिश करो। अगर यह संभव नहीं, तो संयम रखना ही सबसे बड़ा धर्म है। भ्रांति 5 : परिवार नियोजन शरीर के लिए हानिकारक है ग्रामीण क्षेत्रों में यह अफवाह बहुत फैली हुई है कि नसबंदी या गर्भनिरोधक उपायों से शरीर कमजोर हो जाता है, काम करने की ताकत खत्म हो जाती है या और भी कई तरह की बीमारियाँ हो जाती हैं।

ईरान पर हमलों के कारण आम आदमी का जीवन ठप

अशोक भाटिया

पश्चिम एशिया में लगातार जंग जारी है। ईरान और इजरायल एक-दूसरे पर मिसाइलों से हमले कर रहे हैं। उधर ट्रंप कभी जंग का समाधान निकालने की कोशिश कर रहे हैं, तो कभी ईरान को धमकी देते नजर आ रहे हैं। अब ईरान के एक सीनियर अधिकारी ने वॉशिंगटन की हालिया राजनयिक पहलों को दिखावा बताकर उन्हें खारिज कर दिया है। तेहरान ने कहा कि अमेरिका के वैश्विक प्रभाव का एक समय पर दबदबा था, जो अब खत्म हो चुका है।

पहले कुछ दिनों में ईरानी सेना द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने से वैश्विक तेल आपूर्ति बाधित हो गई है। अब ईरान वर्तमान में कुछ देशों के जहाजों और तेल टैंकरों को 2 मिलियन अमेरिकी डॉलर यानी लगभग 18 करोड़ रुपये में होर्मुज जलडमरूमध्य से गुजरने की अनुमति दे रहा है। टैंकर फंस गए हैं। आज तक, ईरानी सेना ने ईरानी सेना के बावजूद रास्ते से हटने की कोशिश कर रहे 20 जहाजों पर मिसाइल या ड्रोन दागे हैं। यह व्यापक रूप से माना जाता है कि वैश्विक तेल आपूर्ति में व्यवधान से केवल पेट्रोल और डीजल की कमी होगी। लेकिन आधुनिक दुनिया में कच्चे तेल से उत्पादित उत्पादों और वस्तुओं ने इतनी घुसपैठ की है कि कच्चे तेल की आपूर्ति का मतलब है कि आम आदमी का जीवन ठप हो गया है। प्रधानमंत्री मोदी ने कल भारतीय संसद में लॉकडाउन के साथ इसकी तुलना इस अत्यधिक कच्ची निर्भरता के कारण की है। अगर हम इसके दूरगामी प्रभावों को ध्यान में रखें और देखें कि हमें किन कठिनाइयों का सामना करना पड़ सकता है, तो हम आने वाले महीनों के लिए सावधान रह सकते हैं। कतर में रास लाफान गैस टर्मिनल पर ईरानी हमले ने भारत की 47% गैस आपूर्ति को सीधे प्रभावित किया है, जिसने सभी गैस-आधारित उद्योगों को प्रभावित किया है। एलपीजी गैस का उपयोग कोयले के विकल्प के रूप में कई उद्योगों में एकमात्र ईंधन स्रोत के रूप में किया जाता है, जो गैर-प्रदूषणकारी और उपयोग में आसान है। रेस्टोरेंट और रेडी-टू-ईट इंडस्ट्री सबसे ज्यादा प्रभावित हुई है। इसका आने वाले वर्षों में फूड होम डिलीवरी इंडस्ट्री पर सीधा असर पड़ेगा, जिसके परिणामस्वरूप लाखों लोग डिलीवरी चेन में कार्यरत रहते हैं और बेरोजगार हो जाते हैं।

मोरबी, दुनिया का नंबर 2 सिरेमिक विनिर्माण केंद्र, मोरबी, गुजरात में विकसित हुआ है। यह देश की 90% टाइलों का उत्पादन करता है और लगभग 9 लाख लोगों को रोजगार देता है। इसका वार्षिक कारोबार 50,000 करोड़ रुपये का है, जिसमें से 18,000 करोड़ रुपये का निर्यात किया जाता है। यहां तक कि अगर फ्लैट बनाया गया है, तो टाइल्स की कमी के कारण आंतरिक कार्य में देरी होगी।कांच की बोतल और घरेलू उपकरणों की भट्टियां बड़ी मात्रा में गैस की खपत करती हैं। उन्हें बंद करने में लंबा समय लगता है और पुनरारंभ करते समय नुकसान हो सकता है। यदि बोतलों की आपूर्ति बाधित या बाधित होती है, तो शराब और दवाओं की पैकिंग के लिए उपयोग की जाने वाली बोतलें महंगी हो जाएंगी या अपर्याप्त आपूर्ति के कारण समस्याग्रस्त हो जाएंगी। कई आधुनिक दवाएं पेट्रोकेमिकल्स से बनाई जाती हैं, इसलिए यह स्वाभाविक है कि अपर्याप्त आपूर्ति दवाओं के उत्पादन को प्रभावित करती है।हमारे दैनिक जीवन में सबसे अधिक इस्तेमाल की जाने वाली दवा फिनोल से बना पेरासिटामोल है, इबुप्रोफेन दर्द निवारक आइसोब्यूटाइलबेंजीन और प्रोपियोनिक एसिड से बनाया जाता है, मेटफॉर्मिन 80 से 90 प्रतिशत पेट्रोकेमिकल-आधारित होता है, और अन्य दवाओं के लिए 99 प्रतिशत कच्चा माल पेट्रोकेमिकल्स से आता है। नेफ्था, जिसका उपयोग होर्मुज जलडमरूमध्य में फार्मास्यूटिकल्स के लिए किया जाता है, वर्तमान में बंद है। नेफ्था का उपयोग फार्मास्युटिकल उद्योग में विलायक के रूप में किया जाता है और इसका उपयोग सक्रिय अवयवों को अलग करने के लिए किया जाता है। भारत जेनेरिक दवाओं का दुनिया का सबसे बड़ा आपूर्तिकर्ता है। यह दुनिया की 20 प्रतिशत जरूरतों और संयुक्त राज्य अमेरिका की 40 प्रतिशत जरूरतों को पूरा करता है। लेकिन आपूर्ति में व्यवधान के कारण उद्योग वर्तमान में संकट में है। प्राथमिकता के कारण, उद्योग के लिए उपलब्ध पेट्रोकेमिकल उत्पादों की कमी है।सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया जैसे संस्थान, जो दुनिया के 40-50% टीकों की आपूर्ति करते हैं, पेट्रोकेमिकल्स पर भी निर्भर हैं, जो वैक्सीन की बोतलों, सीरिंज, पैकेजिंग और यहां तक कि वैक्सीन के घटकों में बहुत उच्च श्रेणी के प्लास्टिक हैं, जो पेट्रोकेमिकल्स पर आधारित हैं, जो उत्पादन की लागत बढ़ा रहे हैं और उपलब्धता को कम कर रहे हैं।

अरब देशों और ईरान रासायनिक उर्वरकों के विश्व उत्पादन का 20% हिस्सा हैं, लेकिन यूरिया के उत्पादन का 46% हिस्सा है। भारत, ब्राजील और चीन अरब देशों के प्रमुख उपभोक्ता हैं। भारत अरब देशों से अमोनियम नाइट्रेट जैसे अन्य उर्वरकों के अलावा अरब देशों से यूरिया की अपनी वार्षिक आवश्यकता का 50% आयात करता है। देश में खाद्य उत्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उर्वरक की बढ़ती कीमतों और अपर्याप्त आपूर्ति के कारण दुनिया भर में भोजन की कमी की संभावना के बारे में पहले से ही बात की जा रही है। भोजन की कमी और राजनीतिक स्थिरता का गहरा संबंध है। जिन देशों में भोजन की कमी और मुद्रास्फीति बढ़ती है, वहां सत्तारूढ़ दलों का विरोध और हिंसा का सामना करने का इतिहास रहा है, जिसके कारण एशिया, अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में कई राजनीतिक तूफान आए हैं। अरब देशों में वैश्विक सल्फर उत्पादन का 50% हिस्सा है, जिनमें से लगभग सभी ईरानी हमलों से प्रभावित हुए हैं, या क्योंकि होर्मुज जलडमरूमध्य को बंद कर दिया गया है, तैयार उत्पादों के लिए वैश्विक बाजार में जाने का कोई रास्ता नहीं है। इससे सल्फर आधारित उर्वरकों की आपूर्ति प्रभावित हुई है और कीमतों में 50% की वृद्धि हुई है। ईवी बैटरी उद्योग में तांबा, निकल, कोबाल्ट के उत्पादन में सल्फ्यूरिक एसिड आवश्यक है, जो पूरे बैटरी उद्योग को प्रभावित करेगा। हीलियम को प्राकृतिक गैस प्रसंस्करण के दौरान उप-उत्पाद के रूप में निकाला जाता है। जब एलएनजी उत्पादन बंद हो जाता है, तो हीलियम की आपूर्ति बंद हो जाती है। कतर में रास लाफान परिसर पर हमलों के बाद से हीलियम का उत्पादन रुक गया है, जो दुनिया में सबसे बड़ा हीलियम पैदा करता है। यह दुनिया की आपूर्ति का लगभग 30 से 36 प्रतिशत आपूर्ति करता है। उन्होंने कहा कि यदि इन कंटेनरों को लगभग 45 दिनों के भीतर नहीं ले जाया जाता है, तो गैस टैंकरों का एक बड़ा हिस्सा स्थायी रूप से नष्ट हो जाएगा । हीलियम एकमात्र ऐसी चीज है जिसे हीलियम द्वारा प्राप्त किया जा सकता है, जो एमआरआई स्कैनिंग मशीनों द्वारा उत्पादित छवियों में स्पष्टता सुनिश्चित करने के लिए चिकित्सा क्षेत्र में सबसे महत्वपूर्ण चीज है, जिसके लिए बहुत कम तापमान की आवश्यकता होती है। पूर्वी एशिया में अर्धचालक उद्योग पर तत्काल और गंभीर प्रभाव पड़ता है।

हीलियम अर्धचालक बनाने की प्रक्रिया में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इसका उपयोग अर्धचालकों में वेफर्स को ठंडा करने के लिए किया जाता है। वैक्यूम सिस्टम में रिसाव की जांच के लिए हीलियम का कोई अन्य विकल्प नहीं है। 5 नैनोमीटर से कम चिप्स में, विनिर्माण प्रक्रिया में थोड़ी सी भी गर्मी उत्पादन में बड़ी कमी या उत्पादन में पूर्ण विराम का कारण बन सकती है।

उर्वरक पर नियंत्रण, किसान पर भरोसा: क्या संतुलन बन पाएगा?

आरके जैन

खेत की मिट्टी अब केवल अन्न नहीं उगाती, वह उम्मीदों और व्यवस्थाओं की परीक्षा भी लेती है। इसी मिट्टी पर खड़े भारत के करोड़ों किसानों के सामने आज एक नया प्रयोग रखा गया है-किसान आईडी और उर्वरक आपूर्ति का डिजिटल तंत्र। यह पहल किसी साधारण योजना की तरह नहीं, बल्कि उस जटिल समस्या का समाधान बनने का दावा करती है, जिसने वर्षों से खेती को भीतर ही भीतर खोखला किया है-सब्सिडी का रिसाव, खाद की कालाबाजारी और असली किसान तक संसाधनों की अधूरी पहुंच। सवाल यह नहीं कि योजना कितनी भव्य है, बल्कि यह है कि क्या यह वास्तव में खेत की मेड़ तक न्याय पहुँचा पाएगी, या फिर फाइलों की चमक में ही सिमट जाएगी।

सरकार का दृष्टिकोण स्पष्ट और महत्वाकांक्षी है-हर किसान को एक विशिष्ट डिजिटल पहचान देकर उसे सीधे लाभ से जोड़ना। यह किसान आईडी भूमि रिकॉर्ड, आधार और पारिवारिक विवरण से जुड़कर एक समग्र डेटाबेस तैयार करती है, जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि उर्वरक जैसी महत्वपूर्ण वस्तुएं सही व्यक्ति तक ही पहुंचे। हर साल उर्वरक सब्सिडी पर होने वाला भारी खर्च, जो कई बार गलत हाथों में चला जाता था, अब एक नियंत्रित और पारदर्शी प्रणाली के माध्यम से उपयोग में लाया जाएगा। यह व्यवस्था केवल वितरण को नहीं सुधारती, बल्कि एक ऐसी निगरानी प्रणाली भी बनाती है, जिसमें हर लेन-देन का हिसाब दर्ज रहेगा।

व्यवहारिक स्तर पर देखें तो यह प्रणाली तकनीक और कृषि का अनोखा संगम प्रस्तुत करती है। पॉइंट ऑफ सेल मशीनों के जरिए आधार प्रमाणीकरण के बाद ही खाद की खरीद संभव होगी, जिससे फर्जी खरीद पर रोक लगेगी। प्रति हेक्टेयर उर्वरक की तय सीमा न केवल संसाधनों के संतुलित उपयोग को बढ़ावा देगी, बल्कि मिट्टी की सेहत को भी सुरक्षित रखेगी। साथ ही, डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के विस्तार से किसान को यह स्वतंत्रता मिलेगी कि वह अपनी आवश्यकता के अनुसार उर्वरक का चयन करे।

यह बदलाव केवल प्रक्रिया में नहीं, बल्कि सोच में भी परिवर्तन का संकेत देता है। इस पहल के संभावित लाभ निस्संदेह प्रभावशाली हैं। छोटे और सीमांत किसान, जो अक्सर बिचौलियों के शोषण का शिकार होते रहे हैं, अब सीधे लाभ के दायरे में आएंगे। उर्वरकों की कालाबाजारी पर अंकुश लगेगा, जिससे बाजार में स्थिरता आएगी। एक ही आईडी के माध्यम से विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ मिलने से प्रशासनिक जटिलता कम होगी।

सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि किसान को अपने डेटा पर अधिकार मिलेगा-वह अपनी भूमि, फसल और लाभ की पूरी जानकारी एक ही मंच पर देख सकेगा। यह डिजिटल सशक्तिकरण का वह रूप है, जो किसान को केवल लाभार्थी नहीं, बल्कि निर्णयकर्ता बनाता है। किन्तु हर उजाले के साथ कुछ छायाएं भी होती हैं, जिन्हें नजरअंदाज करना जोखिम भरा हो सकता है। ग्रामीण भारत में डिजिटल साक्षरता अभी भी एक बड़ी चुनौती है। कई किसान स्मार्टफोन, इंटरनेट या तकनीकी प्रक्रियाओं से परिचित नहीं हैं, जिससे वे इस प्रणाली में सहजता से शामिल नहीं हो पाएंगे। इसके अलावा, बटाईदार और किराएदार किसान, जिनके पास जमीन का औपचारिक रिकॉर्ड नहीं होता, इस व्यवस्था से बाहर रह सकते हैं। यदि तकनीकी त्रुटियां, सर्वर समस्याएं या डेटा में गड़बड़ी सामने आती हैं, तो इसका सीधा असर खेती की प्रक्रिया पर पड़ सकता है।

किसान के दृष्टिकोण से यह पहल एक अवसर भी है और आशंका भी। जहां एक ओर उसे सही मात्रा में उर्वरक मिलने की उम्मीद है, वहीं दूसरी ओर सख्त नियमों के कारण लचीलापन कम होने का डर भी है। बड़े किसानों के लिए यह व्यवस्था कुछ हद तक प्रतिबंधात्मक हो सकती है, लेकिन छोटे किसानों के लिए यह एक सुरक्षा कवच बन सकती है। संतुलित उर्वरक उपयोग से उत्पादन में वृद्धि और मिट्टी की गुणवत्ता में सुधार संभव है, जिससे दीर्घकालिक लाभ मिल सकते हैं। परंतु यदि आईडी बनाने या उसे सक्रिय करने में देरी हुई, तो किसान के सामने तत्काल संकट खड़ा हो सकता है। वैश्विक परिस्थितियों को देखते हुए इस पहल का महत्व और भी बढ़ जाता है। उर्वरक उत्पादन और आपूर्ति पर अंतरराष्ट्रीय घटनाओं का सीधा प्रभाव पड़ता है, जिससे भारत जैसे देश को आयात पर निर्भर रहना पड़ता है। ऐसे में यदि देश के भीतर वितरण प्रणाली मजबूत और पारदर्शी हो जाए, तो संसाधनों का बेहतर उपयोग संभव है। किसान आईडी इस दिशा में एक मजबूत आधार प्रदान कर सकती है, जिससे खाद्य सुरक्षा को स्थिरता मिले और कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूती।

किसान आईडी और उर्वरक आपूर्ति की यह पहल एक विचार से अधिक, एक परीक्षा है-नीतियों की, क्रियान्वयन की और सबसे बढ़कर, विश्वास की। यदि सरकार डिजिटल अंतर को पाटने, हर वर्ग के किसान को शामिल करने और जमीनी स्तर पर सहायता सुनिश्चित करने में सफल होती है, तो यह पहल कृषि क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव ला सकती है।

लेकिन यदि यह केवल आंकड़ों और घोषणाओं तक सीमित रह गई, तो यह भी उन योजनाओं की सूची में शामिल हो जाएगी, जो शुरू तो बड़े वादों के साथ हुईं, पर अंत में किसानों की उम्मीदों को अधूरा छोड़ गईं। अब निर्णय खेत की मिट्टी करेगी-कि यह बदलाव वास्तविक है या सिर्फ एक और प्रयोग।

बदलता मौसम, पिघलते ग्लेशियर और आने वाला जल संकट

गजेंद्र सिंह

फरवरी 2026 ने भारत के मौसम इतिहास में एक असामान्य संकेत दर्ज किया । औसतन लगभग 32–33 डिग्री सेल्सियस तापमान के साथ यह महीना पिछले 125 वर्षों में सबसे गर्म और शुष्क फरवरी के रूप में सामने आया । आमतौर पर फरवरी भारत में हल्की ठंड और बसंत की शुरुआत का महीना माना जाता है लेकिन इस बार तापमान का यह असामान्य उछाल संकेत देता है कि जलवायु प्रणाली में गहरे स्तर पर बदलाव हो रहा है ।

मार्च की शुरुआत ने इन आशंकाओं को और अधिक स्पष्ट कर दिया । राजधानी दिल्ली में, विशेष रूप से सफदरजंग वेधशाला में, मार्च के पहले ही सप्ताह में तापमान 35.7 डिग्री सेल्सियस तक पहुँच गया जो पिछले लगभग 15 वर्षों का उच्चतम स्तर है । यह केवल एक शहर की स्थिति नहीं थी, बल्कि देश के व्यापक भूभाग में इसी तरह की प्रवृत्ति देखने को मिली । राजस्थान के बाड़मेर में पारा 40 डिग्री से ऊपर दर्ज किया गया, जबकि जयपुर में यह 37.8 डिग्री तक पहुँच गया। मध्य प्रदेश के रतलाम में 39.2 डिग्री और भोपाल में 36.8 डिग्री तापमान रिकॉर्ड किया गया। वहीं गुजरात के अहमदाबाद, राजकोट, दीसा और कांडला जैसे शहरों में तापमान 41 डिग्री तक पहुँच गया, जो सामान्य से काफी अधिक है।

मार्च का मौसम केवल गर्मी तक सीमित नहीं रहा बल्कि इसमें उतार-चढ़ाव भी देखने को मिले । प्रथम सप्ताह जहाँ अधिक गर्म और शुष्क रहा, वहीं 15 मार्च के बाद अचानक ठंडी हवाएँ, बारिश और ओलावृष्टि हुई । इसका मुख्य कारण पश्चिमी विक्षोभ रहा, जो सामान्यतः दिसंबर–जनवरी में सक्रिय होता है, लेकिन इस बार मार्च के मध्य में प्रभावी हुआ। इस असामान्य और विरोधाभासी मौसम पैटर्न का प्रभाव केवल मैदानी क्षेत्रों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि इसके संकेत हिमालयी क्षेत्रों में भी स्पष्ट रूप से दिखाई दिए। वहाँ बर्फबारी में कमी और तापमान में असामान्य वृद्धि दर्ज की गई, जो पारिस्थितिक संतुलन के लिए एक गंभीर चेतावनी है। इसके दूरगामी प्रभाव कृषि उत्पादन, जल संसाधनों और समग्र जनजीवन पर पड़ सकते हैं। हिमालय केवल एक पर्वत श्रृंखला नहीं है. यह एशिया की जल व्यवस्था की धुरी है । हिंदूकुश-हिमालय क्षेत्र को अक्सर "थर्ड पोल" और "एशिया का वाटर टावर" कहा जाता है। इसका कारण यह है कि यहाँ मौजूद विशाल बर्फ और ग्लेशियर एशिया की कई प्रमुख नदियों को पानी प्रदान करते हैं। हाल ही में अर्थ साइंस रिव्यु में प्रकाशित एक शोध ने चेतावनी दी है कि यदि वर्तमान तापमान वृद्धि का सिलसिला जारी रहा, तो इस सदी के अंत तक हिमालय की लगभग 68 प्रतिशत बर्फ समाप्त हो सकती है। यह केवल हिमालयी पारिस्थितिकी तंत्र का संकट नहीं होगा, बल्कि दक्षिण और मध्य एशिया के करोड़ों लोगों की जल सुरक्षा, कृषि और आजीविका पर सीधा प्रभाव डालेगा । शोध के अनुसार 1980 से 2020 के बीच हिंदूकुश–हिमालय क्षेत्र का तापमान प्रति दशक 0.2 से 0.3 डिग्री सेल्सियस की दर से बढ़ा है। यह दर वैश्विक औसत से लगभग दोगुनी है। पूर्वी हिमालय के कई हिस्सों में यह वृद्धि और भी तेज देखी गई है। बढ़ते तापमान के साथ-साथ वर्षा के पैटर्न में भी बदलाव आ रहा है। इससे ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और बर्फ की परत लगातार कम हो रही है। अध्ययन के अनुसार वर्ष 2000 से 2016 के बीच ग्लेशियर हर साल औसतन 0.37 मीटर पानी के बराबर बर्फ खो रहे हैं। इसका मतलब यह है कि ग्लेशियरों की मोटाई धीरे-धीरे घटती जा रही है।

मध्य और पूर्वी हिमालय में स्थिति सबसे अधिक चिंताजनक है। यहाँ वर्ष 1990 से 2020 के बीच लगभग 30 वर्षों में बर्फ की परत 30 प्रतिशत तक घट गई है। हालांकि कराकोरम क्षेत्र अपेक्षाकृत अलग तस्वीर प्रस्तुत करता है। यहाँ कुछ स्थानों पर बर्फ की मात्रा स्थिर या थोड़ी बढ़ती हुई भी देखी गई है। वैज्ञानिक इस असामान्य स्थिति को "कराकोरम एनोमली" कहते हैं। इसका संबंध पश्चिमी विक्षोभ से मिलने वाली सर्दियों की वर्षा से जोड़ा जाता है, जो इस क्षेत्र में बर्फ के संतुलन को बनाए रखने में भूमिका निभाती है । ग्लेशियरों के पिघलने का एक और गंभीर परिणाम है-ग्लेशियर झीलों की संख्या और आकार में तेजी से वृद्धि। जैसे-जैसे बर्फ पिघलती है, पहाड़ों में बड़ी झीलें बनने लगती हैं। इन झीलों के अचानक फटने की घटना को ग्लेशियल लेक आउटबर्स्ट फ्लड कहा जाता है।

किराये का दुख

डॉ. सुरेश कुमार

कंचनपुर गांव के चतुर सुजान 'घपलेराम' ने जब इस बार प्रधानी का चुनाव लड़ा, तो उन्होंने गांव की सबसे बड़ी और प्राकृतिक समस्या को अपना हथियार बनाया-'समय का अभाव'। घपलेराम का तर्क था कि आज का ग्रामीण इतना व्यस्त है कि उसके पास अपने रिश्तेदारों की मृत्यु पर रोने या बीमार पड़ोसी का हाल चाल पूछने तक का समय नहीं है। उन्होंने अपने घोषणापत्र में वादा किया कि जीतते ही वे गांव में 'इमोशनल आउटसोर्सिंग केंद्र' खोलेंगे। यदि आपके घर में कोई गमी हो जाए और आपको दफ्तर जाना हो, तो सरकार की ओर से 'प्रोफेशनल रोदली' भेजी जाएगी जो आपके हिस्से का विलाप ससुरारी धुन में करेगी। गांव के लोग, जो सामाजिक लोकलाज और काम के बोझ के बीच पिसे जा रहे थे, अचानक इस 'किराये की संवेदना' वाले विचार पर ऐसे रीझे कि उन्हें घपलेराम साक्षात कलयुग के श्रवण कुमार लगने लगे।

प्रचार के अंतिम चरण में घपलेराम ने गांव की चौपाल पर एक 'आँसू-बैंक' स्थापित किया। यह वास्तव में एक पुराना वाटर कूलर था जिस पर उन्होंने 'संवेदना संग्राहक' लिखवा दिया था। उन्होंने गांव वालों को पट्टी पढ़ाई कि जो भी व्यक्ति उन्हें वोट देने की प्रतिज्ञा करेगा, उसके जीवन के सारे 'सामाजिक कर्तव्य' यह मशीन स्वचालित रूप से निभा देगी। विपक्षी उम्मीदवार 'सीधे सादे राम' खड़ंजे और हैंडपंप की बात कर रहे थे, लेकिन जनता को तो उस भविष्य की चिंता थी जहाँ उन्हें किसी की तेहरवीं में बैठकर झूठी उदासी नहीं दिखानी पड़ेगी। घपलेराम ने कुछ भाड़े के कलाकारों को बुलाकर गांव में एक 'मॉक विलाप' करवाया, जिसे देखकर ग्रामीणों को लगा कि अब उनकी आत्मा का बोझ हल्का हो गया है। लोग अपनी मेहनत की कमाई घपलेराम के चरणों में अर्पित करने लगे ताकि उनका सामाजिक जीवन 'ऑटो-पायलट' मोड पर आ सके।जिस दिन चुनाव का परिणाम आया और घपलेराम की प्रचंड जीत हुई, पूरा गांव अपने 'संवेदना कूपन' लेने उनके घर पहुँचा। लोग चाहते थे कि अगले हफ्ते होने वाली एक शादी और दो मुंडनों के लिए घपलेराम अपने 'प्रोफेशनल प्रतिनिधि' भेजें। घपलेराम अपनी नई सफारी गाड़ी से उतरे और सबके हाथ में एक-एक पत्थर थमाते हुए बोले— भाइयों, संवेदनाएं आउटसोर्स नहीं होतीं, सिर्फ बेची जाती हैं! जनता हक्की-बक्की रह गई, हुजूर, हमारे उन प्रोफेशनल रोने वालों का क्या हुआ? घपलेराम ने चश्मा ठीक किया और ठहाका मारकर बोले, मूर्खों! रोने वाले तो तुम खुद हो जो अगले पांच साल तक अपनी इस बेवकूफी पर मातम मनाओगे। मैंने तो तुम्हारी भावनाओं का सौदा करके शहर में अपना 'इवेंट मैनेजमेंट' का दफ्तर खोल लिया है।

आईपीएल मालिकों की अरबपति बेटियां

अनन्या-ईशा से काव्या-सुहाना तक, किसके पास कितनी दौलत?

आईपीएल सिर्फ क्रिकेट नहीं है, अब यह पैसा, पावर, ब्रांड और ग्लैमर का सबसे बड़ा मंच बन गया है। हालांकि, 18 सीजन बीत जाने के बाद एक बात तो साफ हो गई है कि अब सिर्फ फ्रेंचाइजी मालिक ही नहीं, बल्कि उनकी बेटियां भी पैस-पावर और ग्लैमर की दुनिया में अपनी मजबूत और अलग पहचान बना रही हैं। हम ऐसा इसलिए कह रहे हैं क्योंकि अनन्या बिड़ला इन दिनों सोशल मीडिया पर सबसे ज्यादा ट्रेंड कर रही हैं। उनके परिवार की कंपनी आदित्य बिड़ला ग्रुप ने कंसोर्टियम यानी कुछ अलग कंपनियों के साथ मिलकर रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु फ्रेंचाइजी 16000+ करोड़ रुपये में खरीद ली। इसी के साथ आरसीबी आईपीएल इतिहास की सबसे महंगी टीम बन गई।

हालांकि, इसके बाद कुमार मंगलम बिड़ला और आरसीबी के नए चेयरमैन और कुमार मंगलम के बेटे आर्यमान बिड़ला चर्चा में हैं, लेकिन सबसे ज्यादा चर्चा अनन्या बिड़ला की हो रही है। फैंस आरसीबी टीम की इस नई मालकिन की रील्स खूब शेयर कर रहे हैं और पैपराजी भी अनन्या के फोटोज शेयर करने का मौका नहीं छोड़ रहे। फ्रेंचाइजी मालिकों के बेटियों में सिर्फ अनन्या ही नहीं, इस लिस्ट में ईशा अंबानी, काव्या मारन, सुहाना खान और जाहनवी मेहता भी शामिल हैं। जब भी ये किसी पब्लिक फंक्शन में या किसी गेदरिंग में जाती हैं, सुर्खियों में बन ही जाती हैं।

अनन्या बिड़लाः विरासत नहीं, खुद की बनाई पहचान

अनन्या बिड़ला इस लिस्ट में सबसे ऊपर इसलिए हैं क्योंकि उनकी कहानी सिर्फ पारिवारिक दौलत तक सीमित नहीं है। आदित्य बिड़ला ग्रुप के चेयरमैन कुमार मंगलम बिड़ला की बेटी होने के बावजूद उन्होंने खुद का बिजनेस खड़ा किया। सिर्फ 17 साल की उम्र में शुरू की गई उनकी कंपनी स्वतंत्र माइक्रोफिन आज देश की बड़ी माइक्रोफाइनेंस कंपनियों में शामिल हैं। 2025 में इसमें हजारों करोड़ का निवेश भी आया। उनकी व्यक्तिगत नेटवर्थ करीब 1700+ करोड़ रुपये के आसपास मानी जाती है। इसके अलावा, आरसीबी जैसी बड़ी आईपीएल फ्रेंचाइजी से उनका जुड़ाव उन्हें क्रिकेट के पावर सर्कल में और मजबूत बनाता है। इतना ही नहीं, उनका जुड़ाव गुजरात टाइटंस टीम से भी है। बिड़ला स्टेट्स गुजरात टाइटंस टीम का प्रिंसिपल पार्टनर भी है और इसका प्रतिनिधित्व अनन्या ही करती दिखी हैं।

ईशा अंबानीः बिजनेस पावर की असली ताकत

अगर अनन्या बिड़ला आंत्रिप्रेन्योरशिप की मिसाल हैं, तो ईशा अंबानी कॉर्पोरेट पावर का चेहरा हैं। रिलायंस रिटेल, जियो, रिलायंस फाउंडेशन में उनकी अहम भूमिका है। येल और स्टैनफोर्ड जैसी यूनिवर्सिटी से पढ़ाई करने वाली ईशा आईपीएल की सबसे ताकतवर महिलाओं में गिनी जाती हैं। उनकी व्यक्तिगत संपत्ति करीब 800 करोड़ रुपये बताई जाती है, लेकिन असली ताकत उनके पीछे खड़े रिलायंस साम्राज्य की है। मुंबई इंडियंस की सफलता में यह आर्थिक मजबूती साफ झलकती है।

काव्या मारनः आईपीएल की सबसे चर्चित चेहरा

काव्या मारन आईपीएल की सबसे ज्यादा दिखने वाली अरबपति बेटी हैं। ऑक्शन टेबल से लेकर मैच के दौरान उनके रिएक्शन तक, काव्या मारन हर जगह नजर आती हैं। सनराइजर्स हैदराबाद की पहचान में उनका चेहरा अहम बन चुका है। उनकी नेटवर्थ करीब 400 करोड़ रुपये मानी जाती है। बिजनेस के साथ-साथ उनका स्टाइल और लाइफस्टाइल भी अक्सर चर्चा में रहता है।

सुहाना खानः ग्लैमर और क्रिकेट का परफेक्ट मिक्स

सुहाना खान आईपीएल की दुनिया में एक अलग तरह की पहचान रखती हैं। वह कोलकाता नाइट राइडर्स फ्रेंचाइजी के 'नेक्स्ट जनरेशन फेस' के रूप में देखी जाती हैं। हालांकि अभी वह एक्टिंग और ब्रांड एंडोर्समेंट पर ज्यादा फोकस कर रही हैं, लेकिन उनकी मौजूदगी फ्रेंचाइजी के ग्लैमर को और बढ़ाती है। उनकी नेटवर्थ करीब 20 करोड़ रुपये है, लेकिन वह अभी अपने करियर की शुरुआती स्टेज में हैं और तेजी से आगे बढ़ रही हैं।

जाह्नवी मेहताः शांत लेकिन रणनीतिक दिमाग

जाह्नवी मेहता इस लिस्ट में सबसे कम चर्चित लेकिन बेहद दिलचस्प नाम हैं। वह आईपीएल ऑक्शन टेबल पर केकेआर का प्रतिनिधित्व करती नजर आती हैं और क्रिकेट की समझ रखने वाली नई पीढ़ी का चेहरा हैं। उनकी व्यक्तिगत संपत्ति सार्वजनिक रूप से सामने नहीं आई है, लेकिन उनका परिवार भारत के सबसे अमीर परिवारों में गिना जाता है।

आईपीएल में बदलती पीढ़ी की ताकत

आईपीएल 2026 तक आते-आते यह साफ हो गया है कि अब फ्रेंचाइजी सिर्फ बिजनेसमैन नहीं चला रहे, बल्कि उनकी अगली पीढ़ी भी जिम्मेदारी संभाल रही है। यह नई पीढ़ी डिजिटल प्लेटफॉर्म समझती है, ब्रांड वैल्यू बढ़ाना जानती है और फैंस के साथ जुड़ने के नए तरीके अपनाती है।

कौन है असली नंबर-1?

अगर सिर्फ व्यक्तिगत संपत्ति की बात करें, तो अनन्या बिड़ला सबसे आगे हैं।

अगर कॉर्पोरेट ताकत की बात करें, तो ईशा अंबानी का कोई मुकाबला नहीं।

अगर आईपीएल में एक्टिव रोल की बात करें, तो काव्या मारन सबसे आगे दिखती हैं।

सुहाना खान और जान्हवी मेहता इस लिस्ट की फ्यूचर स्टार्स हैं, जिनका प्रभाव आने वाले समय में और बढ़ सकता है।

कोहली ने बनवाया नया टैटू; उनके जीवन-अनुभव और बदलाव की कहानी को दर्शाता है

दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली ने आईपीएल 2026 की शुरुआत से पहले अपने टैटू कलेक्शन में एक नया और खास डिजाइन शामिल किया है। रॉयल

चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व कप्तान और दिग्गज बल्लेबाज का नया टैटू उनके जीवन, अनुभव और व्यक्तिगत बदलावों की कहानी को दर्शाता है।

टैटू स्टूडियो का बयान

विराट कोहली ने जिस स्टूडियो में टैटू बनाया वहां से जारी प्रेस रिलीज के मुताबिक, 'यह टैटू उनकी बाईं बांह पर बनाया गया है, जहां पहले से मौजूद टैटू को हटाने के बजाय उन्हें और बेहतर और गहराई देने का काम किया गया है। इस पूरी प्रक्रिया का उद्देश्य पुराने डिजाइनों को एक नई कहानी में पिरोना है, जो मौजूदा समय के कोहली की सोच और व्यक्तित्व से मेल खाती हो।'

टैटू की शुरुआत कैसे हुई?

इस टैटू की शुरुआत शिव से प्रेरित एक आर्मबैंड को फिर से डिजाइन करने से हुई। इसके बाद यह डिजाइन एक बारीक मंडला पैटर्न में बदलता है, जिसे डॉटवर्क तकनीक से तैयार किया गया है। यह पैटर्न पूरी बांह पर एक फ्लो बनाता है और टैटू स्लीव का आधार तैयार करता है।

टैटू में कमल और पियोनी जैसे फूलों को भी शामिल किया गया है, जो मजबूती, विकास और आंतरिक संतुलन के प्रतीक माने जाते हैं। हालांकि, इन डिजाइनों के पीछे छिपे व्यक्तिगत अर्थ को पूरी तरह सार्वजनिक नहीं किया गया है, जिससे इसमें एक रहस्य भी बना रहता है।

टैटू स्लीव को जानबूझकर अधूरा छोड़ा गया

स्टूडियो ने यह भी बताया कि इस टैटू स्लीव को जानबूझकर अधूरा छोड़ा गया है। इसका कारण यह है कि कोहली के जीवन में आने वाले नए अनुभव, बदलाव और उपलब्धियां भविष्य में इस टैटू में जुड़ती रहेंगी। यानी यह टैटू किसी एक पल का प्रतीक नहीं, बल्कि उनकी पूरी यात्रा का साक्षी और जीवंत दस्तावेज बनेगा।

चैंपियन आरसीबी को रोक पाएगी हैदराबाद? सीजन ओपनर में चौके-छक्कों की बरसात तय

आईपीएल 2026 का आगाज शनिवार से होने जा रहा है, और पहले ही मुकाबले में गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का सामना सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) से होगा। यह मैच बंगलूरू के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जाएगा। कई वर्षों के इंतजार के बाद आरसीबी ने अपना पहला आईपीएल खिताब जीता था, और अब टीम उसी आत्मविश्वास के साथ नए सीजन की शुरुआत करना चाहेगी।

आरसीबी कितनी मजबूत?

इस सीजन में आरसीबी की बल्लेबाजी काफी मजबूत दिख रही है। ओपनिंग में विराट कोहली और फिल सॉल्ट उतर सकते हैं। मिडिल ऑर्डर में कप्तान रजत पाटीदार और देवदत्त पडिक्कल अहम भूमिका निभाएंगे। फिनिशिंग की जिम्मेदारी टिम डेविड और रोमारियो शेफर्ड पर होगी।

गेंदबाजी में जोश हेजलवुड की गैरमौजूदगी में भुवनेश्वर कुमार और क्रुणाल पांड्या पर बड़ी जिम्मेदारी होगी। हेजलवुड ऑस्ट्रेलिया में चोट से उबरकर पूरी तरह फिट होने के लिए प्रयास कर रहे हैं और वह बाद में टीम में शामिल हो सकते हैं। यौन

उत्पीड़न के आरोपों का सामना कर रहे दयाल पूरे सत्र से बाहर रहेंगे। आरसीबी को अनुभवी तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार, स्पिनर क्रुणाल पंड्या, सुयश शर्मा और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज मंगेश यादव पर काफी हद तक निर्भर रहना होगा।

हैदराबाद को खलेगी कमिंस की कमी?

वहीं, पिछला सीजन सनराइजर्स हैदराबाद के लिए अच्छा नहीं रहा था और टीम अंक तालिका में छठे स्थान पर रही थी। इस बार टीम बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद करेगी। सनराइजर्स के कप्तान पैट कमिंस भी शुरुआती चरण में टीम में नहीं होंगे। ईशान किशन को कार्यवाहक कप्तान बनाया गया है। ओपनिंग में ट्रैविस हेड और अभिषेक शर्मा तेज शुरुआत देने की कोशिश करेंगे। मिडिल ऑर्डर में ईशान किशन और हेनरिक क्लासेन अहम भूमिका निभाएंगे, जबकि लियाम लिविंगस्टोन निचले क्रम में ताकत बढ़ाएंगे।

कैसी रहेगी पिच?

एम चिन्नास्वामी स्टेडियम की पिच टी20 मैचों के लिए बल्लेबाजों के लिए बेहद अनुकूल मानी जाती है। यहां की छोटी बाउंड्री और फ्लैट विकेट बल्लेबाजों को खुलकर खेलने का मौका देती है। तेज गेंदबाजों को यहां काफी समझदारी से गेंदबाजी करनी होगी, जबकि स्पिनर्स को गेंद को रोककर और टर्न दिलाकर असर दिखाना होगा।

दोनों टीमों की संभावित प्लेइंग 11

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरुः फिल सॉल्ट, विराट कोहली, देवदत्त पडिक्कल, रजत पाटीदार (कप्तान), जितेश शर्मा (विकेटकीपर), टिम डेविड, क्रुणाल पांड्या, रोमारियो शेफर्ड, भुवनेश्वर कुमार, सुयश शर्मा, जैकब डफी।

सनराइजर्स हैदराबादः हेनरिक क्लासेन, ईशान किशन (कप्तान), अनमोलप्रीत वर्मा, ट्रैविस हेड, अभिषेक शर्मा, नीतीश कुमार रेड्डी, लियाम लिविंगस्टोन, हर्षल पटेल, जयदेव उनादकट, ब्रायडन कार्स, शिवम मावी।

अक्षर के बाद अब शुभमन गिल ने भी इम्पैक्ट प्लेयर नियम पर उठाए सवाल, क्यों हैं इसके खिलाफ?

आईपीएल में इम्पैक्ट प्लेयर नियम को लेकर अब विरोध बढ़ता जा रहा है। पहले दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने इसके खिलाफ बयान दिया और अब गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन

गिल ने इस पर सवाल खड़े किए हैं। इम्पैक्ट प्लेयर नियम से टीमों के मैच के दौरान एक खिलाड़ी को बाहर भेजकर दूसरे किसी खिलाड़ी को शामिल करने की मंजूरी मिलती है।

कई खिलाड़ी जता चुके हैं विरोध

इस नियम पर पहले भी भारतीय खिलाड़ियों ने आपत्ति जताई है, जिनमें रोहित शर्मा, हार्दिक पंड्या और हाल ही में दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल शामिल हैं। मुंबई में बुधवार को हुई आईपीएल कप्तानों की बैठक में गिल सहित अधिकांश कप्तानों ने बीसीसीआई से इस नियम की समीक्षा करने की मांग की। यह नियम 2023 में लागू किया गया था और इसे कम से कम 2027 तक बढ़ाया गया है।

गिल ने कहा, निजी तौर पर मेरे ख्याल से इम्पैक्ट प्लेयर नियम नहीं होना चाहिए। इस मैच एकतरफा होता है। क्रिकेट सामान्यतः 11 खिलाड़ियों का खेल है। इसमें एक अतिरिक्त बल्लेबाज या गेंदबाज जोड़ने से खेल की वास्तविक चुनौती और खिलाड़ी की कौशल का महत्व कम हो जाता है। खेल में एक निश्चित कौशल होता है। अगर आपकी कुछ मुख्य बल्लेबाज जल्दी आउट हो जाएं, तो टीम को अच्छी स्कोर तक पहुंचाने के लिए रणनीति और कौशल की जरूरत होती है। लेकिन इस एक अतिरिक्त खिलाड़ी से खेल का झुकाव एकतरफा हो गया है। इससे चुनौती भी कम हो गई है। मेरे लिए आसान पिच पर 220 रन का पीछा करने से ज्यादा रोमांच चुनौतीपूर्ण पिच पर 180 या 160 रन का पीछा करने में है।

कोलकाता-मुंबई में पिछले दो दशक से नहीं हुआ भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट मैच; क्यों इंतजार हुआ लंबा?

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) ने जब 2026-27 के घरेलू सत्र का शेड्यूल जारी किया, तो एक बार फिर एक पुराना सवाल चर्चा में आ गया कि आखिर कोलकाता और मुंबई जैसे बड़े और नामी क्रिकेट स्टेडियम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैचों की मेजबानी से लगातार क्यों वंचित हैं?

कोलकाता और मुंबई में टेस्ट नहीं

ऑस्ट्रेलिया की टीम अगले साल जनवरी में भारत दौरे पर आएगी। 27 जनवरी से दोनों देशों के बीच प्रतिष्ठित बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के तहत पांच टेस्ट मैच खेले जाएंगे, लेकिन घोषित वेन्यू की सूची में कोलकाता का ऐतिहासिक ईडन गार्डेंस और मुंबई का प्रतिष्ठित वानखेड़े स्टेडियम शामिल नहीं हैं। यह फैसला क्रिकेट प्रेमियों के बीच हैरानी और निराशा दोनों पैदा कर रहा है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट मुकाबले हमेशा से हाई-वोल्टेज और रोमांच से भरपूर रहे हैं। ऐसे में देश के बड़े शहरों के फैंस को उम्मीद रहती है कि उन्हें इस प्रतिष्ठित सीरीज की मेजबानी का मौका मिलेगा। बीसीसीआई भी आमतौर पर अलग-अलग शहरों को मौका देने की कोशिश करता है, लेकिन ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैचों के मामले में कोलकाता और मुंबई को लंबे समय से नजरअंदाज किया जा रहा है।

कोलकाता के ईडन गार्डेंस में 2001 में मुकाबला

अगर इतिहास पर नजर डालें, तो कोलकाता के ईडन गार्डेंस में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आखिरी टेस्ट 2001 में खेला गया था। यह वही मुकाबला है, जिसे भारतीय क्रिकेट इतिहास के सबसे महान मैचों में गिना जाता है। वीवीएस लक्ष्मण और राहुल द्रविड़ की ऐतिहासिक साझेदारी, साथ ही हरभजन सिंह और सचिन तेंदुलकर की शानदार गेंदबाजी के दम पर भारत ने फॉलोऑन के बाद ऑस्ट्रेलिया को हराकर इतिहास रच

दिया था।

इस जीत कोआज भी 'मिरेकल ऑफ ईडन गार्डेंस' के रूप में याद किया जाता है। हैरानी की बात यह है कि इसके बाद ऑस्ट्रेलिया कई बार भारत दौरे पर आया, लेकिन ईडन गार्डेंस को फिर कभी इस मुकाबले की मेजबानी का मौका नहीं मिला। कोलकाता के ईडन गार्डेंस में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच कुल सात टेस्ट खेले गए हैं। इनमें से भारतीय टीम ने दो टेस्ट और ऑस्ट्रेलिया ने भी दो टेस्ट जीते हैं। तीन टेस्ट ड्रॉ रहे हैं। भारत यहां 1956 में और 1969 में ऑस्ट्रेलिया से टेस्ट हारा था।

मुंबई के वानखेड़े में 2004 में मुकाबला

कुछ ऐसा ही हाल मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम का भी है। यहां भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच आखिरी टेस्ट 2004 में खेला गया था। उस मुकाबले में मुरली कार्तिक की बेहतरीन गेंदबाजी की बदौलत भारत ने बेहद कम स्कोर वाले रोमांचक मैच में 13 रन से जीत हासिल की थी। यह मुकाबला भी भारत-ऑस्ट्रेलिया टेस्ट इतिहास के यादगार मैचों में शामिल है। वानखेड़े में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच कुल चार टेस्ट खेले गए हैं। इनमें से भारतीय टीम ने दो टेस्ट और ऑस्ट्रेलिया ने एक टेस्ट जीता है। एक टेस्ट ड्रॉ रहा है। ऑस्ट्रेलियाई टीम ने यहां 2001 में पिछला टेस्ट जीता था।

क्रिकेट फैंस के साथ हो रही नाइंसाफी?

इन दोनों मैदानों का भारतीय क्रिकेट में विशेष स्थान है। ईडन गार्डन और वानखेड़े न केवल ऐतिहासिक स्टेडियम हैं, बल्कि इन्होंने भारतीय क्रिकेट के कई सुनहरे पलों को देखा है। ऐसे में लगातार दो दशकों तक इन मैदानों को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैचों से दूर रखना कई सवाल खड़े करता है। फैंस और क्रिकेट विशेषज्ञों का मानना है कि यह केवल मैदानों के साथ ही नहीं, बल्कि वहां के क्रिकेट प्रेमियों के साथ भी नाइंसाफी है। अब जबकि एक और बड़ी टेस्ट सीरीज सामने है, यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या भविष्य में बीसीसीआई इस मुद्दे पर पुनर्विचार करता है या नहीं।

एक्शन से भरपूर क्रिकेट देखने को मिलेगा

बीसीसीआई (BCCI) ने 2026-27 के घरेलू सीजन का पूरा शेड्यूल जारी कर दिया है। इस बार भारतीय फैंस को एक्शन से भरपूर क्रिकेट देखने को मिलेगा, जहां भारतीय टीम अपने घर में चार अलग-अलग टीमों, वेस्टइंडीज, श्रीलंका, जिम्बाब्वे और ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी करेगा।

इसी के तहत बॉर्डर-गावस्कर सीरीज-2027 में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच पहला टेस्ट 21 से 25 जनवरी (नागपुर), दूसरा टेस्ट 29 जनवरी से दो फरवरी (चेन्नई), तीसरा टेस्ट 11 से 15 फरवरी (गुवाहाटी), चौथा टेस्ट 19 से 23 फरवरी (रांची) और पांचवां टेस्ट 27 फरवरी से तीन मार्च तक (अहमदाबाद) खेला जाएगा।

क्या 16000+ करोड़ की डील के बाद बदला जाएगा आरसीबी का नाम? अनन्या बिड़ला ने सवाल पर दी यह प्रतिक्रिया

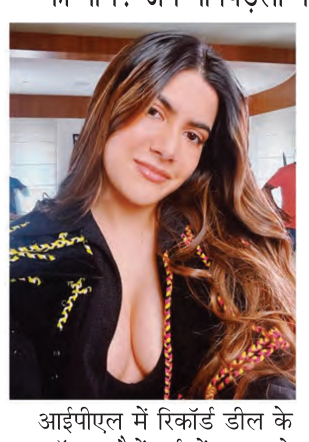

आईपीएल में रिकॉर्ड डील के बाद रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को लेकर एक बड़ा सवाल सामने आया- क्या टीम का नाम बदला जाएगा? आईपीएल इतिहास की सबसे महंगी फ्रेंचाइजी बनने के बाद फैंस के बीच यह चर्चा तेज हो गई हैं। अब इस सवाल पर आरसीबी के चेयरमैन आर्यमान बिड़ला की बहन अनन्या बिड़ला की प्रतिक्रिया सामने आई है।

क्या बदलेगा आरसीबी का नाम?

डील के बाद सबसे बड़ा सवाल यही था कि क्या नए मालिक टीम का नाम बदलेंगे। इस पर अनन्या बिड़ला का इशारा साफ है। उन्होंने एक पोस्ट को री-शेयर किया, जिसमें बताया गया था कि आरसीबी का नाम नहीं बदला जाएगा। इससे यह लगभग तय माना जा रहा है कि टीम अपनी पुरानी पहचान के साथ ही आगे खेलेगी।

2008 से IPL का हिस्सा, 2025 में जीता पहला खिताब

आरसीबी उन आठ टीमों में से एक है, जो 2008 में आईपीएल की शुरुआत से ही लीग का हिस्सा रही हैं। लंबे इंतजार के बाद टीम ने 2025 में अपना पहला आईपीएल खिताब जीता, जिससे इसकी ब्रांड वैल्यू और फैनबेस दोनों में जबरदस्त उछाल आया।

महिला टीम भी शामिल डील में

यह डील सिर्फ पुरुष टीम तक सीमित नहीं है। आरसीबी की महिला टीम, जो महिला प्रीमियर लीग में खेलती है, भी इस सौदे का हिस्सा है। यानी अब नया कंसोर्टियम आईपीएल और डब्ल्यूपीएल दोनों फ्रेंचाइजी का संचालन करेगा।

क्यों खास है यह डील?

यह सौदा सिर्फ एक टीम की बिक्री नहीं, बल्कि आईपीएल के बढ़ते आर्थिक प्रभाव का प्रतीक है। मीडिया राइट्स, स्पॉन्सरशिप और ग्लोबल फैनबेस के चलते आईपीएल दुनिया की सबसे बड़ी क्रिकेट लीग बन चुकी है, और आरसीबी इसकी सबसे कीमती टीम बन गई है।

वर्षों तक फिल्मों से दूर रहे अक्षय खन्ना दूसरी पारी में कैसे मचाया धमाल?

बॉलीवुड के बेहतरीन कलाकार अक्षय खन्ना आज अपना 50वां जन्मदिन मना रहे हैं। वह ऐसे कलाकार हैं, जो काफी समय तक पर्दे से दूर रहे। इसके बाद उन्होंने जबरदस्त वापसी की है। आइए जानते हैं उनके करियर में कैसा उतार-चढ़ाव रहा?

'धुरंधर' में किया शानदार काम

दिसंबर 2025 में आई फिल्म 'धुरंधर' में जब अक्षय खन्ना ने विलेन का किरदार निभाया, तो 'रहमान डकैत' का रोल दर्शकों को खूब भाया। इस रोल के लिए पहले कई कलाकारों ने मना कर दिया था। मगर अक्षय खन्ना इस रोल के लिए राजी हो गए। जब 'धुरंधर' रिलीज हुई, तो उनके 'रहमान डकैत' के किरदार ने सबको हैरान कर दिया। फिल्म में उनका स्वैग भरा डांस जेन-जी को खूब पसंद आया।

'छावा' में हुई अभिनय की तारीफ

28 मार्च 1975 को मुंबई में जन्मे अक्षय खन्ना ने साल 2025 में ही 'छावा' में 'औरंगजेब' का किरदार निभाया। उनके इस किरदार को भी काफी तारीफ मिली। इस फिल्म में विक्की कौशल अहम किरदार में हैं।

पहली फिल्म रही असफल

50 साल के अक्षय खन्ना की कहानी दूसरे सुपरस्टार जैसी नहीं है। दिवंगत अभिनेता विनोद खन्ना के बेटे अक्षय खन्ना ने उस दौर में बॉलीवुड में कदम रखा, जब सिनेमा के पर्दे पर संवादों का शोर था। साल 1997 में पहली फिल्म 'हिमालय पुत्र' असफल रही।

अक्षय खन्ना का संघर्ष

अक्षय खन्ना के लिए 2000 के दशक की शुरुआत चुनौतीपूर्ण रही। 'आ अब लौट चलें' जैसी फिल्म में काम करने के बावजूद उनकी कई फिल्में फ्लॉप रहीं। इससे उनके करियर अस्थिर हो गया। अक्षय खन्ना के लिए सबसे कठिन दौर उस वक्त था जब वह गंजेपन से जूझ रहे थे। इसे लेकर वह बहुत दुखी थे। हालांकि बाद में उन्होंने कई फिल्मों में कम बालों के साथ अच्छी एक्टिंग की।

2001 में करियर में आया मोड़

अक्षय खन्ना के करियर में मोड़ तब आया जब उन्होंने 2001 में फरहान अख्तर की फिल्म 'दिल चाहता है' में काम किया। जिस दौर में उनके साथ के अभिनेता मारधाड़ वाले किरदार कर रहे थे, उस समय उन्होंने एक शांत प्रेमी की भूमिका निभाई। इस फिल्म में उन्होंने अपनी से बड़ी उम्र की तलाकशुदा से इश्क किया। उनका यह किरदार सबसे संजीदा किरदारों में शुमार हो गया। इस फिल्म के लिए उन्हें फिल्मफेयर का सर्वश्रेष्ठ सहायक अभिनेता का पुरस्कार मिला।

फिल्मों से हुए दूर

'हमराज', 'हंगामा', 'रेस' जैसी फिल्मों में अक्षय खन्ना ने कॉमेडी वाले किरदार निभाए। 'गांधी, 'माई फादर' जैसी फिल्म में शानदार अभिनय करने के बावजूद एक दौर ऐसा आया जब अक्षय खन्ना फिल्मों से गायब हो गए। 2012 से 2016 के बीच, पूरे 4 साल तक वो फिल्मों से दूर रहे।

दूसरी पारी में ऊंचाई पर पहुंचे अक्षय खन्ना

उन्होंने 'इत्तेफाक,' 'मॉम' और 'दृश्यम 2' जैसी फिल्मों में पुलिस वाले के किरदार के रूप में अपनी वापसी की। इसके बाद वह 2025 में अपनी दूसरी पारी में उस ऊंचाई तक पहुंचे जहां तक पहुंचना आसान नहीं था।

सुपरस्टार थे अक्षय खन्ना के पिता

अक्षय खन्ना के पिता विनोद खन्ना हिंदी सिनेमा के एक दिग्गज अभिनेता और फिल्म निर्माता थे। उन्हें बॉलीवुड के सबसे हैंडसम अभिनेताओं में एक माना जाता था। उन्होंने अपने करियर की शुरुआत एक विलेन के तौर पर की थी। बाद में वे एक सुपरस्टार हीरो बने। उनकी मशहूर फिल्मों में 'मेरे अपने', 'मेरा गांव मेरा देश', 'इम्तिहान', 'इनकार', 'अमर अकबर एंथनी' और 'कुर्बानी' शामिल हैं। उनका निधन साल 2017 में हुआ था।

बोमन ईरानी को भारी पड़ा ईरान की स्थिति पर मजाक, मंदाना करीमी ने आड़े हाथों लिया

इन दिनों पश्चिमी एशिया में तनाव की स्थिति बनी हुई है। ईरान और अमेरिका के बीच युद्ध जैसी स्थिति बनी हुई है। शांति वार्ता को लेकर भी बातें सामने आई थीं। इसी बीच बॉलीवुड एक्टर बोमन ईरानी ने ट्रंप पर तंज कसा। इस तंज को लेकर एक्ट्रेस मंदाना करीमी ने बोमन ईरानी को खरी-खोटी सुनाई है।

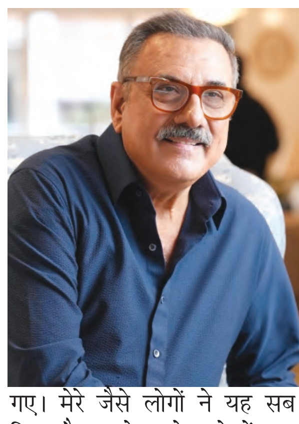
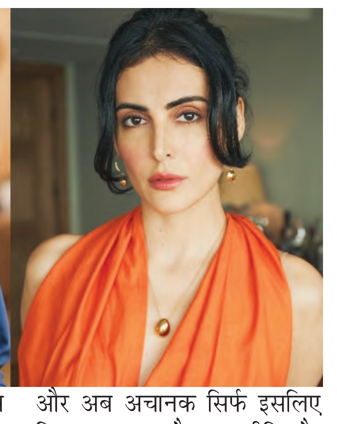

एक्टर बोमन ईरानी ने ट्रंप पर तंज कसा था। दरअसल, खबर थी कि ईरान युद्ध के बीच वह शांति वार्ता कर सकते हैं। कई सेलेब्स ने बोमन के सेंस ऑफ ह्यूमर को सराहा लेकिन उनकी ही पोस्ट पर ईरानी मूल की बॉलीवुड एक्ट्रेस मंदाना करीमी ने अपना गुस्सा जाहिर किया। वह बोमन की पोस्ट पर कमेंट लिखती हैं, 'बोमन ईरानी सर, अचानक आपके पास ईरान के बारे में कहने के लिए बहुत कुछ है। समय भी बड़ा दिलचस्प है। कई साल से ईरानियों को गिरफ्तार किया जा रहा है, उन्हें फांसी दी जा रही है, उनकी आवाज दबाई जा रही है। हजारों लोग मारे गए। परिवार बिखर गए। मेरे जैसे लोगों ने यह सब जिया है। हमने इसके बारे में बात की है।'

मंदाना आगे कमेंट में लिखती हैं, 'लेकिन अब एक वीडियो आया है। अब चिंता जाहिर की जा रही है। अब गैस, ट्रंप और 'मेरे घर आओ' जैसे सब्जेक्ट पर मजाक किया जा रहा है। सर, पूरे आदर के साथ कह रही हूं कि आप और पारसी समुदाय ईरान से ही आए हैं। आप उस इतिहास को अपने साथ लेकर चलते हैं। उस आग को अपने साथ लेकर चलते हैं। तो जब ईरानी मर रहे थे, तब यह आवाज कहां थी? और अब अचानक सिर्फ इसलिए कि इसका असर गैस, राजनीति और वैश्विक बातचीत पर पड़ रहा है, आप इस पर टिप्पणी कर रहे हैं? चुप्पी से लेकर व्यंग्य तक यह बदलाव बहुत तेजी से आया।' इस तरह मंदाना करीमी ने बोमन ईरानी को करारा जवाब दिया है।

बोमन ईरानी ने अपनी पोस्ट में क्या कहा था?

गुरुवार को एक इंस्टाग्राम वीडियो में बोमन ने कहा था, 'जैसा कि आप जानते होंगे, यह खबर वायरल हो रही है कि डोनाल्ड ट्रंप ईरानियों से बात करना चाहते हैं, तीन लोगों से इस मामले पर बातचीत हो रही है। स्मृति ईरानी के साथ, अरुणा ईरानी के साथ और मैं यानी बोमन ईरानी भी इसमें शामिल हूं। मैं शांति के लिए कुछ भी करने को तैयार हूं। मेरी बस एक ही समस्या है, मैं वाशिंगटन तक नहीं जाऊंगा। अगर ट्रंप और उनका डेलिगेशन मुंबई में, खासकर दादर पारसी कॉलोनी आ जाएं तो सबसे अच्छा होगा। हम उन्हें खाना खिलाएंगे, धनसक और कस्टर्ड खिलाएंगे। लेकिन अगर वो गैस सिलेंडर ले आएं तो हम सबकी जिंदगी बहुत आसान हो जाएगी।'

बोमन ने मौजूद अमेरिका और ईरानी युद्ध के कारण गैस सिलिंडर की दिक्कतों की तरफ फैंस का ध्यान आकर्षिक किया था।

मंदाना करीमी भी ईरान से संबंध रखती हैं। वह चर्चित मॉडल रही हैं। मंदाना करीमी बॉलीवुड फिल्मों में अभिनय कर चुकी हैं। 'भाग जॉनी' और 'क्या कूल हैं हम 3' जैसी फिल्मों में उन्होंने एक्टिंग की है। सोशल मीडिया पर वह ईरान की मौजूदा स्थिति को लेकर सोशल मीडिया पोस्ट करती रहती हैं।

ट्रोलिंग पर वरुण धवन ने किया चौंकाने वाला खुलासा बोले- 'क्रिएटर्स को खरीदकर नैरेटिव सेट करवा सकते हैं'

वरुण धवन सेलेब्स की ट्रोलिंग से काफी परेशान हैं। वह मजाक करने को गलत नहीं मानते हैं लेकिन जब लोग सोशल मीडिया पर पर्सनल कमेंट करते हुए ट्रोलिंग करते हैं तो यह बात वरुण धवन को बहुत बुरी लगती है। हालिया एक पॉडकास्ट में वरुण धवन ने ऑनलाइन ट्रोलिंग को लेकर बात की है।

ट्रोलिंग को लेकर क्या बोले वरुण धवन?

युवा नाम के यूट्यूब चैनल पर वरुण धवन ने अपने करियर और पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा की है। इसी बातचीत में वह ट्रोलिंग का जिक्र भी करते हैं। वरुण कहते हैं, 'देखिए, जो बात मजेदार है, वह मजेदार है। मैं भी उस पर हंस सकता हूं। लेकिन मुझे यह समझ नहीं आता कि लोग किसी इंसान को नीचा दिखाने के लिए गाली क्यों देते हैं? मजाक उड़ाओ, यह बात ठीक है। लेकिन आपको इतना पर्सनल होने की जरूरत नहीं है। मजाक उड़ाओ ना, कोई तुम्हें रोक नहीं रहा है। मुझे नहीं लगता कि आप लोगों को रोक भी सकते हैं और हमें रोकना भी नहीं चाहिए।' यह सब बातें वरुण धवन ने पिछले दिनों अर्जुन कपूर के साथ हुई ट्रोलिंग को लेकर कहीं। दरअसल, अर्जुन के जन्मदिन पर सोशल मीडिया यूजर्स ने पर्सनल कमेंट कर दिए थे।

अविका गौर ने पति मिलिंद चांदवानी के जन्मदिन लुटाया प्यार, दीं शुभकामनाएं; लिखा- 'आप 100 प्रतिशत मेरे हो'

बालिका वधु फेम छोटे पर्दे की पॉपुलर एक्ट्रेस अविका गौर ने आज अपने पति मिलिंद चांदवानी के जन्मदिन पर एक प्यारा पोस्ट शेयर किया है। अविका ने मिलिंद के साथ एक प्यारी तस्वीर शेयर की है। इसी के साथ अभिनेत्री ने एक इमोशनल नोट भी लिखा है।

अविका ने मिलिंद के दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

अविका गौर ने पति मिलिंद चांदवानी के जन्मदिन पर एक प्यारी तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की। इस तस्वीर के साथ अविका ने कैप्शन में लिखा, 'मेरे पति को जन्मदिन मुबारक हो। आप मेरी डायरी, मेरे निजी कार्टून और मेरी जिंदगी भर की सारी अजीब बातों के साथी हो।

आप 50 प्रतिशत प्यारे हो, 50 प्रतिशत थोड़े संदिग्ध और 100 प्रतिशत मेरे हो।'

अविका का रोमांटिक पोस्ट

आगे अविका ने मिलिंद के लिए लिखा, 'आपने इस अराजकता को नहीं चुना, लेकिन किसी तरह आपने इससे शादी कर ली। अब आप इसके बारे में कुछ नहीं कर सकते। मैं आपसे हर दिन और भी ज्यादा प्यार करती हूं। यहां तक कि जब आप जोर से सांस लेते हो, तब भी।'

कैसे हुई थी अविका और मिलिंद की पहली मुलाकात

अविका गोर और मिलिंद चांदवानी की पहली मुलाकात 2020 में हैदराबाद में एक-दूसरे के दोस्तों के जरिए हुई थी। दोनों लगभग पांच साल से रिलेशनशिप में थे। 'बालिका वधू' फेम एक्ट्रेस अविका गौर और मिलिंद चंदवानी ने 30 सितंबर 2025 को शादी की। उन्होंने रियलिटी शो 'पति पत्नी और पंगा' के सेट पर पारंपरिक तरीके से सात फेरे लिए, जिसे बाद में टेलीविजन पर प्रसारित किया गया।

यादों में डूबे कुमार सानू, 90 के दशक का शेयर किया 'मस्ती भरा है ये समा' का वीडियो; सुनाया रिकॉर्डिंग का किस्सा

कुमार सानू बॉलीवुड के बेहतरीन गायकों में से एक हैं। अपने करियर में उन्होंने कई फिल्मों को शानदार गाने दिए। उनके पास इससे जुड़ी कई यादें हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया और इससे जुड़ा एक किस्सा सुनाया है।

यादों में खोए कुमार सानू

इंस्टाग्राम पर कुमार सानू ने जो वीडियो शेयर किया है उसमें देखा जा सकता है कि उन्होंने 90 के दशक के एक डुएट सॉन्ग 'मस्ती भरा है ये समा' की रिकॉर्डिंग की झलक पेश की।

कुमार सानू ने लिखा, '90 के दशक में मैंने बहुत सारे गाने रिकॉर्ड किए थे। ये गाने आज भी स्टूडियो की पुरानी टेप्स पर मौजूद हैं।'

यादगार था रिकॉर्डिंग का दौर

गायक ने आगे लिखा, 'इस खूबसूरत डुएट गाने को सुनते ही मैं सीधे फिल्म 'दिल है कि मानता नहीं' की रिकॉर्डिंग सत्रों में खो जाता हूं। वह समय संगीत, जुनून और शानदार लोगों से भरा हुआ था। रिकॉर्डिंग के दौरान का माहौल बहुत मस्ती भरा और यादगार था।'

गुलशन कुमार याद आते हैं

कुमार सानू ने लिखा, 'मुझे सबसे ज्यादा गुलशन कुमार जी याद आते हैं। उनकी दूरदर्शिता और संगीत के प्रति लगाव ने बहुत कुछ संभव बनाया था। गुलशन जी की वजह से ही इतने सुंदर गाने बने। वे हमेशा याद किए जाएंगे। साथ ही, किशन कुमार और छोटे भूषण के साथ बिताए मीठे पल भी कभी नहीं भूल पाते। उन दिनों की दोस्ती और सहयोग आज भी दिल को छू लेते हैं।'

किसने लिखा था गाना?

उन्होंने आगे लिखा, 'फिल्म 'दिल है कि मानता नहीं' को महेश भट्ट ने निर्देशित किया था। गाने अनुराधा पौडवाल और कुमार सानू ने गाए। गाने समीर ने लिखे हैं जबकि संगीत नदीम-श्रवण ने तैयार किया है।

उन्होंने आखिरी में लिखा, 'जैसा कहा जाता है, कुछ गाने पूरी दुनिया के लिए बनते हैंऔर कुछ सिर्फ उस खास पल के लिए।' बता दें कि गाना 'मस्ती भरा है ये समा' फिल्म 'दिल है कि मानता नहीं' का अनरिलीज्ड गाना है। हालांकि, इसकी रिकॉर्डिंग वीडियो सोशल मीडिया पर मौजूद हैं।

50 साल की शिल्पा शेट्टी की फिटनेस पर क्यों उठे सवाल? यूजर्स ने किया ट्रोल

शिल्पा शेट्टी बॉलीवुड की सबसे फिट एक्ट्रेसेस में से एक मानी जाती हैं। 50 साल की उम्र में वह काफी फिट हैं। वह अक्सर सोशल मीडिया पर फिटनेस को लेकर अपने फोटो और वीडियो शेयर करती रहती हैं। हाल ही में वह एक इवेंट में शामिल हुईं। उनकी फिटनेस को देखकर कुछ लोगों ने तारीफ की तो कुछ लोगों ने उन्हें ट्रोल किया है।

वायरल हुआ शिल्पा का वीडियो

सोशल मीडिया पर शिल्पा शेट्टी का एक वीडियो वायरल है। इसमें शिल्पा शेट्टी को पैपराजी के सामने पोज देते हुए देखा जा सकता है। शिल्पा शेट्टी ने ब्लैक गाउन पहना। उन्होंने अपने बालों को कायदे से बांधा। शानदार ज्वैलरी से उन्होंने अपने लुक को पूरा किया। आखिर में उन्होंने कैमरे की तरफ फ्लाइंग किस दी।

क्यों ट्रोल हुईं शिल्पा शेट्टी?

सोशल मीडिया पर शेयर करते ही यह वीडियो वायरल हो गया। वीडियो पर यूजर्स के मिले जुले कमेंट्स आ रहे हैं। कुछ लोगों ने उनकी खूबसूरती की तारीफ की है, तो वहीं कुछ लोगों ने उन्हें ट्रोल किया है। शिल्पा शेट्टी की खूबसूरती को लेकर एक यूजर ने लिखा है 'सब मेकअप का कमाल है भैया।' एक दूसरे यूजर ने लिखा है 'प्लास्टिक सर्जरी का नाम सुना है?' एक और यूजर ने लिखा है 'बोटॉक्स'। एक और यूजर ने इस बात को लेकर सवाल उठाया है कि अगर शिल्पा शेट्टी फिट हैं तो उन्हें किसी का सहाराक्यों लेना पड़ रहा है? उन्होंने लिखा 'फिट! फिर भी जीना चढ़ने के लिए किसी का सहारा लेना पड़ रहा है।'

यूजर्स ने की फिटनेस की तारीफ

कुछ यूजर्स ने शिल्पा शेट्टी के 50 की उम्र में भी फिट होने के लिए तारीफ की है। एक यूजर ने लिखा है 'ग्लैमरस'। एक दूसरे यूजर ने लिखा 'स्टनिंग'। एक और यूजर ने लिखा 'बहुत खूबसूरत हैं।' एक यूजर ने लिखा है 'वह सिर्फ 15 की हैं।' एक और यूजर ने उनकी फिटनेस का राज बताते हुए लिखा है 'योग से होगा।'

शिल्पा शेट्टी का वर्कफ्रंट

आपको बता दें कि शिल्पा शेट्टी फिटनेस को लेकर काफी जागरूक हैं। उन्होंने फिटनेस पर दो किताबें लिखी हैं। फिल्म 'बाजीगर' (1993) से उन्होंने बॉलीवुड में कदम रखा। आखिरी बार उन्हें 2023 में फिल्म 'सुखी' में देखा गया था। वह जल्द ही पैन इंडिया फिल्म 'केडीः द डेविल' का हिस्सा होंगी। इसमें संजय दत्त भी होंगे।

शादी के एक महीना बाद काम पर लौटे विजय-रश्मिका, सेट से सामने आया वीडियोः कपल की झलक पाने को उमड़ी भीड़

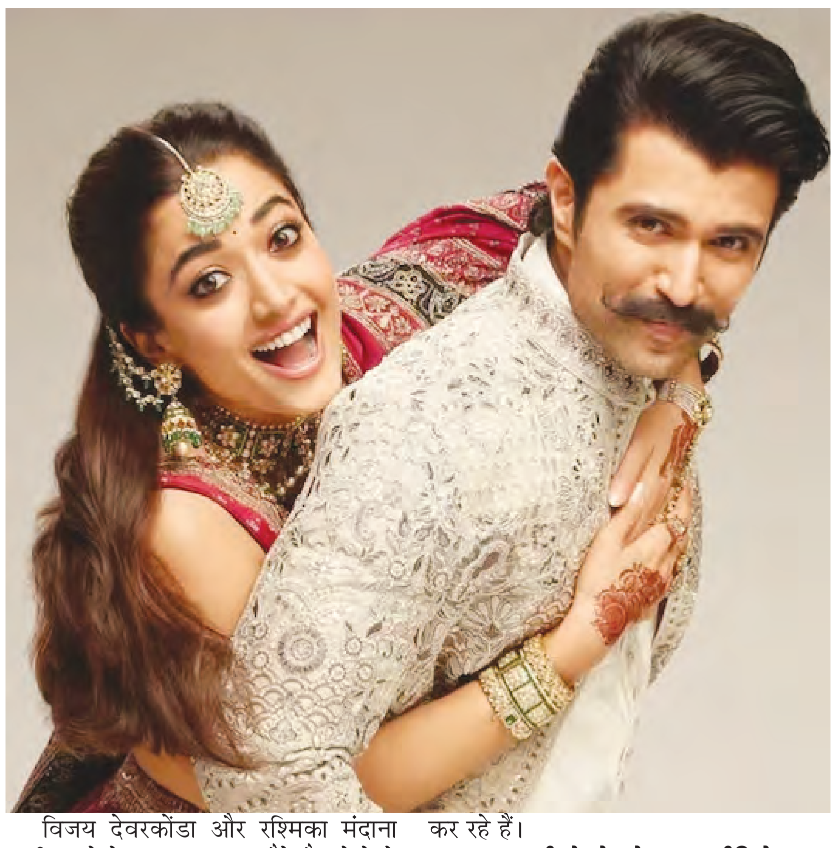

विजय देवरकोंडा और रश्मिका मंदाना शादी करने के बाद काम पर लौटे हैं। दोनों ने 26 फरवरी को उदयपुर में शादी की थी। उन्होंने कल यानी 26 मार्च को अपनी शादी का एक महीना होने पर जश्न मनाया है। यह जोड़ा अनंतपुर में नजर आया, जहां वे अभी अपनी अपकमिंग फिल्म 'रणबाली' की शूटिंग कर रहे हैं।

'रणबाली' के सेट से वायरल वीडियो

'रणबाली' की शूटिंग वाली जगह पर लिए गए एक वीडियो में विजय और रश्मिका का आरती से स्वागत किया गया। शादीशुदा जोड़े के तौर पर अपनी पहली फिल्म की शूटिंग शुरू करने से पहले, इस जोड़े को कैजुअल कपड़ों और माथे पर तिलक लगाए देखा गया।

भीड़ से घिरे विजय-रश्मिका

इसी जगह से विजय-रश्मिका का एक और वीडियो सामने आया है। इस वीडियो में देखा जा सकता है कि कपल भीड़ से घिर गया है। इस बीच उनके फैंस ने एक घेरा बनाया और उन्हें उस जगह से बाहर निकाला।

शादी के एक महीने बाद मनाया जश्न

विजय-रश्मिका की ताजा झलक तब सामने आई, जब उन्होंने सोशल मीडिया पर अपनी शादी की पहले महीने की सालगिरह के मौके पर प्यारी पोस्ट शेयर की। विजय ने एक अनदेखी तस्वीर शेयर करते हुए लिखा कि हर किसी की जिंदगी में कुछ अहम मोड़ आते हैं, जिनका सामना हर किसी को करना पड़ता है।

पहले ही काम पर लौटीं थीं रश्मिका

इससे पहले 17 मार्च को रश्मिका मंदाना काम पर लौटी थीं। उन्हें अपकमिंग फिल्म 'मैसा' के सेट पर देखा गया था। इसके निर्देशक रविन्द्र पुले हैं।

कब हुआ शादी का रिसेप्शन?

ख्याल रहे कि रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ने निजी समारोह में शादी की थी। इसमें सिर्फ करीबी दोस्त और परिवार वाले ही शामिल हुए थे। बाद में उन्होंने 4 मार्च को हैदराबाद में सितारों से सजी एक शानदार वेडिंग रिसेप्शन पार्टी दी।

'रणबाली' में एक साथ नजर आएगा कपल

काम की बात करें तो, विजय और रश्मिका अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'रणबाली' में एक-साथ नजर आने वाले हैं। यह एक ऐतिहासिक एक्शन ड्रामा फिल्म है। यह फिल्म 11 सितंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

ट्रेन का तत्काल टिकट क्यों नहीं मिलता ?

ये 5वीं फेल गैंग की करामात, सरगना बेल पर, अफसरों के पास भी इसका इलाज नहीं

नई दिल्ली, 27 मार्च (एक्सक्लूसिव डेस्क)। अवैध सॉफ्टवेयर्स से ट्रेनों के तत्काल टिकट बुक हो रहे हैं। एक आम यात्री जितनी देर में आईआरसीटीसी ऐप पर डिटेल भर पाता है, उससे भी कम वक्त में ये सॉफ्टवेयर टिकट बुक कर देते हैं। 25 से 30 सेकंड्स में एक टिकट बुक हो जाती है। फिर इन टिकट्स को 300 से 500 रुपए तक का कमीशन लेकर बेचा जाता है। फेस्टिवल टाइम में कमीशन चार गुना तक हो जाता है। इस नेक्सस को चलाने वाले 5वीं फेल हैं, वहीं जिन अफसरों पर धांधली रोकने का जिम्मा है, वे IIT–IIM जैसे संस्थानों से पढ़े हैं, लेकिन गड़बड़ी को बंद नहीं करवा पा रहे।

कभी नेक्सस में शामिल रहे एजेंट ने बताया कि, गिरोह का सरगना हर दो से तीन महीने में वेबसाइट, सॉफ्टवेयर के नाम, बैंक अकाउंट और मोबाइल नंबर तक बदल देता है, ताकि किसी भी तरह की ट्रैकिंग से बचा जा सके। इस्तेमाल किए जाने वाले नंबर पूरी तरह फर्जी होते हैं, जबकि पैसों के लेन-देन के लिए म्यूल अकाउंट्स यानी लालच देकर या फर्जी तरीके से बनाए गए खातों का इस्तेमाल किया जाता है।

फिलहाल 'टेस्ला', 'गदर', 'स्टारलिंक', 'स्पेसएक्स', 'सुपरमैन', 'बीएमडब्ल्यू' और 'थंडर' जैसे नामों से सॉफ्टवेयर बेचे जा रहे हैं, जिन्हें सुपर मास्टर से लेकर यूजर तक अलग-अलग स्तर के एजेंट्स को दिया जाता है, जो टिकट बुकिंग का काम संभालते हैं। पूरा नेटवर्क वॉट्सऐप और टेलीग्राम ग्रुप्स के जरिए संचालित होता है, जहां सॉफ्टवेयर से जुड़ी हर जानकारी और अपडेट मैसेज के जरिए साझा किए जाते हैं।

अवैध टिकट खेल के 5 किरदार

ऑपरेटर : यही अवैध सॉफ्टवेयर चलाते हैं। डेवलपर और ट्रैवल एजेंट्स के बीच की कड़ी हैं। एजेंटों को अवैध सॉफ्टवेयर का लॉग-इन आईडी और पासवर्ड देते हैं। इससे एजेंट तत्काल टिकट खुलते ही तेजी से टिकट बुक कर पाते हैं।

टिकट एजेंट : अवैध सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करके टिकट बुक करते हैं। इसके जरिए आईआरसीटीसी वेबसाइट को ऑटोमेटिक एक्सेस करना, कैप्चा बाईपास करना और तत्काल टिकट सेकंडों में बुक करते हैं। कमीशन वसूलते हैं।

सीआरआईएस : अवैध सॉफ्टवेयर से बुकिंग रोकने में सेंटर फॉर रेलवे इंफॉर्मेशन सिस्टम यानी सीआरआईएस की तकनीकी भूमिका है। रेलवे के आईटी सिस्टम को डेवलप करने, सर्वर लॉग और ट्रैफिक पैटर्न की निगरानी कर संदिग्ध गतिविधियों की पहचान, ऐसे आईपी एड्रेस और यूजर अकाउंट को ब्लॉक करना, कैप्चा, ओ.टी.पी जैसी सिक्योरिटी पुख्ता करने का जिम्मा।

आरपीएफ : रेलवे प्रोटेक्शन फोर्स पर टिकट दलालों, एजेंट नेटवर्क और अवैध बुकिंग गतिविधियों की पहचान कर कार्रवाई करना, छापे मारना और जांच करने का जिम्मा है। सीबीआई इस धांधली से जुड़े तीन केस की जांच कर चुकी है, लेकिन अभी तक अपराध को बंद नहीं करवा सकी। गिरोह के सरगनाओं को पकड़कर सलाखों के पीछे डालने की जिम्मेदारी है। सीबीआई पिछले 14 साल से इसकी जांच कर रही है। 2012 में पहली एफआईआर दर्ज की थी। तब चौथी पढ़े सलमान, अहमदाबाद के आईटी प्रोफेशनल कुलवीर सिंह, सतीश तिवारी और सीताराम निषाद को अरेस्ट किया था।

एजेंसी ने चार्जशीट में यूपी के सलमान अहमद खान और शमशेर आलम को अवैध सॉफ्टवेयर से टिकट बुकिंग का किंगपिन बताया है। सलमान को 2018 और शमशेर को 2023 में भी पकड़ा गया, इससे साबित होता है कि दोनों अब भी नेक्सस चला रहे हैं। अलग-अलग मामलों में सीबीआई अब तक चार बार केस दर्ज कर चुकी है, लेकिन न नेक्सस बंद हुआ, न कोई केस अंजाम तक पहुंचा।

20 फरवरी 2012 को सीबीआई और रेलवे विजिलेंस ने संयुक्त छापे में पहली बार इस धांधली को पकड़ा था। तब मेहताब अहमद खान, पी नागाकुमार, महबूब मलिक, संतराम यादव, सलमान अहमद खान और कुलबीर सिंह छाबड़ा को गिरफ्तार किया था। कोर्ट ने सभी को दोषी पाया था, लेकिन इन पर धारा 120B – आपराधिक साजिश और रेलवे एक्ट 143 लगाया गया। इसलिए कोर्ट ने महज 6 महीने कैद और जुर्माने की सजा दी।

टिकट बुकिंग का नेक्सस

1. तरीका
फेक नंबर, बार-बार नाम/वेबसाइट/अकाउंट बदलकर सिस्टम से बचते हैं

2. पैसा
म्यूल अकाउंट्स यानी (फर्जी/दूसरों के नाम वाले अकाउंट) में पेमेंट

3. टूल
टेस्ला | गदर | स्टारलिंक | स्पेसएक्स | सुपरमैन | BMW | थंडर

4. नेटवर्क
सुपर मास्टर ▸ मास्टर ▸ एडमिन ▸ सेलर ▸ यूजर
(हर लेवल पर एजेंट टिकट बुक करता है)

5. ऑपरेशन
वॉट्सएप, टेलीग्राम ग्रुप्स
यहीं डील, बातचीत और डेटा शेयर

इसी तरह 2014-15 में एक केस रजिस्टर्ड किया। इस केस की चार्जशीट में सीबीआई ने लिखा कि, 'सलमान सलीम खान मुख्य व्यक्ति है, जो शमशेर आलम के साथ मिलकर पूरे गिरोह को नियंत्रित करता है। दोनों को अवैध तत्काल रेलवे टिकट बुकिंग सॉफ्टवेयर बेचने के कारोबार के शीर्ष सरगना के रूप में पहचाना गया है।' 'सलमान सलीम खान अवैध सॉफ्टवेयर कारोबार में टेक्निकल काम भी संभालता था, जैसे कि इंटरनेट डोमेन पर एप्लिकेशन को होस्ट करना, बिक्री और सेवा से संबंधित डिस्ट्रीब्यूटर्स और एजेंटों के साथ कोऑर्डिनेट करना'। सीबीआई ने शब्बीर खोजा, शेख सलीम, नवनीत प्रजापति, टी स्टालिन, मोहम्मद हामिद, नौमान सलीम खान, रईस अहमद अकबर, सलमान सलीम खान और शमशेर आलम को आरोपी बनाया है। यह केस अभी ट्रायल के बीच में है। सबूत पेश और रिकॉर्ड किए जा रहे हैं। केस की पहली सुनवाई 28 फरवरी 2017 को हुई थी। अगली सुनवाई 28 मार्च को है। सभी आरोपी बेल पर बाहर हैं।

25 दिसंबर 2017 को सीबीआईने अपने ही प्रोग्रामर अजय गर्ग के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। आरोप है कि उसने WinZip, Neo, Reget जैसे अवैध सॉफ्टवेयर बनाए, जो आईआरसीटीसी के तत्काल टिकट सिस्टम को बायपास कर सकते थे। इस सॉफ्टवेयर की मदद से एजेंट तेजी से बड़ी संख्या में टिकट बुक कर लेते थे, जिससे आम यात्रियों को टिकट नहीं मिल पाते थे। जांच में सामने आया कि अजय गर्ग ने अनिल गुप्ता और अन्य सहयोगियों के साथ मिलकर यह सॉफ्टवेयर देशभर में एजेंटों को बेचा। इसके बदले पैसे बिटक्वाइन, हवाला और नकद के जरिए लिए जाते थे। छापों में करीब 89 लाख रुपए कैश और 61 लाख रुपए के जेवर बरामद हुए। इस केस में सीबीआई ने 2021 में चार्जशीट दाखिल की थी। लेकिन प्रिवेंशन ऑफ करप्शन एक्ट, 1988 हटाया था, कोर्ट ने इस पर असहमति जताई। सीबीआई को फिर जांच के आदेश दिए। अभी आरोपों पर बहस चल रही है। गर्ग बेल पर बाहर है।

2020 में आरपीएफ में दर्ज 18 एफआईआर को आगे बढ़ाने के लिए डीजी की तरफ से सीबीआई जांच की मांग की गई। आरोपियों में सिराज अहमद खान, शमशेर आलम, किफायत आलम, जितेंद्र शर्मा उर्फ गोरा जीतू खोदारे, राजेश यादव, रामकुमार यादव और ऋषभ जैन के नाम शामिल थे। 18 में से सिर्फ 2 एफआईआर की जांच हुई। बाकी केस की पड़ताल नहीं हुई। जबकि, खुद सीबीआई डायरेक्टर ने फाइल जांच के लिए आगे बढ़ाई है।

मई 2018 में रेलवे सुरक्षा बल यानी आरपीएफ और सेंट्रल रेलवे की विजिलेंस टीम ने मुंबई में सलमान खान को गिरफ्तार किया था। 2 मई 2018 को जोगेश्वरी इलाके में छापेमारी के दौरान उसे लैपटॉप के साथ पकड़ा गया। जांच में सामने आया कि वह 'Counter V2' नाम के अवैध सॉफ्टवेयर के जरिए देशभर में लगभग 5,400 एजेंटों का नेटवर्क चलाता था, जिससे एजेंट कुछ सेकंड में तत्काल टिकट बुक कर लेते थे। कार्रवाई के दौरान उसके सिस्टम से करीब 1 लाख रुपए के 80 ई-टिकट बरामद हुए और बाद में सर्वर की जांच में 6,600 से ज्यादा पीएनआर करीब 1.47 करोड़ कीमत के टिकटों का डेटा मिला। इस मामले में आरपीएफ, बायकुला ने रेलवे एक्ट की धारा 143 के तहत केस दर्ज किया था।

15 अप्रैल 2023 को आरपीएफ ने शमशेर आलम को तमिलनाडु के तिरुवन्नामलाई से गिरफ्तार किया। जांच एजेंसियों के अनुसार शमशेर ने आईआरसीटीसी की तत्काल टिकट बुकिंग को बायपास करने के लिए 'Fusion' सहित कई अवैध सॉफ्टवेयर तैयार किए थे और इन्हें देशभर के प्राइवेट टिकट एजेंटों को किराए पर देता था। बताया गया कि वह पिछले लगभग 10 वर्षों से मुंबई के टिटवाला इलाके से नेटवर्क ऑपरेट कर रहा था और उसके सॉफ्टवेयर के जरिए एजेंट सेकेंडों में टिकट बुक कर लेते थे। पुलिस के मुताबिक इस नेटवर्क के जरिए करीब 50 करोड़ रुपए तक का अवैध कारोबार हुआ। पूछताछ में सामने आया कि वह पहले 'Sharp', 'Tez', 'Nexus++' और 'Fusion' जैसे सॉफ्टवेयर मंथली रेंट पर देता था और बाद में साथियों के साथ मिलकर नेटवर्क को देशभर में फैलाया। गिरफ्तारी के बाद उसे कोर्ट में पेश किया गया। फिलहाल बेल पर बाहर है।

जांच करने वाले सीनियर अफसर ने बताया कि, 'जांच में सामने आया था कि, ईस्टर्न यूपी में बैठकर आरोपी अवैध सॉफ्टवेयर से टिकट बुकिंग का रैकेट पूरे देश में चला रहे हैं। इनके सॉफ्टवेयर में डाटा पहले से फीड होता है। सेकंड्स में टिकट बुक हो जाते हैं।' 'पूरा रैकेट अभी भी एक्टिव है, क्योंकि सब बेल पर बाहर हैं। आईआरसीटीसी की तरफ से जो भी सिक्योरिटी फीचर जोड़े जाते हैं, ये लोग तुरंत उसका तोड़ निकाल लेते हैं, इसलिए अब आरपीएफ को इन्हें गिरफ्तार करना चाहिए। जिन लोगों के नाम चार्जशीट में हैं, कहीं वही लोग तो रैकेट नहीं चला रहे हैं।'

पंजाब में वेरका के जीएम समेत 3 अधिकारी सस्पेंड

सेना को भेजे दूध पाउडर के सैंपल फेल मिले, 125 मीट्रिक टन की खेप लौटाई

चंडीगढ़, 27 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब में वेरका ब्रांड के दूध पाउडर के सैंपल फेल होने के बाद 3 अधिकारियों पर गाज गिरी है। सरकार ने लुधियाना मिल्क प्लांट के जीएम दलजीत सिंह समेत 3 अधिकारियों को सस्पेंड किया है। यह आदेश शुक्रवार को मिल्कफेड के एमडी राहुल गुप्ता ने जारी किया।

दरअसल, भारतीय सेना की जांच में सप्लाई किए गए दूध पाउडर के सैंपल फेल पाए गए थे। सैंपल में बाहरी कण पाए गए। इसके बाद करीब 125 मीट्रिक टन की खेप को क्वालिटी मानकों पर खरा न उतरने के कारण वापस लौटा दिया गया।

सेना की ओर से जारी नोटिस में कहा गया कि 7 दिनों के भीतर इन नमूनों को हमारे कार्यालय से ले जाएं।

यदि तय समय में नमूने नहीं लिए गए, तो उन्हें अधिकारियों की कमेटी द्वारा नष्ट कर दिया जाएगा और इसके बाद कोई दावा स्वीकार नहीं किया जाएगा। विपक्ष ने इसे लेकर सख्त कार्रवाई और उच्च स्तरीय जांच की मांग उठाई।

विवाद बढ़ने पर विभाग ने फैक्ट फाइंडिंग कमेटी गठित की है। पंजाब के स्वास्थ्य मंत्री बलबीर सिंह ने कहा कि मीडिया से पता चला है कि दो सैंपल फेल हुए हैं। वेरका अपने स्तर पर जांच कर रहा है। अगर जरूरत पड़ी तो फूड सप्लाई विभाग भी जांच करेगा।

पीएम की मिमिक्री करने वाले टीचर के सस्पेंशन पर रोक

हाईकोर्ट ने कहा– दबाव में कार्रवाई न करें अधिकारी, भाजपा विधायक ने की थी शिकायत

ग्वालियर, 27 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मिमिक्री वाले वीडियो पर सस्पेंड किए गए शिक्षक को मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की ग्वालियर खंडपीठ से राहत मिली है। कोर्ट ने कहा कि सस्पेंशन का अधिकार होना पर्याप्त नहीं, उसका इस्तेमाल विवेकपूर्ण और ठोस आधार पर होना चाहिए। अदालत ने निलंबन आदेश पर रोक लगाते हुए मामले को दोबारा विचार के लिए संबंधित अधिकारी के पास भेज दिया।

मामला शिवपुरी जिले के प्राथमिक शिक्षक साकेत कुमार पुरोहित का है, जिन्हें 13 मार्च 2026 को फेसबुक पर वीडियो पोस्ट करने के बाद निलंबित किया गया था। वीडियो में उन्होंने गैस सिलेंडर के बढ़ते दामों पर टिप्पणी करते हुए प्रधानमंत्री की मिमिक्री की थी।

याचिकाकर्ता ने कहा- वीडियो आपत्तिजनक नहीं

पिछोर से भाजपा विधायक प्रीतम लोधी की शिकायत के बाद विभाग ने तत्काल कार्रवाई करते हुए शिक्षक को निलंबित कर बीईओ कार्यालय बदरवास से अटैच कर दिया। याचिका में शिक्षक की ओर से कहा गया कि वीडियो में कुछ भी आपत्तिजनक नहीं था और बिना स्वतंत्र जांच के जल्दबाजी में कार्रवाई की गई।

मिमिक्री करते हुए शिक्षक ने प्रधानमंत्री के अंदाज में कहा–

"मेरे प्यारे भाइयों-बहनों गैस के दाम कम हुए? नहीं हुए बढ़े? बढ़ गए।

भाइयों-बहनों, गैस की रोटी खाने से पेट में भी गैस बनती है। अगर पेट में गैस बनेगी तो आप बीमार पड़ जाएंगे, और अगर आप बीमार पड़ेंगे तो देश भी बीमार पड़ जाएगा"। "इसलिए गैस के दाम बढ़ने से अब आम आदमी भी चूल्हे की रोटी खाएगा और अमीर भी और अमीर-गरीब के बीच की खाई कम हो जाएगी, भाइयों-बहनों"

सुनवाई के दौरान शासन ने दलील दी कि निलंबन सजा नहीं, बल्कि जांच को निष्पक्ष रखने के लिए एक अंतरिम कदम है। हालांकि, न्यायमूर्ति आशीष श्रोती की एकल पीठ ने टिप्पणी की कि सस्पेंशन का इस्तेमाल सोच-समझकर होना चाहिए, केवल अधिकार होना पर्याप्त नहीं है।

अदालत ने यह भी माना कि शिकायत के तुरंत बाद की गई कार्रवाई से अधिकारी की स्वतंत्र सोच पर सवाल उठते हैं और 2005 के शासन निर्देशों का भी पालन नहीं हुआ।

कोर्ट ने प्रथम दृष्टया आदेश को त्रुटिपूर्ण मानते हुए उस पर रोक लगा दी और निर्देश दिए कि सभी तथ्यों और नियमों को ध्यान में रखकर नए सिरे से निर्णय लिया जाए।

पिकअप ट्रेलर में घुसी, 8 की मौत

मरने वालों में 5 महिलाएं और 3 बच्चे प्रयागराज से मुंडन कराकर लौट रहे थे

कौशांबी, 27 मार्च (एजेंसियां)। कौशांबी में श्रद्धालुओं से भरी एक पिकअप ट्रेलर से टकरा गई। इस हादसे में 8 लोगों की मौत हो गई। मरने वालों में 5 महिलाएं और 3 बच्चे शामिल हैं।

29 लोग घायल हैं। इनमें से दो लोगों की हालत गंभीर होने पर प्रयागराज रेफर कर दिया गया है। 27 घायलों का इलाज जिला अस्पताल और सीएचसी में चल रहा है।

सभी लोग प्रयागराज से मुंडन कराकर अपने घर फतेहपुर जा रहे थे। हादसा इतना भीषण था कि पिकअप से उछलकर लोग सड़क पर गिर गए। सड़क पर पड़े घायल तड़पते रहे। आसपास के लोगों ने बचाव कार्य शुरू किया, साथ ही पुलिस को सूचना दी। हादसा शुक्रवार शाम करीब 4 बजे नेशनल हाईवे पर डोरमा के पास हुआ।

सीएम योगी ने कौशांबी में हुए हादसे का संज्ञान लेते हुए मृतकों के घरवालों को 2-2 लाख रुपए की आर्थिक मदद देने की घोषणा की है। साथ ही घायलों को एक-एक लाख रुपए दिए जाएंगे।

औरंगाबाद- चाचा ने 3 भतीजे-भतीजी का गला काटकर मार डाला

मोबाइल दिखाने लाया, रूम लॉक किया फुल साउंड में गाना बजाकर हत्याएं कीं

औरंगाबाद, 27 मार्च (एजेंसियां)। औरंगाबाद में ट्रिपल मर्डर का मामला सामने आया है। यहां शुक्रवार को एक चाचा ने तीन भतीजे-भतीजी की गला काटकर हत्या कर दी। इसके बाद खुद भी गला काटकर सुसाइड करने की कोशिश की। उसकी हालत भी गंभीर बनी है। उसे पटना रेफर किया गया है।

मृतकों की पहचान अनीश कुमार (10), आयुष कुमार (7) और अनुष्का कुमारी (5) के रूप में हुई है। घटना हसपुरा थाना क्षेत्र के खुटहन गांव की है। घटना सुबह 10 बजे की है। बच्चों के पिता गुड्डू ट्रेन में पैंट्री कार में खाना बनाने का काम करते हैं। वो वारदात के वक्त ड्यूटी पर थे। घर में मां और 3 बच्चे ही थे। बताया जा रहा है कि बच्चों का चाचा शुक्रवार की सुबह घर से बाइक पर सवार होकर कहीं निकला था। जब घर पहुंचा तो दरवाजा खटखटाया। उसकी भाभी अनीता देवी नहा रही थी। जिसके कारण दरवाजा खोलने में देरी हुई। दरवाजा खोलने के बाद वह घर में घुसा और फुल साउंड में स्पीकर बजाकर बड़े चाकू से तीनों बच्चों का बारी-बारी से गला रेतकर हत्या कर दी। इसके बाद खुद का भी गला काट लिया। बताया जा रहा है कि आरोपी की अभी शादी नहीं हुई है। इसी बात को लेकर भाभी से झगड़ा होता रहता था।

सौतेले पिता से गर्भवती हुई दोनों बेटियों का गर्भपात होगा

नवसारी, 27 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात के नवसारी जिले के चिखली तालुका में एक सौतेले पिता ने अपनी 2 नाबालिग बेटियों के साथ कई बार दुष्कर्म करके उन्हें गर्भवती बना दिया था। अब दोनों पीड़ित नाबालिगों को गर्भपात के लिए नवसारी सिविल अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

नवसारी जिला स्वास्थ्य अधिकारी भावेश पटेल ने बताया कि दोनों नाबालिगों के गर्भपात की प्रक्रिया उनकी मां की सहमति से पूरी की जाएगी।

गर्भावस्था 25 हफ्ते से कम की है, इसलिए अबॉर्शन के लिए कोर्ट की परमिशन की जरूरत नहीं। अबॉर्शन की यह प्रक्रिया जल्द ही पूरी कर ली जाएगी। मामला तब सामने आया, जब एक मजदूर परिवार की छोटी बेटी के पेट में अचानक असहनीय दर्द हुआ। माता-पिता उसे इलाज के लिए कुकरी पीएचसी ले गए, जहां मेडिकल जांच में डॉक्टर को बेटी के प्रेग्नेंट होने का शक हुआ। खारेल अस्पताल में सोनोग्राफी एक्सपर्ट ने कन्फर्म किया कि नाबालिग 5 महीने की प्रेग्नेंट है।

छोटी बहन की हालत देखकर 13 साल बड़ी बेटी भी भावुक हो गई और उसने मां को बताया कि पिता उसका भी दुष्कर्म करता था। बाद में जब बड़ी बेटी की जांच कराई गई तो पता चला कि वह भी दो महीने की गर्भवती निकली। इसके बाद मां दोनों बेटियों को लेकर पुलिस थाने पहुंची और मामला दर्ज करवाया।

पीड़ित बेटियों की मां की पहले एक अन्य युवक से शादी हुई थी, जिससे उसके चार बच्चे हैं। कुछ सालों पहले पति-पत्नी का तलाक हो गया था।

महिला अपने बच्चों के साथ आरोपी अनिल राठोड़ के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में रहने लगीं थी।

इसी दौरान अनिल ने इन दोनों नाबालिग बेटियों से कई बार बलात्कार किया।

पुलिस को पता चला कि आरोपी पिता दोनों मासूम बेटियों को जंगल से लकड़ी लाने के बहाने किसी सुनसान जगह पर ले जाता था और बार-बार उनका बलात्कार करता था।

साधु द्वारा मॉल रोड पर लड़कियों से बैड टच

शिमला, 27 मार्च (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला के माल रोड पर लड़कियों को बैच टच करने वाले साधु की पुलिस ने पहचान कर दी है। पुलिस ने आरोपी साधु नारायण को ढूंढ निकाला है और उसके खिलाफ एफआईआर कर दी है। साधु के भेष में लड़कियों को टच करने वाला नारायण दास राजस्थान के जमदोली गांव का रहने वाला है।

वह, साल 2025 में भी घूमने शिमला आ चुका है। बीते कल वह दोबारा शिमला आया और आज वापस कालका लौटने वाला था। पुलिस ने इससे पहले ही उसे दबोच लिया है। शिमला पुलिस ने वायरल वीडियो के आधार पर आरोपी को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। बता दें कि सोशल मीडिया में आज सुबह से एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें एक व्यक्ति शिमला के मॉल रोड पर चल रही लड़कियों को बैड-टच करता है। वह, लड़कियों को अनुचित तरीके से छूने के बाद मॉल रोड पर आगे की ओर चलता नजर आ रहा है। बताया जा रहा है कि यह वीडियो साधु के पीछे चल रहे किसी व्यक्ति ने बनाया और बाद में सोशल मीडिया पर शेयर कर दिया। वीडियो सामने आने के बाद लोगों की तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं और लॉ एंड ऑर्डर को लेकर सवाल उठने लगे हैं, क्योंकि जिस स्थान पर यह घटना हुई बताई जा रही है, वह पुलिस कंट्रोल रूम से करीब 100 मीटर, सदर थाना से लगभग 200 मीटर, एसपी ऑफिस से करीब 500 मीटर और पुलिस मुख्यालय से 3 किलोमीटर की दूरी पर है।

वीडियो में देखा जा सकता है कि नंगे पांव चल रहा यह व्यक्ति साधु के वेश में मॉल रोड पर घूम रहा है और राह चलती लड़कियों को अनुचित ढंग से छूता है। आसपास मौजूद लोग भी उसकी हरकतों को देखकर हैरान नजर आते हैं। राजधानी के सबसे पॉश इलाके में ऐसी घटना सामने आने से सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े हो गए, क्योंकि रिज और मॉल रोड पर रोजाना सैकड़ों टूरिस्ट भी पहुंचते हैं।

एक साथ उठीं 5 अर्थियां

छिंदवाड़ा, 27 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में गुरुवार शाम करीब साढ़े 6 बजे पिकअप वाहन से टक्कर के बाद बस पलट गई। हादसे में दोनों गाड़ियों के ड्राइवर समेत 10 लोगों की मौत हो गई। 30 से ज्यादा घायल छिंदवाड़ा जिला अस्पताल में भर्ती हैं। एक घायल की हालत नाजुक है, जिसे नागपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। एमपी28 पी 0321 नंबर की बस में मोहखेड़ ब्लॉक की ग्वारा पंचायत के कोसमढाना, करेर और भंडारकुंड गांव के 51 लोग सवार थे।

जान गंवाने वाले 10 लोगों में से 5 करेर गांव के थे। शुक्रवार सुबह इनकी अर्थियां एक साथ उठीं तो हर घर से रोने-सिसकने की आवाज आने लगीं। परिजन शवों से लिपट पड़े। रिश्तेदारों ने उन्हें संभाला।

रामदास पराने और सिया इवनाती के शव को दफनाकर अंतिम विदाई दी गई। दौलत फरकाडे, भागवंती विश्वकर्मा और शकुन यादव का दाह संस्कार किया गया। सिया की बेटी शीताली बोली- मां को मुख्यमंत्री मोहन यादव के कार्यक्रम में जबरदस्ती ले गए थे। बोल रहे थे कि नहीं जाओगी तो रोजगार गारंटी और लाड़ली बहना योजना के पैसे बैंक खाते में नहीं आएंगे।

हादसे के दूसरे दिन मुख्यमंत्री मोहन करेर गांव पहुंचे। उन्होंने गांव में मृतकों और घायलों के परिजनों से मुलाकात कर उनकी पीड़ा सुनी। शोक संतप्त परिवारों के बीच बैठकर मुख्यमंत्री ने उन्हें ढांढस बंधा रहे हैं। कठिन घड़ी में हर संभव सहायता का भरोसा दिलाया।

अलग-अलग मामलों में 4 आरोपी गिरफ्तार

पाकुड़, 27 मार्च (एजेंसियां)। जिले में पुलिस ने तीन अलग-अलग मामलों में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। इनमें से एक आरोपी को 2019 के एक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत के मामले में पकड़ा गया है, जबकि दो अन्य को हाइवा चालकों से रंगदारी मांगने और वाहन क्षतिग्रस्त करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। एक अन्य आरोपी को मुफ्फसिल थाना में दर्ज एक अलग मामले में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने 2019 के सड़क हादसे के एक मामले में फरार चल रहे अंसारुल शेख को गिरफ्तार किया है। अंसारुल शेख पर तेज गति से वाहन चलाकर दुर्घटना करने का आरोप था, जिसमें एक व्यक्ति की मृत्यु हो गई थी। न्यायालय ने उसके खिलाफ वारंट भी जारी किया था। पुलिस ने इनपुट के आधार पर इशाकपुर गांव निवासी अंसारुल शेख को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया।

लिव-इन पार्टनर का सिर फोड़कर मर्डर, नदी में फेंकी लाश

कवर्धा, 27 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के कवर्धा जिले में एक युवक का शादीशुदा महिला से अफेयर था, जब महिला शादी के लिए दबाव बनाई तो उसे मार डाला। सुखबती बैगा (24) अपने पति और 2 छोटे बच्चों को छोड़कर देवेंद्र जायसवाल (26) के साथ पुणे में रहने लगी थी। दोनों 3 साल से रिलेशन में थे, लेकिन देवेंद्र के पिता को दोनों का रिश्ता मंजूर नहीं था। इसी से परेशान युवक अब महिला को रास्ते से हटाना चाहता था। उसने सावधान इंडिया के मर्डर के बाद लाश को ठिकाने लगाने के कई एपिसोड देखे और प्लानिंग की।

18 मार्च को देवेंद्र अपनी लिव-इन पार्टनर को घुमाने रानी दहरा वाटरफॉल ले गया, वहां एक दोस्त ने महिला को पत्थर मारकर सिर फोड़ा। फिर लाश नदी में फेंक दिया। इस काम में आरोपी के पिता ने भी साथ दिया। मामला बोड़ला थाना का है। पुलिस ने तीनों आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

देश में लॉकडाउन की बातें अफवाह... हरदीप सिंह पुरी बोले- पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कमी नहीं

नई दिल्ली,27 मार्च(एजेंसियां)। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में आई भारी उछाल और उससे उत्पन्न ऊर्जा संकट के बीच केंद्रीय पेट्रोलियम मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने भारत सरकार का रुख स्पष्ट किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लगातार दो पोस्ट कीं। इसमें उन्होंने बताया कि देश में पेट्रोल, डीजल और एलपीजी की कोई कमी नहीं है। उन्होंने लॉकडाउन की खबरों को भी अफवाह बताया। हरदीप सिंह पुरी ने अपनी पोस्ट में बताया, 'वैश्विक स्थिति अभी भी अनिश्चित बनी हुई है। हम ऊर्जा, सप्लाई चेन और जरूरी वस्तुओं से जुड़े हालात पर लगातार नजर बनाए हुए हैं।' उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि केंद्र सरकार यह सुनिश्चित कर रही है कि देश में ईंधन, ऊर्जा और अन्य आवश्यक चीजों की आपूर्ति बिना किसी रुकावट के जारी रहे। उन्होंने कहा कि सरकार हर संभावित चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है।

लॉकडाउन पर क्या बोले?

केंद्रीय मंत्री ने लॉकडाउन पर भी बात कही। उन्होंने लॉकडाउन को लेकर फैल रही अफवाहों को पूरी तरह गलत बताया। उन्होंने लिखा, 'मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि सरकार के स्तर पर ऐसा कोई प्रस्ताव विचाराधीन नहीं है। ऐसे समय में जरूरी है कि हम सभी शांत, जिम्मेदार और एकजुट रहें। इस तरह की स्थिति में अफवाह फैलाना और बेवजह डर का माहौल बनाना गैर-जिम्मेदाराना और हानिकारक है।'

भारत में नहीं बढ़ी तेल की कीमत

एक अन्य पोस्ट में केंद्रीय मंत्री ने बताया कि पिछले एक महीने में अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतें 70 डॉलर प्रति बैरल से बढ़कर 122 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई हैं। इससे कई देशों में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ गए। उन्होंने बताया कि दक्षिण-पूर्वी एशियाई देश पेट्रोल-डीजल के दाम 30% से 50% तक बढ़े। अफ्रीकी देशों में कीमतों में 50% की भारी बढ़ोतरी दर्ज की गई। वहीं उत्तरी अमेरिका और यूरोप तक में कीमतें 20% से 30% तक महंगी हुई हैं।केंद्रीय मंत्री ने बताया कि दुनिया में पेट्रोल-डीजल के दाम बढ़ने के बाद भी भारत में कीमतों में कोई इजाफा नहीं हुआ।

टैक्स में की कटौती

सरकार ने तेल कंपनियों के भारी घाटे को कम करने के लिए अपने टैक्स रेवेन्यू में बड़ी कटौती की है। शुक्रवार को सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर 10 रुपये प्रति लीटर एक्साइज ड्यूटी घटा दी है। इस पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी 13 रुपये प्रति लीटर से घटकर 3 रुपये प्रति लीटर रह गई है।

बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ शेयर बाजार

सेंसेक्स 1690 अंक टूटा, निफ्टी 22900 के नीचे

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार शुक्रवार को बड़ी गिरावट के साथ बंद हुआ। बेंचमार्क सेंसेक्स और निफ्टी में दो प्रतिशत से ज्यादा की गिरावट दर्ज की गी।

अमेरिका-ईरान संघर्ष बाजारों के लिए एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय बना हुआ है, जिससे युद्ध में कमी आने की संभावना पर संदेह पैदा हो रहा है। कच्चे तेल की कीमतें 100 डॉलर प्रति बैरल के निशान से ऊपर बनी रहने, रुपये की लगातार गिरती कीमत और विदेशी निधियों की निरंतर निकासी ने भी निराशा के माहौल को और बढ़ा दिया। रुपया 86 पैसे गिरकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले एक बार फिर सर्वकालिक निचले स्तर 94.82 (अस्थायी) पर बंद हुआ। 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,690.23 अंक या 2.25 प्रतिशत गिरकर 73,583.22 पर बंद हुआ।

दिन के दौरान इसमें 1,739.04 अंक या 2.31 प्रतिशत की गिरावट आई और यह 73,534.41 पर पहुंच गया। 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 486.85 अंक या 2.09 प्रतिशत गिरकर 22,819.60 पर बंद हुआ। सेंसेक्स की 30 कंपनियों में से रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में सबसे ज्यादा 4.55 प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई, उसके बाद इंटरग्लोब एविएशन, बजाज फाइनेंस, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, इटरनल और एचडीएफसी बैंक के शेयरों में भी गिरावट आई। इसके विपरीत, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, भारती एयरटेल और पावर ग्रिड को लाभ हुआ।एशियाई बाजारों में, दक्षिण कोरिया का बेंचमार्क कोस्पी और जापान का निक्केई 225 सूचकांक गिरावट के साथ बंद हुआ, जबकि शंघाई का एसएसई कंपोजिट सूचकांक और हांगकांग का हैंग सेंग सूचकांक सकारात्मक दायरे में स्थिर हुए। यूरोप के बाजारों में गिरावट दर्ज की गई। गुरुवार को अमेरिकी बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के अनुसंधान प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि हालिया दो सत्रों की तेजी के बाद मुनाफावसूली शुरू हो गई क्योंकि एफआईआई की निरंतर बिकवाली के बीच रुपया सर्वकालिक निचले स्तर पर आ गया, जबकि मध्य पूर्व में बढ़ते तनाव ने सप्ताहांत से पहले निवेशकों के बीच सतर्कता बढ़ा दी। अनुसंधान विश्लेषक और लिवेलॉन्ग वेल्थ के संस्थापक हरिप्रसाद के ने कहा कि नीतिगत बदलावों, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों और लगातार भू-राजनीतिक अनिश्चितता के जटिल मिश्रण के बीच भारतीय बाजारों में तीक्ष्ण और अस्थिर सत्र देखने को मिला, जिसमें ऊर्जा क्षेत्र के प्रमुख शेयरों में गिरावट दर्ज की गई। उन्होंने कहा कि दबाव को और बढ़ाते हुए, भारतीय रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर पर और कमजोर हो गया, जो सतह के नीचे पनप रहे व्यापक तनाव को रेखांकित करता है। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड में 1.72 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई और यह 109.9 अमेरिकी डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। बाजार विनिमय आंकड़ों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने बुधवार को 1,805.37 करोड़ रुपये के शेयर बेचे। हालांकि, घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 5,429.78 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। राम नवमी के कारण गुरुवार को शेयर बाजार बंद रहे। बुधवार को सेंसेक्स 1,205 अंक या 1.63 प्रतिशत बढ़कर 75,273.45 पर बंद हुआ। निफ्टी 394.05 अंक या 1.72 प्रतिशत बढ़कर 23,306.45 पर समाप्त हुआ।

ईरान में जंग से उर्वरक संकट

खेती पर असर से महंगी हो सकती हैं खाने-पीने की चीजें, चिंता में दुनियाभर के किसान

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में जारी ईरान संघर्ष का असर अब वैश्विक कृषि क्षेत्र पर भी साफ दिखने लगा है। होर्मुज जलडमरूमध्य में आपूर्ति बाधित होने से उर्वरकों की कमी गहराने लगी है, जिससे दुनियाभर के किसानों की लागत बढ़ रही है और आने वाले समय में खाद्य कीमतों में तेजी की आशंका जताई जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, ईरान की ओर से जलडमरूमध्य से गुजरने वाली शिपमेंट को सीमित करने के कारण वैश्विक उर्वरक आपूर्ति प्रभावित हुई है। यह जलमार्ग दुनिया के करीब 20% तेल और लगभग एक-तिहाई उर्वरक व्यापार के लिए अहम है।

सबसे ज्यादा असर नाइट्रोजन आधारित उर्वरकों, खासकर यूरिया पर पड़ा है, जिसकी वैश्विक आपूर्ति का करीब 30% हिस्सा इस संकट से प्रभावित बताया जा रहा है। यूरिया की आपूर्ति में देरी और एलएनजी की बढ़ती कीमतों ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है, क्योंकि एलएनजी इसका प्रमुख कच्चा माल है। वर्ल्ड फूड प्रोग्राम के डिप्टी एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर कार्ल स्काउ ने चेतावनी दी है कि यह संकट खासकर विकासशील देशों के किसानों के लिए गंभीर खतरा बन सकता है।

उन्होंने कहा कि सबसे खराब स्थिति में फसल उत्पादन घट सकता है या फसलें खराब हो सकती हैं, जबकि बेहतर स्थिति में भी बढ़ी लागत का असर खाद्य कीमतों पर दिखेगा।फॉस्फेट उर्वरक की आपूर्ति भी दबाव में है। सऊदी अरब वैश्विक फॉस्फेट उत्पादन का बड़ा हिस्सा करता है, वहीं सल्फर, जो उर्वरक का अहम घटक है। इनकी सप्लाई भी प्रभावित हो रही है। अफ्रीका और एशिया के कई देश, जो खाड़ी क्षेत्र से उर्वरक आयात पर निर्भर हैं, पहले से ही संकट का सामना कर रहे हैं। उदाहरण के तौर पर, इथियोपिया अपनी 90% से अधिक नाइट्रोजन उर्वरक जरूरत खाड़ी क्षेत्र से पूरी करता है, जहां आपूर्ति पहले से ही प्रभावित है। यह संकट ऐसे समय आया है जब उत्तरी गोलार्ध में बुआई का मौसम शुरू हो चुका है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

गृह स्थिति

सुर्य	मीन	मे
चंद्र	कर्क	मे
मंगल	कुंभ	मे
बुध	कुंभ	मे
गुरु	मिथुन	मे
शुक्र	मेष	मे
शनि	मीन	मे
राहु	कुंभ	मे
केतु	सिंह	मे

लग्नारभ समय

मीन....	05-36 बजे
मेष.....	07-12 बजे
वृष....	08-56 बजे
मिथुन..	10-57 बजे
कर्क...	13-09 बजे
सिंह---	15-21 बजे
कन्या--	17-28 बजे
तुला----	19-33 बजे
वृश्चिक..	21-43 बजे
धनु.....	23-56 बजे
मकर...	02-03 बजे
कुंभ....	03-53 बजे

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- **2083**
शक संवत् **-1948,** सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- बसंत
महावीर निर्वाण संवत् **-2551 ,** राजा गुरु, मन्त्री भौम
कलियुग अवधि - **432000**
भोग्य कलि वर्ष. - **426873** सूर्योदय **06-18** सूर्यास्त. **18 -24**
कलियुग संवत् - **5127** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् - **1972949127**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - **1955885127**
दिशाशूल - पूर्व - अदरक खाकर घर से निकले
मास - चैत्र कृष्ण पक्ष शनिवार **28 March 2026**
तिथि - दशमी **08-45** तक उपरान्त एकादशी
नक्षत्र - पुष्य **14-49** तक उप आश्लेषा
योग - सुकर्मा **20-04** रात्रि तक उप धृति
करण - गर **08-45** तक उप वणिज

श्री धर्मराज दशमीं

विशेषः- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए ।

राहुकाल 09-18 से 10-50 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654 9167555710

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
काल	06-18 - 07-47 अशुभ	लाभ	18-24 - 19-56 शुभ
शुभ	07-47 - 09-18 शुभ	उत्पात	19-56 - 21-24 अशुभ
रोग।।	09-18 - 10-50 अशुभ	शुभ	21-24 - 22-53 शुभ
उत्पात	10-50 - 12-21 अशुभ	अमृत	22-53 - 00-21 शुभ
चंचल	12-21 - 13-53 शुभ	चंचल	00-21 - 01-49 शुभ
लाभ	13-53 - 15-24 शुभ	रोग	01-49 - 03-18 अशुभ
अमृत	15-24 - 16-56 शुभ	काल	03-18 - 04-46 अशुभ
काल	16-56 - 18-24 अशुभ	लाभ	04-46 - 06-18 शुभ

निर्यात वाला डीजल और हवाई जहाज का ईंधन महंगा

नई दिल्ली,27 मार्च(एजेंसियां)। ईरान-इजरायल युद्ध के बीच क्रूड ऑयल महंगा हो गया है। इससे पेट्रोल और डीजल बनाना भी महंगा हो गया है। इस स्थिति का फायदा कुछ अंतरराष्ट्रीय कारोबारी उठा रहे हैं। वे भारत से सस्ता डीजल और हवाई जहाज का ईंधन यानी एटीएफ मंगवा कर मुनाफा कूट रहे हैं। इसे देखते हुए सरकार ने भारत से निर्यात होने वाले हर लीटर डीजल पर 21.5 रुपये और हर लीटर एटीएफ पर 29.5 रुपये की एक्सपोर्ट ड्यूटी लगा दी है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने एक ट्वीट में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि पश्चिम एशिया संकट के बीच घरेलू उपयोग वाले पेट्रोल और डीजल पर 10 रुपये प्रति लीटर की सेंट्रल एक्साइज ड्यूटी की कटौती की गई है। इससे लोगों पर कीमतों में बढ़ोतरी से निजात मिलेगी। साथ ही निर्यात वाले डीजल और एटीएफ पर ड्यूटी बढ़ा दी गई है। निर्मला सीतारमण ने बताया कि निर्यात वाले डीजल पर 21.5 रुपये प्रति लीटर और एटीएफ पर 29.5 लीटर प्रति लीटर की एक्सपोर्ट ड्यूटी लगाई गई है।

डॉलर के मुकाबले रुपये में ऐतिहासिक गिरावट

94 .82 के सर्वकालिक निचले स्तर पर हुआ बंद

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय रुपया शुक्रवार को डॉलर के मुकाबले रिकॉर्ड निचले स्तर पर बंद हुआ। रुपया 86 पैसे गिरकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले एक बार फिर सर्वकालिक निचले स्तर 94.82 (अस्थायी) पर बंद हुआ।अंतर-दिवसीय कारोबार में रुपया 74 पैसे गिरकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.70 के नए सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गया। शुरुआती कारोबार में रुपया 28 पैसे गिरकर 94.24 के नए निचले स्तर पर आ गया। यह लगातार तीसरे सत्र में रुपये में गिरावट दर्ज की गई है, जो बुधवार और मंगलवार को भी तेजी से टूटा था।रुपये में यह गिरावट विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार निकासी और ईरान संकट के कारण हुई है, जिससे बाजार की धारणा प्रभावित हुई है। बुधवार को पिछले सत्र में रुपया 29 पैसे फिसलकर 94 के स्तर को पार कर 94.05 पर बंद हुआ था।रुपये में गिरावट का यह सिलसिला मंगलवार से जारी है।

सोने में आज 2,490, चांदी में 9 हजार गिरावट

ईरान जंग से 28 दिन में सोना 15 हजार सस्ता, चांदी 41 हजार नीचे आई

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका-इजराइल की ईरान से चल रही जंग के बीच सोने-चांदी की कीमतों में लगातार गिरावट जारी है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के मुताबिक, शुक्रवार को 10 ग्राम 24 कैरेट सोना 2,490 रुपए घटकर 1.44 लाख रुपए पर आ गया है। इससे पहले बुधवार को यह 1.46 लाख पर था। वहीं, एक किलो चांदी की कीमत 9,114 रुपए घटकर 2.25 लाख रुपए पर आ गई है। इससे पहले 25 मार्च को इसकी कीमत 2.35 लाख रुपए किलो थी। अमेरिका-ईरान जंग के कारण सोना 28 दिन में 15,382 और चांदी 41,000 सस्ती हुई है।

ट्रांसपोर्टेशन और सिक्योरिटीः सोना एक शहर से दूसरे शहर ले जाने में ईंधन और सुरक्षा का खर्च आता है। आयात केंद्रों से दूरी बढ़ने पर ट्रांसपोर्टेशन कॉस्ट बढ़ती है, जिससे स्थानीय दाम बढ़ते हैं।

खरीदारी की मात्राः दक्षिण भारत जैसे इलाकों में ज्यादा खपत (करीब 40%) के कारण ज्वेलर्स बड़ी मात्रा में सोना खरीदते हैं, जिससे छूट का फायदा ग्राहकों को कम दाम में मिलता है।

हर राज्य और शहर के अपने ज्वेलरी एसोसिएशन (जैसे तमिलनाडु में मद्रास ज्वेलर्स एसोसिएशन) होते हैं, जो स्थानीय मांग और सप्लाई के आधार पर सोने का रेट तय करते हैं। पुराना **स्टॉक और खरीद मूल्यः** ज्वेलर्स ने स्टॉक किस रेट पर खरीदा है, यह मायने रखता है।

हेल्थ इंश्योरेंस के नए नियमः इलाज के लिए 1 घंटे में देनी होगी मंजूरी, 3 घंटे में फाइनल सेटलमेंट

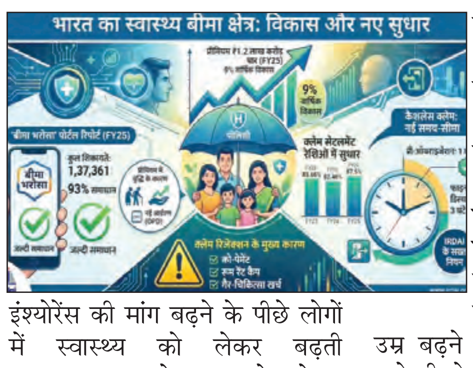

नई दिल्ली,27 मार्च(एजेंसियां)। जिस मरीज के पास हेल्थ इंश्योरेंस है, उसे अब अस्पताल में इलाज और डिस्चार्ज के लिए लंबा इंतजार नहीं करना होगा। बीमा नियामक आईआरडीएआई ने नए नियम तय किए हैं। फाइनेंस मंत्रालय ने कहा कि पॉलिसीधारकों को जरूरी सपोर्ट देने के लिए आईआरडीएआई ने कैशलेस हेल्थ इंश्योरेंस क्लेम की प्रोसेसिंग के लिए समयसीमा तय की हैं। आईआरडीएआई ने कैशलेस प्री-ऑथराइजेशन की मंजूरी एक घंटे के भीतर और फाइनल ऑथराइजेशन की मंजूरी 3 घंटे के भीतर करने की समय सीमा रखी है। मंत्रालय ने कहा कि ऐसी टाइमलाइन तय करने का उद्देश्य देरी घटाना और यह पक्का करना है कि मरीजों को समय से इलाज मिले।

हेल्थ इंश्योरेंस सेक्टर में तेजी

वहीं दूसरी ओर हेल्थ इंश्योरेंस सेक्टर तेजी से तरक्की कर रहा है। वित्त वर्ष 2024-25 में लगभग 9% की ग्रोथ रेट के साथ टोटल हेल्थ इंश्योरेंस प्रीमियम 1.2 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का रहा। सरकार ने बताया कि हेल्थ इंश्योरेंस की मांग बढ़ने के पीछे लोगों में स्वास्थ्य को लेकर बढ़ती जागरूकता, बेहतर हेल्थकेयर फाइनेंसिंग तक पहुंच और मेडिकल खर्चों से सुरक्षा की जरूरत मुख्य कारण हैं।

मरीजों को अस्पताल में भर्ती होने के दौरान होने वाली देरी से बचाने के लिए आईआरडीएआई ने सख्त समय-सीमा निर्धारित की हैः बीमा कंपनियों को कैशलेस प्री-ऑथराइजेशन अनुरोधों को एक घंटे के भीतर मंजूर करना होगा। अस्पताल से छुट्टी यानी डिस्चार्ज के समय अंतिम मंजूरी की प्रक्रिया अधिकतम तीन घंटे में पूरी करनी होगी।

क्लेम सेटलमेंट रेशियो में सुधार

एफवाई 2024-25: 87.5%
एफवाई 2023-24: 82.46%
एफवाई 2022-23: 85.66%

इंश्योरेंस प्रीमियम बढ़ने का कारण

सबसे बड़ा कारण पॉलिसीधारकों की उम्र है। उम्र बढ़ने के साथ रिस्क फैक्टर में बढ़ोतरी होती है जिससे प्रीमियम बढ़ता है।लोग अब गंभीर बीमारियों के लिए ज्यादा राशि का बीमा ले रहे हैं।

नई पॉलिसियों में ओपीडी और वेलनेस जैसे आधुनिक फीचर जुड़ गए हैं। इससे भी बीमा प्रीमियम में बढ़ोतरी हुई है।

शिकायतों का त्वरित निपटारा

आईआरडीएआई के बीमा भरोसा पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025 में सामान्य और स्वास्थ्य बीमा से जुड़ी कुल 1,37,361 शिकायतें दर्ज की गईं। इनमें से 93% शिकायतों का समाधान उसी वित्तीय वर्ष के भीतर कर दिया गया।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,)
आपका धैर्य , कर्तव्य और जिम्मेदारी की अपनी भावना आपके रास्ते में आ रही सभी बाधाओं को दूर करने में सहायक सिद्ध होगी । आपको अपने हास्य क्षमता को जागृत करना होगा ताकि आपका कार्य क्षेत्र में एक अच्छे माहौल का निर्माण हो सके जिससे की आप आराम से अपने कार्य को कर सके ।दिन के अंत में एक गंभीर वित्तीय लाभ का मौका आपको मिल सकता है।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,)
भावनात्मक गहराई आपके करियर को समृद्ध बनाती है, जबकि तीक्ष्ण विश्लेषणात्मक कौशल आपके काम में सटीकता का समर्थन करते हैं। तार्किक सोच आपको कार्यों को प्रभावी ढंग से संभालने में मदद करती है, हालांकि कुछ अवरोध आपकी गति को धीमा कर सकते हैं। व्यवस्थित और केंद्रित रहें। किसी भी कठोर प्रवृत्ति को प्रबंधित करना और अहंकार को नियंत्रण में रखना स्थायी व्यावसायिक सफलता प्राप्त करने की कुंजी होगी।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,)
कुछ समय से अपने कार्यालय में आप काफी अच्छा काम कर रहे है और ये खूबी आज आपको अपने मालिक की नजरो में काफी ऊपर उठाएगी । पदोन्नति भी आपका इंतजार कर रही है परन्तु आपके सहकर्मियों की द्वेष एवं जलन आपका मन ख़राब कर सकती है । ये आपके लिए एक मुश्किल चुनौती की तरह है और आपको इस बात का ध्यान रखना है की ये चीज़ आपके मन और मस्तिस्क पर बुरा प्रभाव न डाले ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,)
आज आप व्ययसायी की तरह सोचेंगे और धन पर नियंत्रण रखेंगे । इसका परिणाम यह होगा की धन तो संचित होगा पर आपके परिवार के खर्चे बढ़ेंगे जिसका उत्तर आपको ढूढ़ना होगा । असुरक्षा की भावना की वजह से आप जरुरत के खर्चो पर भी लगाम लगाने की कोशिश कर सकते है ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,)
आज आपको छिपे हुए शत्रु से सावधान रहने की जरुरत है जो की आपके कार्य क्षेत्र में आपको नुकसान पंहुचा सकते है। वे आपके बारे में अति गोपनीयता से आपके बारे में गलत बाते आपके मालिक तक पंहुचा सकते है जिसका साक्ष्य भी आपको मिल सकता है अंत सावधान रहने की जरुरत है ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)
आपका करियर पथ तीव्र और रचनात्मक लगता है। आप ऊर्जावान हैं, लेकिन गहन चिंतन आपको दीर्घकालिक लक्ष्यों का पुनर्मूल्यांकन करने के लिए प्रेरित करता है। काम पर जोशीले वाद-विवाद और उत्साह में बदलाव की उम्मीद करें। भ्रम से बचने के लिए स्पष्टता के साथ आदर्शवाद को चैनल करें।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,)
आपके कार्य क्षेत्र का भाग्य आपके साथ चल रहा है और आपके पास काफी परियोजनायें है , फिर भी आज एक नया अवसर आपको मिल सकता है जो की आपके करियर के लिए काफी अच्छा रह सकता है । ये आपके कार्य क्षेत्र में आप पर अधिक जिम्मेदारी डालेगा । आप थोड़ा बदलाव चाहेंगे ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,)
आप अपने रास्ते में एक महान अवसर की बाट देख रहे थे और इस तरह के अवसर के लिए ये सबसे अच्छा समय है। अगर आपने साक्षात्कार दिया है, तो उस मोर्चे पर आज अच्छी खबर मिल सकती है । अप्रत्याशित जगहों से नौकरी के अवसर आपको मिल सकते है या कुछ पुराने संपर्कों से भी आप आगे की और बढ़ सकते है ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे)
कार्यस्थल पर प्रभावी ढंग से संवाद करने की क्षमता आप के खिलाफ की गई कुछ कार्रवाई करने के कारण प्रभावित हो रही है! आप पर संगठन का विश्वास और गोपनीयता के उल्लंघन का आरोप लगाया जा सकता है। अपने आप को शांत बनाए रखे और अन्य लोगों की जरूरतों पर विचार करें। यह जल्द ही अपने पक्ष में होगा ।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी)
आज आप अपने करियर को नए सिरे से शुरू करेंगे । आप एक नियोक्ता से दूसरे की तरफ अपना रुख कर सकते है , क्योकि ये नया अवसर आपको आगे बढ़ने के मौके दे सकता है , लेकिन धोखाधड़ी के प्रस्तावों से सावधान रहे क्यों की कोई आपकी क्षमता और चतुराई का अनुचित लाभ लेने के लिए लंबे समय से प्रयासरत है ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,)
आपका स्वाभाविक आकर्षण दूसरों को अपनी ओर आकर्षित करता है, जिससे सहयोग सहज और अधिक उत्पादक बनता है। मानसिक स्पष्टता सीखने और निर्णय लेने, दोनों में सहायक होती है, जिससे आपको विचारों को प्रभावी ढंग से व्यक्त करने में मदद मिलती है। महत्वाकांक्षा जहाँ आपकी प्रेरणा को बढ़ाती है।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची)
आपका कार्य जीवन ऊर्जावान है, जो आपको विभिन्न परिस्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक शक्ति प्रदान करता है। आपकी भावनात्मक बुद्धिमत्ता चमकती है। हालाँकि, ठोस परिस्थितियों से निपटने के लिए विनम्रता महत्वपूर्ण है। प्रबंधन में सावधान रहें, खासकर नाजुक स्वास्थ्य मामलों में। जमीन से जुड़े रहें और चमकते रहें।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

तेल संकट के बीच सरकार का बड़ा फैसला

पेट्रोल-डीजल पर एक्साइज ड्यूटी घटाई, लेकिन आम लोगों को राहत का लाभ नहीं

नई दिल्ली,27 मार्च(एजेंसियां)। ईरान युद्ध के कारण देश मे डीजल और पेट्रोल की दिक्कत शुरू हो गई है। साथ ही कच्चे तेल की कीमत भी प्रति बैरल 100 डॉलर से ज्यादा है। इस बीच सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी घटाने का बड़ा फैसला लिया है। सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर 10 रुपये प्रति लीटर की एक्साइज ड्यूटी कम की है।

नए आदेश के बाद अब पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी 13 रुपये प्रति लीटर से घटकर 3 रुपये प्रति लीटर हो गई है। वहीं डीजल पर कोई एक्साइज ड्यूटी नहीं लगेगी। डीजल पर लगने वाली 10 रुपये की ड्यूटी को पूरी तरह खत्म कर शून्य कर दिया गया है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतें नीचे आना शुरू हुई हैं। पश्चिम एशिया के संघर्ष को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सकारात्मक बयानों ने बाजार की चिंताएं कम की हैं। शुक्रवार को सुबह 9 बजे ब्रेंट क्रूड 1 फीसदी से ज्यादा गिरकर करीब 107 रुपये प्रति बैरल पर था। वहीं अमेरिकी तेल में भी करीब 1 फीसदी की गिरावट आई है। इस गिरावट के साथ यह 93.60 रुपये प्रति बैरल पर है। सरकार की ओर से पेट्रोल और डीजल पर एक्साइज ड्यूटी कम करने के बाद अब बड़ा सवाल है कि क्या दोनों ईंधन की कीमत भी कम होगी? दरअसल आम उपभोक्ताओं के लिए यह खबर उतनी राहत भरी नहीं हो सकती जितनी दिख रही है। सूत्रों के मुताबिक, पंप पर पेट्रोल-डीजल की कीमतों में कमी आने की संभावना कम है।

दिल्ली में आज पेट्रोल की कीमत 94.72 रुपये और डीजल की कीमत 87.62 रुपये प्रति लीटर है। मुंबई में पेट्रोल का भाव 104.21 रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल का भाव 92.15 रुपये प्रति लीटर है। कोलकाता में पेट्रोल का भाव 103.94 रुपये प्रति लीटर जबकि डीजल का भाव 90.76 रुपये प्रति लीटर है। चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर बिक रहा है। ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमतों में उबाल आया हुआ है।

आरबीआई ने बैंकिंग प्रणाली में 65322 करोड़ रुपये की अस्थायी तरलता डाली

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को बैंकिंग प्रणाली में 65,322 करोड़ रुपये की लिक्विडिटी डाली। यह राशि छह दिवसीय परिवर्तनीय दर रेपो (वीआरआर) नीलामी के माध्यम से डाली गई। केंद्रीय बैंक ने एक बयान जारी इसके बारे में बताया।

आरबीआई ने यह तरलता 5.26 फीसदी की कट-ऑफ दर पर प्रदान की। भारित औसत दर 5.29 फीसदी रही। हालांकि, डाली गई तरलता अधिसूचित राशि 75,000 करोड़ रुपये से कम थी। अग्रिम कर भुगतान और जीएसटी बहिर्प्रवाह के कारण बैंकिंग प्रणाली में अतिरिक्त तरलता में तेज गिरावट आई थी। इसके बावजूद तरलता कम डाली गई। भारतीय रिजर्व बैंक ने बैंकिंग प्रणाली में अग्रिम कर भुगतान और जीएसटी का पैसा सरकार के पास जाने के कारण आई नकदी की अस्थायी कमी को दूर करने के लिए छह दिवसीय परिवर्तनीय दर रेपो नीलामी के माध्यम से 65,322 करोड़ रुपये की तरलता डाली है। हालांकि यह राशि अधिसूचित 75,000 करोड़ रुपये से कम रही, लेकिन इस कदम का मुख्य उद्देश्य वित्तीय स्थिरता बनाए रखना और अल्पकालिक ब्याज दरों में होने वाली किसी भी बड़ी अस्थिरता को रोकना है। केंद्रीय बैंक की इस सक्रियता से बैंकों के पास पर्याप्त नकदी सुनिश्चित होगी, जिससे कॉर्पोरेट और एमएसएमई क्षेत्र को ऋण की उपलब्धता सुचारू बनी रहेगी और बाजार में वित्तीय संतुलन कायम रहेगा। 26 मार्च तक बैंकिंग प्रणाली में करीब 48,698.38 करोड़ रुपये की अतिरिक्त तरलता का अनुमान है।

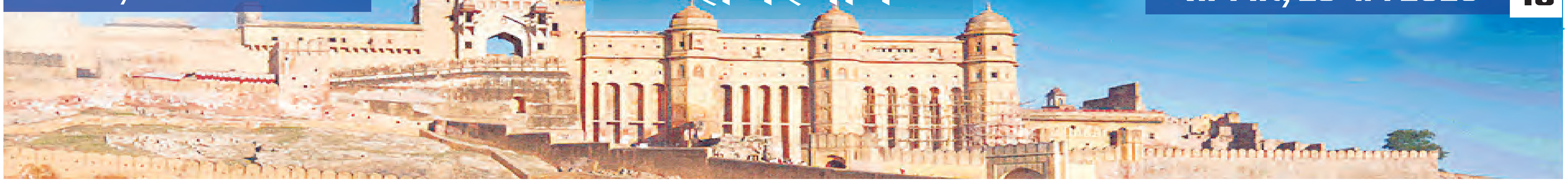

राजस्थान पुलिस हिरासत में हुई मौतों में दूसरे नंबर पर

बिहार के बाद इस साल 18 मौतों के साथ टॉप सूची में शामिल, संसद में खुलासा

राजस्थान में हिरासत में मौतें

राज्य	हिरासत में मौतें
2021-22	13
2022-23	04
2023-24	07
2024-25	09
2025-26	18

5 साल में हिरासत में मौतों में टॉप राज्य

राज्य	हिरासत में मौतें
महाराष्ट्र	101
गुजरात	85
बिहार	76
उत्तर प्रदेश	56
राजस्थान	51

जयपुर, 27 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान पिछले पांच साल में हिरासत में हुई मौतों के मामले में देश के टॉप पांच राज्यों में शामिल है, जबकि 2025-26 में देश में दूसरे नंबर पर है। संसद में सवाल के जवाब में केंद्र ने बताया कि साल 2025- 26 में राजस्थान में 15 मार्च तक हिरासत में मौतों के 18 मामले सामने आ चुके हैं, बिहार में इस अवधि में 19 मौतें हुई हैं। इस तरह राजस्थान बिहार के बाद दूसरे नंबर पर है। साल 2021-22 से लेकर पिछले 5 साल में राजस्थान में हिरासत में मौतों के 51 मामले सामने आ चुके हैं। हिरासत में मौतों के मामले में राजस्थान में किसी अफसर,कर्मचारी के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की है।

बीएपी सांसद राजकुमार रोत और दो अन्य सांसदों के हिरासत में मौतों से जुड़े सवाल के जवाब में केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने बताया कि राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) से प्राप्त जानकारी के अनुसार राजस्थान सहित सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में हिरासत में हुई मौतों के मामलों में एनएचआरसी की अनुशासनात्मक कार्रवाई की सिफारिश पर पिछले पांच साल की अवधि में 1 अप्रैल 2021 से 15 मार्च 2026 तक में तमिलनाडु में केवल एक मामला दर्ज किया है। रोत ने पिछले पांच साल के दौरान देश में पुलिस हिरासत में हुई मौतों, गिरफ्तार किए गए और दोषी ठहराए गए पुलिसकर्मियों की संख्या का ब्यौरा मांगा था। राजस्थान में 5 साल में हिरासत में 51 मौतें हुई हैं। साल 2025-26 में 15 मार्च तक हिरासत में 18 मौतें हो चुकी हैं, जो पिछले पांच साल में सबसे ज्यादा है। साल 2020-21 में 13, साल 2022-23 में 04,2023-24 में 07 और 2024-25 में हिरासत में 09 मौतें हुई थी।

साल 2025-26 में हिरासत में मौतों में बिहार पहले

साल 2025- 26 में बिहार के बाद राजस्थान दूसरे नंबर पर है, 15 मार्च तक हिरासत में बिहार में 19 मौतें हुई है, बिहार देशभर में पहले नंबर पर और राजस्थान 18 मौतों के साथ दूसरे, उत्तर प्रदेश 15 मौतों के साथ तीसरे नंबर पर है। गुजरात, महाराष्ट्र और पंजाब में इस अवधि में हिरासत में 14-14 मौतें हुई है, तीनों राज्य हिरासत में मौतों के मामले में चौथे नंबर पर है।

पांच साल में हिरासत में हुई मौतों में महाराष्ट्र पहले, राजस्थान पाचवें स्थान पर

पिछले पांच साल में हिरासत में होने वाली मौतों के आंकड़ों में महाराष्ट्र एक नंबर पर है, जहां पांच साल में हिरासत में 101 मौतें हुई, दूसरे नंबर पर गुजरात है जहां 85 मौतें हुई। बिहार 85 मौतों के साथ तीसरे, उत्तर प्रदेश 56 मौतों के साथ चौथे और राजस्थन 51 मौतों के साथ पांचवें स्थान पर है।

हिरासत में मौत होने पर 24 घंटे में एनएचआरसी को देनी होती है सूचना

केंद्रीय गृह राज्य मंत्री के जवाब के मुताबिक, एनएचआरसी से जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार पुलिस हिरासत या न्यायिक हिरासत में हुई हर मौत चाहे वह प्राकृतिक हो या किसी अन्य कारण से हो उसकी सूचना 24 घंटे के भीतर आयोग को देनी होती है। मानवाधिकार आयोग ने पोस्टमॉर्टम की वीडियो रिकॉर्डिंग के लिए भी दिशा-निर्देश जारी किए हैं और हिरासत में हुई मौतों में किसी भी प्रकार की लापरवाही या गलत इरादे या यातना की संभावना को खत्म करने के लिए शव परीक्षण फॉर्म का मॉडल प्रसारित किया है।

पुलिस हिरासत या न्यायिक हिरासत में मौत के मामलों की जांच में किसी अफसर, कर्मचारी की लापरवाही उजागर होती है तो आयोग उसके खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश करता है। इस मामले में दोषी पाए जाने वाले अफसर, कर्मचारियों के खिलाफ मौजूदा नियमों के हिसाब से कार्रवाई की जाती है। राजस्थान की जेलों में सजायाफ्ता कैदियों से तीन गुना ज्यादा विचाराधीन कैदी हैं।

चंद्रावती की खुदाई में निकला सदियों का इतिहास

परमार राजाओं के अवशेष मिले

सिरोही, 27 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के सिरोही जिले में एक ऐसा गांव है। जो बाहर से भले ही साधारण दिखता हो, लेकिन इसकी जमीन के नीचे सदियों पुराना एक गौरवशाली इतिहास दबा हुआ है। सिरोही-पालनपुर फोरलेन पर आबूरोड से महज पांच किलोमीटर की दूरी पर बसा चंद्रावती गांव कभी एक समृद्ध और गौरवशाली नगरी हुआ करती थी।

परमार राजवंश की राजधानी थी चंद्रावती

सातवीं से तेरहवीं शताब्दी के बीच चंद्रावती इस पूरे क्षेत्र में व्यापार और संस्कृति का सबसे बड़ा केंद्र मानी जाती थी। 11वीं और 12वीं शताब्दी में यह नगरी परमार राजवंश की राजधानी थी। इस वंश में यशोधवल और धारवर्ष जैसे पराक्रमी शासक हुए जिनके शासनकाल में यहां बड़ी संख्या में शैव, वैष्णव और जैन मंदिरों के साथ-साथ भव्य राजप्रासादों का निर्माण हुआ। सन 1303 तक यह नगरी परमारों के अधीन रही, इसके बाद देवड़ा चौहानों ने यहां अपना राज्य स्थापित किया और 1405 ईस्वी में सिरोही राज्य की स्थापना तक यह उनकी राजधानी बनी रही।

खुदाई में खुला वैभवशाली अतीत

पुरातत्व विभाग ने जनार्दनराय नागर विद्यापीठ उदयपुर के सहयोग से 2015 से 2017 के बीच तीन चरणों में यहां उत्खनन कार्य करवाया था। इस खुदाई में जो पुरावशेष सामने आए वे देखने वालों को हैरान कर देते हैं। बिना किसी आधुनिक तकनीक या यंत्र की मदद के सैकड़ों साल पहले बनाई गई बारीक नक्काशीदार प्रतिमाएं और अद्भुत निर्माण शैली उस दौर की कारीगरी का जीता-जागता सबूत है।

श्रीगंगानगर में पकड़ा पाकिस्तानी गैंगस्टर का सहयोगी

> मोबाइल में पाकिस्तान नंबरों पर चैटिंग मिली

श्रीगंगानगर, 27 मार्च (एजेंसियां)। श्रीगंगानगर जिले में लालगढ़ जाटान थाना पुलिस ने राष्ट्र विरोधी गतिविधियों में शामिल एक युवक को गिरफ्तार किया है। आरोपी लंबे समय से पाकिस्तानी आतंकी शहजाद भट्टी के संपर्क में था और उनके निर्देश पर भारत के कई महत्वपूर्ण स्थानों की रेकी करता था।

पुलिस ने गिरफ्तार युवक की पहचान आकाशदीप पुत्र पीरा सिंह (19) निवासी 12 H मोहल्ला केसरीसिंहपुर, वर्तमान में चक केरा (श्रीगंगानगर) के रूप में की है। थाना प्रभारी गुरमेल सिंह बराड़ ने बताया कि आरोपी बदमाश प्रवृत्ति का है और गांव में कुछ लोगों को पाकिस्तानी आतंकवादियों से संपर्क होने की धमकी देता था। आरोपी के पास मोबाइल नंबर 9079910356 था। कॉन्स्टेबल गुरजीत सिंह की सूचना पर उसे थाने लाया गया। प्रारंभिक पूछताछ में उसने शहजाद भट्टी के साथ

इंस्टाग्राम और व्हाट्सएप पर बातचीत करने की बात स्वीकार की।

मोबाइल और सोशल मीडिया से मिले सबूत

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से रीयलमी कंपनी का पुराना मोबाइल जब्त किया। मोबाइल में सिम नंबर 9079910356 लगी थी। इंस्टाग्राम आईडी से भारत-पाकिस्तान के लोगों के साथ वॉइस चैट और +92 कोड वाले नंबरों पर जानकारी साझा की गई। गैलरी में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) से शहजाद भट्टी के साथ फोटो एडिट की हुई मिली। व्हाट्सएप पर +923249695402 नंबर पर भेजे गए मैसेज का जवाब अंगूठे के निशान से आया था। आरोपी शहजाद भट्टी को फॉलो करता था और उसकी पोस्ट्स को लाइक व कमेंट करता था।

रेकी और वीडियो भेजना

पूछताछ में आकाशदीप ने बताया कि शहजाद भट्टी के कहने पर उसने भीड़-भाड़ वाली प्रमुख जगहों की रेकी की, वीडियो बनाए और व्हाट्सएप के जरिए पाकिस्तान भेजे। उसने इन जगहों तक पहुंचने का पूरा प्लान भी साझा किया। आरोपी के तार अंबाला के बराड़ा-दोसड़का रोड स्थित गांव सिंबला के पास से बरामद आरडीएक्स, आईईडी, डेटोनेटर और बैट्री मामले से भी जुड़े हुए हैं। यह आरडीएक्स पाकिस्तान में बैठे शहजाद भट्टी के जरिए अमृतसर पहुंचाया गया, जो ड्रोन के माध्यम से पाकिस्तान से पंजाब भेजा गया।

कई राज्यों में की गई रेकी

आरोपी ने शहजाद भट्टी के निर्देश पर पंजाब के कई जिलों के थानों के अलावा राजस्थान, दिल्ली, चंडीगढ़ और हरियाणा के अंबाला में विभिन्न महत्वपूर्ण जगहों की रेकी की। इन जगहों के वीडियो पाकिस्तान भेजे गए।

फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और इसके नेटवर्क की जांच में जुटी हुई है।

राजस्थान में आंधी-बारिश और ओलों का अलर्ट

जयपुर, 27 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में अगले 4 दिन मौसम खराब रहने की आशंका है। मौसम विज्ञान केंद्र जयपुर ने प्रदेश में 27 मार्च से 30 मार्च तक मौसम के मिजाज में बड़े बदलाव की चेतावनी जारी की है। इस दौरान आंधी, बारिश और कहीं-कहीं ओलावृष्टि होने की संभावना जताई गई है। शुक्रवार को प्रदेश के करीब 8 जिलों में मौसम बदल सकता है। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस के असर से गुरुवार को जोधपुर, बीकानेर और जयपुर संभाग के आसपास मौसम में बदलाव देखने को मिला। बीकानेर, चूरू, श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़, फलोदी, झुंझुनूं और सीकर सहित नागौर, जैसलमेर और जोधपुर के कुछ हिस्सों में बादल छाए और हल्की बारिश दर्ज की गई।

रणथंभौर की 'हवेली' में आयरलैंड की मरियम की संदिग्ध मौत

कैसे खामोश हुई विदेशी सैलानी की धड़कन?

सवाई माधोपुर, 27 मार्च (एजेंसियां)। बाघों की दहाड़ और अरावली की प्राकृतिक सुंदरता को निहारने सात समंदर पार से रणथंभौर आई एक विदेशी महिला पर्यटक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत ने प्रशासन और पर्यटन जगत की नींद उड़ा दी है। आयरलैंड की रहने वाली 40 साल की मरियम फ्रांसिस ने कभी सोचा भी नहीं होगा कि जिस 'रणथंभौर हेरिटेज हवेली' में वह सुकून के पल बिताने आई थीं, वही उनकी जिंदगी का आखिरी पड़ाव साबित होगी।

डिनर के बाद बिगड़ी तबीयत

गुरुवार की रात तक सब कुछ सामान्य था। मरियम अपने दोस्तों के दल के साथ होटल के रेस्टोरेंट में ठहरी हुई थीं। हँसी-मजाक और डिनर के बाद वे अपने कमरे में चली गईं। लेकिन कुछ ही देर बाद

खामोशी ने चीखों की जगह ले ली। जब मरियम के साथी उन्हें देखने कमरे में पहुंचे, तो वे अचेत पड़ी थीं। आनन-फानन में उन्हें निजी अस्पताल ले जाया गया, लेकिन डॉक्टरों के अनुसार अस्पताल पहुंचने से पहले ही वे 'ब्रेन डेड' हो चुकी थीं। ईसीजी की सपाट रेखा ने उनके निधन की पुष्टि कर दी। मौत की वजह अभी भी एक पहेली बनी हुई है। पुलिस और चिकित्सा अधिकारी दो मुख्य पहलुओं पर गौर कर रहे है कि क्या मरियम को पहले से कोई दिल की बीमारी थी या फिर रात के खाने में कुछ ऐसा था जो जानलेवा साबित हुआ? कुंडेरा थाना पुलिस ने होटल के किचन स्टाफ से सघन पूछताछ शुरू कर दी है और उस रात परोसे गए खाने के सैंपल की भी जांच की जा सकती है।

देश विरोधी ग्रुप्स से जुड़ा था राजूराम

> यूपी की सुरक्षा एजेंसी ने जैसलमेर में दी दबिश, अब जेआईसी में होगा खुलासा

जैसलमेर, 27 मार्च (एजेंसियां)। सरहदी जिले जैसलमेर के रेतीले धोरों और नहरी बेल्ट में एक बार फिर सुरक्षा एजेंसियों की हलचल ने सनसनी फैला दी है। उत्तर प्रदेश से आई एक विशेष सुरक्षा एजेंसी और स्थानीय पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए नाचना थाना क्षेत्र के बाहला से एक संदिग्ध युवक, राजूराम को डिटेन किया है। यह गिरफ्तारी महज एक संयोग नहीं, बल्कि एक बड़े नेटवर्क के भंडाफोड़ की आहट मानी जा रही है।

यूपी से जैसलमेर तक बिछाया जाल

खबर है कि उत्तर प्रदेश की सुरक्षा एजेंसियों को किसी संदिग्ध इनपुट की लीड मिली थी, जिसका सिरा जैसलमेर के नाचना क्षेत्र से

जुड़ा था। टीम ने गुप्त तरीके से बाहला गांव में दबिश दी और राजूराम को अपनी गिरफ्त में ले लिया। जैसे ही इस कार्रवाई की भनक लगी, सीमावर्ती क्षेत्र की सभी खुफिया एजेंसियां अलर्ट मोड पर आ गईं। हालांकि, अभी तक आधिकारिक रूप से विस्तृत जानकारी साझा नहीं की गई है, लेकिन कार्रवाई की गंभीरता बता रही है कि मामला सीधा राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़ा है। सूत्रों के अनुसार, राजूराम के मोबाइल फोन ने जांच अधिकारियों के होश उड़ा दिए हैं। उसके नंबर कई ऐसे संदिग्ध सोशल मीडिया ग्रुप्स से जुड़े पाए गए हैं, जो कथित तौर पर देश विरोधी गतिविधियों और सांप्रदायिक दंगों को भड़काने के उद्देश्य से संचालित किए जा रहे थे। इन ग्रुप्स में साझा की गई सामग्री और चैट की भाषा बेहद आपत्तिजनक और भड़काऊ बताई जा रही है। एजेंसियां अब यह खंगाल रही हैं कि क्या राजूराम केवल इन ग्रुप्स का सदस्य था या वह किसी बड़ी साजिश में 'स्लीपर सेल' या 'मोहरे' की तरह काम कर रहा था। पकड़े गए संदिग्ध राजूराम को आज संयुक्त पूछताछ केंद्र भेज दिया गया है। यहां राजस्थान पुलिस, खुफिया विभाग और अन्य केंद्रीय एजेंसियां मिलकर उससे गहन पूछताछ करेंगी। जेआईसी की 'थर्ड डिग्री' और तकनीकी जांच के बाद ही यह साफ हो पाएगा कि राजूराम का नेटवर्क कहां-कहां फैला है और उसे निर्देश कहां से मिल रहे थे।

बिन्दायका फायरिंग कांड का खुलासा

रंजिश के चलते प्रॉपर्टी डीलर पर बरसाईं थीं गोलियां, पुलिस के हत्थे चढ़े 4 आरोपी

जयपुर, 27 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान के जयपुर के बिन्दायका थाना क्षेत्र में 14 मार्च 2026 को हुई एक दिल दहला देने वाली घटना का पुलिस ने आखिरकार पर्दाफाश कर दिया। प्रॉपर्टी कारोबारी पर हुए इस संगठित हमले में शामिल चार खूंखार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

क्या था पूरा मामला

बिन्दायका निवासी कमलदीप मीणा उर्फ कमल मीणा अपने कुछ साथियों के साथ पाल वाले बालाजी मंदिर जा रहे थे। हाथोज फाटक के पास पहुंचते ही एक थार गाड़ी ने अचानक उनकी कार में जोरदार टक्कर मार दी। इससे पहले कि वे कुछ समझ पाते, एक स्विफ्ट और स्कॉर्पियो ने भी उनकी गाड़ी को चारों ओर से घेर लिया। देखते ही देखते करीब 10 से 15 हमलावर वाहन से उतरे और ताबड़तोड़ हमला शुरू कर दिया। हमले के दौरान आरोपियों ने फायरिंग भी की।

पुलिस ने आरोपियों को कैसे पकड़ा

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस आयुक्तालय जयपुर के निर्देश पर एक विशेष जांच टीम बनाई गई। थाना बिन्दायका और सीएसटी टीम ने मिलकर घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज बारीकी से खंगाली। तकनीकी साक्ष्यों और मुखबिरों की मदद से एक-एक कर आरोपियों की पहचान की गई और उन्हें दबोच लिया गया।

इन आरोपियों को गिरफ्तार किया

पुलिस ने इस मामले में आसीन उर्फ यासीन खान, विष्णु सिंह उर्फ बल्लू, गजेन्द्र सिंह उर्फ गज्जू बन्ना और इरशाद अली को हिरासत में लिया है। ये चारों कोई साधारण अपराधी नहीं हैं। इनके खिलाफ पहले से हत्या, हत्या के प्रयास, मारपीट और अपहरण जैसे कई संगीन आपराधिक मामले दर्ज हैं।

रिमांड पर भेजे गए आरोपी

चारों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया जहां से पुलिस को तीन दिन का रिमांड मिला है। इस दौरान पुलिस उनसे हमले में इस्तेमाल हथियारों की बरामदगी और अभी तक फरार चल रहे अन्य साथियों के बारे में गहन पूछताछ कर रही है। पुलिस उपायुक्त जयपुर पश्चिम प्रशांत किरण (आईपीएस) के अनुसार इस हमले के पीछे आपसी रंजिश या किसी प्रॉपर्टी विवाद का हाथ हो सकता है। हालांकि, मामले की जांच जारी है और फरार आरोपियों को पकड़ने के लिए छापेमारी का दौर चल रहा है।

बिना वैध अनुज्ञप्ति के चल रहा था नशा मुक्ति केंद्र तीन के खिलाफ मामला दर्ज

जोधपुर, 27 मार्च (एजेंसियां)। बिना विधि मान्य अनुज्ञप्ति के नवभोर नशा मुक्ति केंद्र का संचालन कर नशा करने वाले मरीजों को रखने के मामले में बोरानाडा थाना पुलिस ने तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। यह कार्रवाई संयुक्त निदेशक अनिल व्यास की रिपोर्ट के आधार पर की गई।पुलिस के अनुसार, संबंधित नशा मुक्ति केंद्र बिना आवश्यक वैधानिक अनुमति के संचालित किया जा रहा था, जहां नशे के आदी मरीजों को रखा जा रहा था। मामले की जानकारी मिलने पर जांच की गई, जिसमें केंद्र के संचालन में नियमों की अनदेखी सामने आई।

एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने 3 करोड़ के अफीम-दूध के साथ पिता-पुत्र पकड़े

जालोर, 27 मार्च (एजेंसियां)। जालोर एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स ने राजसमंद के देवगढ़ इलाके में कार्रवाई कर पिता-पुत्र तस्करों को गिरफ्तार किया। टीम ने उनके कब्जे से 58 किलो अफीम का दूध जब्त किया, जिसकी कीमत करीब 3 करोड़ रुपए आंकी गई है। आरोपी भंवर सिंह और उसका बेटा जितेंद्र सिंह अलग-अलग गाड़ियों में माल लेकर जा रहे थे पुलिस ने तकनीकी निगरानी और मुखबिर सूचना के आधार पर उन्हें पकड़ा।

आईजी विकास कुमार ने बताया कि एएनटीएफ टीम पुराने और कुख्यात तस्करों पर नजर रखे हुए थी। भंवर सिंह पहले भी एनसीबी के केस में पकड़ा जा चुका है। 2013 में अवैध अफीम तस्करी के मामले में गिरफ्तार हुआ था और करीब 8 साल जेल में रहा। जेल से बाहर आने के बाद भी उसकी गतिविधियों पर नजर रखी जा

सांवरिया सेठ जा रहा था टायर पंक्चर कर पकड़ा

रही थी। टीम आरोपी का पीछा करते हुए मंडफिया स्थित सांवरिया सेठ मंदिर तक पहुंची। आरोपी वहां माल के साथ रात में रुका। टीम ने भी गुप्त रूप से वहीं रुककर उसकी गतिविधियों पर नजर रखी और आगे की कार्रवाई की योजना बनाई। अगले दिन भंवर सिंह और उसका बेटा जितेंद्र सिंह दो गाड़ियों में देवगढ़ कामली घाट के रास्ते निकले जितेंद्र बोलेरो गाड़ी में आगे चलकर रास्ते की जानकारी दे रहा था, जबकि भंवर सिंह दूसरी कार में अफीम लेकर जा रहा था*मौके पर अफीम का वजन करती हुई टीम।

देवगढ़ के पास टीम ने पहले बेटे की गाड़ी को निकलने दिया

ग्रीन सिग्नल मिलने पर जैसे ही भंवर सिंह पहुंचा, टीम ने उसकी गाड़ी का टायर पंक्चर कर उसे पकड़ लिया और अफीम जब्त कर ली। संपर्क टूटने पर जितेंद्र भी रुक गया, जिसे घेरकर गिरफ्तार किया गया।पकड़े गए तस्कर भंवर सिंह ने पूछताछ में बड़े सरगनाओं के नाम खोले हैं। भंवर सिंह को साल 2013 में एनसीबी जोधपुर ने अवैध अफीम तस्करी में गिरफ्तार किया था। मारवाड़ जंक्शन थाने में भी एक केस दर्ज है। तस्कर मारवाड़ जंक्शन क्षेत्र के हैं, पिता 8 साल तक जेल में रह चुका है। तस्कर भंवर सिंह हर ट्रिप में मंडफिया के सांवरिया सेठ के मंदिर जरूर जाता था। वह माल लेने आते-जाते रात के समय में अक्सर वहीं रुकता था। पहले भी 2 बार एएनटीएफ ने वहां तक पीछा किया था, लेकिन वह बच निकला था।

ओआरआर पर तेल टैंकर और ट्रक की टक्कर, यातायात प्रभावित

हैदराबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। शुक्रवार को कोल्लूर के पास आउटर रिंग रोड (ओआरआर) पर एक तेल टैंकर और कंटेनर ट्रक के बीच हुई टक्कर से यातायात बाधित हो गया। मिली जानकारी के अनुसार, सेफ एक्सप्रेस कंपनी का एक कंटेनर ट्रक कोल्लूर की ओर जा रहे तेल टैंकर से पीछे से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि टैंकर सड़क पर पलट गया, जिससे दोनों चालकों को चोटें आईं। दुर्घटना के बाद क्षतिग्रस्त वाहन सड़क पर ही पड़े रहे, जिससे कुछ समय के लिए यातायात रुक गया और व्यस्त समय में यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। सूचना मिलते ही कोल्लूर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल पहुंचाने के साथ ही वाहनों को हटाकर यातायात को सामान्य करने की कार्रवाई शुरू की।

लद्दाख में कुदरत का कहर : हिमस्खलन की चपेट में आने से छह लोगों की मौत, कई वाहन दबे

लेह, 27 मार्च (एजेंसियां)। लद्दाख सेक्टर के जोजिला दर्रे के जीरो प्वाइंट इलाके में हिमस्खलन हुआ। जिसमें कुछ वाहन बर्फ के नीचे फंस गए। इस हादसे में अब तक छह लोगों की मौत हो गई है। पांच अन्य व्यक्ति घायल हो गए हैं, शुक्रवार को जोजिला दर्रे पर एक यात्री वाहन हिमस्खलन की चपेट में आ गया।

एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि यात्री वाहन पर भारी बर्फ का ढेर गिर गया। इस भारी बर्फबारी के कारण वाहन में सवार छह लोगों की मौके पर ही जान चली गई। वहीं, पांच अन्य यात्रियों को गंभीर चोटें आईं।

घटना की सूचना मिलते ही बचाव दल तेजी से मौके पर पहुंचा। उन्होंने तुरंत घायलों को निकालने और शवों को मलबे से बाहर निकालने के लिए बड़े पैमाने पर अभियान शुरू किया। सभी घायल व्यक्तियों को तत्काल इलाज के लिए पास की चिकित्सा सुविधाओं में स्थानांतरित कर दिया गया है। अधिकारियों ने पुष्टि की कि बचाव और निकासी अभियान अभी भी सक्रिय रूप से जारी है। यह अभियान कठिन पहाड़ी इलाके में चलाया जा रहा है। स्थानीय प्रशासन भी बचाव कार्यों में सहयोग कर रहा है।

राज्य और जिला स्तर पर समितियां गठित, नोडल अधिकारी नियुक्त

मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने पीएम के वीडियो कॉन्फ्रेंस में भाग लिया

हैदराबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि राज्य सरकार ने मुख्य सचिव की अध्यक्षता में एक समिति गठित की है, जो पेट्रोल, डीजल और गैस की आपूर्ति की समीक्षा करेगी और स्थिति पर लगातार नजर रखेगी। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार शाम को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ आयोजित एक वर्चुअल वीडियो कॉन्फ्रेंस में भाग लिया। यह कॉन्फ्रेंस पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव के मद्देनजर आयोजित की गई थी। इस अवसर पर, मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री का ध्यान कई प्रमुख मुद्दों की ओर आकर्षित किया। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी को अवगत कराया कि मुख्य सचिव की अध्यक्षता वाली समिति हैदराबाद स्थित कमांड कंट्रोल सेंटर से स्थिति की लगातार समीक्षा कर रही है। मुख्यमंत्री ने आगे बताया कि गैस की आपूर्ति, पेट्रोल और डीज़ल की बिक्री की निगरानी करने और कालाबाज़ारी पर अंकुश लगाने के लिए सभी 33 ज़िलों में समितियां गठित की

गई हैं और नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। मुख्यमंत्री ने घोषणा की कि अस्पतालों, स्कूलों, अनाथालयों और वृद्धाश्रमों को व्यावसायिक गैस सिलेंडर प्राथमिकता के आधार पर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि अधिकारी प्रत्येक ईंधन स्टेशन पर उपलब्ध स्टॉक के स्तर के साथ-साथ दैनिक खपत की दरों पर भी लगातार नज़र रख रहे हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि जहां सामान्य परिस्थितियों में तेलंगाना में पेट्रोल और डीजल की औसत दैनिक खपत 36,189 किलोलीटर है, वहीं राज्य के पास वर्तमान में 188,210 किलोलीटर का भंडार उपलब्ध है। उन्होंने आगे बताया कि सोशल मीडिया पर ऐसी सामग्री पोस्ट करने वाले व्यक्तियों के विरूद्ध कानूनी कार्रवाई की जा रही है, जो पेट्रोल, डीज़ल और गैस की संभावित कमी के संबंध में भ्रामक जानकारी फैलाती है और दहशत पैदा करती है। मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना जीवाश्म ईंधनों-जैसे कोयला, तेल और गैस-पर अपनी निर्भरता कम करने की दिशा में सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है, और साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को अपनाने को बढ़ावा दे रहा है तथा नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन को भी गति प्रदान कर रहा है। इस पहल के एक हिस्से के रूप में, उन्होंने बताया कि राज्य ने तेलंगाना में ईवी के लिए सड़क कर (रोड टैक्स) और पंजीकरण शुल्क में 100 प्रतिशत की छूट प्रदान की है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री मोदी का ध्यान ईवी निर्माण को बढ़ावा देने और एक सुदृढ़ बैटरी इकोसिस्टम विकसित करने के लिए राज्य द्वारा किए जा रहे व्यापक प्रयासों की ओर भी आकर्षित किया। यह घोषणा की गई कि हैदराबाद शहर में 1.20 लाख से अधिक पेट्रोल और डीज़ल से चलने वाले ऑटो-रिक्शा को रेट्रोफिटिंग के जरिए इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) में बदलने की प्रक्रिया शुरू की जा रही है। सीएम रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री का ध्यान इस बात की ओर दिलाया कि, आगे चलकर, आरटीसी केवल इलेक्ट्रिक बसों का ही इस्तेमाल करेगा। राज्य के मुख्य सचिव रामकृष्ण राव और सीएम के प्रधान सचिव, वी. शेषाद्रि, इस बैठक में शामिल हुए।

शेयर निवेश के नाम पर 1.55 करोड़ की ठगी

हैदराबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। गोलकोंडा के एक सॉफ्टवेयर पेशेवर को साइबर जालसाजों ने फर्जी शेयर बाजार निवेश योजना का झांसा देकर 1.55 करोड़ रुपये की ठगी का शिकार बना लिया। पुलिस के अनुसार, पीड़ित वेंकट नागा भरत सिम्हा गुप्ता को फरवरी की शुरूआत में एक व्हाट्सएप लिंक मिला, जिसमें विशेषज्ञ ट्रेडिंग टिप्स देने का दावा किया गया था। बाद में उसे एक समूह में जोड़ा गया, जहां अन्य सदस्य मुनाफे के स्क्रीनशॉट साझा कर भरोसा दिला रहे थे। जालसाजों के निर्देश पर गुप्ता ने एक संदिग्ध ऐप डाउनलोड किया और 3 मार्च से 23 मार्च के बीच कई किस्तों में पैसे ट्रांसफर किए। ऐप में करीब 2.40 करोड़ रुपये का मुनाफा दिखाया गया, लेकिन वह कोई भी रकम निकाल नहीं सका। संदेह होने पर पीड़ित ने हैदराबाद साइबर क्राइम पुलिस से शिकायत की, जिसके आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। साइबर क्राइम पुलिस ने लोगों से अपील की है कि वे त्वरित और अधिक लाभ का वादा करने वाली ऑनलाइन निवेश योजनाओं से सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध लिंक या ऐप पर भरोसा न करें।

रामगिरी मंदिर अगले साल तक आध्यात्मिक केंद्र बन जाएगा : कोमटिरेड्डी

हैदराबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सड़क और भवन मंत्री कोमटिरेड्डी वेंकट रेड्डी ने शुक्रवार को ऐतिहासिक रामगिरी श्री सीता रामचंद्र स्वामी मंदिर, नलगोंडा को अगले वर्ष के श्रीराम नवमी तक एक प्रमुख आध्यात्मिक केंद्र में विकसित करने की घोषणा की। मंत्री ने मंदिर में आयोजित श्री सीता राम कल्याणोत्सव में भाग लिया और भगवान को रेशमी वस्त्र तथा मत्याला तलंब्रालु अर्पित किए। भक्तों को संबोधित करते हुए कोमटिरेड्डी ने बताया कि मंदिर में हर साल बढ़ते तीर्थयात्रियों के दृष्टिगत इन्फ्रास्ट्रक्चर सुधारने के लिए व्यापक योजना बनाई गई है। प्रमुख पहलों में वैकुंठ द्वार और उत्तरा द्वार दर्शन का निर्माण, साथ ही मौजूदा दर्शन मार्गों का विस्तार शामिल है ताकि भीड़ को सुगमता से व्यवस्थित किया जा सके। मंत्री ने बताया कि इन कार्यों के लिए भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया चल रही है और पंजीकरण एक महीने के भीतर पूरा होने की संभावना है, जिसके बाद विकास कार्य शुरू हो जाएंगे। मंदिर के ऐतिहासिक महत्व को रेखांकित करते हुए कोमटिरेड्डी ने कहा कि मंदिर की जमीन को बिना नुकसान पहुंचाए भक्तों के लिए बेहतर सुविधाएं सुनिश्चित करने का प्रयास किया जाएगा।

नवरात्री महोत्सव का समापन

हैदराबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जीडिमेट्ला स्थित सीरवी समाज मंदिर (बडेर) में नवरात्रि महोत्सव के समापन पर हवन का आयोजन किया गया।

अवसर पर संरक्षक मांगीलाल काग, अध्यक्ष रावतराम बर्फा, उपाध्यक्ष सोहनलाल परिहार, उपाध्यक्ष दुर्गाराम मुलेवा, सचिव प्रेम पंवार, सलाहकार संतोष चोयल, अर्जुनलाल बर्फा, देवाराम बर्फा, राजुराम लचेटा, लुंबाराम मुलेवा, मुलाराम पंवार, उदाराम, भुण्डाराम बर्फा, सोहनलाल हाम्बड़, जयराम परिहार, केनाराम मुलेवा, चंदनाराम चोयल, मोहनलाल, कालुराम काग, नरेश मुलेवा, महिला मंडल गंगादेवी बर्फा, लाबुदेवी बर्फा, सुनीता हाम्बड़, सुन्दरबाई काग, सीवरी देवी पंवार, लक्ष्मी देवी मुलेवा, श्यामा देवी काग, भंवरी बाई लचेटा व अन्य उपस्थित थे।

जामबाग के पूर्व नगरसेवक राकेश जयसवाल ने श्रीराम नवमी के अवसर पर जामबाग डिवीजन के विभिन्न मंदिरों में भगवान श्रीराम का आशीर्वाद लेकर लोगों की सेवा का संकल्प लिया। उनके साथ श्याम महाराज, रघु, महेश यादव, सुरेश टॉल्डी, वेंकट रेड्डी, अशोक, राजू, अनूप, अनिल, सूर्य रवि भी थे।

करमनघाट अलमासगुडा श्री आईमाताजी मंदिर में चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर आयोजित पुजा-अर्चना व हवन-पूर्णाहुति कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष प्रकाश-सुशीला आगलेचा, उपाध्यक्ष भाणाराम वरपा, सहकोषाध्यक्ष मंगलाराम परिहारियां, सहसचिव गजाराम सैंणचा, खेल मंत्री धनराज वरपा, सलाहकार चौथाराम पंवार, पूर्व सचिव हिरालाल सैंणचा, दिलीप आगलेचा, भारमल वरपा, लुम्बाराम वरपा, पंडित मिश्रा महाराज व समाज बन्धु।

पारसीगुटा स्थित श्री आईमाताजी बडेर में चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर आयोजित पुजा-अर्चना, हवन-यज्ञ व पूर्णाहुति कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष मोहनलाल-सुगीदेवी हाम्बड़, सचिव नारायणलाल काग, कोषाध्यक्ष खंगारसिंह लचेटा, सहसचिव हिराराम खंडाला, शिक्षा समिति अध्यक्ष लाबूराम-जीमनीबाई पंवार, भोलाराम-देवी सोलंकी, पूर्व अध्यक्ष जसराज-सुगनाबाई सोलंकी, पंडित हिमांशु व समाज बन्धु।

पहली बार इस खेल प्रतियोगिता का आयोजन : शिवसेना रेड्डी

विधानसभा सदस्यों के खेल महोत्सव की तैयारी पूरी

हैदराबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। स्पोर्ट्स अथॉरिटी के चेयरमैन शिवसेना रेड्डी ने कहा कि एलबी स्टेडियम में होने वाले विधानसभा सदस्यों के खेल महोत्सव की तैयारियां भव्य रूप से पूरी कर ली गई हैं। आज से एलबी स्टेडियम में शुरू होने वाले फर्स्ट एडिशन लेजिस्लेटिव स्पोर्ट्स मीट 2026 की तैयारियों का उन्होंने स्पोर्ट्स अथॉरिटी एमडी डॉ. सोनी बालादेवी के साथ निरीक्षण किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि राज्य में हर वर्ग में खेलों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के लिए मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के निर्देशानुसार आयोजित होने वाले विधानसभा सदस्यों के खेल महोत्सव को भव्य रूप से आयोजित किया जाएगा। इसका उद्देश्य राज्य में खेलों के प्रति रुचि और जागरूकता बढ़ाना है। उन्होंने कहा कि लगभग 14 वर्षों के बाद, जब से तेलंगाना राज्य का

गठन हुआ है, पहली बार यह खेल प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही हैं। इसमें सभी दलों के विधानसभा सदस्य राजनीतिक भेदभाव से ऊपर उठकर भाग ले रहे हैं, जो अत्यंत सराहनीय है। शिवसेना रेड्डी ने बताया कि इस उद्घाटन समारोह में टग ऑफ वार, फुटबॉल, क्रिकेट, एथलेटिक्स, कबड्डी, वॉलीबॉल, बैडमिंटन, टेबल टेनिस के साथ कुछ मनोरंजक खेल प्रतियोगिताएं भी आयोजित की जाएंगी। इन प्रतियोगिताओं को देखने के लिए सभी के लिए मुफ़्त प्रवेश होगा और सभी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस कार्यक्रम में स्पोर्ट्स अथॉरिटी के अधिकारी और कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

ग्रीनटेक स्टार्टअप्स को बढ़ावा, आईआईआईटी ने 6 परियोजनाएं चुनीं

हैदराबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आईआईआईटी हैदराबाद के सोशल टेक इनक्यूबेटर एआईसी-आईआईआईटी फाउंडेशन ने ईपीएएम सिस्टम्स के साथ मिलकर आकाश ईपीएएम सोशल इम्पैक्ट इनोवेशन प्रोग्राम (ईएसआईआईपी) के चौथे बैच के लिए 6 ग्रीनटेक स्टार्टअप्स का चयन किया है। कड़ी चयन प्रक्रिया के तहत देशभर से आए 130 आवेदनों में से 11 प्रतिभागियों ने जूरी के सामने प्रस्तुति दी, जिनमें से 6 परियोजनाओं को चुना गया। इनका चयन जलवायु कार्रवाई (एसडीजी-13) के तहत भारत की प्रतिबद्धताओं को आगे बढ़ाने की क्षमता के आधार पर किया गया। यह कार्यक्रम अकादमिक शोध और बाजार में उपयोगी नवाचार के बीच की दूरी को कम करने पर केंद्रित है। इसके तहत स्टार्टअप्स को हरित ऊर्जा, चक्रीय अर्थव्यवस्था और जलवायु परिवर्तन जैसी चुनौतियों पर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा। चयनित स्टार्टअप्स को 5 लाख रुपये का अनुदान, आईआईआईटी हैदराबाद की प्रयोगशालाओं और संसाधनों तक पहुंच, साथ ही विशेषज्ञों से मार्गदर्शन और व्यावसायिक प्रशिक्षण दिया जाएगा, जिससे उनके मॉडलों को बड़े स्तर पर लागू किया जा सके।

एसएससी परीक्षार्थियों को मुफ्त मानसिक स्वास्थ्य सहायता

हैदराबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। एडवांस्ड साइकोलॉजिकल सर्विसेज एसोसिएशन (एपीए इंडिया) ने तेलंगाना में एसएससी कक्षा 10 की परीक्षा दे रहे छात्रों के लिए मुफ्त मानसिक स्वास्थ्य सहायता सेवाएं शुरू की हैं। एपीए इंडिया के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष कृष्णा भरत ने बताया कि संस्था ने राज्यभर से करीब 105 मनोवैज्ञानिकों को जोड़ा है, जो परीक्षा के दौरान तनाव और चिंता से जूझ रहे छात्रों को मुफ्त टेली-काउंसलिंग प्रदान करेंगे। परीक्षा के दबाव का सामना कर रहे छात्र मानसिक सहायता के लिए एपीए इंडिया द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबरों पर संपर्क कर सकते हैं। जरूरत के अनुसार मनोवैज्ञानिकों की संख्या भी बढ़ाई जाएगी।

धम्माईगुडा स्थित गुरुकृपा सदन में चैत्र नवरात्रि के दुर्गाष्टमी पर आयोजित कन्या पूजन एवं भोजन-प्रसादी कार्यक्रम में उपस्थित शालू, किरन कंवर सोलंकी, नमस्वी (नैना), कोमल राजपुरोहित, क्रिशिका, कीर्ती, गुड़िया, हंसिका, मानवी, प्रियंका, सोनू, संजना, जानवी एवं नेहा।

सार्वजनिक सेवा एनटीआर मेमोरियल ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य : भुवनेश्वरी

चित्तूर, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की पत्नी नारा भुवनेश्वरी ने कुप्पम के अपने चार दिवसीय दौरे के समापन पर दोहराया कि सार्वजनिक सेवा एनटीआर मेमोरियल ट्रस्ट का मुख्य उद्देश्य बनी हुई है। एन.टी. रामाराव के आदर्शों को श्रद्धांजलि देते हुए, उन्होंने ट्रस्ट की व्यापक कल्याणकारी गतिविधियों को रेखांकित किया, जिसमें 23 लाख से अधिक लोगों को स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना और 23 करोड़ रुपये का चिकित्सा सहायता खर्च शामिल है। मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के समर्थन से, उन्होंने कहा कि ट्रस्ट थैलेसीमिया देखभाल, ब्लड बैंक और महिला सशक्तिकरण पहलों का विस्तार कर रहा है। इस दौरान उन्होंने लाभार्थियों को सिलाई मशीन, पुशकार्ट और श्रवण यंत्र वितरित किए। महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने के लिए ट्रस्ट ने कुप्पम में स्त्रे शक्ति स्किल डेवलपमेंट सेंटर की स्थापना की थी। उन्होंने कहा, जो महिलाएं यहां प्रशिक्षण ले चुकी हैं, अब आर्थिक रूप से अपने पैरों पर खड़ी हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

दक्षिण मध्य रेलवे

ई-निविदा आमंत्रण सूचना (https://ireps.gov.in द्वारा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, क्रमशः सीई/सी-III/एससी & सीई/सी-II/एससी कंस्ट्रक्शन आर्गनाइजेशन, द.म. रेलवे, सिकंदराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.01 एनआयटी संख्याः 15-सीएओ-सी-एससी-2026 दि.12-03-2026 कार्य विवरणः कंस्ट्रक्शन आर्गनाइजेशनः गुडूर-रेणीगुन्टा दोहरीकरण या डबलिंगः 60 किग्रा /60 इआय-आर260 ग्रेड रेल्स की एटी वेल्डिन्ग पोर्शन्स की आपूर्ति तथा इनसिटु, सेस्स वेल्डिंग के साथ रेणीगुन्टा स्टेशन पर यार्ड रिमोडिलिन्ग के कार्यो हेतु फ्री रेल जायन्ट्स/3 आरपी/10आरपी/20आरपी के रुपान्तरण या कनर्वशन के लिए सिन्गल शाट क्रुसिबुल का उपयोग द्वारा आटोमेटिक टैप्पिन्ग थिम्बल तत्संबंधित कार्य। अनुमानित मूल्य रु. 1,66,46,439.30 अग्रधन रु. 2,33,200.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 02 (दो) महिने खोलने की तिथिः 14-04-2026 के 15.00 बजे

क्रम सं.02 एनआयटी संख्याः 16-सीएओ-सी-एससी-2026 दि.20-03-2026 कार्य विवरणः गुन्टूर डिवीजनः एनएच पर आरयुबी नं.1 के किसी भी तरफ 50एम एप्रोचेस को छोडकर तथा एनएच पर आरयुबी नं.1 को छोडकर विष्णुपुरम (4.90किमी) पर नई बायपास लाइन सहित फार्मेशन, छोटे पुलों, आरयुबीज, केबिन्स का निर्माण तथा अन्य संबंधित छिटपुट कार्य।

अनुमानित मूल्य रु.20,70,37,046.75 अग्रधन रु.41,40,200.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 12 (बारह) महिने खोलने की तिथिः 14-04-2026 के 15.00 बजे

क्रम सं.03 एनआयटी संख्याः 17-सीएओ-सी-एससी-2026 दि.25-03-2026 कार्य विवरणः एससीआर कंस्ट्रक्शन आर्गनाइजेशन-सिकंदराबाद डिवीजनः मोटुमारी-विष्णुपुरम सेक्शनः एम्बैन्कमेन्ट में मिट्टी का कार्य या एर्थवर्क तथा कटिंग, आरडीएसओ मानकों नुसार ब्लैन्केटिन्ग कार्य तथा विष्णुपुरम दोहरीकरण परियोजना-मोटुमारी सहित तत्संबंधित

जगग्यापेटा टाउन (छोडकर) से रेवुरु रामापुरम (छोडकर) स्टेशनों के बीच सीएचः28650.00एम से सीएचः 36600.00एम तक संबंधित सहायक कार्य सहित छोटे पुलों, पुलों के नीचे सडक (आरयुबीज) का निर्माण, बाल्लास्ट की आपूर्ति व ढेर लगाना (डम्पिन्ग), पी.वे सामग्रियों का परिवहन, बीजी ट्रैक को बिछाना व जोडना, पीएण्डसीज की एसेम्बलिन्ग व इन्सरशन तथा कट एण्ड कनेक्शन कार्य।

अनुमानित मूल्य रु.44,54,82,287.27 अग्रधन रु.89,09,700.00 कार्य पूरा करने की अवधिः 18 (अठारह) महिने खोलने की तिथिः 17-04-2026 के 15.00 बजे

I) बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया **वेबसाइटः** https://ireps.gov.in पर लॉगिन करें।

II) निविदाकार, अपने आफर्स को, ऑनलाइन में निविदा प्रस्तुति अवधि के दौरान निविदा बंद करने के पहले, पंद्रह दिन की अवधि में प्रस्तुत कर सकते है।

III) निविदाकार, किसी भी शुध्दिपत्र (केवल ऑनलाइन में जारी) को, निविदा प्रस्तुति अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही देख सकते हैं।

मुख्य प्रशासकीय अधिकारी, निर्माण, सिकन्दराबाद

सं. एनडब्ल्यू /148/डब्ल्यू.III/टेन्डर नोटिस/2025-26, दि.25-03-2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय अभियन्ता, को-आर्ड. नान्देड, दक्षिण मध्य रेलवे-दमरे द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.01 निविदा सं.-टी-202526-2-118 एथारिटीः को-आर्ड. कार्य विवरणः नान्देड डिवीजन-एसएसइ/पी.वे/एनइडी क्षेत्राधिकारः विभिन्न यार्ड्स (सीआरयु, एलबीजी, एनइडी, एमटीडीआय & एमजीसी-5 यार्ड्स) पर प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित यार्ड सुधार & उन्नयन कार्य, (शेष कार्य-ड्रेन, सैण्ड हम्प & पाथवे)। (आइआरपीएसएम परियोजना आइडीः 11.04.31.25.3.53.006)

निविदा मूल्य रु. 118611530.29 अग्रधन रु. 2372300.00 कार्य पूरा करने की अवधिः बारह महिने निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य

क्रम सं.02 निविदा सं.-टी-202526-2-119 एथारिटीः को-आर्ड. कार्य विवरणः नान्देड डिवीजन-एसएसइ/पी.वे/एनइडी क्षेत्राधिकारः विभिन्न यार्ड्स (सीआरयु, एलबीजी, एनइडी, एमटीडीआय & एमजीसी-5 यार्ड्स) पर प्रस्तावित सुरक्षा संबंधित यार्ड सुधार & उन्नयन कार्य, (शेष-ट्रैक कार्य)। (आइआरपीएसएम परियोजना आइडीः 11.04.31.25.3.53.006)

निविदा मूल्य रु.39991268.75 अग्रधन रु.799900.00 कार्य पूरा करने की अवधिः बारह महिने निविदा प्रपत्र मूल्य रु. शून्य

क्रम सं.01 निविदा सं.-टी-202526-2-118 तत्समान स्वभाव का कार्य (रु.50 लाख मूल्य से अधिक हेतु) -कोई भी सिविल अभियांत्रिकी कार्य (ट्रैक कार्यो/जोनल कार्यो को छोडकर)।

क्रम सं.02 निविदा सं.-टी-202526-2-119 तत्समान स्वभाव का कार्य (रु.50 लाख मूल्य से अधिक हेतु) -ट्रैक रखरखाव कार्य सहित कोई भी रेलवे ट्रैक कार्य।

उपरोक्त निविदा दि.24-04-2026 के 15.00 बजे बन्द होगी।

सीनि. डीइएन/को-आर्ड./नान्देड

निविदा सं. वाय-एसजी-36-2025-26-41 दि.26-03-2026

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, वरिष्ठ विभागीय सिग्नल & टेलिकाम अभियन्ता, हैदराबाद डिवीजन, दक्षिण मध्य रेलवे, सिकन्दराबाद द्वारा निम्न कार्यों हेतु ई-प्रोक्योरमेन्ट के माध्यम से दि.27-04-2026 के 11.30 बजे तक खुली निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.01 निविदा सं. वाय-एसजी-36-2025-26-41 कार्य विवरणः हैदराबाद डिवीजनः सेन्ट्रल रेलवे हास्पीटल, लालागुडा में अतिरिक्त सीसीटीवी कैमेराज & फेशियल बायोमेट्रिक सिस्टम का प्रावधान।

अनुमानित मूल्य रु.49,58,885.59 अग्रधन रु.99,200.00

वरिष्ठ विभागीय सिग्नल & टेलिकाम अभियन्ता/हैदराबाद

निविदा सूचना सं. 65/2026 दि.26-03-2026
भण्डारण मदों की आपूर्ति
ई-प्रोक्योरमेन्ट निविदा सूचना

निम्न निविदाएं ऑनलाइन पर प्रदर्शित की गयी है। निविदाकारों से अनुरोध है कि, वेबसाइटः www.ireps.gov.in देखें तथा अपने आफर्स ऑनलाइन में प्रस्तुत करें। निविदा कार्य विवरण, मात्रा, अग्रधन, एसडी को वेबसाइट पर देख सकते है। मैन्युएल रुप में प्रस्तुत आफर्स अस्वीकार्य होंगे। डाक द्वारा प्रेषित आफर्स पर भी विचार नही किया जायेगा। निविदा की निर्धारित तिथि की निविदा बन्द करने का समय 14.30 बजे है। सभी स्वेदेशी या इन्डीगेनस आफर्स, अग्रधन को, **वेबसाइटः www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध केवल ऑनलाइन सिस्टम द्वारा ही स्वीकार किया जायेगा।

निविदा सं.	संक्षिप्त कार्य विवरण
73261009	इन्टर लाक वाशर्स सेट
25264494	फिक्स्ड & मोबाइल कान्टैक्ट बिट्स सेट
29251028 टी	3 फेज ट्रैक्शन मोटर बेयरिंग सेट
38261709	नट, स्प्रिंग वाशर & 4 4एमएम डाया स्प्लिट सहित की बोल्ट
30263460 बी	लैवोटेरी डोर व्यवस्था
38261192	नान-ट्रासिजन सीबीसी के लिए लाक
38261026	संशोधित इस्टोमेरिक पैड (डिजाइन-बी)
38261013	कपलर बाडी
33261111	बोगी फ्रेम एस्सेम्ब्ली
82260763 ए	(फोन-65287) टैब लोर्लाटिनिब 100एमजी
67265001	डिजाइन, मैन्युफैक्चर, आपूर्ति & 05 टन क्षमतायुक्त डिजेल हैड्रालिक रेल क्रेन
33261112	बोगी फ्रेम एस्सेम्ब्ली
38265003	कास्ट स्टील साइड फ्रेम (के क्लास नैरो पेडस्टल जा सहित)
65265001	डिजाइन, मैन्युफैक्चर, आपूर्ति & 05 टन क्षमता युक्त डिजेल हैड्रालिक रेल क्रेन्स की स्थापना
66265721	एफआरएम & कटिंग चैन कार्बाइड बिट बीसीएम हेतु कट्टर चेन एस्सेम्ब्ली का प्रापण
33261113	बोगी फ्रेम एस्सेम्ब्ली
38265010	सीटीआरबी (नैरो & वाइड जा) हेतु साइड फ्रेम की

टिप्पणीः निविदा खोलने की निर्धारित तिथियां-

क्रम सं. 01 दि.13-04-2026, क्रम सं. 02 दि.15-04-2026, क्रम सं. 03 & 04 दि.16-04-2026, क्रम सं. 05 से 07 दि.20-04-2026, क्रम सं. 08 दि.21-04-2026, क्रम सं. 09 दि.23-04-2026, क्रम सं. 10 & 11 दि.24-04-2026, क्रम सं. 12 से 12 दि.27-04-2026, क्रम सं. 15 दि.28-04-2026, क्रम सं. 16 दि. 29-04-2026, क्रम सं. 17 दि.30-04-2026

शुध्दिपत्र

निविदा सूचना सं.57/2026 दि.30-01-2026 निविदा सं.6025पीटी050 निर्धारित तिथि 02-03-2026 संक्षिप्त कार्य विवरणः आरडीएसओ डीआरजी नं. टी-8747 के प्रति कम्पोजिट ग्रूव्ड रब्बर सोल प्लेट्स की निर्धारित तिथि को, मौजूदा के स्थान पर 08-04-2026 पढा जाना चाहिए।

उपरोक्त निविदाओं के अलावा रु.50 लाख मूल्य से अधिक की अन्य निविदाएं भी उपलब्ध है।

अधिक जानकारी हेतु कृपया उपरोक्त वेबसाइट देखें।

प्रधान मुख्य सामग्री प्रबंधक/सिकंदराबाद

A2764

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजो की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइट्सः https://www.ireps.gov.in या www.scr.indianrailways.gov.in देखें।

आईओसी का बड़ा फैसला

ट्रांसजेंडर वुमन अब महिलाओं के साथ ओलिंपिक नहीं खेल सकेंगी

> 2028 लॉस एंजिल्स खेलों से बैन लगाया > बायोलॉजिकल फीमेल ही हिस्सा ले पाएंगी

ज्यूरिख, 27 मार्च (एजेंसियां)। इंटरनेशनल ओलिंपिक कमेटी (आईओसी) ने कहा है कि 2028 के लॉस एंजिल्स ओलिंपिक से ट्रांसजेंडर महिलाएं को अब महिला कैटेगरी के इवेंट्स में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी। नई नीति के मुताबिक अब सिर्फ बायोलॉजिकल फीमेल्स यानी वे महिलाएं जो जन्म से ही महिला हैं, उन्हें ही वुमन कैटेगरी में खेलने की अनुमति होगी।

इसके लिए एक बार जीन टेस्ट (एसआरवाई जीन स्क्रीनिंग) कराना जरूरी होगा, जिससे लिंग की पुष्टि की जाएगी। यह टेस्ट थूक, गाल के स्वैब या ब्लड सैंपल से किया जा सकता है। वहीं, जो एथलीट जन्म के समय महिला थे, लेकिन अब खुद को ट्रांसजेंडर पुरुष मानते हैं, वे महिला स्पर्धाओं में खेलना जारी रख सकते हैं।

अब तक नियम क्या था

अब तक आईओसी ट्रांसजेंडर महिलाओं को टेस्टोस्टेरोन लेवल कम होने की शर्त पर खेलने की अनुमति देता था या फैसला व्यक्तिगत खेल संघों पर छोड़ दिया जाता था।

'जन्म से पुरुष होने पर मिलता है फिजिकल एडवांटेज'

आईओसी ने अपनी इस नीति के पीछे वैज्ञानिक रिसर्च का भी हवाला दिया है। रिसर्च के अनुसार, जन्म से पुरुष होने के कारण एथलीट को स्ट्रेंथ (ताकत), एंड्योरेंस (सहनशक्ति) और पावर आधारित खेलों में शारीरिक रूप से बढ़त यानी एडवांटेज मिलता है। संस्था का मानना है कि हार्मोनल बदलावों के बावजूद यह शारीरिक अंतर पूरी तरह खत्म नहीं होता।

पेरिस ओलिंपिक में दो महिला बॉक्सरों के खेलने पर उठे थे सवाल

पेरिस ओलिंपिक 2024 के दौरान दो महिला बॉक्सरों की भागीदारी को लेकर विवाद सामने आया था। 66 किलोग्राम वर्ग में अल्जीरिया की इमान खलीफ और 57 किलोग्राम वर्ग में ताइवान की लिन यू टिंग के खेलने पर अन्य खिलाड़ियों ने आपत्ति जताई थी।

ताइवानी बॉक्सर लिन यू-टिंग को 2023 में इंटरनेशनल बॉक्सिंग एसोसिएशन (आईबीए) द्वारा किए गए जेंडर संबंधी जांच में असफल घोषित किया गया था। इसके बावजूद आईओसी ने उन्हें पेरिस ओलिंपिक में महिला 57 किलोग्राम वर्ग में भाग लेने की अनुमति दी, जहां उन्होंने गोल्ड मेडल जीता। उनकी पात्रता को लेकर कुछ खिलाड़ियों और आईबीए ने सवाल उठाए थे, हालांकि आईओसी ने इन प्रक्रियाओं को विश्वसनीय नहीं माना। इसी तरह, इमान खलीफ को भी 2023 में आईबीए द्वारा जेंडर संबंधी जांच में अयोग्य घोषित किया गया था। आईबीए ने उन्हें 2023 में दिल्ली में आयोजित महिला विश्व चैंपियनशिप के गोल्ड मेडल मुकाबले में हिस्सा लेने की अनुमति नहीं दी थी।

नया नियम केवल प्रोफेशनल खेलों पर लागू

आईओसी अब सभी खेलों के लिए एक एकसमान नीति चाहता है, ताकि खेल संगठन अलग-अलग नियम न बनाएं। कई खेल संगठनों ने पहले ही ट्रांसजेंडर एथलीट्स पर पाबंदी लगा रखी है। यह बदलाव खेलों में निष्पक्षता यानी फेयर कॉम्पिटिशन सुनिश्चित करने के लिए किया गया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने पिछले साल फरवरी में एक एग्जीक्यूटिव ऑर्डर पास किया था। इसमें लॉस एंजिल्स ओलिंपिक में ट्रांसजेंडर महिलाओं को वीजा न देने की बात कही गई थी। यह नियम केवल प्रोफेशनल खेलों पर लागू होगा, जमीनी स्तर (ग्रासरूट) के खेलों पर इसका असर नहीं पड़ेगा।

आईओसी प्रेसिडेंट बोलीं- जीत-हार में बहुत कम अंतर होता है

आईओसी की प्रेसिडेंट कर्स्टी कोवेंट्री ने इस फैसले का समर्थन करते हुए कहा कि ओलिंपिक जैसे बड़े मंच पर जीत और हार के बीच बहुत मामूली अंतर होता है। उन्होंने कहा, 'ओलिंपिक खेलों में बेहद छोटा फासला भी जीत और हार तय कर सकता है। ऐसे में बायोलॉजिकल पुरुषों का महिला कैटेगरी में मुकाबला करना सही नहीं होगा।'

पैसे नहीं दिए तो हेड कोच और खिलाड़ियों को किया अपमानित

भारतीय फुटबॉल फिर हुआ शर्मसार

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय फुटबॉल एक बार फिर शर्मसार हुआ है। कोच्चि के जवाहरलाल नेहरू इंटरनेशनल स्टेडियम में एएफसी एशियाई कप क्वालीफायर से पहले भारतीय मुख्य कोच खालिद जमील और तीन स्टार खिलाड़ियों को सुरक्षाकर्मियों ने गेट पर ही रोक दिया। करीब एक दशक बाद कोच्चि में होने वाले राष्ट्रीय टीम के मैच से पहले इस घटना ने प्रशासनिक तालमेल की पोल खोल दी है।

मैदान के बाहर पेमेंट का ड्रामा, कोच और खिलाड़ी हुए अपमानित

भारत और हांगकांग के बीच 31 मार्च को होने वाले मुकाबले से पहले एक प्रेस कॉन्फ्रेंस निर्धारित थी। कोच खालिद जमील के साथ आशिक कुरुनियान, सहल अब्दुल समद और बिजय वर्गीस स्टेडियम पहुंचे, लेकिन ग्रेटर कोचीन डेवलपमेंट अथॉरिटी के सुरक्षाकर्मियों ने उन्हें अंदर नहीं जाने दिया। रिपोर्टों के अनुसार, जीसीडीए ने लगभग 20-25 लाख रुपये की सुरक्षा राशि और 3 लाख रुपये किराया जमा करने की मांग की थी। केरल फुटबॉल एसोसिएशन ने और समय मांगा, लेकिन भुगतान न होने तक अधिकारियों ने मुख्य गेट खोलने से मना कर दिया।

केएफए के अध्यक्ष नवास मीरान ने स्थिति को संभालने की कोशिश करते हुए इसे एक मामूली तकनीकी समस्या बताया और आश्वासन दिया कि मैच तय समय पर ही होगा। हालांकि, इस तकनीकी समस्या की वजह से कोच और खिलाड़ियों को काफी देर तक बाहर इंतजार करना पड़ा और अंत वे बिना प्रेस कॉन्फ्रेंस किए वहां से चले गए। पत्रकारों को भी अंदर जाने की अनुमति नहीं मिली।

भारतीय कंपाउंड तीरंदाजों का दबदबा जारी

मिश्रित टीम को स्वर्ण; इस वर्ग में क्लीन स्वीप

बैंकॉक, 27 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय कंपाउंड तीरंदाजों ने एशिया कप विश्व रैंकिंग टूर्नामेंट के पहले चरण में अपना दबदबा जारी रखा है। मिश्रित टीम ने जहां स्वर्ण पदक जीता तो वहीं, महिला टीम रजत पदक हासिल करने में सफल रही। पुरुषों के व्यक्तिगत वर्ग में तो भारत ने क्लीन स्वीप कर लिया। इस टूर्नामेंट में भारत ने अब तक दो स्वर्ण, दो रजत और चार कांस्य पदक अपने नाम कर लिया है और उसके कुल पदकों की संख्या आठ हो गई है जो पिछले साल के टूर्नामेंट के बराबर है।

पुरुष कंपाउंड वर्ग में क्लीन स्वीप दिन का मुख्य आकर्षण पुरुषों के कंपाउंड व्यक्तिगत वर्ग में क्लीन स्वीप रहा। उदय कंबोज ने रोमांचक फाइनल में हमवतन प्रथमेश जवकर को 145-144 से हराकर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक

जीता, जबकि अनुभवी खिलाड़ी रजत चौहान ने कांस्य पदक हासिल किया। भारत इस स्पर्धा में क्लीन स्वीप करने में सफल रहा।

तेजल ने जीता कांस्य पदक

18 वर्षीय तेजल साल्वे ने तटस्थ ध्वज के तहत प्रतिस्पर्धा कर रही रूसी तीरंदाज मारिया दिमिडियुक को 144-135 से हराकर महिला कंपाउंड व्यक्तिगत वर्ग में कांस्य पदक जीता। सुबह के सत्र का मुख्य आकर्षण चिकिता तनिपार्थी और रजत चौहान की शीर्ष वरीयता प्राप्त मिश्रित टीम जोड़ी थी, जिन्होंने स्वर्ण पदक मुकाबले में दूसरी वरीयता प्राप्त मलयेशिया को 158-156 से हराया।

चिकिता, राज कौर और तेजल साल्वे की भारतीय महिला कंपाउंड टीम को फाइनल में कजाकिस्तान की विक्टोरिया ल्यां, डायना युनुसोवा और रोक्साना युनुसोवा से 227-229 से हारने के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा। भारतीय महिला टीम पिछली बार कांस्य पदक ही जीत पाई थी और इस तरह से उसने अपने प्रदर्शन में सुधार किया। भारत ने मजबूत शुरुआत की और 12 तीरों के बाद आधे चरण में 115-113 की बढ़त बना ली। तीसरे सेट में हालांकि भारतीय टीम का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा और वह 54 अंक ही बना सकी, जबकि कजाकिस्तान की टीम ने 58 अंक बनाए। इस तरह से उसने 171-169 की बढ़त हासिल कर ली। चौथे और अंतिम सेट में दोनों टीम ने समान 58 अंक बनाए और इस तरह से भारतीय टीम को तीसरे सेट के खराब प्रदर्शन के कारण रजत पदक से ही संतोष करना पड़ा।

दो बार ओलंपिक पदक विजेता टीम का हिस्सा रहे गुरजंत ने हॉकी को कहा अलविदा

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के फॉरवर्ड खिलाड़ी गुरजंत सिंह ने शुक्रवार को नई दिल्ली में आयोजित हॉकी इंडिया पुरस्कार समारोह में अंतरराष्ट्रीय हॉकी से संन्यास की घोषणा की। 31 साल के स्टार ने भारतीय टीम के लिए 130 मैचों में 33 गोल किए।

26 जनवरी 1995 को अमृतसर के खैलारा में जन्मे गुरजंत के मन में बचपन से ही हॉकी के प्रति लगाव था। इस खेल में बेहतर बनने के लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की। गुरजंत ने 2016 में लखनऊ में फाइनल में गोल करते हुए भारत की जूनियर विश्व कप जीत में अहम भूमिका निभाई थी। 2017 में गुरजंत ने सीनियर टीम के लिए डेब्यू किया था।

मियामी ओपन : रायबाकिना को हराकर सबालेंका फाइनल में, गॉफ से होगा सामना

मियामी, 27 मार्च (एजेंसियां)। बेलारूस की टेनिस प्लेयर एरिना सबालेंका ने मियामी ओपन के फाइनल का टिकट कटा लिया है। सबालेंका ने सेमीफाइनल मुकाबले में कजाकिस्तान की एलेना रायबाकिना को सीधे सेटों में 6-4, 6-3 से हराया। इस जीत के साथ वह लगातार दूसरे साल मियामी ओपन के फाइनल में पहुंचने वाली खिलाड़ी बन गई हैं।

सबालेंका की यह डब्ल्यूटीए टूर में 17वीं प्रतियोगिता और कुल 10वीं जीत है। सबालेंका 2023 और 2024 में रायबाकिना के बाद लगातार मियामी ओपन फाइनल में पहुंचने वाली पहली खिलाड़ी हैं। इसके साथ ही वर्ल्ड नंबर एक खिलाड़ी रहते हुए वह 2013 से 2015 तक सेरेना विलियम्स के बाद ऐसा करने वाली पहली खिलाड़ी हैं।

मैच की शुरुआत काफी रोमांचक रही। पहले सेट में दोनों खिलाड़ी बराबरी पर खेल रही थीं। 4-5 से पिछड़ने के बाद सबालेंका ने रायबाकिना के खिलाफ शानदार खेल दिखाया और क्रॉस-कोर्ट बैकहैंड और ओवरहेड शॉट का उपयोग करते हुए महत्वपूर्ण ब्रेक हासिल किया। इस ब्रेक के दम पर वह पहला सेट 6-4 से जीतने में सफल रहीं। दूसरे सेट में सबालेंका ने शुरुआत से दबाव बनाए रखा और

4-0 की बढ़त बनाई। इसके बाद भी उन्होंने अपने विरोधी को वापसी का कोई मौका नहीं दिया। सेट के अंत में उन्होंने लव पर सर्व किया और टी-सर्व के साथ खेल खत्म किया। मैच जीतने के बाद सबालेंका ने कैमरे के लेंस पर अपना निकनेम 'टाइगर' लिखा। सबालेंका इस सदी की चौथी खिलाड़ी हैं जो अपने सीजन के पहले चार डब्ल्यूटीए इवेंट्स के फाइनल में पहुंची हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड मार्टिना हिंगिस (2001), सेरेना विलियम्स (2003) और विक्टोरिया अजारेंका (2012) के नाम रहा है। इस तरह का प्रदर्शन उन्हें टेनिस की दुनिया में एक विशेष मुकाम दिलाता है। अब सबालेंका का सामना फाइनल में अमेरिकन खिलाड़ी कोको गॉफ से होगा। गॉफ ने शानदार वापसी करते हुए चेक गणराज्य की कैरोलिना मुचोवा को 6-1, 6-1 से हराकर पहली बार मियामी ओपन के फाइनल में जगह बनाई है। यह फाइनल दोनों खिलाड़ियों के लिए बेहद महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि सबालेंका लगातार दो बार मियामी ओपन जीतकर सनशाइन डबल पूरा करना चाहेंगी। 2022 में पोलैंड की इगा स्वियाटेक ने ऐसा किया था।

सबालेंका और गॉफ के बीच अब तक 12 मुकाबले हो चुके हैं, जिसमें से छह मुकाबले सबालेंका ने जीते हैं, जबकि 6 मैचों में ही गॉफ ने बाजी मारी है यानी दोनों खिलाड़ियों के बीच कांटे की टक्कर देखने को मिलती है। सबसे हाल ही में दोनों की भिड़ंत 2025 में मैड्रिड ओपन फाइनल, रोलैंड गैरोस फाइनल और डब्ल्यूटीए फाइनल्स रियाद ग्रुप स्टेज में हुई थी। इस दौरान गॉफ ने फ्रांस में जीत हासिल की थी।

मियामी ओपन : जीत के साथ अलेक्जेंडर जेवरेव ने बनाई सेमीफाइनल में जगह

मियामी, 27 मार्च (एजेंसियां)। मियामी ओपन में जर्मनी के खिलाड़ी अलेक्जेंडर जेवरेव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अर्जेंटीना के फ्रांसिस्को सेरुंडोलो को 6-1, 6-2 से हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली है। इस जीत के साथ 27 साल के जर्मन खिलाड़ी ने एक ही सीजन में इंडियन वेल्स और मियामी ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने का रिकॉर्ड बना लिया है, जो उनके करियर के लिहाज से महत्वपूर्ण उपलब्धि है। साल 2022 में सेमीफाइनल और 2023 तथा 2025 में क्वार्टर फाइनल तक का सफर तय करने वाले फ्रांसिस्को सेरुंडोलो का अनुभव जेवरेव के आगे फीका नजर आया। टूर्नामेंट के तीसरे राउंड में सेरुंडोलो ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दुनिया के नंबर 10 खिलाड़ी डेनियल मेदवेदेव को हराया था। हालांकि, क्वार्टर फाइनल में अलेक्जेंडर जेवरेव के खिलाफ वह लय में दिखाई नहीं दिए और तीसरे एटीपी मास्टर्स 1000 के सेमीफाइनल में पहुंचने का मौका चूक गए। क्वार्टर फाइनल में जीत के साथ जेवरेव ने सेरुंडोलो के खिलाफ लगातार चौथी जीत दर्ज की। इस तरह उनका एटीपी में हेड-टू-हेड रिकॉर्ड अब 4-3 हो गया है। जेवरेव अब अपना पूरा ध्यान इटली के टेनिस प्लेयर जैनिक सिनर के खिलाफ होने वाले सेमीफाइनल मुकाबले पर लगाएंगे। सिनर पिछले छह मुकाबलों में लगातार जीत हासिल करके जेवरेव के खिलाफ 7-4 से आगे हैं।

जेवरेव ने अपने 25वें एटीपी मास्टर्स 1000 सेमीफाइनल में जगह बनाने के बाद कहा, शनिवार को सबसे मुश्किल टेस्ट होगा। मैं इसका इंतजार कर रहा हूं। मैं काफी अच्छा महसूस कर रहा हूं और उम्मीद करता हूं कि यह प्रदर्शन जारी रहेगा। इससे पहले, सिनर ने फ्लोरिडा में एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में अमेरिकन खिलाड़ी फ्रांसेस टियाफो को 6-2, 6-2 से हराकर सेमीफाइनल में अपनी जगह बनाई है। सिनर का लक्ष्य 2017 में रोजर फेडरर के बाद एक ही साल में इंडियन वेल्स और मियामी ओपन जीतकर 'सनशाइन डबल' पूरा करने वाला पहला पुरुष खिलाड़ी बनना होगा। सिनर ने गुरुवार को अपने सर्विस गेम में केवल 9 प्वाइंट गंवाए। टीडीआई इनसाइट्स के अनुसार उनका ओवरऑल परफॉर्मेंस रेटिंग 9.65 था, जोएटीपी टूर के औसत 7.29 से काफी ऊपर है। लगातार 10वें मैच में जीत के बाद सिनर ने कहा था कि सफलता के लिए भूख बनाए रखना जरूरी है। खिलाड़ी को मानसिक रूप से कोर्ट के बाहर भी शांत और रिलैक्स रहना होता है।

सूरीनाम को हराकर बोलीविया ने बनाई वर्ल्ड कप प्लेऑफ के फाइनल में जगह

मेक्सिको सिटी, 27 मार्च (एजेंसियां)। बोलीविया ने इंटर-कॉन्फेडरेशन प्लेऑफ सेमीफाइनल मुकाबले में सूरीनाम को 2-1 से हराया। इस जीत के साथ ही बोलीविया की टीम 32 साल में पहली बार फीफा वर्ल्ड कप खेलने के और करीब पहुंच गई है। बोलीविया की भिड़ंत अब इराक से होगी। हाफ टाइम के ठीक बाद बीबीवीए स्टेडियम में लियाम वैन गेल्डेरेन ने छह-यार्ड बॉक्स के अंदर हाथापाई के बाद गोल करके सूरीनाम को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद दूसरे हाफ में बोलीविया ने जोरदार वापसी की। 72वें मिनट में मोइसेस पनियागुआ ने गोल करके स्कोर को 1-1 कर दिया।

फिर सिर्फ सात मिनट बाद मिगुएल टेरसेरोस ने पेनल्टी पर गोल दागकर बोलीविया को 2-1 की बढ़त दिला दी, जो आखिर तक कायम रही। इस जीत के साथ बोलीविया अब अगले अहम मुकाबले में मंगलवार को इराक से भिड़ेगा। इराक 1986 से वर्ल्ड कप फाइनल के लिए क्वालीफाई नहीं कर पाया है, जबकि बोलीविया 1994 में अमेरिका में हुए संस्करण के बाद पहली बार विश्व कप में अपनी जगह बनाने का प्रयास कर रहा है। इस मुकाबले से तय होगा कि फीफा वर्ल्ड कप 2026 का टिकट किसे मिलेगा। फीफा विश्व कप का आयोजन 11 जून से 19 जुलाई तक संयुक्त राज्य अमेरिका, मेक्सिको और कनाडा में होना है। दूसरी ओर, यूरोपियन क्वालिफिकेशन में भी कई रोमांचक मुकाबले खेले गए।

'मैंने गोल्ड जीता और मां ने जड़ दिया करारा चांटा'

साइना नेहवाल ने शेयर किया गजब किस्सा, जीत पर क्यों नाराज हुईं थी मम्मी?

नई दिल्ली, 27 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा रेसलिंग का गढ़ माना जाता है लेकिन हरियाणा की कोई छोरी किसी दूसरे स्पोर्ट्स में झंडा बुलंद करेगी साल 2012 में किसी को इस बात का अंदाजा नहीं था। हिसार से एक सीधी सादी सी सामान्य सी लड़की जब घर से निकली तो उसके हाथों में दंगल की मिट्टी नहीं बल्कि बैडमिंटन रैकेट था। यहीं से सफर शुरू हुआ उस छोरी का जिसे आज ओलंपिक पदक जीतने वाली भारत की पहली बैडमिंटन खिलाड़ी का दर्जा प्राप्त है नाम तो सुना ही होगा साइना नेहवाल ।

हाल ही में साइना नेहवाल ने हमसे खास बातचीत की और बताया कि कैसे चैंपियनशिप जीतने पर उन्हें मां ने थप्पड़ जड़ा था। क्या थी उनके थप्पड़ मारने की वजह लड़कियों के स्पोर्ट्स की शुरुआत में लड़कों के साथ खेलने की मजबूरी और शादी के बाद रिलेशनशिप पर क्या है साइना का कहना इस इंटरव्यू में पढ़िए।

'मां की पिटाई से पता चला जीत-हार नहीं परफेक्शन अहम है'

साइना नेहवाल की जिंदगी में उनकी मां का अहम रोल रहा है। उन्हें जिंदगी के कई सबक मां से सीखने को मिले। मुझे लगता है कि माता-पिता जो भी करते हैं उसमें बच्चे की भलाई होती है। मैंने चैंपियनशिप में पहला गोल्ड मेडल जीता था। मैंने अच्छा खेला था छोटी-मोटी गलतियां हुई होंगी। मेरी मां कोर्ट के बाहर खड़ी थीं। उन्होंने पूछा कि क्या तूने अच्छा खेला? मैंने कहा मम्मी मैं जीत गई और क्या चाहिए। जैसा भी खेला लेकिन आखिर में मैं जीत तो गई हूं। मैं बहुत संभलकर मम्मी को जवाब दे रही थी। फिर मैंने उनसे कहा कि आप ही बता दो मैंने कैसा खेला? मेरे सारे दोस्त वहां खड़े थे तभी मुझे एक जोर का तमाचा पड़ा। फिर बोलीं तुम और अच्छा खेल सकती थीं शॉट्स और अच्छे हो सकते थे। जीतना-हारना मैटर नहीं करता मैं देख रही थी कि तुम हर एक शॉट्स में कितना अच्छा कर रही हो। उस दिन मैंने निर्णय लिया की एक दिन मैं बेहतरीन शॉट्स खेलूंगी और अपने दोस्तों को भी दिखाऊंगी की मैंने क्या सीखा है। आज मैं 500 मैचों खेलने के सफर के बाद कह सकती हूं कि मेरी मां को गर्व है मुझपर।

'शुरुआत में लड़कों के साथ खेलना जरूरत है हमारी'

लड़कियों को क्रिकेट खेलना हो तो गली में क्रिकेट खेलने वाले लड़कों के साथ खेल कर उनकी शुरुआत होती है। रेसलिंग से लेकर बैडमिंटन तक में लड़कियां अपने स्पोर्ट्स करियर की शुरुआत लड़कों के साथ खेलकर करती हैं। क्या कभी ऐसा दिन आएगा जब लड़कियों को स्पोर्ट्स में आगे बढ़ने के लिए लड़कों के साथ खेलने की जरूरत नहीं होगी इस बारे में साइना कहती हैं, 'मुझे लगता है कि हम अभी स्पोर्ट्स में उस लेवल पर पहुंचे नहीं हैं कि लड़कियां अपने स्पोर्ट्स की शुरुआत ही लड़कियों के साथ खेलकर करें।'

सानिया ने आगे कहा, 'जैसे टॉप 10 में जो दुनिया की लड़कियां हैं उसमें से 6 से 7 तो चाइना से हैं। वो 1970-80 से जीतते हुए आ रहे थे। तो अब जाकर उनके यहां ऐसा माहौल बना है कि लड़कियों को लड़कियों के साथ शुरू से ही खेलने का मौका मिलता है। मैंने जब खेलना शुरू किया तब लड़कियां उस लेवल पर नहीं थीं इसलिए मुझे ज्यादातर प्रैक्टिस लड़कों से ही चाहिए थी जो शायद लड़कों को पसंद भी नहीं होगा क्योंकि उनका लेवल थोड़ा और हाई होता है। लेकिन मैं शुक्रगुजार हूं कि उन्होंने मेरे लिए समय निकालकर मुझे इतना सिखाया। मुझे लगता है कि उन्होंने भी अपना खेल इंप्रूव किया होगा। जब तक हम उस स्तर पर नहीं पहुंच जाते जहां पर हमारे पास भी टॉप 20 या 30 में कई सारी लड़कियां हों तब तक हमें इसका इंतजार करना होगा।'

मुख्यमंत्री ने श्री सीताराम कल्याण महोत्सव में भाग लिया

भगवान श्रीराम एवं माता सीता को रेशमी वस्त्र अर्पित किए

भद्राचलम, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के प्रसिद्ध तीर्थस्थल भद्राचलम श्री सीतारामचंद्र स्वामी मंदिर में इस वर्ष श्री सीताराम कल्याण महोत्सव अत्यंत भव्यता और श्रद्धा के साथ आयोजित किया गया। इस पावन अवसर पर राज्य के मुख्यमंत्री एनुमुला रेवंत रेड्डी अपनी धर्मपत्नी के साथ शामिल हुए और भगवान श्रीराम एवं माता सीता को रेशमी वस्त्र तथा मोती के तलांब्रालू अर्पित किए। मिथिला स्टेडियम में आयोजित इस दिव्य कल्याण समारोह में हजारों श्रद्धालुओं की उपस्थिति रही। वैदिक मंत्रोच्चारण और शास्त्रोक्त विधियों के बीच सम्पन्न हुए इस आयोजन ने पूरे क्षेत्र को आध्यात्मिक वातावरण से भर दिया। मंदिर के आर्चकों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार सभी अनुष्ठानों का संचालन किया। मंदिर परिसर को आकर्षक ढंग से सजाया गया था और श्रद्धालुओं की भारी भीड़ के कारण पूरा भद्राचलम क्षेत्र खचाखच भरा रहा।

तेलुगु राज्यों के विभिन्न हिस्सों से आए भक्तों ने भगवान श्री सीतारामचंद्र स्वामी के दर्शन किए। भक्तों की सुविधा के लिए प्रशासन द्वारा व्यापक व्यवस्थाएं की गईं। पेयजल, प्रसाद वितरण, चिकित्सा शिविर और सुरक्षा इंतजामों को सुव्यवस्थित तरीके से लागू किया गया, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा नहीं हुई। इससे पहले मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने मंदिर में दर्शन किए और 351 करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित मंदिर विस्तार एवं विकास कार्यों के प्रथम चरण का भूमि पूजन भी किया। इस कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क, कई मंत्री, जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मंत्री पोन्नम ने श्रीराम नवमी समारोह में भाग लिया

हैदराबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीराम नवमी के अवसर पर, तेलंगाना के मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने शुक्रवार को वेमुलावड़ा राजन्ना मंदिर में भगवान राम और सीता के दिव्य विवाह समारोह में भाग लिया। विधायक आदि श्रीनिवास के साथ उन्होंने भगवान को रेशमी वस्त्र और तलंब्रालु अर्पित किए। नेताओं का श्री भीमेश्वर स्वामी मंदिर में पारंपरिक पूर्णकुंभ स्वागत किया गया और विशेष पूजा-अर्चना संपन्न हुई। इसके बाद जिला अधिकारी, जिनमें कलेक्टर गरिमा अग्रवाल और एसपी महेश बी. गीते शामिल थे, ने मंत्री से मिलकर उत्सव की व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

टीपीसीसी अध्यक्ष ने सीताराम कल्याणोत्सव में भाग लिया

हैदराबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीराम नवमी के पावन अवसर पर खिल्ला रामालय मंदिर, निजामाबाद में आयोजित सीताराम कल्याणोत्सव में टीपीसीसी अध्यक्ष महेश कुमार गौड़ ने अपनी धर्मपत्नी के साथ श्रद्धापूर्वक भाग लिया। इस दौरान उन्होंने भगवान श्रीराम और माता सीता के दिव्य कल्याण समारोह में शामिल होकर विशेष पूजा-अर्चना की। मंदिर परिसर में भक्ति और उत्साह का वातावरण देखने को मिला, जहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित होकर भगवान के दर्शन किए। श्रीराम नवमी के अवसर पर आयोजित इस धार्मिक कार्यक्रम में वैदिक मंत्रोच्चारण और पारंपरिक रीति-रिवाजों के बीच कल्याणोत्सव भव्य रूप से सम्पन्न हुआ।

श्री सीताराम कल्याण महोत्सव में डीजीपी दंपत्ति की सहभागिता

दो हजार पुलिसकर्मियों ने संभाली सुरक्षा व्यवस्था

भद्राचलम, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के पवित्र तीर्थ भद्राचलम श्री सीतारामचंद्र स्वामी मंदिर में शुक्रवार को भगवान श्री सीताराम कल्याण महोत्सव वेद मंत्रों के बीच अत्यंत भव्य और मनोहारी ढंग से संपन्न हुआ। हर वर्ष आयोजित होने वाले इस महोत्सव में इस बार भी बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। वेद मंत्रोच्चारण और मंगल वाद्ययंत्रों की ध्वनि के बीच आयोजित इस दिव्य समारोह में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी अपने परिवार सहित, उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क दंपति के साथ उपस्थित रहे। इसके अलावा राज्य के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) बी. शिवधर रेड्डी अपनी पत्नी हेमलता के साथ इस पावन आयोजन में शामिल हुए।

मंत्रियों और जनप्रतिनिधियों में पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, वाकिटि श्रीहरी, कोंडा सुरेखा, अनसूया सीतक्का तथा राज्यसभा सदस्य नरेंद्र रेड्डी सहित अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी भगवान के कल्याण महोत्सव का दर्शन कर पुण्य प्राप्त किया।

श्री सीताराम कल्याण महोत्सव के मद्देनज़र सुरक्षा व्यवस्था की निगरानी के लिए डीजीपी एक दिन पहले ही भद्राचलम पहुंच गए थे। उन्होंने स्थानीय पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक कर सुरक्षा बंदोबस्त की समीक्षा की और निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री, मंत्रियों तथा भारी संख्या में आने वाले श्रद्धालुओं को देखते हुए किसी भी प्रकार की अप्रिय घटना न हो, इसके लिए पुख्ता इंतजाम किए जाएं। लगभग 2,000 पुलिसकर्मियों के साथ कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई। जिला पुलिस अधीक्षक रोहित राज के नेतृत्व में स्थानीय पुलिस ने सुरक्षा प्रबंधों को सफलतापूर्वक लागू किया। श्रद्धालुओं की सुविधा और अनुशासन बनाए रखने के लिए विशेष कदम उठाए गए। भक्ति और उत्साह से ओतप्रोत भद्राचलम में श्री सीताराम कल्याण महोत्सव भव्यता के साथ संपन्न हुआ।

बच्चे पर आवारा कुत्तों के हमले पर सांसद ने गहरी चिंता व्यक्त की

हैदराबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भुवनगिरि लोकसभा क्षेत्र के सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी ने भुवनगिरि के तारकराम नगर में चार वर्षीय बालक प्रियांस पर आवारा कुत्तों के हमले की घटना पर गहरी चिंता व्यक्त की है। सांसद ने इस घटना के तुरंत बाद जिला कलेक्टर और नगर निगम अधिकारियों से फोन पर बात कर स्थिति की जानकारी ली।

उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो और आवारा कुत्तों पर नियंत्रण के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं। चामला किरण कुमार रेड्डी ने घायल बालक प्रियांस के पिता राहुल से भी फोन पर बातचीत कर उन्हें ढांढस बंधाया। उन्होंने आश्वासन दिया कि बच्चे के इलाज का पूरा खर्च सरकार वहन करेगी। साथ ही उन्होंने कहा कि दिल्ली से हैदराबाद लौटते ही वे स्वयं अस्पताल जाकर बच्चे का हालचाल जानेंगे और परिवार को हरसंभव सहयोग प्रदान करेंगे। वर्तमान में प्रियांस का इलाज यशोदा हॉस्पिटल और एलवी प्रसाद आई इंस्टीट्यट में चल रहा है। सांसद ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने 'एनिमल बर्थ कंट्रोल' कानून के तहत आवारा कुत्तों की संख्या नियंत्रित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने नगर निगम अधिकारियों को सतर्क रहने और नियमित निगरानी रखने को कहा। उन्होंने यह भी अपील की कि जनप्रतिनिधि और आम नागरिक अपने-अपने क्षेत्रों में यदि आवारा कुत्तों की संख्या अधिक देखते हैं तो तुरंत संबंधित अधिकारियों को सूचित करें। सांसद ने कहा कि प्रियांस पर हुआ कुत्तों का हमला अत्यंत दुखद और दिल को झकझोर देने वाला है, और ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सभी को मिलकर प्रयास करने की आवश्यकता है।

भद्राचलम मंदिर विकास का पहला चरण 2027 तक पूरा होगा

कोत्तागुडेम, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा ने कहा कि भद्राचलम स्थित श्री सीता रामचंद्र स्वामी देवस्थानम के विकास कार्यों का पहला चरण जून-जुलाई 2027 में होने वाले गोदावरी पुष्करम तक पूरा कर लिया जाएगा। भद्राचलम में आयोजित कल्याण महोत्सव में भाग लेने के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने बताया कि राज्य सरकार ने पहले चरण के लिए 351 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं। भूमि पूजन समारोह मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी द्वारा किया जा चुका है और भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया भी पूरी हो गई है।

मंत्री ने बताया कि दूसरे चरण के लिए धनराशि बाद में जारी की जाएगी और शेष कार्य कृष्णा पुष्करम तक पूरे किए जाएंगे। पहले चरण के तहत गोदावरी घाट के विस्तार पर 75 करोड़ रुपये, मंदिर परिसर के विस्तार और बुनियादी ढांचे के विकास पर 180 करोड़ रुपये तथा आसपास के क्षेत्रों के विकास पर 96 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इन कार्यों के लिए 25 मार्च को प्रशासनिक स्वीकृति जारी की गई है। कुल मिलाकर मंदिर और शहर के पुनर्विकास पर 586 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। दूसरे चरण में 108 करोड़ रुपये की लागत से कपा रामलक्ष्मीम्मा की भूमि पर विकास कार्य होंगे, जबकि तीसरे चरण में भद्राचलम शहर के विकास पर 127 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे।

पामापुरम में श्रीराम नवमी उत्सव में धार्मिक सद्भाव की झलक

अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों ने कार्यक्रम में विशेष सेवा दी

हैदराबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के वनपर्ती जिले के कोत्ताकोटा मंडल स्थित पामापुरम गांव में श्रीराम नवमी उत्सव के अवसर पर धार्मिक सद्भाव का सुंदर उदाहरण देखने को मिला। गांव के भक्तांजनेय मंदिर में आयोजित इस कार्यक्रम में सिता माता-रामैया तलांब्रालु (पवित्र चावल आदान-प्रदान) समारोह बड़ी धूमधाम और भव्यता के साथ मनाया गया। कार्यक्रम में मंडल अल्पसंख्यक समिति के पूर्व सह-नियुक्त सदस्य अल्लाबाशा, डॉ. अल्लिपिर और गांव के अन्य निवासी उत्साहपूर्वक शामिल हुए, जिससे धार्मिक सद्भाव की भावना प्रकट हुई। अल्लाबाशा ने श्रद्धालुओं से चादिविंपुलु (धार्मिक दान) एकत्र करने में सक्रिय भूमिका निभाई और प्रभा (शोभायात्रा) कार्यक्रम में विशेष सेवा दी। उन्होंने श्री रामचंद्र और सिता माता का दिव्य विवाह समारोह के समापन तक श्रद्धालुओं

की देखभाल और सेवा की। गांव के युवा वाराणसी सुधाकर और अन्य नागरिकों ने अल्लाबाशा तथा डॉ. अल्लिपिर की इस समर्पित सेवा और धार्मिक सद्भाव की भावना की सराहना करते हुए उन्हें शॉल और विशेष उपहार प्रदान कर सम्मानित किया। सुधाकर ने कहा कि उनके गांव में किसी जाति या धर्म के भेदभाव के बिना त्योहारों का उत्सव मनाना अत्यंत प्रसन्नता का विषय है। अल्लाबाशा ने सभी से एक-दूसरे के धर्म का सम्मान करने का आग्रह किया और कहा कि बिना किसी धार्मिक या जातिगत विरोधभाव के त्योहारों का आनंद लेना अद्वितीय सुख प्रदान करता है। इस अवसर पर गोला रामचंद्रैया, उप-सरपंच श्रीनिवासुलु, पूर्व एमपीटीसी बासा उमा महेश्वर रेड्डी, अय्यापु रेड्डी सहित अन्य लोग भी उपस्थित रहे।

तेलंगाना में कैंसर का खतरा बढ़ा : स्क्रीनिंग की कमी बनी बड़ी वजह

हैदराबाद, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना में कैंसर के मामलों का देर से पता चलना एक गंभीर चिंता का विषय बनता जा रहा है। मामलों में लगातार बढ़ोतरी हो रही है, जबकि स्क्रीनिंग दर बेहद कम है, जिससे बीमारी का पता देर से चल रहा है और इलाज कठिन हो रहा है। निज़ाम्स इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज में शुक्रवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार, पुरुषों में मुख कैंसर सबसे आम है, लेकिन केवल 2.6 प्रतिशत पुरुषों ने ही इसकी जांच करवाई है। वहीं महिलाओं में स्तन कैंसर सबसे ज्यादा पाया जाता है, जबकि केवल 0.3 प्रतिशत महिलाओं ने ही स्तन जांच करवाई है। इसके अलावा केवल 3.3 प्रतिशत महिलाओं ने गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की जांच करवाई है।

रिपोर्ट, जिसे आईसीएमआर-नेशनल सेंटर फॉर डिजीज इन्फॉर्मेटिक्स एंड रिसर्च ने जारी किया, बताती है कि 30 से 49 वर्ष के आयु वर्ग में स्क्रीनिंग लगभग न के बराबर है। इसी कारण अधिकतर मामलों का पता तब चलता है जब कैंसर शरीर में फैल चुका होता है। आंकड़ों के अनुसार, 55 प्रतिशत पुरुषों और 62 प्रतिशत महिलाओं में कैंसर का पता चौथे चरण में चलता है। तंबाकू सेवन अभी भी कैंसर का सबसे बड़ा कारण है, जो पुरुषों में 58.8 प्रतिशत और महिलाओं में 29.7 प्रतिशत मामलों के लिए जिम्मेदार है। रिपोर्ट में अनुमान लगाया गया है कि वर्ष 2026 में राज्य में महिलाओं में 25,510 और पुरुषों में 21,252 नए कैंसर मामले सामने आ सकते हैं। वहीं बच्चों और किशोरों में भी 1,199 नए मामलों की आशंका जताई गई है। एनआईएमएस के निदेशक प्रोफेसर नागरी भीरप्पा ने कहा कि कैंसर के बढ़ते खतरे को देखते हुए शीघ्र जांच, जागरूकता और सस्ती उपचार सुविधाओं को मजबूत करने की आवश्यकता है। वहीं एमएनजे कैंसर अस्पताल के निदेशक डॉ. सदाशिवुडु गुंडेती ने कहा कि स्वस्थ जीवनशैली, नियमित जांच और स्क्रीनिंग कार्यक्रम कैंसर की रोकथाम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

ड्यूटी विवाद में एएनएम ने किया आत्महत्या का प्रयास

मेदक, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। वेलुदुरथी के एक प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में शुक्रवार को एक एएनएम ने आत्महत्या का प्रयास किया। जानकारी के अनुसार, एएनएम रजनी ने मेटफॉर्मिन 500 मिलीग्राम की चार गोलियां खा लीं। बताया जा रहा है कि यह कदम उन्होंने तब उठाया जब उच्च अधिकारियों ने उन्हें मसाइपेट स्थित एक स्वास्थ्य उपकेंद्र में ड्यूटी करने के निर्देश दिए। रजनी ने डॉक्टरों और स्टाफ पर उत्पीड़न का आरोप लगाया है। घटना के बाद उन्हें मेदक के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

ओंटिमिट्टा में श्री सीताराम कल्याण हेतु तलांब्रालु की तैयारी शुरू

कल्याणोत्सव में तलांब्रालु का विशेष महत्व

तिरुपति, 27 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। श्रीराम नवमी ब्रह्मोत्सवों के अवसर पर 1 अप्रैल को आयोजित होने वाले श्री सीताराम कल्याणोत्सव के लिए तिरुमला तिरुपति देवस्थानम ने ओंटिमिट्टा स्थित श्री कोदंडरामस्वामी मंदिर में शुक्रवार को शास्त्रोक्त विधि से तलांब्रालु पैकिंग कार्य प्रारंभ किया। श्री कोदंडरामस्वामी ब्रह्मोत्सवों के अंतर्गत होने वाले इस दिव्य कल्याणोत्सव में तलांब्रालु का विशेष महत्व होता है। इस कार्यक्रम की शुरूआत मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना के साथ की गई, जिसके बाद शोभायात्रा के रूप में सामग्री को कल्याण मंडप तक लाया गया। श्री सीताराम कल्याण के लिए आवश्यक तलांब्रालु तैयार करने हेतु 25 मार्च को हल्दी पीसने का कार्यक्रम भी संपन्न हुआ था। वर्तमान में हॉल में चावल, हल्दी और घी मिलाकर तलांब्रालु तैयार किए जा रहे हैं। साथ ही इनमें मोती और कंकण रखकर लगभग 1.60 लाख पैकेट तैयार किए जा रहे हैं। कडप्पा और अन्नमय्या जिलों से आए करीब 600 'श्रीवारी सेवक' इस सेवा कार्य में भाग लेकर तलांब्रालु पैकेट तैयार कर रहे हैं। इस कार्यक्रम में डिप्टी ईओ श्रीमती प्रशांति, शिवप्रसाद सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

श्रीराम नवमी उत्सवों के अंतर्गत उत्सव मूर्तियों का स्नान संपन्न

श्रीराम नवमी उत्सवों के अंतर्गत शुक्रवार को तिरुमला स्थित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर में श्री सीता, लक्ष्मण एवं अंजनेय समेता श्री रामचंद्र स्वामी की उत्सव मूर्तियों को पवित्र स्नान (स्नपन तिरुमंजनम्) अर्पित किया गया। यह धार्मिक अनुष्ठान रंगनायकुला मंडपम में विशेष रूप से सजाए गए मंच पर संपन्न हुआ, जहां उत्सव मूर्तियों को विराजमान कर वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच अभिषेक किया गया। इस पवित्र स्नान में विभिन्न सुगंधित द्रव्यों और पवित्र जल का उपयोग कर विधिपूर्वक पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर तिरुमला श्री पेद्दा जियर स्वामी, रविचंद्र (टीटीडी ईओ), सीएच वेंकैया चौधरी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.